इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) का विशेष अध्ययन केन्द्र

ज्ञान महाविद्यालय आगरा रोड, अलीगढ़

इग्नू के RSD Notification No. : 00371G/RSD/Estt./LSC/Notification/2014/ 2960 Dated 8 Dec., 2014 के द्वारा ज्ञान महाविद्यालय, अलीगढ़ {कोड नं. 47036 (डी)} में निम्नांकित कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए विशेष अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गई है :

क्रमांक	कार्यक्रम	प्रवेश हेतु न्यूनतम शैक्षिक योग्यता	अवधि
1.	बैचलर ऑफ प्रोपेटरी प्रोग्राम	औपचारिक शिक्षा आवश्यक नहीं, न्यूनतम आयु 18 वर्ष	6 माह
2.	मास्टर ऑफ आर्टस इन सोशियोलॉजी	स्नातक	2 वर्ष
3.	मास्टर ऑफ आर्टस इन इकोनोमिक्स	स्नातक	2 वर्ष
4.	मास्टर ऑफ आर्टस इन रूरल डेवलपमेंट	स्नातक	2 वर्ष
5.	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रूरल डेवलपमेंट	स्नातक	1 वर्ष
6.	डिप्लोमा इन बिजनेस प्रोसेसिंग आउटसोर्सिंग फाइनेंस एण्ड एकाउण्टिंग	अंग्रेजी विषय सहित कम से कम 50 प्रतिशत प्राप्तांकों से 12वीं पास	1 वर्ष
7.	सर्टीफिकेट इन रूरल डेवलपमेंट	स्नातक	6 माह
8.	सर्टीफिकेट इन टीचिंग इन इंग्लिश	स्नातक या 10+2 (2 वर्ष के अध्यापन अनुभव सहित)	6 माह
9.	सर्टिफिकेट इन एनवायरमेंटल स्टडीज	10+2	6 माह
10.	सर्टिफिकेट इन गाइडेन्स	मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं के अध्यापक या मैट्रिकलेशन/एस.एस.सी. उत्तीर्ण या इग्नू से बी.पी.पी.	6 माह

उपर्युक्त कार्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक व्यक्ति विशेष अध्ययन केन्द्र के समन्वयक **श्री आर. के. शर्मा** (विभागाध्यक्ष बी.टी.सी.) ज्ञान महाविद्यालय, मो. 9219419405 आगरा रोड, अलीगढ़ पर सम्पर्क कर सकते हैं।

मोबाइल : 9837574326 (श्री आर. के. शर्मा), **मोबाइल** ...

Scanned by CamScanner

ज्ञान पुष्प

सप्तम अंक

2015-16

संरक्षक
डॉ. वाई.के. गुप्ता
(प्राचार्य)

मुख्य सम्पादक
डॉ. ललित उपाध्याय

सह सम्पादक
डॉ. हीरेश गोयल
श्री आर.के. शर्मा
श्रीमती शिवानी सारस्वत
डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह

परामर्श दाता
श्री मनोज यादव
डॉ. रत्न प्रकाश
डॉ. रेखा शर्मा
श्रीमती आभाकृष्ण जौहरी

ज्ञान महाविद्यालय, अलीगढ़

(डा. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा से सम्बद्ध)

Mobile : 9219419405

E-mail : gyanmv@gmail.com Website : www.gyanmahavidhyalaya.com

Scanned by CamScanner

अविरल प्रेरणा के स्त्रोत

संस्थापक

स्व. डॉ. ज्ञानेन्द्र जी गोयल

22.09.1923 - 11.06.2002

समाज सेविका

स्व. श्रीमती स्वराज्य लताजी गोयल

22.09.1927 - 20.10.2011

भाव प्रवण स्मरण

ज्ञान का अर्जन करें सब मिलकर यहां पंछी एक डाल के
ज्ञान का स्वर्णिम दीप जलाकर पुलकित किया ये वन
सदा चमकता रहे चाँद-तारों सा यह मधुवन
हम सब उनका करें बार-बार वन्दन-अभिनन्दन
आओ मिलके दें श्रद्धांजलि और करें शत्-शत् नमन।

हमें अज्ञान का अंधेरा कभी भी न घेरे
यहां ज्ञान की ऋतु बसंत सा खूब रंग बिखेरे
कोयल भंवरे तितली गुंजन करें शाम-सवेरे
मोर पपीहा पेड़ों की छाँव में करते रहें सदा क्रन्दन
हम सब उनका करें बार-बार वन्दन-अभिनन्दन
आओ मिलके दें श्रद्धांजलि और करें शत्-शत् नमन॥

प्रातः स्मरणीय, वन्दनीय, पूज्यनीय गोयल साहब एवं उनकी धर्मपत्नी को शत्-शत् नमन्।

डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह

Scanned by CamScanner

वाणी वन्दना

भावों को शब्द-दान दे दो,
वन्दना तभी लिख पायेगी।
भाषा के इस नन्दन वन में,
कविता निज रूप सजायेगी॥

कवि तो तेरा आराधक है,
तेरी महिमा को गाता है।
वीणा की धुन के रागों पर,
छन्दों के भाग्य जगाता है॥

गीतों पर चरण थिरकते हैं,
जग उत्सव तभी मनाता है।
मन का मयूर नर्तन करके,
नयनों में स्वप्न सजाता है॥

तेरे उस ज्ञान-सिन्धु का जल,
आचमन रूप में मिल जाये।
तेरी आभा से चिन्तन का,
शतदल क्षण भर में खिल जाये॥

Scanned by CamScanner

ज्ञान पुष्प : 2015-2016

शुभ संदेश

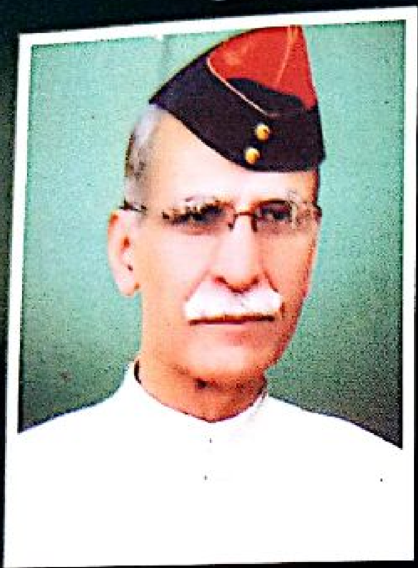

जमीर उद्दीन शाह
कुलपति
अ.मु.वि. अलीगढ़

ALIGARH MUSLIM UNIVERSITY
Aligarh - 202 002, U.P., India.

LT. GEN. ZAMEER UDDIN SHAH (RETD)
PVSM, SM, VSM
Former Deputy Chief of Army Staff &
Member, Armed Forces Tribunal
Vice-Chancellor

Phone: (Off) +91-571-2700994/2702167
(Res) +91-571-2700173
Fax: (Off) +91-571-2702607
(Res) +91-571-2700087
Email: vcamu@amu.ac.in

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि ज्ञान महाविद्यालय, अलीगढ़ गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी अपनी वार्षिक पत्रिका "ज्ञान पुष्प" प्रकाशित कर रहा है।

इस तरह की पत्रिकाओं के प्रकाशन से छात्रों में लेखन कला का विकास होता है। जन सूचना क्रांति के इस युग में पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार की अपार सम्भावनायें हैं। साथ ही छात्रों को अपने विचार प्रकट करने का भी अवसर प्राप्त होता है।

इस पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिये मेरी शुभकामनायें सम्पादक मंडल के साथ हैं।

जमीर शाह
21/1/16.

जमीर उद्दीन शाह

Scanned by CamScanner

शुभकामना संदेश

डॉ. सुरजीत पाबला
कुलपति
मंगलायतन विश्वविद्यालय

Brig.(Dr.) Surjit Pabla
Vice Chancellor

MANGALAYATAN
UNIVERSITY

Mobile No.+919690275275
E-mail:surjitpabla@mangalayatan.edu.in
vc@mangalayatan.edu.in

महोदय,

मुझे यह जानकर अत्यधिक हर्ष की अनुभूति हो रही है कि ज्ञान महाविद्यालय, आगरा रोड, अलीगढ़ की वार्षिक पत्रिका 'ज्ञान पुष्प' के वर्ष 2015-16 संस्करण का प्रकाशन किया जा रहा है। इस अवसर पर मैं मंगलायतन विश्वविद्यालय परिवार की ओर से महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

वार्षिक पत्रिका महाविद्यालय से जुड़े सभी वर्गों की रचनात्मकता और अभिव्यक्ति के संप्रेषण का सशक्त माध्यम है। इसके माध्यम से महाविद्यालय की विविधता परिलक्षित होती है। आशा है कि 'ज्ञान पुष्प' का नवीन अंक भी महाविद्यालय की उपलब्धियों और नए वर्ष के नूतन लक्ष्यों को परिभाषित करने में उपयोगी सिद्ध होगा।

मैं एक बार पुनः ज्ञान पुष्प के संपादकीय विभाग से जुड़े शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों को शुभकामनाएँ देता हूँ और उनके प्रयासों की सफलता की कामना करता हूँ।

धन्यवाद।

भवदीय,

डॉ. सुरजीत पाबला

Scanned by CamScanner

इग्नू
जन–जन का
विश्वविद्यालय

ignou
THE PEOPLE'S
UNIVERSITY

शुभ संदेश

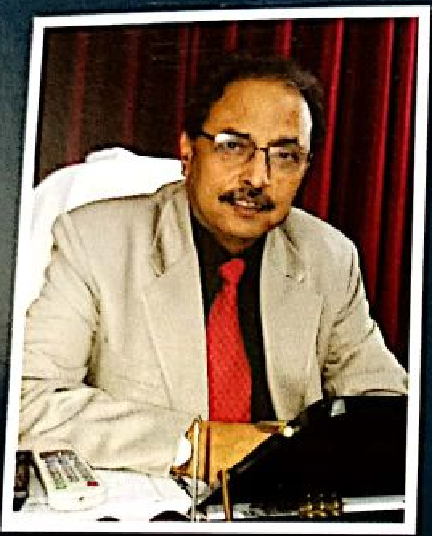

डॉ. अमित चतुर्वेदी
क्षेत्रीय निदेशक

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि "ज्ञान महाविद्यालय', अलीगढ़ (उ.प्र.) के द्वारा समाज में उच्च शिक्षा, कौशल विकास शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा एवं विशेष रूप से महिला शिक्षा एवं महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में एक अतुलनीय कार्य किया जा रहा है। ज्ञान महाविद्यालय, अलीगढ़ की वार्षिक पत्रिका, 'ज्ञान पुष्प' के 2015-16 के प्रकाशन के लिए मैं हृदय से आपको अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित कर रहा हूँ और मुझे उम्मीद है कि वार्षिक पत्रिका के 2015-16 के प्रकाशन से पाठकों का ज्ञानवर्धन होगा और विशेषकर विद्यार्थियों के लेखन कला के विकास के लिए प्रेरणादायी होगा। ज्ञान महाविद्यालय, अलीगढ़ न केवल छात्राओं के लिए वरन् छात्रों के लिए भी 'दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा' के माध्यम से यथोचित शिक्षा उपलब्ध कराने में भी अग्रणी एवं सकारात्मक भूमिका निभा रहा है।

मैं इस अवसर पर ज्ञान महाविद्यालय, अलीगढ़ (उ.प्र.) द्वारा प्रकाशित 'ज्ञान पुष्प' के 2015-16 के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कर रहा हूँ।

पहुँची शिक्षा आपके द्वार,
पढ़ें लिखें और बनें खुशहाल ....

आपका शुभेच्छु

(डॉ. अमित चतुर्वेदी)

Scanned by CamScanner

हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती आशा देवी
अध्यक्षा
ज्ञान महाविद्यालय सोसाइटी

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि हमारा महाविद्यालय अपनी वार्षिक पत्रिका "ज्ञान पुष्प" 2015-16 का प्रकाशन कर रहा है। अध्यक्षा होने के नाते मुझे बीच-बीच में महाविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों तथा विद्यार्थियों से मिलने का अवसर प्राप्त होता है। महाविद्यालय मेधावी तथा जरूरतमंद विद्यार्थियों को विशेष सहयोग दे रहा है तथा गोद लिए गये निकटवर्ती 14 गाँवों के विद्यार्थियों को विशेष सहायता देकर लाभान्वित कर रहा है, इस प्रकार के सहयोग से छात्रों के साथ-साथ छात्रायें विशेष रूप से लाभान्वित हो रही हैं। सभी विद्यार्थी अपने-अपने MENTOR (प्राध्यापक) के माध्यम से अपनी समस्याओं का समाधान करते हैं। राष्ट्रीय साहसिक शिविर में भाग लेकर महाविद्यालय के एन. एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी तथा एन.एस.एस. के स्वेच्छासेवियों ने महाविद्यालय का मान बढ़ाया है। मुझे विश्वास है कि महाविद्यालय परिवार के सदस्य महाविद्यालय के संस्थापक डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल के दिखाये पथ पर चलकर लोकहित के कार्य करते रहेंगे। मैं वार्षिक पत्रिका के वर्तमान अंक की सफलता की हार्दिक मंगल कामना करती हूँ।

श्रीमती आशादेवी
अध्यक्षा

Scanned by CamScanner

ज्ञान पुष्प : 2015-2016

हार्दिक शुभकामनाएं

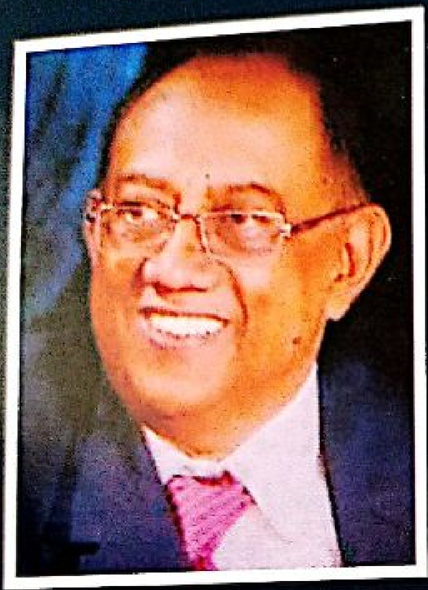

दीपक गोयल
चेयरमेन
ज्ञान महाविद्यालय सोसाइटी

अत्यन्त प्रफुल्लता की बात है कि महाविद्यालय अपनी वार्षिक पत्रिका "ज्ञान पुष्प" 2015-16 का प्रकाशन सातवें पुष्प के रूप में करने जा रहा है। पत्रिका के स्तर में हो रहे लगातार सुधार से मन मुग्ध है। पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थी तथा प्राध्यापकों को कुछ नया सृजित करने का अवसर प्राप्त होता है।

गौरव की बात है कि इस सत्र में अनेक प्राध्यापकों ने विभिन्न विषयों की राष्ट्रीय संगोष्ठियों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत कर अपनी शोध क्षमता का विकास किया है। महाविद्यालय स्थित इग्नू के विशेष अध्ययन केन्द्र तथा महाविद्यालय द्वारा संचालित सी.सी.सी. कार्यक्रम से भी अनेक लोग लाभान्वित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का कार्यान्वयन भी महाविद्यालय में शीघ्र किया जाना है। इस वर्ष महाविद्यालय तथा सहयोगी संस्थान ज्ञान आई.टी.आई. के 45 विद्यार्थियों का चयन विभिन्न सेवाओं के लिए हुआ है, यह हमारे लिए गर्व एवं हर्ष का क्षण है।

महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गये 14 गाँवों में एक गाँव - पड़ियावली को भारत पैट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा "धूम्र रहित गाँव" बनाने की भी योजना है। कुल मिलाकर प्राचार्य, प्राध्यापक, शिक्षणेत्तर वर्ग तथा प्रबन्ध समिति के सूझबूझ पूर्ण प्रयासों से महाविद्यालय अपने संस्थापक डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल जी के आदर्शों पर चलने के लिए कटिबद्ध है। महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका "ज्ञान-पुष्प" के वर्तमान अंक की सफलता के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

दीपक गोयल
चेयरमेन

Scanned by CamScanner

प्राचार्य की डेस्क से

डॉ. वाई. के. गुप्ता
प्राचार्य
ज्ञान महाविद्यालय, अलीगढ़

सुधी पाठक वृन्द

'स्वच्छ भारत' अभियान के अन्तर्गत ज्ञान महाविद्यालय ने कई सफाई अभियानों में सहयोग किया। स्वस्थ भारत हेतु समय-समय पर रक्त-दान एवं स्वास्थ्य जाँच शिविर तथा महाविद्यालय में डाक्टरों की टीम बुलाकर सभी का स्वास्थ्य परीक्षण कराना। 'समृद्ध भारत' अभियान के अन्तर्गत 'चलाये जा रहे 'मेक इन इण्डिया, स्टार्ट अप इण्डिया'' कार्यक्रमों की सफलता हेतु ज्ञान महाविद्यालय में ज्ञान आई. टी.आई., इग्नू अध्ययन केन्द्र एवं CCC पाठ्यक्रम हैं।

ज्ञान महाविद्यालय के स्वर्णिम इतिहास में एक सुनहरा पृष्ठ 'ज्ञान पुष्प' सातवें अंक के रूप में और जुड़ा। वैसे तो महाविद्यालय अपने गौरवमयी इतिहास, जागरूक वर्तमान के साथ उज्ज्वलतम भविष्य के सुनहरे कल की ओर लगातार अग्रसरित है। गाँवों को गोद लेना, प्रतिवर्ष बढ़ती छात्र संख्या, बेहतर होता परीक्षा परिणाम और सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से महाविद्यालय नित नये-नये आयाम खड़े कर रहा है। इसकी प्रगति देख मेरा रोम-रोम रोमांचित हो उठता है क्योंकि महाविद्यालय की प्रगति में मेरे साथ कदम से कदम मिलाये डा. गौतम गोयल जी एवं प्रबन्धक मनोज यादव सदैव ही मेरे समीप रहते हैं।

हमारे पूर्वजों का कथन है कि मनुष्य होना भाग्य की बात है और शिक्षक होना परम सौभाग्य की बात है। शिक्षक की सफलता छात्रों को प्रेरित और उत्साहित कर उन्हें जीने की कला में पारंगत बनाने में है। मुझे यह कहते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि हमारे शिक्षक बहुत ऊर्जावान, क्षमतावान तथा विद्वान हैं और वे सभी अपने-अपने दायित्वों का पूर्ण जिम्मेदारी, लगन एवं उत्साह से सम्पन्न कर महाविद्यालय को नई ऊँचाइयों पर ले जाने को कृत संकल्पित हैं।

महाविद्यालय की प्रबन्ध कारिणी समिति की अध्यक्षा आदरणीया श्रीमती आशा देवी एवं सुयोग्य और भावनाशील सचिव आदरणीय श्री दीपक गोयल जी का आभार प्रकट करना मैं अपना दायित्व समझता हूँ, जिनके कुशल निर्देशन एवं अमूल्य सहयोग से हम महाविद्यालय की प्रगति हेतु कार्य करने में सक्षम हुए हैं।

महाविद्यालय की प्रगति में प्रबन्ध तंत्र के साथ शिक्षकों एवं स्टाफ का विगत अनेक वर्षों से अतुलनीय सहयोग मिल रहा है, जिसके लिए मैं सभी को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

वाई. के. गुप्ता

Scanned by CamScanner

सम्पादकीय

डॉ. ललित उपाध्याय
मुख्य सम्पादक 'ज्ञान पुष्प'
ज्ञान महाविद्यालय, अलीगढ़

वार्षिक पत्रिका **'ज्ञान पुष्प'** के सातवें अंक के मुख्य सम्पादक के रूप में लगातार तीसरी बार उत्तरदायित्व मेरे लिए अतिशय रोमांच का क्षण है।

प्रतिवर्ष नए प्रतिमानों, नई सोच और नव लेखन से छात्र-छात्राओं को उत्प्रेरित कर विकास के नवीन पथ पर बढ़ने का मार्ग दिखाती 'ज्ञान पुष्प' पत्रिका, महाविद्यालय के कुशल प्रबंध तंत्र की दूर-दृष्टि का आभास कराती है।

अभिलाषा जीवन का आधार, जिजीविषा का प्राण और जीवन के आँगन का ज्योति स्तम्भ है। अभिलाषी होने पर ही हम दृढ़ संकल्प ले पाते हैं। इसलिए छात्रों को दृढ़ निश्चय और अपूर्व साहस के लिए आशावादी विचार रखने चाहिए। 'ज्ञान पुष्प' पत्रिका विद्यार्थियों में 'लक्ष्य' और 'दूर-दृष्टि' के द्वारा आशावादी सकारात्मक नजरिए को समाहित किए हुए है।

'ज्ञान पुष्प' के इस सप्तम अंक को आकार प्रदान करने में महाविद्यालय प्रबन्ध तंत्र की अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी जी, सचिव श्री दीपक गोयल जी, निदेशक ज्ञान आई.टी.आई. डॉ. गौतम गोयल जी, प्रबन्धन की श्रीमती रितिका गोयल जी, संरक्षक व प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता जी, प्रबंधक श्री मनोज यादव जी आदि सभी का परामर्श व दिशा निर्देश मेरे लिए बहुत ही उपयोगी एवं उत्साहजनक रहा है। सम्पादन में विशेष सहयोग हेतु श्री विजय प्रकाश नवमान जी का भी मैं आभार व्यक्त करता हूँ।

पत्रिका के सम्पादक मंडल के समस्त सदस्यों, सभी विभागों के विभागाध्यक्षों, विभिन्न समितियों के प्रभारियों, विद्यार्थियों एव शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का अमूल्य सहयोग मेरे लिए चिर स्मरणीय रहेगा, इसके लिए मैं सभी का हृदय से आभारी हूँ। साथ ही उन सभी महानुभावों के प्रति भी मैं कृतज्ञ हूँ, जिन्होंने परोक्ष व अपरोक्ष रूप से जुड़कर इस महत्वपूर्ण कार्य को परिणाम तक पहुँचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

'ज्ञान पुष्प' पत्रिका के माध्यम से अपने विद्यार्थियों से यही कहना चाहूँगा कि कठिन से कठिन कार्य करने के लिए पहला कदम हिम्मत, दृढ़-संकल्प, निरन्तर-प्रयास और बुद्धि-विवेक से अपने लक्ष्य के प्रति पूर्ण निष्ठा के साथ आगे बढ़ना ही सफल मानव की पहचान है। कवि ने सही कहा है -

"लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती"

'ज्ञान पुष्प' का यह अंक आपके समक्ष प्रस्तुत है, जिसमें गुरुजनों के गम्भीर विषयों पर लिखे निबन्ध हैं, तो नन्हें लेखकों के दुधमुँहे प्रयास हैं। अपनी कथ्य और शैली किसे अच्छी नहीं लगती।

"निज कवित्त केहि लाग न नीका। सरस होय अथवा अति फीका।।"

लेकिन नीर-क्षीर विवेकी पाठकों की कंचन कसौटी पर यह खरा उतरे, तभी इस अंक की सफलता सुनिश्चित हो सकेगी।

डॉ. ललित उपाध्याय मुख्य सम्पादक

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

ज्ञान पुष्प–2015–16
विषय अनुक्रम

गद्य

क्रमांक	शीर्षक	लेखक का नाम	पृष्ठ सं.
1.	बाबूजी अब तो समय बदल गया है।	सचिन कुमार (बी. एड.)	1
2.	मन शांत रखने के 10 सूत्र	प्रमोद कुमार उपाध्याय (बी. कॉम. द्वितीय वर्ष)	3
3.	डर असफलता का मूल कारण है	श्री रवि कुमार (प्रयक्ता, बी.टी.सी. विभाग)	4
4.	हमारी सबसे अच्छी मित्र	कु. रेनू गौतम (बी. एड .)	4
5.	बेचारी माँ	राजेश कुमार (बी. एस–सी. प्रथम वर्ष)	5
6	अहंकार का परिणाम	दीपक कुमार (बी. कॉम. तृतीय वर्ष)	5
7.	पुस्तकालय का महत्व	श्री वीरेन्द्र सिंह पुस्तकालयाध्यक्ष	6
8.	विश्व में बढ़ता आतंकवाद	शिवा कुमार (बी. एस–सी. प्रथम वर्ष)	6
9.	दिल की खुशी	अन्जुला कुमारी (बी. ए. द्वितीय वर्ष)	7
10.	एच.आई.वी./एड्स: जानकारी ही बचाव है	डॉ. ललित उपाध्याय (असि. प्रोफे. समाजशास्त्र)	8
11.	कैसे हासिल करें: जो आप चाहें	कु. पूनम कुमारी (बी. एड.)	11
12.	पुस्तकालय – ज्ञान का भण्डार	श्रीमती नीलम पुण्ढीर (सहायक पुस्तकालयाध्यक्षा)	11
13.	जल प्रदूषण	जयदीप सिंह (बी. एड.)	12
14.	सुगन्धों से मन को प्रफुल्लित करें.........	डॉ. विवेक मिश्र (प्रभारी, कला संकाय)	13
15.	स्वर्ग की सीढ़ी	पुष्पेन्द्र कुमार शर्मा (बी.कॉम. तृतीय वर्ष)	14
16.	दृढ़ निश्चय सफलता की सीढ़ी है	कु. रेनू गौतम (बी. एड.)	15
17.	आचरण से सज्जनता की पहचान	कु. रेनू गौतम (बी. एड.)	15
18.	रोचक तथ्य	हिरदेश कुमार (बी. काम. प्रथम वर्ष)	15
19.	मिसाइल मैन : डा. अब्दुल कलाम को भावभीनी श्रद्धांजलि	पुष्पेन्द्र कुमार (बी. एड.)	16
20.	जीवन एक संघर्ष	हेमन्त कुमार (बी. एड.)	18
21.	मूल्यों की पतनशीलता व लोक गीत	डा. बीना अग्रवाल (प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग)	19
22.	क्या आप भी भगवान पर हँसते हैं ?	आकाश गुप्ता (बी. कॉम. तृतीय वर्ष)	20
23.	फेरीवाला स्वप्न विक्रेता	कु. मेघा पालीवाल (बी.एस–सी. प्रथम वर्ष)	20
24.	भारत एवं विश्व का भौगोलिक वर्णन	विजय लक्ष्मी गुप्ता (बी.ए. द्वितीय वर्ष)	21
25.	सच्चा साथी कौन ?	सवरब कुमार (बी.कॉम. तृतीय वर्ष)	21
26.	कड़वा सत्य	निशान्त पण्डित (अनुदेशक, प्रथम सेमेस्टर)	22
27.	सबसे कीमती चीज	श्री त्रिवेदी कुमार (अनुदेशक, इलैक्ट्रीशियन)	22

Scanned by CamScanner

क्रमांक	शीर्षक	लेखक का नाम	पृष्ट सं.
28.	दलित वर्ष में व्याप्त गरीबी से संबंधित कारणों का विश्लेषण	डॉ. योगेश कुमार गुप्ता (प्राचार्य) डॉ. रत्न प्रकाश (प्राध्यापक, अर्थशास्त्र)	23
29.	पुत्र हो तो ऐसा	श्री कृष्ण अवतार (इलैक्ट्रीशियन, प्रथम सत्र)	27
30.	ये अन्तर क्यों ?	रश्मि सारस्वत (बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष)	27
31.	अद्भुत संयोग	श्री रामबाबू लाल (कार्यशाला–अधीक्षक)	28
32.	चट्टान की तरह बनो	गौरव कुमार (बी.एस–सी. तृतीय वर्ष)	28
33.	सौ–दवा, एक दुआ, माँ–बाप की दुआ	पवन कुमार (बी.कॉम. तृतीय वर्ष)	29
34.	समाज सामाजिक परिवर्तन का दर्पण है	श्री आर. के. शर्मा (विभागाध्यक्ष, बी.टी.सी.)	30
	पद्य		
1.	स्वाभिमान	अमन वार्ष्णेय (बी.कॉम. तृतीय वर्ष)	31
2.	जीवन क्या है ?	नीतू कुमारी (बी.टी.सी.)	32
3.	बंद करो, कन्या भ्रूण हत्या	प्रिंस सक्सैना (बी. कॉम. प्रथम वर्ष)	32
4.	चिंता	तरून सोलंकी (बी. कॉम प्रथम वर्ष)	33
5.	गुरू का महत्व	सुशील शर्मा (बी. कॉम प्रथम वर्ष)	33
6.	बेटी की चिट्ठी	लोकेश वार्ष्णेय (बी. कॉम. द्वितीय वर्ष)	34
7.	गज़ल	संगीता कुमारी (बी. ए. द्वितीय वर्ष)	34
8.	अरमान	कुलभूषण सिंह, (फिटर आई.टी.आई.)	35
9.	क्या–क्या नहीं बिकता है	सुखवीर सिंह (बी.ए. तृतीय वर्ष)	35
10.	बारहमासी	अरूण कुमार (बी. ए. प्रथम वर्ष)	36
11.	जीवन का सत्य	अमित कुमार (इलैक्ट्रीशियन आई.टी.आई.)	36
12.	विद्यालय, शिक्षक का सम्मान	कविता शर्मा (बी.ए. तृतीय वर्ष)	37
13.	क्षणिकाएं	कु. ललिता (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष)	37
14.	तीन बरस जीवन के यारो फिर वापस....	सुमित उपाध्याय (बी.कॉम. तृतीय वर्ष)	38
15.	प्रकृति ही जीवन है	श्री महेन्द्र कुमार माथुर (अनुदेशक, ज्ञान आई.टी.आई.)	38
16.	आने दो जग में	प्रीति (बी. एड .)	39
17.	बी. एड . संकाय के जिम्मेदार सदस्य	कविता राजपूत (बी. एड .)	39
18.	परम्परागत बेटियाँ	कविता राजपूत (बी. एड .)	40
19.	ज्ञान भवन	कविता राजपूत व डौली (बी.एड.)	40
20.	प्रिय ससुर जी	नवनीत नागर (बी.एस–सी. तृतीय वर्ष)	41
21.	माँ का फर्ज	संचित पाठक (बी.सी.ए. द्वितीय सेमेस्टर)	41
22.	दोस्ती	विशाल कुमार (बी.ए. प्रथम वर्ष)	42
23.	बदलती जिन्दगी	तनुशंकर (बी.ए. द्वितीय वर्ष)	42
24.	कर्त्तव्य	अनिल कुमार (इलैक्ट्रीशियन ज्ञान आई. टी. आई.)	43

Scanned by CamScanner

क्रमांक	शीर्षक	लेखक का नाम	पृष्ठ सं.
25.	सरस्वती वंदना	शिवा कुमार (बी.एस-सी तृतीय वर्ष)	43
26.	बात तो यह है कि बात नहीं होती	मयंक वार्ष्णेय (बी.कॉम. तृतीय वर्ष)	44
27.	यादों के सहारे	अमन महेश्वरी (बी.कॉम. तृतीय वर्ष)	44
28.	चुटकुले, जिन्दगी	संध्या सिंह (बी.ए. द्वितीय वर्ष)	45
29.	गिरगिट क्यों है बदनाम	कल्पना शर्मा (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष)	45
30.	मन की बात, क्या दोष है हमारा	साक्षी सक्सैना (बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष)	46
31.	दीपावली	मोनी (बी.ए. प्रथम वर्ष)	46
32.	मन की आवाज	नीतू माहौर (बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष)	47
33.	जिन्दगी-एक सवाल!	महिमा शर्मा (बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष)	48
34.	आओ नया समाज बनाएँ	प्रियंका कुमारी (बी.ए. द्वितीय वर्ष)	48
35.	समर्पण	आशा कुमारी (बी.ए. द्वितीय वर्ष)	49
36.	तुम अपने आप में पूरी हो जाना	इथलेश सिंह (बी.एस-सी. तृतीय वर्ष)	49
37.	मुझे यह सब देना है, वो वीर	भानु प्रताप शर्मा (बी.ए. तृतीय वर्ष)	50
38.	जाने मेरी माँ ने मुझे कैसे पाला होगा?	जूही वार्ष्णेय (बी.एस-सी. तृतीय वर्ष)	51
39.	उद्‌बोधन	राधेश्याम (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष)	51
40.	यादें ही यादें, आओ जरा हँस लें,	मोहिनी शर्मा (बी.ए. तृतीय वर्ष)	52
41.	जिन्दगी क्या है ?	जितेन्द्र कुमार गुप्ता (बी.कॉम. तृतीय वर्ष)	53
42.	झूठी जिन्दगी, रूबरू ए-जिन्दगी	श्री रामबाबूलाल (कार्यशाला अधीक्षक)	53
43.	समर्पण	मेधा पालीवाल (बी.एस-सी. प्रथम वर्ष)	54
44.	गुरु का आशीर्वाद	विजय लक्ष्मी गुप्ता (बी.ए. द्वितीय वर्ष)	54

English Section

Sr.No.	Name of the title	Written by	Page No.
1.	Stem Cell - Life Saving	**Dr. Jyoti Singh** (Asst. Professor Zoology Deptt.)	55
2.	About the Cells	**Sachin** (B.Sc. III year)	56
3.	Time Importance	**Chandresh Sharma** (B. Com. Ist year)	56
4.	Human Trafficking	**Dr. Suhail Anvar** (Assit. Professor Botany Deptt.)	57
5.	Do You Know ? Bacteria	**Mintu Mohanto** (B. Sc. III year)	58
6.	Interesting Things	**Chandresh Sharma** (B. Com. Ist year)	58
7.	Why do We Need to ...	**Dr. Mohd. Wahid** (Asst. Prof. Geography Deptt.)	59
8.	Oh! My Dear School	**Deepesh Varshney** B. Com. 3rd year	63
9.	Knowledge	**Gaurav Prasad Agarwal** M. Com. Pre. year	63
10.	What is a Smart City?	**Dr. Mohd. Wahid** (Asst. Prof. Geography Deptt.)	64

Scanned by CamScanner

ज्ञान महाविद्यालय एक नजर में

1. महाविद्यालय का इतिहास एवं प्रगति 1
2. महाविद्यालय के विभिन्न संकायों की प्रगति रिपोर्ट ....
   - ☞ वाणिज्य संकाय 3
   - ☞ विज्ञान संकाय 3
   - ☞ कला संकाय 4
   - ☞ Deptt. of Technology 5
   - ☞ Deptt. of Management 6
   - ☞ शिक्षक शिक्षा विभाग (B.Ed.) 6
   - ☞ बी.टी.सी. विभाग 7
3. पुस्तकालय 9
4. राष्ट्रीय सेवा योजना 10
5. छात्र कल्याण समिति 12
6. अध्यापक कल्याण समिति 13
7. शोध एवं प्रकाशन समिति 13
8. अनुशासन समिति 14
9. स्वराज्य स्वावलम्बी योजना 15
10. स्वाराज्य ज्ञान योजना 15
11. अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति समिति 16
12. रोजगार सलाहकार समिति 16
13. आन्तरिक गुणवत्ता मूल्यांकन समिति 17
14. खेल विभाग 17
15. कौशल विकास कार्यक्रम 17
16. CCC 17
17. इग्नू विशेष अध्ययन केन्द्र 18
18. प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र 18
19. ज्ञान निजी आई. टी. आई. के बढ़ते कदम 19
20. इग्नू के कार्यक्रम एवं विशेषताएँ 20
21. Visitor's Views 21
22. अखबार की सुर्खियों में ज्ञान महाविद्यालय 31
23. सत्र 2015-16 में महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम : एक नजर में 45
24. श्रद्धा सुमन 54

Scanned by CamScanner

''बाबू जी, अब तो समय बदल गया है,

सचिन कुमार
बी.एड.

पंकज और राहुल घनिष्ठ मित्र हैं, दोनों एक साथ रहकर अपनी इण्टर की पढ़ाई कर रहे थे।
पंकज गाँव के एक धनी व्यक्ति का बेटा है और राहुल निर्धन परिवार का।
इण्टर की परीक्षा दोनों प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर लेते हैं।
पंकज : राहुल, इण्टर तो दोनों की अच्छे नम्बरों से पास हो गई। अब राहुल आगे क्या करने की सोच रहे हो ?
राहुल : पंकज, मैं आगे की पढ़ाई नहीं कर पाऊँगा, इच्छा तो मेरी है कि मैं आगे और पढ़ूँ।
पंकज : राहुल! समस्या क्या है, जिससे तुम आगे नहीं पढ़ सकते ?
राहुल बात को छुपाते हुए बोला - ''पंकज ! मैं माताजी-पिताजी से सलाह लेकर बताऊँगा, यार पंकज, मैं नहीं पढ़ूँ तो क्या, तुम तो आगे की अपनी पढ़ाई करो ? फिर भी मैं घर बात करूँगा ?
पंकज : राहुल की बातों का मतलब समझ रहा था कि आगे की पढ़ाई के लिए राहुल के माता-पिता के पास पैसा नहीं है, कहीं पैसे के बिना राहुल आगे की पढ़ाई से वंचित न रह जाये। पंकज के मन में अनेक प्रकार के विचार आने लगे, क्या मुझे राहुल का अच्छा मित्र होने के नाते उसकी मदद नहीं करनी चाहिए ?
पंकज :राहुल के माता-पिता से राहुल की आगे की पढ़ाई के बारे में बात करने का विचार बनाता है। राहुल अपने घर आकर माता-पिता दोनों के चरण स्पर्श करता है।
माता-पिता : जियो बेटा! खूब पढ़ो। राहुल बताओ, आगे अब क्या करने की सोच रहे हो। माता गुड्डी और पिता मोहन लाल ने भी अपने पुत्र राहुल को आगे की पढ़ाई कराने के लिए मन तो बना लिया था। दोनों के सामने सवाल पैसों का था, पैसा कहाँ से लाया जाये ?
राहुल जानता था कि पैसा हमारे पास नहीं है, जिससे आगे की पढ़ाई की जा सके।
राहुल ने कुछ अलग अन्दाज में कहा, पिताजी वो पंकज मेरा दोस्त है, वह कह रहा था कि आगे की पढ़ाई के लिए क्या सोचा है ?
पिताजी : राहुल! तुमने क्या कहा ?
राहुल : पिताजी, मैंने तो कह दिया है कि पंकज, आगे तुम ही पढ़ो। मैं नहीं पढ़ सकता कहने ही वाला था कि गुड्डी-मोहन दोनों कहने लगे, ''राहुल तुम क्यों नहीं पढ़ना चाहते हो ?''
हम भूखे-प्यासे रहकर भी हर प्रकार से तुम्हें आगे पढ़ायेंगे। यह कहते-कहते दोनों की आँखों में आँसू झलक पड़े, गला सूखने लगा।
राहुल :अपने माता-पिता की आँखों में आँसू देखकर अपनी आँखों में भी कुछ महसूस करता, उससे पहले उठकर अन्दर कमरे में चला गया।
पंकज घर के दरवाजे पर खड़ा होकर सब सुन रहा था, कि आवाज देकर बोला अरे ! राहुल !।
राहुल के माता-पिता अपने आँसुओं को पोंछते हुये बोले, अरे पंकज! अन्दर आओ, राहुल घर पर है।
पंकज दोनों के चरणों को स्पर्श कर नमस्ते कहता है।
गुड्डी-मोहनलाल :पंकज जियो बेटा, खुश रहो, खूब पढ़ो और बेटा ठीक हो!
पंकज : हाँ ठीक हूँ।

Scanned by CamScanner

राहुल : अरे पंकज! कैसे आना हुआ ?

मोहन लाल : गुड्डी पानी तो लाओ।

मोहन लाल : पंकज! बेटा बैठो !

गुड्डी : बेटा! पानी लो ।

मोहनलाल – कैसे आये ? पंकज बाबू!

पंकज : अरे अंकल जी ! मैं तो आपके बेटे जैसा हूँ आप मेरा नाम ले सकते हैं, मुझे यह सब पसन्द नहीं है।

गुड्डी-मोहन लाल: अच्छा बताओ, कैसे आना हुआ ?

पंकज : अंकलजी! मैंने सोचा कि आगे की पढ़ाई राहुल और मैं दोनों एक साथ मिलकर करें तो। मोहनलाल, 'क्यों नहीं बेटा, बिल्कुल सही कह रहे हो।'

मोहनलाल : पंकज, हमने राहुल से कह दिया है, आगे पढ़ो हम हर प्रकार से कोशिश करेंगे।

पंकज : अंकल यदि किसी प्रकार की परेशानी हो तो घर जाकर पिता जी से मिल लेना।

पंकज : अच्छा अंकल-माताजी मैं चलता हूँ नमस्ते !

गुड्डी : अरे बेटा! खाना खाकर चले जाना !

पंकज : सब आप का ही है।

गुड्डी और मोहन लाल दोनों पैसे के बारे में विचार करने लगे।

मोहन लाल : अरे गुड्डी! पंकज ने कहा था यदि कोई बात हो तो घर पर आकर बाबूजी से बात कर लेना । गुड्डी, क्यों न बाबू जी से बात करनी चाहिए, जिससे कुछ पैसा मिल जाये और राहुल को पढ़ाया जा सके। फिर कुछ दिन की तो बात है। हम बाबूजी को ब्याज सहित पैसा वापस कर देंगे।

मोहनलाल :गुड्डी, तू सुन बाबूजी के पैर छू लेना और अपनी इस धोती को अच्छे से साफ कर लेना, और सुन दूर से ही बाबूजी के हाथ जोड़ लेना! ठीक है।

गुड्डी : अच्छा यह बताओ, बाबूजी पैसा दे तो देंगे ?

मोहनलाल :अरे तू भी पागल है, जब पंकज ने कहा है, तो विश्वास करना चाहिए फिर सबको पैसा देते हैं तो हमारे लिए क्यों मना करेंगे?

गुड्डी : ठीक है, आप जैसा कहते हैं।

सभी गाँव वाले जिन्हें बाबूजी कहकर पुकारते थे। उनका सही नाम "सत्य नारायण सिंह" था।

मोहन लाल : बाबू जी नमस्ते गुड्डी की ओर इशारा करते हुए पैर छू, गुड्डी ने बाबू जी के पैरों को छूकर और हाथ जोड़कर खड़ी हो गई ।

बाबू जी: अरे मोहना ! बड़े दिनों के बाद आया! कहाँ रहता है तू, दिखाई भी नहीं देता ?

मोहन लाल : विनम्र स्वर में बाबू जी, काम मैं लगा रहता हूँ।

बाबू जी : यह कौन है मोहना ?

मोहन लाल : बाबूजी! यह राहुल की माँ है।

बाबूजी : बहू बहुत ही आचरणवान है। मोहनलाल : बाबू जी सब आपकी ही कृपा है।

बाबूजी : कैसे आना हुआ मोहना ?

मोहनलाल :बाबूजी वो छोटे बाबू जी कह रहे थे कि मैं और राहुल दोनों आगे साथ-साथ पढ़ेंगे। सोचा बाबूजी कुछ पैसा मिल जाये तो मैं अपने राहुल को आगे के लिए पढ़ा सकूँ।

बाबूजी मुस्कुराते हुये बोले, मोहना हमारा पंकज तो पागल है।

Scanned by CamScanner

बाबूजीः मोहना सुन तेरा लड़का इण्टर पास हो गया, अब तू उसे किसी काम को सीखने के लिए बोल दे। वह काम सीख जायेगा तो कुछ पैसा लायेगा और मोहना तेरी तो वैसे ही हालत बेकार है।
तू मोहना मेरी बात माने तो कल से ही उसे किसी काम पर लगा दे। मोहन ठीक है बाबूजी।
दोनों हाथ जोड़कर बाबू जी नमस्ते, नमस्ते, मैंने जो कहा, उसे करना।
दोनों घर आकर विचार करने लगे कि क्या राहुल को आगे पढ़ाया जाये । मोहन कहने लगा, गुड्डी। बाबूजी ठीक कहते हैं।
गुड्डी : क्या ठीक कहते हैं ? पैसा तो दिया नहीं, उपदेश देने लगे। नहीं पागल वह ठीक कहते हैं, राहुल यह सब छुपकर सुन रहा था। राहुल ने पंकज को बताया कि बाबूजी ने पैसा देने से मना कर दिया और मुझे किसी काम में लग जाने को बोला है।
राहुल : अब तुम्हीं बताओ पंकज, मैं क्या करूँ ?
पंकज : राहुल! मैं बाबूजी से बात करता हूँ।
पंकज : पिताजी नमस्ते, नमस्ते बेटा। पंकज! वो मोहना कह रहा था कि, हाँ पिताजी! मैंने ही आपके पास भेजा था।
हाँ पंकज, आया था, पैसे की कह रहा था। मैंने कह दिया मेरे पास पैसा इस समय नहीं है।
पंकज : पिताजी मदनलाल ने कल ही तो पैसे दिये थे।
मोहनलाल की तरह होना चाहता है, अरे तू पढ़-लिखकर आगे बढ़, उन्हें क्यों देखता है। इन्हें यहीं तक रहने दे।
पंकज : पिताजी आज समाज बदल रहा है अब सब लोग स्वतन्त्र हैं, साथ-साथ चलने से ही देश का विकास होगा ''बाबूजी अब तो समय बदल गया है।'' अपने आप को भी बदल डालो नहीं तो सोच और विकास दोनों ही स्थिर रह जायेंगे। पिताजी, शिक्षा, सोच और विकास का मार्ग तैयार करती है। एक बच्चे को अशिक्षित रहने का मतलब देश की उन्नति में बाधा और बेरोजगारी पैदा करना है। पिताजी, मैं यह सब नहीं देख सकता । ❖

मन शान्त रखने के 10 सूत्र

प्रमोद कुमार उपाध्याय
बी.कॉम (द्वितीय वर्ष)

1. किसी के काम में तब तक दखल न दें जब तक कि आपसे पूछा न जाए ।
2. माफ करना और कुछ बातों को भूलना सीखें।
3. पहचान पाने की लालसा न रखें।
4. जलन की भावना से बचें।
5. रोजाना ध्यान करें।
6. खुद को माहौल में ढालने की चेष्टा करें।
7. जो कभी बदल नहीं सकता उसे सहना सीखें।
8. उतना ही काटें जितना चबा सकें, अर्थात उतना ही काम हाथ में लें, जितना पूरा करने की क्षमता हो।
9. किसी भी काम को टालें नहीं और ऐसा कोई काम न करें जिससे बाद में आपको पछताना पड़े।
10. दिमाग को खाली न रहने दें। ❖

गर्व लक्ष्य को पाने के लिए किये गये प्रयत्न में निहित है, ना कि उसे पाने में। —महात्मा गांधी

Scanned by CamScanner

डर असफलता का मूल कारण है!

रवि कुमार
प्रवक्ता, बी.टी.सी. विभाग

दिन की शुरूआत ही यदि डर से हुई तो समझ लीजिए कि आपका पूरा दिन किसी न किसी डर में गुजरने वाला है। क्या आपको मालूम है कि ऐसा क्यों होता है? सबसे पहले तो आप यह समझ लें कि डर एक स्वाभाविक क्रिया है अर्थात् डरना मनुष्य का स्वभाव है। उसके मन से डर पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकता है क्योंकि ईश्वर के मन में इस सृष्टि की रचना ही शायद डर के कारण ही हुई होगी, ईश्वर का अस्तित्व बना रहे इसलिए मनुष्य की रचना कर दी गई हो।

आपको यह समझना जरूरी है कि इस डर पर अधिकतम विजय पायी जा सकती है क्योंकि आज से पहले जिन व्यक्तियों ने डर पर विजय पायी है, वास्तव में जीत उन्हीं को मिली है। क्योंकि वे जानते थे कि "डर के आगे जीत है" डर कोई भूत नहीं है, जिससे आप डरते हैं। डर वास्तव में आपके मन का भ्रम है, जिसके कारण आपको लगता है कि आपके साथ कुछ अनहोनी हो सकती है।

घर में माता-पिता का डर, स्कूल में परीक्षा का डर, नौकरी छूटने का डर, बेरोजगारी का डर, सड़क पार करते समय किसी दुर्घटना का डर, किसी वस्तु के खो जाने या चोरी हो जाने का डर, आग में आपकी कमाई हुई वस्तुओं के जलकर नष्ट हो जाने का डर, मँहगाई का डर तथा बलात्कार एवं हिंसा का डर इत्यादि। मजदूर को काम मिलेगा या नहीं इस बात का डर। आप परेशान हो जाते हैं। इस तरह की बातें सोच-सोचकर। यहीं तो वे नकारात्मक विचार है जिनके कारण आपके जीवन में तनाव, मतभेद एवं अनेक समस्याएँ आ रही हैं और आप समझ ही नहीं पाते कि आप क्यों उलझनों में फँसे हुए हैं।

आपको यह समझ लेना चाहिए कि सफल होने के लिए भय के इस भूत से पीछा छुड़ाना जरूरी है। आप साहस करके किसी कार्य को करते रहें जब तक कि वह कार्य पूरा न हो जाय। सफलता आपको इसी बिन्दु पर मिलती है।
"जिस कार्य से आपको डर लगता है, उस कार्य को कर दीजिए डर की मौत हो जायेगी"

सफलता के नियम –

- मन के डर को दूर भगायें, अन्यथा डर सफलता से आपको भगा देगा।
- साहस बनायें रखें, हर कार्य लक्ष्य से सम्बन्धित करें।
- महापुरूषों की जीवनियाँ पढ़ें। जीवन को चरितार्थ करें और सफलता प्राप्त करें।
- अपने व्यक्तित्व का विकास करें, तभी दूसरे व्यक्ति भी आपके साथ हुए परिवर्तन को देखकर आपके प्रति नजरिया बदलेंगे, उनके मन में आपके प्रति सम्मान कई गुना बढ़ जायेगा। ❖

हमारी सबसे अच्छी मित्र

कु. रेनू गौतम
बी.एड.

सबसे अच्छी मित्र हमारी किताबें होती हैं। जितनी इनसे बातें करो उतना ही अधिक ज्ञान देती हैं। ये किताबें ही हमें हमारी मंजिल तक पहुँचाती हैं। ये किताबें ही हमें समाज में सम्मान दिलाती हैं। क्यों न आज ही हम दृढ़ संकल्प लें, जितना भी समय मिलेगा, हम अपनी किताबों को देंगे। ❖

Scanned by CamScanner

बेचारी माँ

राजेश कुमार
बी.एस-सी. (प्रथम वर्ष)

बहुत समय पहले की बात है किसी गाँव में गीता देवी के नाम से एक औरत अपने एक बेटे के साथ रहती थी, उसका बेटा बहुत छोटा था, वह बहुत गरीब थी, अपने बेटे को पालने के लिए उसने शहर जाकर छोटे-मोटे काम किए। जब उसका बेटा थोड़ा बड़ा होकर चलने-फिरने लगा तो उसने अपने गाँव के विद्यालय में उसका दाखिला करा दिया, जब उसका बेटा नौजवान हुआ तो उसे आगे पढ़ाने के लिए गाँव से बाहर किसी शहर में भेज दिया। वह कुछ साल तक अपनी माँ की कोई खबर नहीं ले सका। उसने अपनी पढ़ाई पूरी की। पढ़ाई पूरी करने के बाद उसने वहीं किसी लड़की से शादी की और उसी के साथ रहने लगा। शादी के कुछ महीने बीत जाने के बाद उसने सोचा कि ये खुश खबरी अपनी माँ को सुनाऊँ तो उसने अपनी माँ को फोन किया और बोला हैलो माँ नमस्ते। उसकी माँ बोली बेटा इतने सालों बाद माँ की याद आयी है। वह बोला कि माँ मैंने शादी कर ली है! माँ बोली तूने मुझसे पूछे बगैर शादी कर ली। नहीं माँ ऐसी कोई बात नहीं। वह बोला, हमारी शादी थोड़ी जल्दी में ही हुई थी, जिसके कारण आपको बताया नहीं। खैर छोड़िए माँ मैं आपको सुबह की फ्लाइट से लेने आ रहा हूँ। ठीक है बेटे, उसकी माँ बोली, और वह सुबह की फ्लाइट से गाँव आया। उसने अपनी माँ के चरण छुए और बोला- चलो माँ मैं तुम्हें लेने आया हूँ। आपकी बहू कहती है कि माँ जी गाँव में अकेली रहती हैं उन्हें ले आओ। उसने कहा, माँ जितनी भी हमारी जमीन है और ये घर बेचकर हम हमेशा के लिए चले जाएँगे, इसलिए मैं इसे बेचने के लिए किसी व्यक्ति को लेने जा रहा हूँ। आप अपना सारा सामान पैक कर लेना। वह वापस आया। उसने अपनी माँ का घर और जमीन दोनों बेच डाली और अपनी माँ को साथ लेकर एयरपोर्ट पहुँच गया, वहाँ अपनी माँ को एक कुर्सी पर बैठा कर वहाँ से टिकट लेने के बहाने चला गया। बहुत देर हो गयी थी, उसकी माँ उसका इंतजार कर रही थी, इंतजार करते-करते रात हो गयी। कुछ देर बाद वहाँ पर काम करने वाला कर्मचारी जब उस माँ के पास आया तो उसने बोला कि माँ जी आप किसका इंतजार कर रही हैं, यहाँ तो कोई भी नहीं है। वह बोली कि मेरा बेटा टिकट लेने गया है, अभी वापस आयेगा। कर्मचारी ने उत्तर दिया कि माँ जी यहाँ कोई नहीं हैं, सारे पैसेंजर जा चुके हैं। सारी फ्लाइट भी छूट चुकी हैं और आपका बेटा भी जा चुका है। कर्मचारी बोला, जाइए माँ जी अपने घर जाइए, अब बेचारी माँ जाए तो कहाँ जाये, उसका बेटा ही उसका घर संसार बेच कर जा चुका था। ❖

अहंकार का परिणाम

दीपक कुमार
बी.कॉम. (तृतीय वर्ष)

एक बार एक बगीचे में बड़े सुन्दर गुलाब, गुड़हल, गेंदा, बेला, चमेली आदि के फूल खिले थे। पास में एक कुरूप पत्थर भी पड़ा हुआ था। ये सभी फूल उस पत्थर का मजाक उड़ाया करते थे और आपस में बातें करते हुये कहते- देखो, दुनिया हमें प्यार से देखती है और इस पत्थर की ओर कोई ध्यान तक नहीं देता। इसी बीच वहाँ होकर एक मूर्तिकार गुजरा। उसने उस कुरूप पत्थर को अपने औजारों की सहायता से शिवजी की सुन्दर प्रतिमा बनाकर वहीं स्थापित कर दी। अब राहगीर फूल तोड़ते और शिवजी की प्रतिमा पर चढ़ाते। यह देखकर फूल बहुत लज्जित हुये और अपनी भूल पर आँसू बहाने लगे। इसलिये कहा जाता है-

''अहंकार कभी मत करो। भाग्य तो विधाता ही जाने'' ❖

Scanned by CamScanner

पुस्तकालय का महत्व

वीरेन्द्र सिंह
पुस्तकालयाध्यक्ष

पुस्तकालय से तात्पर्य है पुस्तकों का घर। विद्या के प्रचार-प्रसार में विद्यालय के अतिरिक्त पुस्तकालयों का ही सर्वाधिक योगदान है। यह वही स्थल है जहाँ हमें भाँति-भाँति के विषयों की सहज जानकारी उपलब्ध हो जाती है। पुस्तकालयों का इतिहास अत्यन्त प्राचीन है। पूरे विश्व में हजारों पुस्तकालय मौजदू हैं, जहाँ छात्र-छात्राएँ निःशुल्क अथवा कुछ राशि अदा कर ज्ञानार्जन करते हैं। पुस्तकालयों का वर्गीकरण दो रूपों में किया जा सकता है। सार्वजनिक पुस्तकालय और सरकारी पुस्तकालय। आज Internet पर भी अनेक पुस्तकों का संग्रह है। हम पुस्तकालय में पुस्तकालयाध्यक्ष की अनुमति से अथवा सदस्य बनकर वांछित पुस्तक प्राप्त कर सकते हैं अथवा वहीं बैठकर उक्त पुस्तक को पढ़ सकते हैं। वैसे स्थल जहाँ उच्च गुणवत्ता के विद्यालय का अभाव है, वहाँ पुस्तकालयों की भूमिका और भी बढ़ जाती है। पुस्तकालय आर्थिक तंगी में जूझ रहे लोगों के लिए वरदान स्वरूप होता है। निर्धन व्यक्ति या छात्र-छात्राएँ भी यहाँ मँहगी पुस्तकों का लाभ उठा सकते हैं।

ऐसा देखा जाता है कि कोई शरारती तत्व पुस्तकालयों में पुस्तकों पर अवांछित कथन लिख देते हैं या उन्हें क्षतिग्रस्त कर देते हैं । कई बार तो अत्यन्त दुर्लभ पुस्तकें भी क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। इस तरह हम अत्यन्त महत्व की पुस्तकों को नष्ट कर देते हैं। अतः हमें पुस्तकालयों में पुस्तकों का लाभ लेते समय यह ध्यान देना चाहिये कि वे किसी भी प्रकार से क्षतिग्रस्त न हों।❖

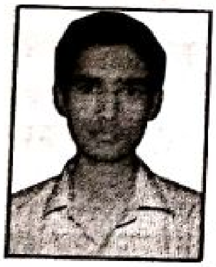

विश्व में बढ़ता आतंकवाद

शिवा कुमार
बी.एस-सी. (प्रथम वर्ष)

आज लगभग पूरा विश्व आतंकवाद की चपेट में है। आतंकवाद पूरे विश्व के सामने एक बड़ी चुनौती है। विश्व के सभी राष्ट्रों को एक साथ मिलकर इस चुनौती का सामना करना होगा और वर्तमान समय में तो आतंकवाद और भी अधिक सक्रिय हो रहा है। जैसे हाल ही में 13 नवम्बर 2015 को हुए पेरिस हमले को हम भुला नहीं सकते, जिसमें आतंकवादियों ने एक फुटबॉल मैदान व रेस्टोरेंट को निशाना बनाकर 130 बेकसूर लोगों की दर्दनाक हत्या कर दी। इससे पहले 16 दिसम्बर 2014 को पाकिस्तान के पेशावर में एक आर्मी स्कूल को निशाना बनाकर 141 लोगों की जान ले ली, जिसमें 132 मासूम बच्चे भी थे। आतंकवाद की सबसे बड़ी और उल्लेखनीय घटना 26 नवम्बर, 2008 को मुम्बई में घटी, जिसमें आतंकवादियों ने ताज होटल, होटल ट्राइडेण्ट तथा नरीमन बिल्डिंग पर हमला कर दिया, जिसमें 185 लोगों की हत्या की गई, इसमें 9 आतंकवादी भी मारे गये थे। आतंकवाद की समस्या से निपटने के लिए आवश्यक है कि सरकार के प्रति जनता में विश्वास जगाया जाए। इसके अतिरिक्त आतंक-वादियों के साथ कठोर व्यवहार करना होगा और गुमराह युवकों को राष्ट्र की मुख्यधारा में जोड़ने की कोशिश करनी होगी। आतंकवादियों को पकड़ने तथा उन्हें दण्डित करने के लिए आधुनिक साधनों तथा तकनीकों का प्रयोग किया जाना चाहिए और सरकार को उन लोगों को भरपूर मानसिक समर्थन देना चाहिए, जिन लोगों को पीड़ा हुई तथा जिनके परिवार को नुकसान हुआ है ताकि वे मानसिक पीड़ा के बोझ को सह न सकने की स्थिति में स्वयं भी आतंकवादी न बन जाएँ। वर्तमान समय में राष्ट्र आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्यवाही कर रहे हैं। कई देशों की सेना अब तक आतंकवादियों के कई ठिकानों को नष्ट कर चुकी है । इस कार्यवाही को देखकर लगता है कि आने वाले वर्षों में पूरे विश्व में आतंकवाद का भय खत्म हो जायेगा ❖

Scanned by CamScanner

दिल की खुशी

अन्जुला कुमारी
बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

एक लड़का जिसका नाम राहुल था। राहुल बहुत गरीब परिवार से था। जब वह अपने दोस्तों के पास बाईक देखता तो कहता काश! मेरे पास भी बाईक होती। एक दिन जब राहुल अपने दोस्तों के साथ बाईक पर घूमने गया तो वह एक दुकान पर जाकर खड़ा हो गया। उसके दोस्तों ने कुछ लॉटरी की टिकट खरीदीं। अपने दोस्तों के बार-बार कहने पर राहुल ने भी एक लॉटरी की टिकट खरीद ली, तभी राहुल के दोस्तों ने देखा कि उसके कॉलेज के अध्यापक सामने से आ रहे हैं। यह देखकर राहुल के दोस्त और राहुल वहाँ से भाग कर कॉलेज पहुँच गये। राहुल जब क्लास में गया तो राहुल के अध्यापक बच्चों को समझा रहे थे कि जीवन में कोई भी कार्य कठिन नहीं है। कोई कार्य असम्भव नहीं है। यह सुनकर राहुल ने सोचा, क्यों न मैं भी कोई ऐसा कार्य करूँ, जिससे मेरे पास भी बाईक हो, मैं भी बाईक पर घूमूं। उसने सोचा क्यों न मैं रात को कोई काम करूँ! यह सोचकर राहुल ने एक फैक्ट्री में नौकरी कर ली। राहुल दिन में पढ़ाई करता और रात में नौकरी। उसने एक गुल्लक बनाई और जो भी पैसे आते, वह उन्हें गुल्लक में डाल देता। राहुल को नौकरी करते-करते काफी समय हो गया। एक दिन राहुल ने अपनी गुल्लक को फोड़ दिया और जब उसने गुल्लक के पैसे देखे तो वह बहुत खुश हुआ। उसने सोचा कि मैं भी अब बाईक लूँगा। मैं भी अपने दोस्तों के साथ बाइक पर घूमूँगा और राहुल ने सारे पैसे उठाकर जेब में रख लिये और बाइक खरीदने के लिए निकल पड़ा। वह जा ही रहा था कि उसने एक बूढ़ी औरत को लोगों के आगे हाथ फैलाते देखा, औरत बहुत बूढ़ी थी। वह रो-रोकर कह रही थी कि कोई मेरी मद्द करो। मेरे बेटे को बचा लो। यह देखकर राहुल उस बूढ़ी औरत के पास गया और उसने पूछा, ''माता जी, आप क्यों रो रही हैं?'' आपका बेटा कहाँ है? उस बूढ़ी औरत ने रोते हुए कहा, ''मेरा बेटा बहुत बीमार है और उसका इलाज जल्दी न करवाया तो वह मर जायेगा। उसके सिवाय मेरा इस दुनिया में कोई नहीं है। मेरे पास इलाज के लिए पैसे भी नहीं है। तभी राहुल ने कहा, 'माता जी आप रोइये मत, लीजिये पैसे! और अपने बेटे का इलाज कराइये।' राहुल ने अपनी जेब के सारे रूपये उस बूढ़ी औरत को दे दिये जो उसने कड़ी मेहनत से एकत्र किये थे।

पैसे देखकर बूढ़ी औरत बहुत खुश हुई और कहने लगी कि अब मेरा बेटा बच जायेगा। तभी उस औरत ने राहुल के चेहरे की तरफ देखा और कहा-बेटे तुमने मेरे लिए इतना क्यों किया? राहुल की आँखों में आँसू आ गये और मुस्कुराते हुए कहा, 'माता जी दिल की खुशी के लिए।' ये देखकर उस औरत ने राहुल के सिर पर हाथ फेरा और कहा, 'भगवान तेरा भला करे।' राहुल को उस बूढ़ी माँ की मद्द करके बड़ी खुशी हुई। उसने कहा मैं फिर से मेहनत करूँगा और अपना हर सपना पूरा करूँगा क्योंकि एक बार जान चली जाये तो वापस नहीं आयेगी। बाइक तो मैं बाद में भी खरीद लूँगा। यह सोचकर राहुल अपने घर वापस पहुँचा। वह बैठा ही था कि उसका दोस्त भागता हुआ वहाँ आया और उसने मुस्कराते हुए कहा, 'अबे यार! तेरी दस लाख की लॉटरी निकल आयी है।' यह सुनकर राहुल की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और उसने अगले दिन अपनी पसन्द की बाईक खरीदी। अब वह भी अपने दोस्तों के साथ बाइक पर घूमता। इस तरह राहुल ने एक इन्सान की मद्द की तो भगवान ने उसकी मद्द की। इसलिये तो कहते हैं जो दूसरों की मदद स्वयं करते हैं-उसकी मद्द तो भगवान भी करते हैं। इन्सान को कभी इन्सानियत नहीं भूलनी चाहिए। ❖

- *थोड़ा सा अभ्यास बहुत सारे उपदेशों से बेहतर है।* —महात्मा गाँधी
- *मैं सफलता की प्रार्थना नहीं करती हूँ, बल्कि मैं विश्वास दृढ़ करने के लिए प्रार्थना करती हूँ।* — मदर टेरेसा

Scanned by CamScanner

एच.आई.वी./एड्स : जानकारी ही बचाव है

डॉ. ललित उपाध्याय
असिस्टेन्ट प्रोफेसर
समाजशास्त्र

इस दुनिया में जिसने जन्म लिया है उसकी मृत्यु शाश्वत सत्य है, चाहे वह रोग से या स्वाभाविक मृत्यु को प्राप्त हो। छोटी-छोटी खुशियों को अपनी झोली में डालकर आशाओं के साथ रोगी भी रोग के दर्द को भूलकर जीवन की राह आसान कर सकते हैं।

आजकल जब 20वीं सदी के 8 वें दशक में सामने आई ऐसी बीमारी जो करीब कई दशक के बाद भी लाइलाज बनी हुई है। यह बीमारी है 'एड्स' जो एच.आई.वी. (पोजिटिव) से होती है। सर्व प्रथम 1981 में कैलीफोर्निया में एड्स/एच. आई.वी. का संक्रमण पाया गया था और खोजबीन करने पर पता चला था कि यह संक्रमण बंदरों से मनुष्य में संचालित हुआ है। एड्स एक ऐसी लाइलाज बीमारी है जो मनुष्य की रोग प्रतिरोधक क्षमता को नष्ट कर अनेक बीमारियों को आमंत्रण देती है। यह मनुष्य को इतना अशक्त और कमजोर बना देती है कि उसे अपना जीवन बेकार लगने लगता है।

आंकड़े बताते हैं 'एड्स' की भयावह तस्वीर

दुनिया में लगभग 11 लाख बच्चे एच.आई.वी. से संक्रमित हैं, जिनमें से करीब 80 प्रतिशत उप सहारीय अफ्रीका में निवास करते हैं। प्रतिदिन लगभग 7 हजार लोग एच.आई.वी. संक्रमित होते हैं, जिनमें लगभग 1700 बच्चे हैं। युवा पीढ़ी एच.आई.वी./एड्स के चुंगल में अधिक फँस रही है। 15-24 आयु वर्ग के लगभग 1 करोड़, जिनमें महिलाएँ लगभग 62 लाख हैं, युवा एच.आई.वी. संक्रमित हैं। लगभग 1.5 करोड़ बच्चे एच.आई.वी./एड्स के कारण अनाथ हो चुके हैं। बच्चों के अनाथ होने व युवाओं की असमय मौत की रफ्तार एच.आई.वी./एड्स के कारण बढ़ती ही जा रही है।

एशिया में 8.3 मिलियन लोग ग्लोबल एड्स ऐपेन्डेक्स रिपोर्ट 2006 के अनुसार एच.आई.वी. से संक्रमित हैं। जिसमें से दो तिहाई (5.7 मिलियन) अकेले भारत में हैं। भारत में सर्वाधिक रोगी 15-49 आयु वर्ग के हैं, जिनके बीच एच. आई.वी. संक्रमण की दर 0.9 प्रतिशत है।

आशय है कि विश्व में प्रत्येक 7 एच.आई.वी. संक्रमित में से एक भारतीय है। भारत में कर्नाटक, तमिलनाडू, आंध्रप्रदेश एवं महाराष्ट्र, पूर्वोत्तर में मणिपुर, नागालैण्ड में इसकी चिन्ताजनक स्थिति है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में एच.आई.वी./एड्स के कारण भारत में 6 स्थान हाईरिस्क जोन में आते हैं। यह हैं-उत्तर प्रदेश में कानपुर, कर्नाटक में बेल्हारी, आंध्रप्रदेश में गुंटूर, बिहार में किशनगंज, राजस्थान में उदयपुर तथा मिजोरम में अव्वल।

एड्स प्रसार में हीमोफीलिया रोग भी एक कारक है

हीमोफीलिया रोग का भी एच.आई.वी./एड्स संक्रमण बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान है। हीमोफीलिया एक आनुवांशिक बीमारी है जिसमें चोट लगने के कारण रक्त का प्रवाह रुकता नहीं है। इसे रोकने के लिए जरूरी एंटी हीमोफीलिया फैक्टर (ए.एच.एफ.) की दुलर्भता के कारण रोगी मजबूरन रक्त या फिर रक्त अवयव चढ़वाकर प्राण रक्षा कर लेते हैं। अतः संक्रमण होने का खतरा बढ़ जाता है।

एच.आई.वी./एड्स पर हुए शोधों से यह ज्ञात हुआ है कि यह संक्रमण असंयमित यौनाचार से 70-80 प्रतिशत, ड्रग्स से 5-10 प्रतिशत, माँ से बच्चे को 5-10 प्रतिशत तथा रक्त के असुरक्षित आदान-प्रदान से 3-5 प्रतिशत एवं संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में रहने से 0.01 प्रतिशत से कम तक फैलता है।

Scanned by CamScanner

अर्थव्यवस्था पर 'एड्स' का असर

आधुनिक अनुसंधानों का जिक्र करें तो यह भी कहा जा सकता है कि एड्स का महादानव अर्थव्यवस्था तक पर नकारात्मक असर डाल सकता है। जिससे सकल घरेलू उत्पादन की वृद्धि भी प्रभावित हो सकती है। नाको, यूएनडीपी तथा राष्ट्रीय अनुप्रयोग आर्थिक अनुसंधान परिषद द्वारा कराए गए एक संयुक्त अध्ययन के अनुसार एड्स के कारण भारत का सकल घरेलू उत्पादन 0.9 प्रतिशत तक कम हो सकता है। इसके अलावा प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि में 0.56 प्रतिशत तक कमी आ सकती है।

एच.आई.वी/एड्स से बचने हेतु सुरक्षित रक्तदान का महत्व

सुरक्षित रक्तदान व रक्त चढ़ाने की प्रक्रिया से भी एच.आई.वी./एड्स संक्रमण से बचाया जा सकता है। रक्तदान एक महादान है। रक्तदान एक सुरक्षित और आसान प्रक्रिया है, हर व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए।

रक्तदान तीन महीने में एक बार हर स्वस्थ व्यक्ति कर सकता है यानि एक वर्ष में चार बार आप और हम रक्तदान कर सकते हैं। रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को डोनर कॉर्ड भी दिया जाता है। इस कॉर्ड से वे तीन माह में एक यूनिट रक्त अपने निकट मित्रों व सम्बन्धियों के लिए प्राप्त कर सकते हैं।

रक्तदान किसी भी सरकारी अस्पताल के ब्लड बैंक लाइसेंसशुदा ब्लड बैंक या स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में कर सकते हैं। रक्तदान के लिए व्यक्ति की आयु 18 वर्ष से 65 वर्ष के मध्य होनी चाहिए।

रक्तदान का महत्व

रक्त का कोई विकल्प नहीं है। यह किसी भी तरह बाहर बनाया नहीं जा सकता। रक्त को 3!! माह से अधिक सुरक्षित भी रखा नहीं जा सकता। रक्त के भण्डार की आपूर्ति हेतु लगातार स्वैच्छिक रक्तदान की आवश्यकता होती है।

रक्तदान से किसी व्यक्ति की शल्य चिकित्सा (सर्जरी) के समय, प्रसव या चोट के कारण अधिक रक्तस्त्राव से हुई खून की कमी की पूर्ति कर उस दुर्घटनाग्रस्त या पीड़ित व्यक्ति के जीवन को बचाया जा सकता है।

रक्त की आवश्यकता कैंसर के मरीज तथा हीमोफीलिया, थैलेसीमिया तथा एनीमिया के मरीजों को भी होती है। यह कोई नहीं जानता कब, किसे और कहाँ रक्त की जरूरत पड़ जाए। इसलिए अधिक से अधिक स्वैच्छिक रक्तदाता ही समाज की सुरक्षा महादान के साथ करते हैं। स्वैच्छिक, बिना आर्थिक लाभ लिए रक्तदान ही स्वस्थ रक्त का स्त्रोत है। एच.आई. वी/एड्स संक्रमण को रोकने के लिए प्रोफेशनल रक्तदाताओं से रक्त लेना भारत देश में जनवरी 1998 से प्रतिबंधित है।

एच.आई.वी./एड्स संक्रमित रोगियों के प्रति सामाजिक नजरिया हो सकारात्मक

समाज में रहने वाले व्यक्ति को सामाजिकता के साथ मौलिक अधिकार प्राप्त हैं कि उसके प्राण, स्वतंत्रता, नम्रता तथा गरिमा को अक्षुण्ण रखा जाए। इन्हीं से जुड़े अधिकारों को 'मानवाधिकार' कहा गया। भारत ने वसुधैव कुटुम्बकम् के भाव से 'जीओ और जीने दो' का नारा दिया। एच.आई.वी./एड्स के संदर्भ में भी मानवाधिकारों का संरक्षण अनिवार्य है।

सरकार का दायित्व एच.आई.वी./एड्स पीड़ितों के प्रति भेदभाव न हो।

संवैधानिक अधिकारों को प्रभावी व कारगर बनाने के लिए सरकार के उत्तरदायित्व निम्नलिखित हैं :-

सरकार का यह दायित्व है कि वे भेदभाव विरोधी व अन्य संरक्षात्मक कानूनों को सुदृढ़ करेगी जो कमजोर वर्गों एच.आई.वी./एड्स से ग्रसित लोगों तथा विकलांग लोगों को सार्वजनिक तथा निजी दोनों क्षेत्रों में भेदभाव से रक्षा करें। सरकार उनके एकान्तता, गोपनीयता या आचार संहिता को सुनिश्चित करने का दायित्व भी लेती है। सरकार को गुणात्मक निवारण उपाय तथा सेवाएँ प्राप्त एच.आई.वी. रोकथाम तथा देख-रेख सूचना व सेवाओं की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित करने का कार्य करना होता है। सरकार को एच.आई.वी./एड्स से प्रभावित लोगों को उनके अधिकारों के सम्बन्ध में उन्हें व समाज के अन्य वर्गों को शिक्षित करने का भी जिम्मा है।

Scanned by CamScanner

एड्स/एच.आई.वी. के लक्षण

चिकित्सकों के अनुसार एड्स/एच.आई.वी. पॉजीटिव के सामान्य लक्षण हैं- टी.वी. का मरीज होना, अधिक दिनों तक बुखार, वजन दिनों-दिन कम होना, अधिक दिनों तक मुँह में छाले, अधिक दिनों तक खाँसी, बुखार, नजला, जुकाम व निमोनिया।

इस प्रकार के सामान्य लक्षणों के होने पर विशेषज्ञ चिकित्सकों से तुरन्त परामर्श करना चाहिए और डॉक्टर के बताए गए अनुसार उपचार करना चाहिए।

जानकारी से ही बचाव

परीक्षित रक्त का ही स्वैच्छिक दान हो, असुरक्षित यौन संबंधों से बचें, सेविंग करते समय नए ब्लैड का ही इस्तेमाल करें, पीड़ित महिलायें शिशु को स्तनपान न कराएँ। सर्जरी के समय उपकरण पूर्णतः स्टरलाइज होने चाहिए।

एड्स की जानकारी रखें हर एक, जीवन बच जायेंगे अनेक।। ❖

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी के श्रीमुख से

- *अपनी गलती को स्वीकारना झाड़ू लगाने के समान है, जो धरातल को चमकदार और साफ कर देती है।*
- *मेरी अनुमति के बिना कोई भी मुझे ठेस नहीं पहुँचा सकता है।*
- *आप तब तक यह नहीं समझ पाते कि आपके लिए कौन महत्वपूर्ण है, जब तक आप उन्हें वास्तव में खो नहीं देते।*
- *एक देश की महानता और नैतिक प्रगति को इस बात से आँका जा सकता है कि वहाँ जानवरों से कैसा व्यवहार किया जाता है।*
- *हो सकता है आप कभी ना जान सकें कि आपके काम का क्या परिणाम हुआ, लेकिन यदि आप कुछ करेंगे ही नहीं तो कोई परिणाम नहीं होगा।*
- *क्रोध एक प्रचंड अग्नि है, जो मनुष्य इस अग्नि को वश में कर सकता है, वह उसे बुझा देगा जो मनुष्य अग्नि को वश में नहीं कर सकता, वह स्वयं अपने को जला लेगा।*
- *कायरता से कहीं ज्यादा अच्छा है, लड़ते-लड़ते मर जाना।*
- *भूल करने में पाप तो है ही, परन्तु उसे छिपाने में उससे भी बड़ा पाप है।*
- *अपने प्रयोजन में दृढ़ विश्वास रखने वाला एक सूक्ष्म शरीर इतिहास के रूख को बदल सकता है।*
- *जियो ऐसे जैसे तुम कल मरने वाले हो। सीखो ऐसे कि तुम हमेशा के लिए जीने वाले हो।*
- *जब तक गलती करने की स्वतंत्रता न हो, तब तक उस स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं है।*
- *स्वयं को जानने का सर्वश्रेष्ठ तरीका है अपने आपको औरों की सेवा में डुबा देना।*
- *आप मानवता में विश्वास मत खोइए। मानवता सागर की तरह है; अगर सागर की कुछ बूंदे गंदी हो जायें तो सागर गंदा नहीं हो जाता।* ❖

Scanned by CamScanner

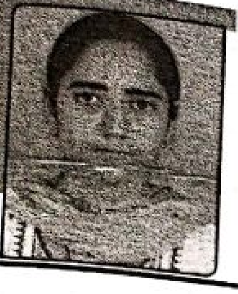

कैसे हासिल करें - जो आप चाहें।

पूनम कुमारी
बी.एड.

सफलता के प्राकृतिक नियम जिन्हें तोड़कर सफल होना असंभव है।

- ★ जो आप आज तक कर रहे थे, वही आगे भी करेंगे तो आपको वही मिलेगा, जो आज तक मिलता रहा है।
- ★ पहले कभी भी हासिल न किया हुआ, हासिल करने से पहले कभी न किया हुआ-करना होगा।
- ★ अगर आपको पता नहीं, आप कहाँ जा रहे हैं, तो आप कहाँ पहुँचेंगे- किसे पता।
- ★ स्पष्ट और निश्चित ध्येय हो तो मनुष्य अत्यन्त कठिन मार्ग पर भी प्रगति करेगा, ध्येयहीन मनुष्य कितना ही सरल मार्ग होने के बाबजूद कहीं नहीं पहुँचेगा।
- ★ ध्येय तक न पहुँचना त्रासदी नहीं। पहुँचने के लिये ध्येय ही न हो, यह त्रासदी है।
- ★ यदि मनुष्य किसी चीज़ के पीछे दीवाना हो जाता है, तो उस चीज़ को हासिल करने में उस आदमी की सहायता करने के लिए सारी सृष्टि आगे बढ़ती है।
- ★ देखने का नज़रिया आप तय करते हैं। किसी घटना का आप पर क्या असर हो, यह घटना तय नहीं करती, आप तय करते हो।
- ★ असफलता, बाधाएं, मुश्किलें, क्या कर सकती हैं- आपको शक्ति दे सकती हैं या आपकी शक्ति छीन भी सकती हैं। परन्तु वे पहले आपसे पूछती हैं, क्या करें (आपका चयन अंतिम होता है।)
- ★ अत्यंत सफल लोगों का अलगपन जो मुझे समय-समय पर दिखाई दिया वह था- उनकी काम करने की असीमित क्षमता। ❖

पुस्तकालय ज्ञान का भण्डार

नीलम पुण्ढीर
सहायक पुस्तकालयाध्यक्षा

ज्ञान की देवी माता सरस्वती की उपासना के लिए दो मन्दिर हैं- एक विद्यालय, दूसरा पुस्तकालय। विद्यालय में हम गुरू के चरणों में बैठकर शिक्षा ग्रहण करते हैं और पुस्तकालयों में बैठकर मौन अध्ययन करते हैं।

पुस्तकालय का अर्थ है- पुस्तक + आलय अर्थात पुस्तकें रखने का स्थान। पुस्तकालय कई प्रकार के होते हैं। स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय में पुस्तकालय होते हैं। इनसे छात्र और अध्यापक दोनों लाभ उठाते हैं। दूसरे प्रकार के पुस्तकालय व्यक्तिगत होते हैं। पब्लिक पुस्तकालय भी होते हैं, इस प्रकार के पुस्तकालयों का स्थान विशेष बस या गाड़ी में होता है। सबसे बड़ा पुस्तकालय अमेरिका में है, जिसमें चार करोड़ से अधिक पुस्तकें हैं और भारत का सबसे बड़ा पुस्तकालय कलकत्ता में है, पुस्तकालय के अनेक लाभ हैं।

सभी पुस्तकों को खरीदना हर किसी के लिए सम्भव नहीं है। पढ़ने के लिए लोग पुस्तकालय का सहारा लेते हैं। इन पुस्तकालयों से निर्धन व्यक्ति भी लाभ उठा सकते हैं। पुस्तकालय से हम अपनी रूचि के अनुसार पुस्तक प्राप्त कर सकते हैं। वास्तव में आर्थिक उन्नति के साथ-साथ बौद्धिक उन्नति का होना भी जरूरी है। ❖

Scanned by CamScanner

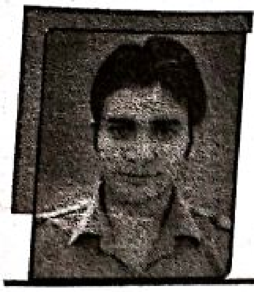

जल प्रदूषण

जयदीप सिंह
बी.एड.

प्रदूषित जल का सबसे भयंकर प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। सम्पूर्ण विश्व में प्रतिवर्ष एक करोड़ पचास लाख व्यक्ति प्रदूषित जल के कारण मृत्यु के शिकार हो जाते हैं तथा पाँच लाख बच्चे मर जाते हैं।

भारत में प्रति लाख पर लगभग 360 व्यक्तियों की मृत्यु हो जाती है और अस्पतालों में भर्ती होने वाले रोगियों में से 50 फीसदी रोगी ऐसे होते हैं, जिनके रोग का कारण प्रदूषित जल है।

अविकसित देशों की स्थिति और भी बुरी है। वहाँ 80 प्रतिशत रोगों की जड़ प्रदूषित जल है।

भारत में 34,000 गाँवों के लगभग 2.5 करोड़ व्यक्ति हैजे से पीड़ित हैं। राजस्थान के आदिवासी गाँवों के लगभग दो लाख लोग गंदे तालाबों का पानी पीने के कारण नासा नामक बीमारी से पीड़ित हैं। भारत में सर्वाधिक रोग मल द्वारा प्रदूषित पेय जल से होते हैं। प्रदूषित जल से होने वाली बीमारियाँ- पोलियो, हैजा, पेचिस, मियादी बुखार, वायरल फीवर आदि हैं।

जल में विद्यमान सूक्ष्म जीवों एवं विभिन्न पदार्थों के कारण पेयजल का स्वाद अरूचिकर हो जाता है। इसमें कार्बनिक अवशिष्ट पदार्थों के सड़ने से हाईड्रोजन सल्फाइड (H_2S) तथा अमोनिया आदि गैसों की उत्पत्ति होती है जिससे जल दुर्गन्धयुक्त हो जाता है।

जल प्रदूषण रोकने के उपाय –

1. जल स्त्रोतों के पास गन्दगी फैलाने, साबुन लगाकर नहाने तथा कपड़े धोने पर प्रतिबन्ध लगाया जाना चाहिए।
2. पशुओं को तालाब तथा नदियों में नहलाने से जल रोगाणुयुक्त हो जाता है इसलिए पशुओं के नहलाने पर प्रतिबन्ध लगाना चाहिए।
3. नदियों में शवों, अधजले शवों, राख तथा अधजली लकड़ी के बहाने पर प्रतिबन्ध लगाया जाना चाहिए।
4. जिन कारखानों के पास हानिकारक व्यर्थ अवशेष के समुचित उपचार के लिए संयत्र हों, उन्हें ही लाईसेन्स देना चाहिए
5. डी.डी.टी. कीट नाशकों पर प्रतिबन्ध लगाना चाहिए।
6. प्रदूषित जल को प्राकृतिक जल स्त्रोतों में मिलाने से पूर्व उसमें शैवाल की कुछ जातियों एवं जलकुम्भी के पौधों को उगाकर प्रदूषित जल को शुद्ध कर लेना चाहिए।
7. ऐसी मछलियों को जलाशयों में छोड़ा जाना चाहिए जो मच्छरों के अण्डे, लार्वा एवं जलीय खरपतवार को समाप्त करती हो।
8. रेडियो, टेलिविजन, समाचार पत्र से, सम्बन्धित जागृति उत्पन्न करनी चाहिए। ❖

☛ *हमारी सबसे बड़ी कमजोरी हार मान लेना है। सफल होने का सबसे निश्चित तरीका है, हमेशा एक और प्रयास करना।*

– थॉमस एडीसन

☛ *यदि उद्देश्य नेक न हो तो ज्ञान बुराई बन जाता है।*

– प्लेटो

Scanned by CamScanner

College Topper's 2014-15

Hemlata
Busi. Admin. Group
M. Com. (F)

Radha Chauhan
Accounts & Law Group
M. Com. (F)

Akshay Kulshrestha
Busi. Admin. Group
M. Com. (P)

Monika Varshney
Accounts & Law Group
M. Com. (P)

Gaurav Prasad Agrawal
B. Com. III

Poonam
B. Com. II

Deeksha Rathi
B. Com. I

Narendra Kumar
B. A. III

Babita Rani
B. A. II

Deepak Kumar
B. A. I

Scanned by CamScanner

College Topper's 2014-15

Khushboo Sharma
B.Sc. III (PCM)

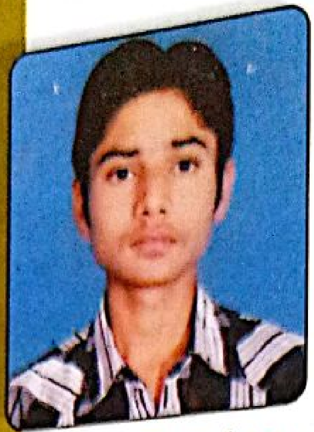

Pankaj Chauhan
B.Sc. II (PCM)

Rizwana Zabbar
B.Sc. I (PCM)

Uma Shankar
B.Sc. III (ZBC)

Vidisha Sharma
B.Sc. II (ZBC)

Alok Nath Rahul
B.Sc. I (ZBC)

Mala Kumari
B.T.C. I (Batch 2012)

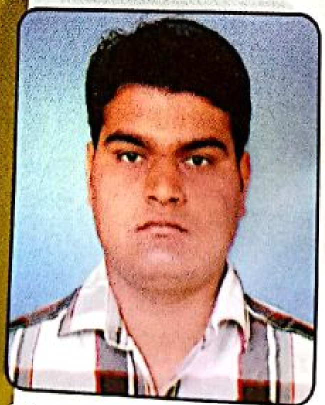

Navneet Bhardwaj
B.T.C. II (Batch 2012)

Laxmi Agrawal
B.T.C. III (Batch 2012)

Scanned by CamScanner

College Topper's 2014-15

Priyanshu Garg
B.B.A. Sem. VIth & Vth
(2012-15)

Nidhi Parashar
B.B.A. Sem. IVth IIIrd
(2013-16)

Kishore Kumar Sharma
B.B.A. Sem. IInd
(2014-17)

Jai Prakash Sharma
B.B.A. Sem. Ist
(2014-17)

Arjun Chaudhary
C.A. Sem. VIth & Vth
(2012-15)

Kamal Kumar Sharma
B.C.A. Sem. IVth
(2013-16)

Shubham Varshney
B.C.A. Sem. IIIrd
(2013-16)

Shivam Varshney
B.C.A. Sem. IInd & Ist
(2014-17)

Parul
B.Ed. (2013-14)

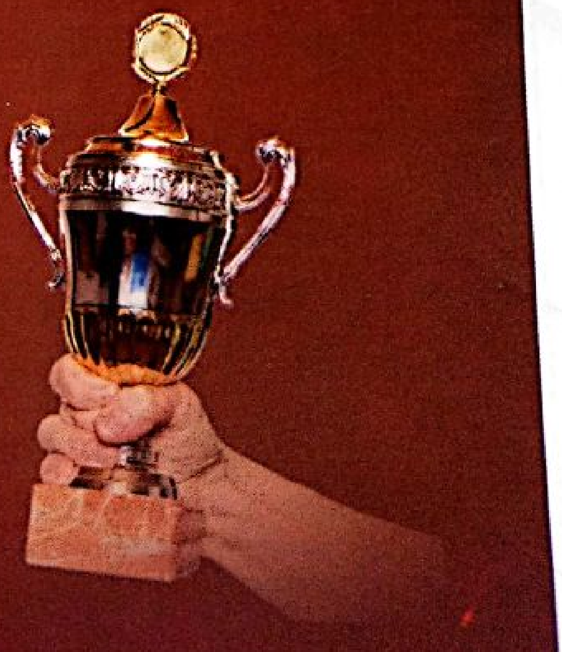

Scanned by CamScanner

मुख्य अतिथि डा. एस. एस. वर्मा (प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, अतरौली) का स्वागत करते हुए उपप्राचार्य डा. एस. एस. यादव

विशिष्ट अतिथि डा. एस. के. वार्ष्णेय (एसो. प्रोफे. राजकीय महाविद्यालय, अतरौली) का स्वागत करते हुए प्रभारी कला संकाय डा. विवेक मिश्रा

विशिष्ट अतिथि श्री आनन्द प्रकाश गुप्ता (देहरादून) का स्वागत करते हुए वाणिज्य संकाय के वरिष्ठ प्राध्यापक डा. हिरेश गोयल

विशिष्ट अतिथि श्री अजय गुप्ता (देहरादून) का स्वागत करते हुए बी.टी.सी. विभाग के प्रवक्ता श्री रवि कुमार

विशिष्ट अतिथि श्रीमती मीनाक्षी गुप्ता (देहरादून) का स्वागत करते हुए बी.एड. विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका श्रीमती सरिता याज्ञनिक

विशिष्ट अतिथि श्री शुभम गुप्ता (देहरादून) का स्वागत करते हुए बी.एड. विभाग के प्राध्यापक श्री गिर्राज किशोर

डा. गौतम गोयल (निदेशक ज्ञान आई.टी.आई., अलीगढ़) का स्वागत करते हुए मुख्य अनुशासन अधिकारी डा. ललित उपाध्याय

श्री मनोज यादव (प्रबन्धक, ज्ञान महाविद्यालय) का स्वागत करते हुए बी.बी.ए. विभाग के प्रवक्ता श्री तुमुल कुमार

मुख्य अतिथि डा. एस. एस. वर्मा (प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, अतरौली) व सचिव श्री दीपक गोयल प्रतिभावान छात्रा को सम्मानित करते हुए

विशिष्ट अतिथि डा. एस. के. वार्ष्णेय (एसो. प्रोफे. राजकीय महाविद्यालय, अतरौली) व अध्यक्षा आशा देवी बी.टी.सी. छात्रा परम ज्योति को सम्मानित करते हुए

विशिष्ट अतिथि श्री आनन्द प्रकाश गुप्ता (देहरादून) व डा. गौतम गोयल एम.कॉम. के टॉपर छात्र सिराज अहमद को सम्मानित करते हुए

उत्कृष्ट सेवाओं हेतु डा. बी.डी. गुप्ता मैमोरियल पुरस्कार प्राचार्य व उपप्राचार्य से प्राप्त करते हुए श्री आर.के. शर्मा (समन्वयक इग्नू व विभागाध्यक्ष बी.टी.सी.)

शिक्षणेत्तर कर्मचारी श्री सुमित सक्सैना को राजपाल सिंह मैमो. पुरस्कार प्रदान करते हुए प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता व सचिव श्री दीपक गोयल

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी श्रीमती ओमवती देवी को महावीर सिंह मैमो. पुरस्कार प्रदान करते हुए प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता व उपप्राचार्या डा. रेखा शर्मा

ज्ञान पुष्प'' वार्षिक पत्रिका के षष्ठम अंक का विमोचन करते हुए मुख्य अतिथि डा. एस.एस. वर्मा, विशिष्ट अतिथि डा. एस.के. वार्ष्णेय, श्री आनन्द प्रकाश गुप्ता, श्री दीपक गोयल (सचिव), श्रीमती आशा देवी (अध्यक्षा), श्री अजय गुप्ता, श्रीमती मीनाक्षी गुप्ता, श्री मनोज यादव व प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता व अन्य

Scanned by CamScanner

मुख्य अतिथि डा. एस. एस. वर्मा (प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, अतरौली) को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए सचिव श्री दीपक गोयल

विशिष्ट अतिथि डा. एस.के. वार्ष्णेय (एसो. प्रोफे. राजकीय महाविद्याल अतरौली) को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए सचिव श्री दीपक गोयल

विशिष्ट अतिथि श्री अजय गुप्ता (देहरादून) को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए ज्ञान महाविद्यालय के सचिव श्री दीपक गोयल

वार्षिकोत्सव में उपस्थित सम्मानित अतिथिगण, ज्ञान महाविद्यालय के सचिव, अध्यक्षा व प्राचार्य के साथ

विशिष्ट अतिथि श्री आनन्द प्रकाश गुप्ता व डा. गौतम गोयल प्रतिभावान छात्रा को सम्मानित करते हुए

रंगारंग प्रस्तुति

मुख्य अतिथि व सचिव बी.ए. के टॉपर छात्र श्री नरे कुमार को प्रशस्ति पत्र व शील्ड प्रदान करते हुए

वार्षिकोत्सव समारोह में उपस्थित प्राचार्य, उपप्राचार्या, निदेशक ज्ञान आई.टी.आई , सम्मानित अतिथिगण व उपस्थित

Scanned by CamScanner

वाणिज्य संकाय व्याख्यान में मुख्य वक्ता को सम्मानित करते हुए प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता व डा. एस.एस. यादव

श्री नागेन्द्र सिंह (निदेशक आई.पी.एम.एस) वाणिज्यसंकाय में व्याख्यान देते हुए

डा. जे.पी. गुप्ता (एसो.प्रो., भौतिक विज्ञान) डी.एस. कॉलेज को सम्मानित करते हुए उपप्राचार्य व प्रवक्ता

गणित विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता एसो.प्रो. गणित विभाग, एस.वी. कॉलेज को सम्मानित करते हुए उपप्राचार्य

डा. अनीता मोराल (सहा.प्रो., मनोविज्ञान, एस.वी. कॉलेज) को प्रतीक चिन्ह देते हुए प्रवक्तागण

डा. सपना सिंह (सहा.प्रो. समाजशास्त्र, टी.आर. कन्या महाविद्यालय) समाजशास्त्र विषय पर व्याख्यान देते हुए

डा. एस.एल. गुप्ता (पूर्व एसो.प्रो. पी.सी. बागला कॉलेज, हाथरस) भूगोल विषय पर व्याख्यान देते हुए

डा. एम.पी. सिंह (विभागाध्यक्ष जन्तु विज्ञान विभाग, पालीवाल पी.जी. कॉलेज शिकोहाबाद) व्याख्यान माला में दीप प्रज्ज्वलित करते हुए

Scanned by CamScanner

अतिथि व्याख्यान

डा. सपना सिंह (सहा.प्रो. समाजशास्त्र, टी.आर. कन्या महाविद्यालय)
समाजशास्त्र विषय पर व्याख्यान देते हुए

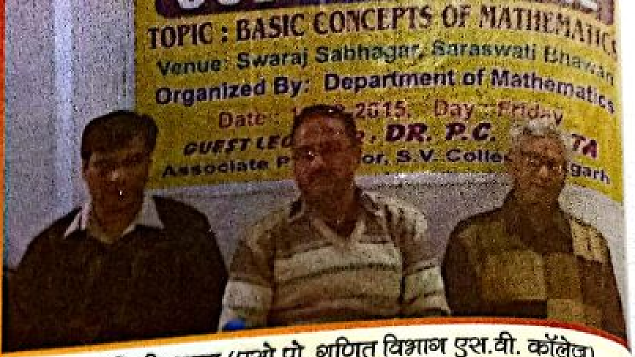

डा. पी.सी. गुप्ता (एसो.प्रो. गणित विभाग एस.वी. कॉलेज)
व्याख्यान माला में सम्बोधित करते हुए

डा. मंजू गिरी (अध्यक्षा भौतिक विज्ञान, डी.एस. कॉलेज)
को प्रतीक चिन्ह देते हुए प्राचार्य

डा. अमित चौधरी (एसो.प्रो. रसायन विभाग डी.एस. कॉलेज)
को सम्मानित करते हुए प्राध्यापकगण

...गाइड शिविर (बी. एड. विभाग)

स्काउट गाइड शिविर में बी. एड. की छात्राओं द्वारा लगाए गये शिविरों का अवलोकन करते हुए निर्णायक मण्डल

स्काउट गाइड शिविर में उपस्थित बी.एड. के छात्र व छात्राऐं

स्काउड गाइड शिविर में अतिथि के रूप में नगरायुक्त श्री सन्तोष शर्मा
को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए सचिव श्री दीपक गोयल

Scanned by CamScanner

सुगन्धों से मन को प्रफुल्लित करें और प्रसुप्त को जगायें

डॉ. विवेक मिश्रा
प्रभारी- कला संकाय

सुगन्ध का प्रभाव सर्वविदित है। सुगन्धित वातावरण में उठने-बैठने, खाने-पीने की सभी की इच्छा होती है, जब कि दुर्गन्ध से लोग दूर भागते हैं। मन्दिरों और उपासनागृहों में भक्त देर तक बैठे रहकर साधना-आराधना इसलिये कर पाते हैं कि वे खुशबूदार और प्रफुल्लतादायक स्थान होते हैं। प्रकृति का सानिध्य आनन्ददायक माना जाता है, क्योंकि वहाँ का वातावरण वृक्ष-वनस्पतियों और फूलों के सुवास से ओत-प्रोत रहता है। यह खुशबू के प्रभाव परिणाम हैं, पर यह सिर्फ मन तक ही सीमित होता है, ऐसा भी नहीं, शरीर पर भी इसका असर स्पष्ट दिखाई देता है। इसकी इसी सामर्थ्य को देखते हुये चिकित्सा विज्ञान की एक अभिनव शाखा 'गंध चिकित्सा' के रूप में इसे विकसित किया गया।

प्रख्यात अंग्रेज तंत्रिका विज्ञानी वाई.जेड. यंक के अनुसार गन्ध ही एक मात्र ऐसी तन्मात्रा है, जिसे ग्रहण तो मस्तिष्क के कोश करते हैं, पर उसका प्रभाव-परिणाम श्वास और रक्त के माध्यम से सम्पूर्ण शरीर को मिलता है। इसी सिद्धान्त पर यह चिकित्सा पद्धति आधारित है। आधुनिक गंध चिकित्सा की जननी फ्रान्स की मारग्युवेराईट मौरी मानी जाती है। इस क्षेत्र में दीर्घकालीन अध्ययन अनुसंधान के उपरान्त उन्होंने एक पुस्तक लिखी - 'द सीक्रेट ऑफ लाईफ एण्ड यूथ' इस पुस्तक में वे लिखती हैं कि गंध चिकित्सा के माध्यम से स्वास्थ्य और यौवन को उसी प्रकार सुरक्षित रखा जा सकता है जिस प्रकार अन्य कारगर चिकित्सा पद्धतियों द्वारा संभव होता है। वे कहती हैं कि ढलती आयु के साथ जब माँस पेशियों की ऊतकें कड़ी पड़ने लगती हैं और त्वचा में झुर्रियाँ आने लगती हैं वैसी अवस्था को टालने में ये उपचार प्रक्रिया विशेष रूप से सफल साबित हुई है। क्योंकि इसमें कड़े ऊतकों में लोच उत्पन्न करने और त्वचा कोशिकाओं के पुनरूत्पादन की अद्भुत सामर्थ्य है। सुगन्धित सत्व न सिर्फ शरीर को प्रभावित करते है वरन् स्वभाव और भावनाओं को भी प्रभावित करने का सामर्थ्य रखते हैं।

इस क्षेत्र में ऐसे विशिष्ट कार्ड भी विकसित किये गये हैं जो रोगियों के सम्पर्क में आकर उनकी गन्ध को अपने में धारण कर लेते हैं तत्पश्चात इन कार्डों को सूँघकर विशेषज्ञ रोग का निदान करते हैं। इस विद्या के विकास से अब रोगियों को दूरस्थ डॉक्टरों के पास जाने का कष्ट नहीं उठाना पड़ता है और घर बैठे उनका इलाज हो जाता है। इससे जिन बीमारियों का निदान और उपचार अब तक सम्भव हुआ है, वे है- टाइफाइड, टी.बी., मधुमेह, स्कर्वी, डिफ्थीरिया, गुर्दे, यकृत व फेफड़े सम्बन्धी रोग।

इस दिशा में अमेरिकी आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान की ग्रन्थी और हारमोन्स विशेषज्ञ श्रीमती विनीप्रेड कटलर अपने गहन अनुसंधान के बाद इस निष्कर्ष पर पहुँची कि पुरूष शरीर से निकलने वाली गन्ध का नारी शरीर पर अनुकूल व उत्तम प्रभाव पड़ता है। ज्ञातव्य है कि मनुष्यों में इसका आधार भी 'फेरोमोन' नामक रसायन ही है। इस तथ्य के प्रकाश में आते ही पश्चिमी देशों की सौन्दर्य प्रसाधन निर्माता कम्पनियों ने ऐसे क्रीम, पाउडर व इत्रों का निर्माण शुरू किया है जिनमें पुरुषों की खुशबू समाविष्ट होती है। इन कम्पनियों का दावा है कि इनके प्रयोग से महिलाएं वही लाभ ले सकेंगी जो पुरुषों के त्यक्ष सानिध्य में रहकर लिया जा सकता है। अब यह तथ्य भी सुस्पष्ट हो चुका है कि शल्यक्रिया की वास्तविक सफलता के छे गन्ध विज्ञान की महती भूमिका है। क्लोरोफार्म, हैलोपेन, ईथर जैसे रसायनों की गन्ध मस्तिष्क कोशिकाओं को तुरन्त भावित कर शरीर को अचेतावस्था में ले जाती है। इसी के बाद रोग ग्रस्त अंग अवयवों की चीर फाड़ सम्भव हो पाती है। दे इस विज्ञान का विकास न हुआ होता तो आज शल्य क्रिया की सफलता संदिग्ध ही बनी रहती है।

गंध और स्वाद केन्द्रों का भी निकट का सम्बन्ध है, उनके अनुसार जिस प्रकार श्रवण तन्त्र की खराबी वाले लोग

Scanned by CamScanner

स्थाई रूप से गूँगे होते हैं। उसी प्रकार जिनकी गंध ग्रहण की सामर्थ्य चली जाती है, उनकी स्वादेन्द्रियाँ भी प्रभावित होती हैं। सामान्यतः गंध, स्वाद की तुलना में दस हजार गुनी अधिक संवेदनाशील होती है पर जब इससे सम्बन्धित अवयव में स्थाई अथवा अस्थाई रूप से खराबी आती है तब हमें स्वाद में परिवर्तन का आभास होता है। सर्दी-जुकाम एवं बुखार की स्थिति में जब हमारा घ्राण तन्त्र प्रभावित होता है तो अन्तर अधिक स्पष्ट हो जाता है।

संभव है सुगन्धियों के लाभों को देखते हुये ही भारतीय संस्कृति में अग्निहोत्र, यज्ञ विधान और पूजा उपचारों में वातावरण को सुगन्धित बनाए रखने का सामान्य प्रचलन चलाया गया हो ताकि मुख्य उपचार के साथ-साथ खुशबुओं के सम्पर्क में रहकर गन्ध चिकित्सा का लाभ भी अनायास लिया जा सके। गन्ध चिकित्सा, ऐरोया थैरेपी पूर्णतः विज्ञान सम्मत है, यह अब प्रमाणित हो चुका है। यह भी तथ्य सम्मत है कि अप्राकृतिक संश्लेषित सुगन्ध से बचना भी उतना ही आवश्यक है जितना कि दुर्गन्ध या दूषित वायु से। हितकारी मन को आल्हादित, प्रफुल्लित करने वाली सुगन्धों से लाभ उठाकर मस्तिष्क के प्रसुप्त केन्द्रों को निश्चित ही जाग्रत किया जा सकता है। ❖

स्वर्ग की सीढ़ी

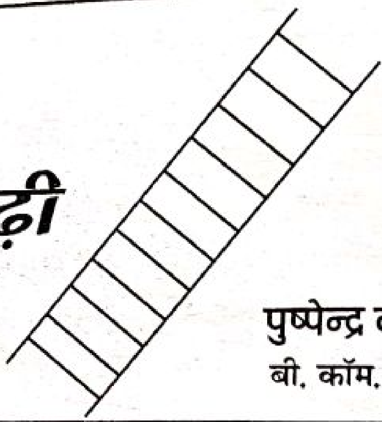

पुष्पेन्द्र कमार शर्मा
बी. कॉम. (तृतीय वर्ष)

- ☞ मारना चाहते हो तो बुरी इच्छाओं को मारो।
- ☞ जीतना चाहते हो तो क्रोध और तृष्णाओं को जीतो।
- ☞ खाना चाहते हो तो गुस्से को खाओ।
- ☞ पीना चाहते हो तो ईश्वर भक्ति का शीर्षक पीओ।
- ☞ देना चाहते हो तो नीची निगाह करके दो और भूल जाओ।
- ☞ लेना चाहते हो तो माता-पिता और गुरू श्री का
- ☞ आशीर्वाद लो।
- ☞ बोलना चाहते हो तो सत्य और मीठे वचन बोलो।
- ☞ छोड़ना चाहते हो तो पाप, घमण्ड और अत्याचार को छोड़ो।
- ☞ जाना चाहते हो तो सत्संगों एवं स्वास्थ्यप्रद स्थानों पर जाओ।
- ☞ आना चाहते हो तो दुखियों की सहायता को आओ।
- ☞ खरीदना चाहते हो तो प्रेम का सौदा खरीदो।
- ☞ तोलना चाहते हो तो बात तोलो और ठीक बोलो।
- ☞ भागना चाहते हो तो पराई निन्दा और पराई स्त्रियों से भागो।
- ☞ सुनना चाहते हो तो ईश्वर की प्रशंसा और दुखियों की पुकार को सुनो।
- ☞ देखना चाहते हो तो अपनी बुराई देखो।

यदि यह कार्य आपने कर लिए तो आपको स्वर्ग की सीढ़ी अवश्य मिलेगी। ❖

असफलता तभी आती है, जब हम अपने उद्देश्य, आदर्श और सिद्धान्त भूल जाते हैं।

– जवाहर लाल नेहरू

Scanned by CamScanner

दृढ़ निश्चय सफलता की सीढ़ी है

कु. रेनू गौतम
बी.एड.

जिस व्यक्ति के जीवन का कोई उद्देश्य नहीं होता है, जो परिस्थितियों के कारण भटक जाता है, उसे अपने ऊपर विश्वास नहीं रहता है। उसका जीवन कभी भी सफल नहीं होता है। वह हमेशा परिस्थितियों में ही फँसा रहता है। ऐसा व्यक्ति कभी भी ऊँचा नहीं उठ सकता है। ऐसा व्यक्ति कभी भी सुख प्राप्त नहीं कर सकता।
वह हमेशा भाग्य के नाम पर चलता है, और उसी भाग्य के नाम पर वह चकनाचूर हो जाता है। जो दृढ़ संकल्प लेते हैं, लक्ष्य की ओर ध्यान देकर कठिन परिश्रम करते हैं, सफलता स्वयं उनके कदम चूमती है। ❖

आचरण से सज्जनता की पहचान

सज्जनता की पहचान आचरण से होती है । आचरण का निर्माण मनुष्य के अच्छे कर्मों से होता है। इनके द्वारा ही मनुष्य की पहचान बनती है।

सज्जनता मानवीय सद्गुणों का नाम है आचरण से मनुष्य में वह सुन्दरता आ जाती है, जो बाहरी सुन्दरता की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली होती है। प्रत्येक कर्म फलदायक होता है। अच्छे कर्म का फल अच्छा और बुरे कर्म का फल बुरा होता है। सामान्य कर्मों का प्रभाव कुछ समय तक ही रहता है, जबकि उत्तम कर्मों की कीर्ति कई पीढ़ियों तक चलती रहती है। आचरण द्वारा ही अच्छे बुरे व्यक्ति की पहचान होती है। ❖

रोचक तथ्य

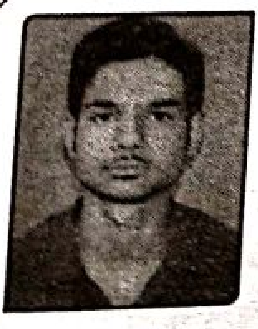

- पैसा– भगवान नं. 2
- सपना– एक ऐसी फिल्म जिसे भगवान मुफ्त दिखाता है।
- ताला – मुफ्त में पहरेदारी करने वाला चौकीदार।
- झगड़ा– वकील का कमाऊ बेटा।
- चाय– कलयुग का अमृत
- पैन – कागज की सड़क पर दौड़ने वाला यंत्र।
- फिल्म – कलयुग की रामायण।
- साँप – भगवान शंकर के गले का नेकलेस।
- कब्रिस्तान– दुनिया का आखिरी स्टेशन। ❖

हिरदेश कुमार
बी.कॉम. (प्रथम वर्ष)

Scanned by CamScanner

"मिसाइल मैन" डॉ. अब्दुल कलाम को भावभीनी श्रद्धांजलि

पुष्पेन्द्र कुमार
बी.एड.

डॉ. कलाम जी के सुविचार,

"भगवान हमारे निर्माता ने हमारे मस्तिष्क और व्यक्ति में असीमित शक्तियाँ और क्षमताऐं दी हैं। ईश्वर की प्रार्थना हमें इन शक्तियों को विकसित करने में मदद करती है।"

सफलता का रहस्य क्या है सही निर्णय! आप सही निर्णय कैसे लेते हैं? अनुभव से, आप अनुभव कैसे प्राप्त करते हैं? गलत निर्णय से।

"इंतजार करने वालों को सिर्फ उतना ही मिलता है, जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं।"

चमत्कारिक प्रतिभा के धनी डॉ. अबुल पाकिर जैनुलआब्दीन अब्दुल कलाम (कलाम साहब के अनमोल विचार) भारत के ऐसे पहले वैज्ञानिक हैं, जो देश के '11 वें राष्ट्रपति के रूप में' पद पर आसीन हुए। वे देश के ऐसे तीसरे राष्ट्रपति भी हैं, जिन्हें राष्ट्रपति बनने से पहले देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। इसके साथ वे देश के इकलौते राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने आजन्म अविवाहित रहकर देश सेवा का वृत लिया।

डॉ. कलाम साहब का जन्म :

15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडू के रामेश्वर कस्बे के एक मध्यवर्गीय परिवार में हुआ। उनके पिता जैनुल आब्दीन नाविक थे। वे पाँच वक्त के नमाजी थे और दूसरों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहते थे। अब्दुल कलाम की माता का नाम आशियम्मा था। वे एक धर्मपरायण और दयालु महिला थीं। सात भाई बहनों वाले परिवार में कलाम सबसे छोटे थे। इसलिए उन्हें अपने माता-पिता का विशेष दुलार मिला। पाँच वर्ष की अवस्था में रामेश्वर के प्राथमिक स्कूल में कलाम साहब की शिक्षा प्रारम्भ हुई। उनकी प्रतिभा को देखकर उनके शिक्षक बहुत प्रभावित हुए और उन पर विशेष स्नेह रखने लगे।

डा. कलाम साहब के बचपन के दिन :

कलाम साहब का बचपन बड़ा संघर्ष पूर्ण रहा। वे प्रतिदिन सुबह चार बजे उठकर गणित का ट्यूशन पढ़ने जाया करते थे। वहाँ से 5 बजे लौटने के बाद वे अपने माता-पिता के साथ नमाज़ पढ़ते, फिर घर पर तीन किलोमीटर दूर स्थित धनुषकोड़ी रेलवे स्टेशन से अखबार लाते और पैदल घूम-घूम कर बेचते। अखबार बेचने के बाद वे घर लौट आते, उसके बाद तैयार होकर स्कूल चले जाते। कलाम की लगन और मेहनत के कारण उनकी माँ खाने-पीने के मामले में उनका विशेष ध्यान रखती थीं। दक्षिण में धान की पैदावार अधिक होने के कारण वहाँ रोटियाँ कम खाई जाती हैं, लेकिन इसके बाबजूद कलाम को रोटियों से विशेष लगाव था। इसलिए उनकी माँ उन्हें प्रतिदिन खाने में दो रोटियाँ अवश्य दिया करती थीं।

प्राइमरी स्कूल के बाद कलाम साहब ने श्नाटर्ज हाईस्कूल रामनाथपुरम में प्रवेश लिया। वहाँ की शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने 1950 में सेंट जोसेफ कालेज, त्रिची में प्रवेश लिया। वहाँ उन्होंने भौतिक और गणित विषयों के साथ बी. एस-सी. की डिग्री पास की। अपने अध्यापकों की सलाह पर उन्होंने स्नातकोत्तर शिक्षा के लिए मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ

Scanned by CamScanner

टैकक्नोलॉजी (एम.आई.टी) चैन्नई का रूख किया। वहाँ पर कलाम जी ने अपने सपनों को आकार देने के लिए एयरोनोटिकल इंजीनियरिंग का चयन किया।

कलाम साहब के जीवन का स्वर्णिम सफर –

कलाम साहब की हार्दिक इच्छा थी कि वे वायु सेना में भर्ती हों तथा देश की सेवा करें। इस इच्छा के पूरी न हो पाने पर उन्होंने बे मन से रक्षा मंत्रालय के तकनीकी विकास एवं उत्पाद DTP & P (Air) का चुनाव किया। वहाँ पर इन्होंने 1958 में तकनीकी केन्द्र 'सिविल विमानन' में वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक का कार्यभार संभाला। उन्होंने अपनी प्रतिभा के बल पर वहाँ पहले साल में एक पराध्वनिक लक्ष्य भेदी विमान की डिजाइन तैयार करके अपने स्वर्णिम सफर की शुरूआत की। सन् 1962 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन से जुड़ने के बाद यहाँ पर उन्होंने विभिन्न पदों पर कार्य किया। उन्होंने त्रिवेंद्रम में स्पेस साइंस एण्ड टैक्नोलॉजी सेन्टर (एस.एस.टी.सी) में फाइबर रिइन फोर्स्ड प्लास्टिक डिवीजन की स्थापना की। जुलाई 1980 में रोहिणी उपग्रह को पृथ्वी की कक्षा के निकट स्थापित करके भारत को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष क्लब के सदस्य के रूप में स्थापित कर दिया। डॉ. कलाम ने भारत को रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से रक्षामंत्री के तत्कालीन वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. वी.एस. अरूणाचलम के मार्ग दर्शन में इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेबलपमेंट प्रोग्राम की शुरूआत की। इस योजना के अन्तर्गत त्रिशूल, पृथ्वी, आकाश, नाग, अग्नि एवं ब्रह्मोस नाम की मिसाइलें विकसित हुई।

डॉ. कलाम लोकप्रिय बैलिस्टिक मिसाइल और प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी के विकास पर अपने काम के लिए भारत के मिसाइल मैन के रूप में जाने जाते हैं।

डॉ. कलाम नवम्बर 1999 में भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार रहे। इस दौरान उन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्रदान किया गया। नवम्बर 2001 में प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार का पद छोड़ने के बाद उन्होंने अन्ना विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। डॉ. कलाम 25 जुलाई, 2002 को भारत के ग्यारहवें राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित हुए। वे 25 जुलाई, 2007 तक इस पद पर रहे। उनकी पुस्तक इण्डिया 2020 में उनका देश के विकास का समग्र दृष्टिकोण देखा जा सकता हैं। वे अपनी इस संकल्पना को साकार करते हुए कहते हैं कि इसके लिए भारत को कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण ऊर्जा, शिक्षा व स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी, परमाणु, अंतरिक्ष और रक्षा प्रौद्यौगिकी के विकास पर ध्यान देना होगा।

डॉ. कलाम जी की पुस्तकें

डॉ. अब्दुल कलाम भारतीय इतिहास के ऐसे पुरूष हैं, जिनसे लाखों लोग प्रेरणा ग्रहण करते हैं। कलाम जी ने अपने जीवन में काफी पुस्तकों का लेखन किया है, जिनमें इग्नाइटेड माईउस, अनलीशिंग दा पावर विद इन इंडिया, एनविजनिंग एन एमपावर्ड नेशन, टेक्नोलॉजी फॉर सोसाइटल ट्रांसफारमेशन डेवलपमेंट्स इन फ्यूलड मेकेनिक्स एण्ड स्पेस टेक्नोलॉजी। डॉ. कलाम ने तमिल भाषा में कविताएँ भी लिखी हैं, जो अनेक पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई हैं। उनकी कविताओं का एक संग्रह ''दा लाइफ ट्री'' के नाम से अंग्रेजी में भी प्रकाशित हुआ है।

सादा जीवन जीने वाले तथा उच्च विचार धारण करने वाले डॉ. कलाम ने 27 जुलाई, 2015 को आखिरी सांस ली। वे अपनी उन्नत प्रतिभा के कारण सभी धर्म, जाति एवं सम्प्रदायों की नजर में महान आदर्श के रूप में स्वीकार रहें हैं। भारत की वर्तमान पीढ़ी ही नहीं अपितु आने वाली अनेक पीढ़ियाँ उनके महान व्यक्तित्व से प्रेरणा ग्रहण करती रहेंगी। ❖

आप आज जो करते हैं उस पर आपका भविष्य निर्भर करता है। – महात्मा गाँधी

Scanned by CamScanner

जीवन एक संघर्ष

हेमन्त कुमार
बी. एड.

संसार में जीवन की शुरूआत संघर्ष के साथ होती है। प्राणी का जन्म होते ही उसे संघर्ष करना पड़ता है। चुनौतियों को कबूल करना पड़ता है। संघर्ष की बात करें तो नवजात शिशु को भी दूध पीने के लिए संघर्ष करना पड़ता है और बड़ा हुआ तो बैठने के लिए संघर्ष करना पड़ता है, कुछ दिनों बाद चलने के लिए संघर्ष करना पड़ता है, फिर जब वह समझदार हुआ तो पढ़ाई के लिए संघर्ष, बाद में नौकरी के लिए संघर्ष । इस प्रकार जीवन में संघर्ष जन्म से मृत्यु तक चलता रहता है। लेकिन हम अगर जी-जान लगाकर संघर्ष करते हैं तो हमारा प्रयास कभी -भी असफल नहीं होता। जो कभी शिक्षा के क्षेत्र में अब्राहम लिंकन, एपीजे अब्दुल कलाम आदि जैसे अथक संघर्ष कर लेते हैं तो वे उनकी जैसी एकाग्रता, प्रसन्नता कर्तव्यनिष्ठा एवं ज्ञान की एक पहचान बन जाते हैं। अगर कोई समाज सुधार के क्षेत्र में संघर्ष करता है तो वह डॉ. बी.आर. अम्बेडकर जैसा बन जाता है और अगर अहिंसा के क्षेत्र में करता है तो वह गांधी जी जैसा बन जाता है। जो किसी व्यवसाय के क्षेत्र में संघर्ष कर लेता है तो वह बिल गेट्स बन जाता है। सभी महापुरुष जानते थे कि मानव जाति का अस्तित्व संघर्ष से ही है। तभी तो उन्होंने संघर्ष किया। हमें स्वतन्त्रता भी तब मिली जब हमारे भारत के लोगों ने संघर्ष किया, मुसीबतों का सामना किया। वे लोग अन्य लोगों की अपेक्षा अधिक विश्वास से भरे होते हैं जो संघर्ष करते हैं।

कभी-कभी हमारा प्रयास सफल नहीं हो पाता तो हम स्वयं पर नाराज होने लगते हैं, हौसला टूटने लगता है परन्तु यह ध्यान रखना चाहिए कि विजेता कभी मायूस नहीं होते, वह कभी हार नहीं मानते क्योंकि वह जानते हैं कि रुकावटों से निकलने का अर्थ है- संघर्ष। सोचो जब मैदान में दो खिलाड़ी खेलने के लिए जाते हैं और वह ये सोचें कि मैं कहीं हार न जाऊँ तो वह कभी जीत नहीं पायेगा। जब हम किसी परीक्षा में बैठते हैं और हमारे मन में यह रहता है कि कहीं मैं असफल न हो जाऊँ तो हम कभी सफल नहीं हो सकते। अगर हमें सफल होना है तो जीवन में संघर्ष करना ही पड़ेगा। जब जहाज समुद्र में जाता है तो उसे तूफान का डर लगता है और अगर वह तूफान के डर से सिर्फ बन्दरगाह पर ही खड़ा रह जाता है तो जहाज में जंग लग जायेगी। जीतने वाले लक्ष्य को और हारने वाले रूकावटों को देखते हैं। किसी विचारक ने कहा भी है-

'जो कायर थे, वह हार गये, नर, नाहर बाजी मार गये।

अथवा

गिरते हैं सहसवार ही मैदाने जंग में, अरे! वे क्या गिरेंगे जो घुटनों के बल चलें।

वस्तुतः संघर्ष किसी अस्त्र-शस्त्र की लड़ाई, मार-पिटाई स्वार्थ परता के लिए नहीं बल्कि जीवन में सम्मान, स्वाभिमान एवं सुख-शान्ति से जीने का माध्यम है। आज अगर हमें कुछ करना है तो सृष्टि नहीं दृष्टि को बदलना होगा। इसके लिए संघर्ष करना पड़ेगा। हमें अपने ज्ञान की शक्ति को विश्व के सामने रखने की आवश्यकता है। अगर हम ऐसा न करें तो हमारी योग्यता एक परिसीमा में सीमित हो जायेगी। इसलिए तो कहा है।

जिन्दगी जीना आसान नहीं होता, बिना संघर्ष कोई महान नहीं होता,
जब तक न पड़े हथौड़े की चोट, तब तक पत्थर भी भगवान नहीं होता।

अथवा स्वामी विवेकानन्द के शब्दों में -

जितना बड़ा संघर्ष होता है, जीत उतनी ही शानदार होती है।❖

शिक्षा सबसे अच्छी मित्र है। एक शिक्षित व्यक्ति हर जगह सम्मान पाता है। शिक्षा, सौन्दर्य और यौवन दोनों को परास्त कर देती है।

Scanned by CamScanner

मूल्यों की पतनशीलता

डॉ. बीना अग्रवाल
हिन्दी विभाग

वर्तमान युग में मूल्य अत्यधिक चर्चित शब्द है, जो आज के परिवर्तनशील वैचारिक युग में अपने मूल अर्थ के अतिरिक्त विषय-विशेषों में प्रयुक्त होकर एक विवादास्पद शब्द बन गया है।

मूल्य मूलतः अर्थशास्त्रीय शब्द हैं, जिसका अर्थ है- दाम या कीमत। डॉ. नगेन्द्र के अनुसार, मानदण्ड और मूल्य आदि शब्द मूलतः साहित्य के शब्द नहीं हैं। पाश्चात्य आलोचना शास्त्र में भी इनका समावेश अर्थशास्त्र अथवा वाणिज्य शास्त्र में किया गया है।

मानवीय अस्तित्व के संदर्भ में मूल्य निर्धारण की प्रक्रिया क्रियाशील होती है। मूल्य -निर्धारण वस्तुतः मानवीय चेतना का ही कार्य है। धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष- ये जीवन के ऐसे मूल्य हैं। जो प्रत्येक युग में रहे। मानव जीवन का उद्देश्य इन्हीं पूरुषार्थों या मूल्यों को प्राप्त करना होना चाहिए।

मानव मूल्य सर्व स्वीकार्य होता है। ये मूल्य विशेष परिस्थिति से बद्ध नहीं होते हैं। श्रेष्ठ मानवीय मूल्य, चाहे वह किसी स्तर के हों, विरोध नहीं होता। मानव मूल्य मानव के अस्तित्व से जुड़ा हुआ है, जिसमें मानवीय हित एक महत्वपूर्ण तत्व है।

निरन्तर विकासशील और गतिशील मानव जीवन में मानव की दृष्टि और उसके जीवन मूल्यों में परिवर्तन आना अनिवार्य है। आधुनिक युग में यह परिवर्तन इतनी तेजी से हो रहा है कि मूल्य संकट की स्थिति उत्पन्न हो गयी है।

आज का युग प्रतियोगिता का युग है। आज के समय में एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ लगी हुई है और इसके लिए आदमी अपना प्रत्येक मूल्य दाव पर लगाने को तैयार है। वर्तमान समय में व्यक्ति किसी भी प्रकार से जल्दी से जल्दी सुविधा सम्पन्न होना चाहता है। यही प्रवृत्ति व्यक्ति के मानवीय मूल्यों पर अतिक्रमण कर रही है। सत्य त्याग, लोकमंगल, राष्ट्रीयता, मानवता जैसे मूल्यों की क्षति हो रही है। यही क्षति समाज को पतन की ओर ले जा रही है। ❖

लोक गीत

परमार्थ के लिए पहले मनुष्य जीता था,
राष्ट्र हित में सहज प्राण तजता था।
अब आजादी की नई हवा चली है,
नित आदर्शों की चढ़ाती बलि है।
सबको क्षणिक स्वार्थ से राग हुआ है,
पर सुख लाभ लगता बुरा है।
धन के लिए नहीं पहले धर्म बिकता था,
आज पूँजी का जनमन गुलाम बना है।
सहज भाव से अब तन-मन बिकता है।
झूठ, लोभ, हिंसा की होती अब पूजा है,
श्रम और त्याग अब भूखा सोता है।
जाने क्यों आजादी के लिए मनुष्य रोया था,
व्यापार ही आज सबका धर्म बना है।
कर्म से ज्यादा होती प्रतिफल की पूजा है,
बिना लाभ के नहीं माता दूध पिलाती है।
बंजर धरती अब मुँह-माँगी कीमत पाती है,
पहले जन निष्काम कर्म की पढ़ता गीता था।

❖

Scanned by CamScanner

क्या आप भी भगवान पर हँसते हैं ?

आकाश गुप्ता
बी.कॉम. (तृतीय वर्ष)

ऋषि अष्टावक्र का शरीर कई जगह से टेढ़ा - मेढ़ा था। इसलिए वे अच्छे नहीं दीखते थे। एक दिन जब ऋषि अष्टावक्र राजा जनक की सभा में पहुँचे तो उन्हें देखते ही सभा के सभी सदस्य हँस पड़े।

ऋषि अष्टावक्र सभा के सदस्यों को हँसता देखकर वापस लौटने लगे।

यह देखकर राजा जनक ने ऋषि अष्टावक्र से पूछा "भगवन! आप वापस क्यों जा रहे हैं ?"

ऋषि अष्टावक्र ने उत्तर दिया- मैं मूर्खों की सभा में नहीं बैठता"।

ऋषि अष्टावक्र की बात सुनकर सभा के सदस्य नाराज हो गए और उनमें से एक सदस्य ने क्रोध में पूछ ही लिया" हम मूर्ख क्यों हुए ? आपका शरीर ही ऐसा है तो हम क्या करें।

तभी ऋषि अष्टावक्र ने उत्तर दिया - तुम लोगों को यह नहीं मालूम कि तुम मुझ पर नहीं, सर्वशक्तिमान ईश्वर पर हँस रहे हो।

मनुष्य का शरीर तो हाँडी की तरह है जिसे ईश्वर रूपी कुम्हार ने बनाया है।

हाँडी की हँसी उड़ाना क्या कुम्हार की हँसी उड़ाना नहीं हुआ। अष्टावक्र का तर्क सुनकर सभी सदस्य लज्जित हो गए और उन्होंने ऋषि अष्टावक्र से क्षमा माँगी।

दुर्बल को न सताइए, जाकी मोटी हाय।
मुई खाल की स्वांस सों, सार भसम ह्वे-जाय।।

दोस्तो! हममें से ज्यादातर लोग भी कभी न कभी किसी मोटे, दुबले या काले व्यक्ति को देखकर हँसते हैं और उनका मजाक उड़ाते हैं कि वह कैसा भद्दा दिखता है।

जब हम ऐसा करते हैं तो हम ईश्वर, अल्ला या भगवान का मजाक उड़ाते हैं न कि उस व्यक्ति का।

इन्सान के व्यक्तित्व का निर्माण उसका रंग, शरीर या कपड़े नहीं करते बल्कि व्यक्तिव का निर्माण मनुष्य के विचार एवं उसका आचरण करते हैं।

तभी कबीर जी ने कहा है-

बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय।
जो दिल खोजा आपनो, मुझ सा बुरा न कोय ।। ❖

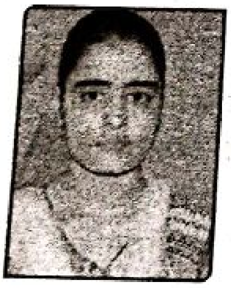

फेरीवाला स्वप्न विक्रेता

मेधा पालीवाल
बी.एस-सी. (प्रथम वर्ष)

यदि सपने बेचे जा रहे हों, और फेरीवाला घंटी बजा-बजा कर कह रहा हो, तो आप कौन-सा सपना खरीदेंगे ? किसी सपने का मूल्य एक सुखमय विचार होता है तो किसी का मूल्य एक हल्का विश्वास होता है, जो जिन्दगी के ताजा मुकुट को झकझोर कर उसमें से एक पंखुड़ी मात्र ही गिरा देता है।

मैं एक ऐसी एकाकी जीवन कुटी की कामना करूँगी, जिसकी छाया में मेरी सारी तकलीफें शान्त हो जाएँ।

मैं अपनी मृत्यु तक रहूँगी और जीवन के ताजा मुकुट को झकझोर कर उसमें से एक पंखुड़ी अपनी इच्छा से नीचे गिराऊँगी।

यदि सपने अपनी इच्छा से पूरे किए जा सकते तो मैं इसी सपने को चुनती। ❖

स्वस्थ नागरिक किसी देश के लिए सबसे बड़ी सम्पत्ति होते हैं।

- विन्सटन चर्चिल

Scanned by CamScanner

मंचासीन कवि मामा मुरसानी, अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी, मुख्य अतिथि श्री मुरारी लाल अग्रवाल व कवि श्री अशोक अज्ञेय

मथुरा से महाविद्यालय में पधारे जन सांस्कृतिक मंच के पदाधिकारी व सदस्य

मुख्य अतिथि श्री मुरारी लाल अग्रवाल को स्मृति चिन्ह भेंट करती हुई अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी, प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता व सचिव श्री दीपक गोयल

ज्ञान आई.टी.आई. के उपप्राचार्य रहे स्व. श्री सुरेश चन्द्रा की धर्मपत्नी को सहयोग राशि भेंट करती हुई अध्यक्षा व प्राचार्य

मंचासीन रोटरी क्लब मथुरा सेन्ट्रल के अध्यक्ष श्री मुकेश सिंघल, श्री बी.बी. कालरा श्रीमती आशा देवी व श्री अरूण जैन

महाविद्यालय में भ्रमण हेतु पधारे रोटरी क्लब मथुरा सेन्ट्रल के पदाधिकारी व सदस्यगण

मुख्य अतिथि श्री बी.बी. कालरा को सम्मानित करती हुई उपप्राचार्या . रेखा शर्मा, श्री दीपक गोयल, डा. वाई.के. गुप्ता, डा. एस.एस. यादव

वरिष्ठ रोटेरियन को सम्मानित करते हुए श्री पुष्पेन्द्र सिंह साथ में सचिव श्री दीपक गोयल व डा. रेखा शर्मा

Scanned by CamScanner

पुलिस व एस.ओ.जी. सम्मान

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री जे. रविन्दर गौड़ (आई.पी.एस.) को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए प्रबन्धक श्री मनोज यादव व प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता

थाना अध्यक्ष मडराक श्री नजमूल को सम्मानित करते हुए एस.पी. श्री संसार सिंह और सचिव श्री दीपक गोयल

मुख्य अतिथि श्री संसार सिंह (एस.पी. देहात) एस.ओ.जी. टीम, सर्विलांस टीम को सम्मानित करते हुए

सम्मान समारोह में उपस्थित प्रबन्धक श्री मनोज यादव, सचिव श्री दीपक गोयल, मुख्य अतिथि एस.पी. देहात श्री संसार सिंह, प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता के साथ सम्मानित एस.ओ.जी., सर्विलांस पुलिस टीम

विशिष्ट अतिथि डा. आर.के. भटनागर (से.नि. आई.ए.एस.) दीप प्रज्वलित करते हुए साथ में मुख्य अतिथि डा. योगेन्द्र नारायन I.A.S.(पू. महा सचिव राज्य सभा)

स्थापना दिवस पर उपस्थित अतिथिगण व छात्र-छात्राऐं

मुख्य अतिथि डा0 योगेन्द्र नारायन I.A.S.(पू. महा सचिव राज्य सभा) का स्वागत करते हुए डा. वाई.के. गुप्ता

विशिष्ट अतिथि डा. आर. के. भटनागर का स्वागत करते हुए उपप्राचार्य डा. एस.एस. यादव

विशिष्ट अतिथि श्री कृपाल सिंह सदस्य ए.डी.ए. अलीगढ़ का स्वागत करते हुए प्रभारी कला संकाय डा. विवेक मिश्रा

अतिथि श्री चाँद गोयल पूर्व मुख्य सचिव, महाराष्ट्र सरकार(से.नि. आई.ए.एस.) का स्वागत करते हुए कार्यक्रम अधिकारी एन.एस.एस. डा. ललित उपाध्याय

अतिथि श्री लाल गोयल का स्वागत करते हुए वाणिज्य संकाय के प्राध्यापक डा. समरराज

अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी का स्वागत करती हुयीं उप प्राचार्या डा. रेखा शर्मा

Scanned by CamScanner

अतिथि इन्जी. इन्द्रेश कुमार कौशिक कास्वागत करते हुए बी.टी.सी. विभागाध्यक्ष श्री आर.के. शर्मा

अतिथि श्री अनिल खण्डेलवाल का स्वागत करते हुए भूगोल विभाग विभागाध्यक्ष डा. सोमवीर सिंह

प्रबन्धक श्री मनोज यादव का स्वागत करते हुए श्री लखमी चन्द्र

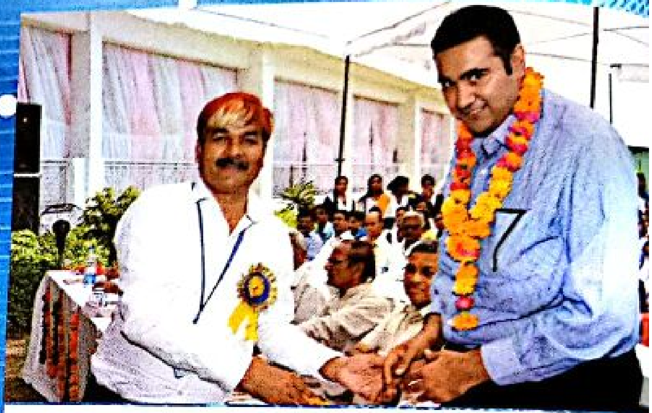

अतिथि श्री ऋषि गोयल का स्वागत करते हुए डा. नरेन्द्र कुमार

अतिथि श्री ब्रजेन्द्र मलिक का स्वागत करते हुए डा. रत्न प्रकाश

रंगारंग प्रस्तुति देतीं हुई छात्राऐं

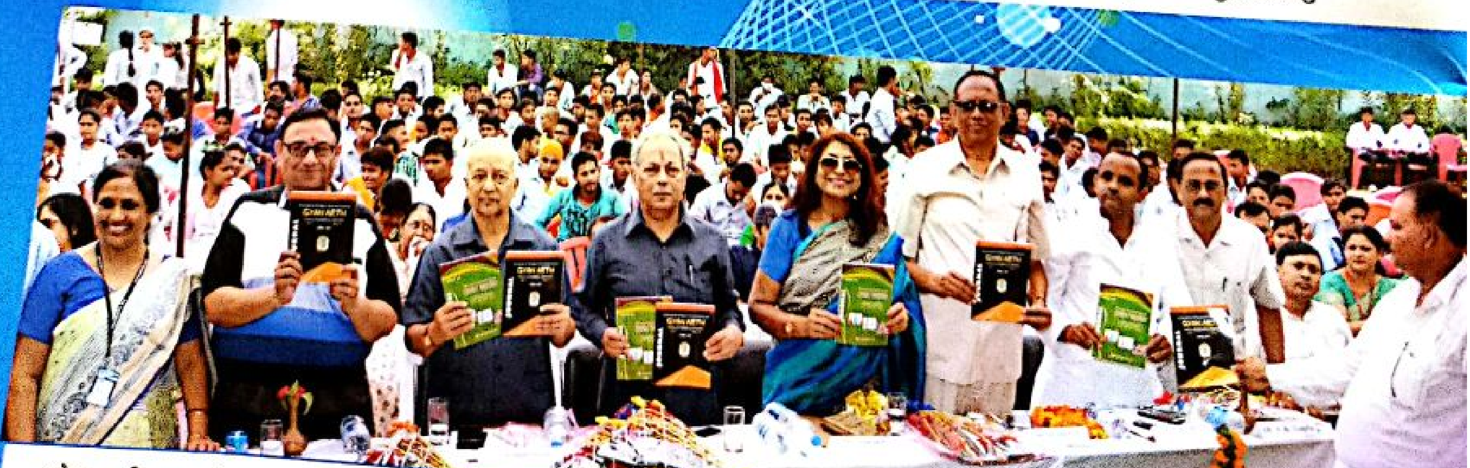

शोध जर्नल ज्ञान विज्ञान व ज्ञान अर्थ का विमोचन करते हुए मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, सचिव, अध्यक्षा, प्राचार्य व प्रकाशन समिति के सद

Scanned by CamScanner

स्थापना दिवस पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत करते हुए छात्र

रंगारंग नृत्य प्रस्तुति देते हुए छात्र एवं छात्राऐं

मुख्य अतिथि डा. योगेन्द्र नारायन I.A.S.(पूर्व महासचिव राज्य सभा) को सम्मानित करते हुए अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी, सचिव श्री दीपक गोयल व श्री चाँद गोयल

मुख्य अतिथि डा. योगेन्द्र नारायन I.A.S.(पूर्व महासचिव राज्य सभा) छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए

श्री कृपाल सिंह (सदस्य ए.डी.ए.) का सम्मान करते हुए मुख्य अतिथि डा. योगेन्द्र नारायन एवं विशिष्ट अतिथि डा. आर.के. भटनागर

विशिष्ट अतिथि डा. आर.के. भटनागर (से.नि. आई.ए.एस.) द्वारा सम्बोधन

अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी व श्रीमती रितिका गोयल द्वारा अतिथियों का सम्मान

अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी, उपाध्यक्ष श्री अवि प्रकाश मित्तल को सम्मानित करते हुए

Scanned by CamScanner

रक्तदान शिविर एवं संगोष्ठी
(राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई)

रक्तदान शिविर व संगोष्ठी का दीप प्रज्ज्वलन करते हुए मुख्य अतिथि कार्य. सी.एम.एस. जिला चिकित्सालय डा. हीरा सिंह व प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता

रक्तदान करती हुयी छात्रा का मनोबल बढाते हुए बी.एड. की छात्रायें व प्राध्यापिकायें

रक्तदान करते हुए छात्र का हौसला बढाते हुए मुख्य अतिथि कार्य. सी.एम.एस. जिला चिकित्सालय डा. हीरा सिंह व प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता

रक्तदाताओं को सम्मानित करते हुए कार्यक्रम अधिकारी

रक्तदान करते हुए प्राध्यापक श्री लखमी चन्द्र का हौसला बढाते हुए मुख्य अतिथि कार्य. सी.एम.एस. जिला चिकित्सालय डा. हीरा सिंह, अन्य

रक्तदाता छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते हुए प्राध्यापकगण

रक्तदान शिविर व संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता, मंचासीन डा. हीरेश गोयल, डा. हीरासिंह व श्री अजय पाठक

मुख्य अतिथि कार्य. सी.एम.एस. डा. हीरा सिंह को सम्मानित करते हुए प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता, डा. हीरेश गोयल व डा. ललित उपाध्याय

Scanned by CamScanner

रोडवेज बस स्टैण्ड गांधी पार्क पर निःशुल्क प्याऊ का बी.टी.सी. विभाग के सहयोग से आयोजन किया गया

रोडवेज बस स्टैण्ड गांधी पार्क पर निःशुल्क प्याऊ पर राहगीरों को शर्बत पिलाते हुए महाविद्यालय के छात्र व स्टॉफ

पर्यावरण दिवस पर ग्राम - मुकन्दपुर में जन चेतना रैली का आयोजन सामाजिक सरोकार के अन्तर्गत बी.टी.सी. विभाग द्वारा किया गया

सामाजिक सरोकार समिति ने प्रा. वि. न्हौटी में छात्र-छात्राओं, पूर्व एम.एल.सी. श्री विवेक बंसल, पर्यावरण विद श्री सुबोध नन्दन के साथ किया वृक्षारोपण

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री विवेक बंसल ने ग्राम - न्हौटी के प्रा. वि. में छात्र-छात्राओं को सम्बोधित किया

सामाजिक सरोकार समिति के प्रभारी डा. विवेक मिश्रा, डा. आर.के. कुशवाहा एवं डा. ललित उपाध्याय पूर्व विधायक श्री विवेक बंसल के साथ ग्रामीणों से वार्ता करते हुए

मकर संक्रान्ति के उपलक्ष्य में अनाथालय में खिचड़ी वितरण

वस्त्र वितरण कार्यक्रम 'पहल' के तहत एकत्र दान हेतु पुराने गर्म कपड़ों के साथ एन.एस.एस. स्वयं सेवक छात्र व प्रभारी डा. विवेक मिश्रा

बढ़ौली फतेह खां ग्रामवासी छात्रा नेखला को विवाह के अवसर पर सिलाई मशीन भेंट करते हुए प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता व उपप्राचार्य डा. हीरेश गोयल

ज्ञान सुरक्षा बन्धन शिविर के मुख्य अतिथि बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा सासनी गेट प्रबन्धक को सम्मानित करते हुए प्राचार्य

ज्ञान दीप ज्योति कार्यक्रम के अन्तर्गत गोद लिये चौदह ग्रामों के महाविद्यालय में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं को दीया-बाती भेंट करते हुए सचिव श्री दीपक गोयल, प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता, डा. गौतम गोयल, डा. विवेक मिश्रा, डा. ललित उपध्याय व ज्ञान परिवार

गोद लिये ग्राम मडराक में स्थित ईंट भट्टे पर मजदूरों के बच्चों को वस्त्र प्रदान करते हुए सामाजिक सरोकार समिति व एन.एस.एस. के छात्र

मकर संक्राति के अवसर पर मिसनरी ऑफ चेरेटी जमालपुर अलीगढ़ को खिचड़ी वितरण हेतु दल को रवाना करते हुए प्राचार्य व प्राध्यापकगण

ज्ञान गाँव की ओर कार्यक्रम के अन्तर्गत बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान में उपस्थित ग्राम प्रधान मुकन्दपुर, ग्रामवासी व छात्र-छात्राऐं

अमर उजाला के कार्यक्रम 'सफलता अपनी मुट्ठी में' विजेता छात्र नवीन कुमार के साथ प्राचार्य, सचिव व ...

भारत एवं विश्व का भौगोलिक वर्णन

विजय लक्ष्मी गुप्ता
बी. ए. (द्वितीय वर्ष)

1. हिन्द महासागर का सबसे बड़ा द्वीप कौन-सा है ? — उत्तर- मेडागास्कर
2. स्वेज नहर किन दो समूहों को जोड़ती है ? — उत्तर- लाल सागर व भूमध्य सागर
3. विश्व का सबसे अधिक गर्म स्थान माना जाता है ? — उत्तर- अजीजिया 'लीबिया'
4. विश्व का सबसे ऊँचा जल प्रपात ऐंजिल किस देश में है ? — उत्तर- वेनेजुएला 'दक्षिण अफ्रीका' में
5. किस भूगोलवेत्ता ने सर्वप्रथम विश्व ग्लोव पर अक्षांश व देशान्तर रेखाएं खींची ? — उत्तर-पटोलेमी ने
6. हिमालय किस प्रकार का पर्वत है ? — उत्तर- वलित पर्वत
7. कनाडा के मध्य अक्षांशीय घास के मैदान क्या कहलाते हैं ? — उत्तर- प्रेयरीज
8. विश्व का सबसे छोटा गणतन्त्र है ? — उत्तर- नौरू
9. भारत का सबसे अधिक वर्षा वाला स्थान कौन-सा है ? — उत्तर- माब्सिनराम 'मेघालय'
10. भारत का कॉपर प्लांट कहाँ स्थित है ? — उत्तर- मलजखण्ड में
11. मैटूर बाँध किस नदी पर बना है ? — उत्तर- कावेरी नदी पर
12. एलीफेण्टा दर्श किस देश में है ? — उत्तर- श्रीलंका में

❖

सच्चा साथी कौन?

सवरब कुमार
बी. कॉम. (तृतीय वर्ष)

एक मनुष्य को किसी वजह से सजा हो जाती है। इससे बचने के लिए वह कोई उपाय सोचता है। क्यों न मैं अपने मित्रों से मदद ले लूँ, जिससे कि मैं सजा से बच जाऊँ। यही सोचकर वो इन्सान अपने पहले मित्र के पास जाता है और उससे कहता है- कि तुम मेरी मदद कर दो, मेरे पक्ष में बयान दे दो, जिससे कि मैं सजा से बच जाऊँ, तो पहला मित्र कहता है- नहीं मैं तुम्हारा साथ नहीं दे सकता। वो अपने मित्र के इस व्यवहार से निराश होकर लौट जाता है। फिर वो अपने दूसरे मित्र के पास जाता है और उससे भी वह वही प्रश्न करता है, जो उसने अपने पहले मित्र से किया था।

दूसरा मित्र जबाव देता है- मैं तुम्हारे साथ हूँ लेकिन मैं तुम्हारे पक्ष में बयान नहीं दूँगा। वह एक बार फिर निराश हो जाता है, तभी उसे अचानक याद आता है कि उसका एक मित्र और है! फिर वो उसके पास जाता है तथा उससे भी वही प्रश्न करता है।

तीसरा मित्र कहता है- मैं तेरे साथ अवश्य चलूँगा और तेरे पक्ष में बयान दूँगा लेकिन सत्य ही बोलूँगा। फैसला तो जज के हाथ में है।

तथ्य एवं निसार- पहला मित्र- इन्सान का शरीर जिसे सभी सबसे ज्यादा प्रेम करते हैं, परन्तु वह हमारा साथ नहीं देता।

दूसरा मित्र- इन्सान के परिवार के सदस्य जो सिर्फ शमशान तक ही साथ देते हैं।

तीसरा मित्र- इन्सान के अच्छे व बुरे कर्म जो हमेशा साथ जाते हैं और उसका निर्णय स्वयं भगवान करते हैं। ❖

Scanned by CamScanner

कड़वा सत्य

निशान्त पण्डित
इलैक्ट्रीशियन, प्रथम सेमेस्टर

वृद्धाश्रम में माँ-बाप को देखकर सब लोग बेटों को ही कोसते हैं। लेकिन दुनिया वाले ये कैसे भूल जाते हैं कि वहाँ भेजने में किसी की बेटी का भी अहम रोल रहा होता है। वरन् लोग अपने माँ-बाप को अपनी शादी से पहले ही वृद्धाश्रम क्यों नहीं भेजते ? संस्कार बेटियों को भी दें ताकि कोई केवल बेटों को न कोसे।

यह कड़वा है पर सत्य है। ❖

सबसे कीमती चीज़

त्रिवेदी कुमार
अनुदेशक- इलैक्ट्रीशियन विभाग

एक जाने माने स्पीकर ने हाथ में पाँच सौ का नोट लहराते हुए अपनी सेमीनार शुरू की। हाल में बैठे सैकड़ों लोगों से उसने पूछा - ये पाँच सौ का नोट कौन लेना चाहता है ? हाथ उठना शुरू हो गए।

फिर उसने कहा, मैं इस नोट को आपमें से किसी एक को दूँगा पर उससे पहले मुझे ये कर लेने दीजिये और उसने नोट को अपनी मुट्ठी में चिमोड़ना शुरू कर दिया और फिर उसने पूछा, कौन है जो अब भी यह नोट लेना चाहता है ? अभी भी लोगों के हाथ उठने शुरू हो गए।

''अच्छा'' उसने कहा, अगर मैं ये कर दूँ? और उसने नोट को नीचे गिराकर पैरों से कुचलना शुरू कर दिया, उसने नोट उठाया, वह बिल्कुल चिमड़ा और गन्दा हो गया था। क्या अभी भी कोई है जो इसे लेना चाहता है और एक बार फिर हाथ उठने शुरू हो गए।

दोस्तों आप लोगों ने आज एक बहुत महत्वपूर्ण पाठ सीखा है। मैंने इस नोट के साथ इतना कुछ किया पर फिर भी आप इसे लेना चाहते थे क्योंकि ये सब होने के बावजूद नोट की कीमत घटी नहीं, उसका मूल्य अभी भी 500 रुपये था। जीवन में कई बार हम गिरते हैं, हारते हैं, हमारे लिये हुए निर्णय हमें मिट्टी में मिला देते हैं, हमें ऐसा लगने लगता है कि हमारी कोई कीमत नहीं है किन्तु आपके साथ चाहे जो हुआ है या भविष्य में जो हो जाये, उससे आपका मूल्य कम नहीं होता। आप स्पेशल हैं, इस बात को कभी मत भूलिये, कभी भी बीते हुए कल की निराशा से आने वाले कल के सपनों को बर्बाद मत होने दीजिये। याद रखिये आपके पास जो सबसे कीमती चीज़ है वो है आपका जीवन। ❖

जीवन लम्बा होने के बजाय महान होना चाहिए।

– डा॰ बाबा साहेब अम्बेडकर

Scanned by CamScanner

दलित वर्ग में व्याप्त गरीबी से संबंधित कारणों का विश्लेषण

डॉ. योगेश कुमार गुप्ता *
डॉ. रत्न प्रकाश **

सरकारी रूप से गरीबी उन्मूलन सरकार की प्राथमिकता है। लेकिन भ्रष्टाचार के कारण इस प्राथमिकता को आजादी के 68 साल बाद भी अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका है। प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि केन्द्र सरकार द्वारा गरीबों को दी जाने वाली धनराशि का 15 प्रतिशत भाग ही लाभार्थियों को मिल पाता है। मौजूदा गरीबी उन्मूलन तथा अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों की अक्षमता तथा लीकेज के चलते अभी जितना खर्च हो रहा है उसका 15 प्रतिशत से भी कम भाग लाभार्थियों तक पहुँच रहा है, क्योंकि भ्रष्टाचार लगातार बढ़ रहा है। यदि पूरी ईमानदारी तथा कर्तव्यनिष्ठा से नियोजन तथा कार्यान्वयन किया जाये तो एक पंचवर्षीय योजना में ही गरीबी मिट जायेगी। इसके लिए गरीब लाभार्थियों का सही मायने में जागरूक होना बहुत ही आवश्यक है। लाभार्थियों को केवल कल्याणकारी कार्यक्रमों की पूरी जानकारी होना ही पर्याप्त नहीं है वरन् उससे पूरा लाभ अर्जित करना भी उसे आना चाहिए। अकुशल श्रमशक्ति ही गरीब की पूँजी है, गरीब इसलिए गरीब है क्योंकि उसके पास जमीन, पूँजी, कौशल तथा जागरूकता का अभाव है। इसलिए गरीबों के विकास के लिए श्रम सघन औद्योगिक विकास की आवश्यकता है। यदि कृषि भूमि का समान वितरण कर दिया जाये तो भी गरीबी दूर नहीं होगी।

परिचय–

2011 की जनगणना के अनुसार देश में अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों की जनसंख्या क्रमशः 16.20 प्रतिशत तथा 8.20 प्रतिशत है। भारतीय वर्ण व्यवस्था के अनुसार अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के व्यक्ति शूद्र वर्ग में माने जाते थे। आजादी के बाद सरकारी रूप से शूद्र वर्ग को दो श्रेणी–अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों में बाँटा गया। सरकारी अभिलेखों में अनुसूचित जातियों को हरिजन तथा अनुसूचित जन जातियों को आदिवासी नाम से दर्ज किया जाने लगा। प्रायः अनुसूचित जातियों की श्रेणी में आने वाले व्यक्तियों को अछूत भी कहा जाता है। कुछ वर्ष पूर्व संसद में चर्चा करके सरकारी शब्दावली से हरिजन शब्द हटा दिया गया। इस संबंध में तर्क यह था कि देवदासियों के बच्चों को हरिजन कहा जाता था इसलिए अनुसूचित जातियों के व्यक्तियों को हरिजन कहना उनका अपमान करना है। इसलिए अब पूरे देश में सरकारी अभिलेखों में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति लिखने का ही नियम है। मोटे तौर पर अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों को ही दलित की श्रेणी में माना जाता है।

अनुसूचित जातियों तथा जन जातियों के व्यक्तियों के अलावा कुछ जातियाँ अन्य पिछड़ी जातियों की श्रेणी में आती है। इस्लाम धर्म मानने वाली अनेक जातियाँ भी अन्य पिछड़ी जातियों की श्रेणी में रखी गयी हैं। भारत सरकार तथा प्रदेश सरकारों द्वारा अनुसूचित जातियों, अनुसूचित–जन जातियों तथा अन्य पिछड़ी जातियों के व्यक्तियों को विशेष सुविधायें दी जाती है, इसलिए अनेक अनारक्षित जातियों के व्यक्ति उपर्युक्त आरक्षित जातियों की सूची में अपनी–अपनी जाति का नाम दर्ज कराने के लिए प्रयासरत है, तथा आन्दोलन करते हैं।

* प्राचार्य, ज्ञान महाविद्यालय, अलीगढ़ (उ.प्र.)
** प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग, ज्ञान महाविद्यालय, अलीगढ़ (उ.प्र.)

Scanned by CamScanner

लघु कृषक विकास अभिकरण (Small Farmer Development Agency) के मूल्यांकन के बाद 1978 में गरीबी की रेखा की अवधारणा स्पष्ट की गयी, इसमें यह माना गया कि ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले व्यक्तियों को प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 2400 कैलोरी तथा शहरी क्षेत्र में रहने वाले व्यक्तियों को प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 2100 कैलोरी की आवश्यकता है। जिस परिवार के व्यक्ति अपनी आय में से निर्धारित कैलोरी प्राप्त करने में असमर्थ हैं, उन परिवारों को गरीबी की रेखा से नीचे माना जाता है।

मँहगाई के हिसाब से गरीबी की रेखा की परिभाषा में समय-समय पर परिर्वतन होते रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार "विकल्पों और मौकों का अभाव ही गरीबी है। यह मानव आत्म सम्मान का उल्लंघन है। इसका मतलब समाज में प्रभावकारी रूप से भागीदारी करने वाली मूल क्षमता का अभाव होना है। इसका मतलब किसी के पास संसाधनों का इतना अभाव होना है कि वह परिवार को न तो भरपेट भोजन कराने में सक्षम है, न ही उनके तन ढकने में। इसका मतलब असुरक्षा, लाचारी और बहिष्कार होता है, हिंसा के प्रति अति संवेदनशील होना, एकाकी जीवन जीने या नाजुक माहौल में जीने के लिए अभिशप्त होना होता है।"

गरीब कौन है? गरीबी की गणना वर्तमान में रंगराजन समिति की सिफारिशों से की जाती है। जून 2014 में इसी समिति ने गरीबी का नया पैमाना तैयार किया। इसके अनुसार ग्रामीण इलाके के लिए प्रति व्यक्ति मासिक उपभोग खर्च 972 रूपये तय किया गया, जब कि शहरी क्षेत्र के लिए यह राशि 1407 रूपये तय है। यानि पाँच लोगों के किसी परिवार के लिए मासिक उपभोग खर्च ग्रामीण क्षेत्र के लिए 4860 रूपये और शहरी क्षेत्र के लिए इसकी सीमा 7035 रूपये निर्धारित है।[6]

गरीबी से संबंधित कारणों का विश्लेषण

एक सरकारी सर्वेक्षण के अनुसार देश के ग्रामीण क्षेत्रों के 75 प्रतिशत परिवारों की मासिक आय पाँच हजार रुपये से अधिक नहीं है। 51 प्रतिशत परिवार मानव श्रम पर निर्भर हैं।[7] ये आँकड़े देश की गरीबी को उजागर करते हैं।

1. **गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों में अपात्र लाभार्थियों का चयन:** आई.आर.डी.पी. के अन्तर्गत अलीगढ़ (उ.प्र.) जिले में 55.66 प्रतिशत तथा मुजफ्फर नगर (उ.प्र.) जिले में 38.67 प्रतिशत लाभान्वित परिवार सहायता के समय गरीबी की रेखा से ऊपर थे।[2] **DWCRA** के अन्तर्गत डोडा (जम्मू तथा कश्मीर) जिले में 32.50 प्रतिशत लाभान्वित परिवार सहायता के समय गरीबी की रेखा से ऊपर थे।[3] **DWCRA** के अन्तर्गत जिला महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) तथा जिला-अलवर (राजस्थान) के 76.5 प्रतिशत परिवार सहायता के समय गरीबी की रेखा से ऊपर थे।[9] इस प्रकार गरीबों को मिलने वाले लाभ का अधिकांश भाग गरीबी की रेखा से ऊपर के परिवार हड़प जाते हैं। संदर्भित अध्ययनों से यह भी स्पष्ट है कि दलित वर्ग के गरीबों को मिलने वाले लाभ का अधिकांश भाग दलित वर्ग के गरीबी की रेखा से ऊपर के लोग हड़प लेते हैं। यहाँ तक की गैर दलित वर्ग के गरीबी के रेखा से ऊपर के परिवारों को गरीबी की रेखा से नीचे का दलित वर्ग का लाभार्थी दर्ज करके सहायता दे दी जाती है।

2. **भ्रष्टाचार एवं भ्रामक सरकारी आँकड़े :** दलित वर्ग के गरीबों को मिलने वाली **Subsidy** एवं अन्य लाभों का अधिकांश भाग भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। भारत सरकार के आँकड़ों के अनुसार ग्रामीण भारत में **SC, ST, OBC** तथा **General** में बेरोजगारी की दर क्रमशः 28, 24, 30 तथा 53 प्रतिशत है। इस आधार पर कहा जाता है कि दलितों की आर्थिक स्थिति सामान्य जातियों से अच्छी है। ये आँकड़ें भ्रामक हैं क्योंकि दलित वर्ग के अधिकांश लोग केवल अकुशल मानव श्रम पर आश्रित हैं और उनकी मजदूरी की दर अपेक्षाकृत काफी कम है।[4] भारत सरकार के आँकड़ों के अनुसार वर्ष 2011-12 में देश में **MGNREGA** के अन्तर्गत 216.34 करोड़ मानव दिवस रोजगार लोगों को दिया गया, इसमें **SC** तथा **ST** का प्रतिशत क्रमशः 22 तथा 18 है।[10] ये आँकड़े भी भ्रामक हैं, क्योंकि **MGNREGA** के अन्तर्गत अधिकांश रोजगार अकुशल श्रमिकों को दिया जाता है। गरीबी के कारण दलित वर्ग के श्रमिकों ने उक्त प्रतिशत प्रतिभाग किया, यह उनकी मजबूरी थी, इससे वे किसी भी तरह जीवित ही रह पाते हैं।

Scanned by CamScanner

सरकारी नियमानुसार स्थानीय लोग जंगल (वन) से नि:शुल्क साल बीज एकत्र कर सरकारी रेट पर सरकारी एजेन्ट को बेचने के लिए बाध्य हैं, इस कार्य में प्रतिदिन 10 घण्टे कड़ी मेहनत करके वे प्रतिदिन सरकार द्वारा निर्धारित दैनिक मजदूरी का 1/3 भाग ही उपार्जित कर पाते हैं।[8] भूमि सुधार कार्यक्रमों के अन्तर्गत दलित वर्ग के गरीबों को आबंटित भूमि के अधिकांश भाग पर उन्हें वास्तविक कब्जे नहीं मिले, अधिकतर अनुपजाऊ भूमि आबंटित की गयी।[1]

3. **सरकारी मदद से दिलवाये गये साधनों से उचित आय न होना:** संदर्भित अध्ययनों से स्पष्ट है कि गरीब वर्ग के दलितों को सरकारी कार्यक्रमों के अन्तर्गत कम आय अर्जन के साधन खरीदवाये जाते हैं, जिससे वे गरीबी की रेखा से ऊपर नहीं आ पाते हैं। अधिकतर दलित गरीबों को उनके परम्परागत पेशे– टोकरी बनाना, रस्सी बनाना, सूप (छाज) बनाना, जूते बनाना, चमड़ा पकाना, जूतों पर कढ़ाई, कताई, बुनाई, बकरी पालन आदि के लिए सहायता दी जाती है। इन साधनों की आय अर्जन क्षमता बहुत ही कम है, इससे वे गरीब ही बने रहते हैं।

4. **गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के नियोजन, कार्यान्वयन तथा मूल्यांकन में आधारभूत कमियाँ :** नियोजन तथा कार्यान्वयन करते समय यह माना जाता है कि भ्रष्टाचार नहीं होगा– यह मान्यता पूरी तरह अवास्तविक है। सरकारी मूल्यांकन में प्रगति को बढ़ा चढ़ाकर सफलता दिखाई जाती है। इससे दलित गरीबों को नुकसान होता है। यहाँ तक कि सहायता प्राप्त सभी लाभार्थियों को गरीबी रेखा से ऊपर मान लिया जाता है।

5. **राजनीतिज्ञ तथा सरकारी तन्त्र का निहित स्वार्थ :** अधिकांश राजनीतिज्ञ तथा सरकारी लोग सच्चे दिल से यह नहीं चाहते कि गरीबों का कल्याण हो। वे गरीबों को लगातार अपनी कमाई का जरिया बनाये रखना चाहते हैं। यदि गरीबी दूर हो जायेगी तो राजनीतिज्ञ तथा संबंधित सरकारी तन्त्र के कमीशन की कमाई बन्द हो जायेगी इसलिए वे कार्यक्रमों का नियोजन एवं कार्यान्वयन इस प्रकार करते तथा करवाते हैं ताकि उनकी अवैध कमाई बरकरार रहे। राजनीतिज्ञों द्वारा कर्ज माफी की घोषणा भी गरीबी उन्मूलन में बाधक है।

6. **Subsidy तथा Stipend के लालच में लाभार्थी बनना :** अधिकांश दलित वर्ग के लाभार्थी Subsidy तथा Stipend के लालच में लाभार्थी बनते हैं। आय अर्जन की स्कीम में अधिकांश गरीबों को वास्तविक रूचि नहीं होती है, कर्ज माफ होने के लालच में भी वे रोजगार के नाम पर सरकारी ऋण ले लेते हैं।

7. **लाभार्थियों के उचित प्रशिक्षण का अभाव :** आय अर्जन के कार्यों के लिए जो कुशलता Skill का प्रशिक्षण दिया जाता है, वह उचित तथा पर्याप्त नहीं होता, इसलिए गरीब वर्ग द्वारा तैयार किया गया सामान बाजार में मौजूद प्रतियोगिता में टिक नहीं पाता, फलस्वरूप गरीब व्यक्ति गरीबी से मुक्त नहीं हो पाते।

8. **दलित वर्ग के लाभार्थियों को प्रति लाभार्थी ऋण एवं Subsidy की कम धनराशि:** संदर्भित अध्ययनों से स्पष्ट है कि दलित वर्ग के लाभार्थियों को आय अर्जन के जो साधन खरीदवाये जाते हैं, उनकी आय अर्जन क्षमता कम होती है तथा उनकी कीमत भी कम होती है, इसलिए उन पर Subsidy की कुल धनराशि भी लाभार्थी को कम ही मिलती है। इस प्रक्रिया में कुल मिलाकर गरीब वर्ग के दलित लाभार्थी अपेक्षाकृत घाटे में रहते हैं, जब कि सरकारी आँकड़ों में Subsidy का प्रतिशत अधिक दिखाकर सरकार दलित गरीबों की हिमायत प्रदर्शित करती है।

9. **लाभार्थियों में उचित शिक्षा एवं जागरूकता का अभाव :** गरीब दलित वर्ग के अधिकांश लाभार्थियों में उचित शिक्षा तथा जागरूकता का अभाव होता है। उन्हें अपने कल्याण के सरकारी कार्यक्रमों की पूरी जानकारी नहीं होती। कार्यक्रमों संबंधी लिखित जानकारी वे पढ़कर समझ नहीं पाते और उसका लेखा जोखा नहीं रख पाते, इससे उन्हें आर्थिक हानि उठानी पड़ती है।

10. **परिवार का औसत आकार बड़ा होना :** प्राय: यह देखा गया है कि दलित वर्ग के गरीब वर्ग के लोगों के परिवार का औसत आकार अपेक्षाकृत बड़ा होता है, उचित पोषण के अभाव में वे स्वस्थ नहीं रहते। उनकी आय का मुख्य स्रोत उनका मानव श्रम ही होता है, इसलिए पूरी तरह स्वस्थ न होने के कारण वे अपेक्षाकृत कम आय अर्जित कर पाते हैं। दलित गरीबों की जनसंख्या वृद्धि दर तुलनात्मक रूप से अधिक है।

Scanned by CamScanner

निष्कर्ष:

पात्र लाभार्थियों को ही सरकारी सहायता देनी चाहिए, आय अर्जन की इकाई आर्थिक रूप से Viable होनी चाहिए। गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के नियोजन तथा कार्यान्वियन में भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए पात्र लाभार्थियों का सही मायने में जागरूक, ईमानदार तथा जुझारू होना आवश्यक है। ऋण माफी के कार्य को कानून बनाकर पूरी तरह प्रतिबन्धित करना चाहिए, तभी गरीबी उन्मूलन सम्भव है। उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जातियों में 66 जातियाँ शामिल हैं। दलितों में अनुसूचित, जन–जाति के लोग भी सम्मिलित हैं। इन सभी को जातिगत् मतभेद भुलाकर आर्थिक हित हेतु एक जुट होकर अपने हक लेने चाहिए। प्रायः दलित वर्ग में भी कुछ विशेष जातियों के विशेष लोग ही दलित के नाम पर लाभान्वित हो रहे हैं और अपने दलित वर्ग के गरीबों का हक हड़प रहे हैं।❖

References :

1. Prof. S. Das Gupta & Ratan Prakash : Land Reforms in West Bengal & Karnataka. Sponsored by Economic & Social Commission for Asia & the Pacific.
2. Ratan Prakash & others : Evaluation of IRDP in Aligarh & Muzaffarnagar Dist. of U.P. Sponsored by U.P. Government.
3. S.K. Kaul & Ratan Prakash : Evaluation of DWCRA Programme in Doda District of J and K. Sponsored by UNICEF
4. Ministry of Statistics & Programme Implementation NSO, Govt. of India N. Delhi : India in Figures, 2013
5. Govt. of India : Census of India, 2011
6. दैनिक जागरण : अलीगढ़, 18 जनवरी, 2015
7. दैनिक जागरण : अलीगढ़, 25 जुलाई, 2015
8. Ratan Prakash : Marketing of Sal Seeds in Shankargarh Unit of Surguja District of M.P./Chhattisgarh
9. Ratan Prakash : A Comparative Study of Performance, Problems and Prospects of DWCRA Programme in Semi Arid Areas of Haryana and Rajasthan : A Case Study of District Mahendragarh (Haryana) & Alwar (Rajasthan) Published Ph. D. Thesis
10. Ministry of Statistics and Programme Implementation NSO, Govt. of India, N. Delhi : Statistical year Book, 2013

☛ आपका समय सीमित है, इसलिए इसे किसी और की जिंदगी जीकर व्यर्थ मत कीजिए, बेकार की सोच में मत फंसिए, अपनी जिंदगी को दूसरों के हिसाब से मत चलाइए, औरों के विचारों के शोर में अपनी अंदर की आवाज को अपने इन्स्यूशन को मत डूबने दीजिए, वे पहले से ही जानते हैं कि तुम सच में क्या बनना चाहते हो, बाकी सब गौड़ है।

– स्टीव जाब्स

Scanned by CamScanner

पुत्र हो तो ऐसा

कृष्ण अवतार
इलैक्ट्रीशियन (प्रथम सेमेस्टर)

एक कुएँ पर चार महिलाएँ पानी भर रहीं थी। तभी एक महिला का पुत्र वहाँ से निकला तो उसे देख वह महिला बोली- देखो वह मेरा पुत्र है। यहाँ का सबसे बड़ा पहलवान है। फिर दूसरी महिला का पुत्र वहाँ से निकला। जिसे देखकर वो महिला बोली - देखो ये मेरापुत्र बड़ा विद्वान है।

उसके बाद तीसरी महिला का पुत्र वहाँ से निकला। माँ को देखकर माँ के पास आया और पानी का घड़ा उठा लिया और बोला, 'चलो माँ, घर चलें।

उस माँ की खुशी भरी आँखों के सामने उन दोनों महिलाओं की नजरें झुक गयीं।

वो समझ चुकी थीं कि सुपुत्र कौन है। कहने लगी कि 'पुत्र हो तो ऐसा'

बच्चों का पहलवान या विद्वान होना ही काफी नहीं बल्कि उन्हें संस्कारवान भी बनाइए वरना रोने के सिवाय कुछ हाथ नहीं आयेगा। ❖

ये अन्तर क्यों?

रश्मि सारस्वत
बी.एस-सी. (द्वितीय वर्ष)

एक बार सभी सखियों ने बाँसुरी से कहा! हे बाँसुरी तुमने ऐसी कौन सी तपस्या की है कि तुम श्याम सुन्दर के होठों से लगी रहती हो। जब वे तुम्हें बजाते हैं तो मानो तुम उन्हें अपने इशारों पर नचाती हो, एक पैर पर खड़ा रखती हो। इसका कारण क्या है? बाँसुरी ने कहा-मैंने अपने तन को कटवाया, फिर से काट-काटकर अलग की गई। फिर मैंने मन को कटवाया, मतलब बीच में से बिल्कुल आर-पार कर दी गई। फिर अंग -अंग छिदवाया। उसके बाद भी मैं वैसे ही बजी जैसे कृष्ण जी ने मुझे बजाना चाहा। मैं अपनी मर्जी से कभी नहीं बजी। यही अंतर है। मैं कृष्ण जी की मर्जी से चलती हूँ और तुम श्री कृष्ण जी को अपनी मर्जी से चलाना चाहती हो। ❖

ज्ञान हमें शक्ति देता है, प्रेम हमें परिपूर्णता देता है। – सर्वपल्ली राधाकृष्णन

Scanned by CamScanner

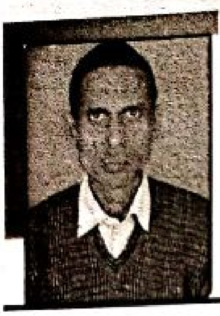

अद्भुत संयोग

रामबाबू लाल
कार्यशाला अधीक्षक

- अब्राहम लिंकन का जन्म सन् 1808 में हुआ था, जबकि जान कैनेडी का जन्म सन् 1908 में हुआ था।
- अब्राहम लिंकन सन् 1860 में राष्ट्रपति चुने गये, जबकि जॉन कैनेडी सन् 1960 में राष्ट्रपति चुने गये।
- अब्राहम लिंकन व जॉन कैनेडी दोनों ही अपनी-अपनी पत्नियों के सामने शुक्रवार को ही मारे गये।
- 'बूथ' जिसने अब्राहम लिंकन को मारा था, उसका जन्म सन् 1836 में हुआ था। जबकि 'ओसवाल्ड' जिसने जॉन कैनेडी को मारा था, उसका जन्म 1936 में हुआ था।
- 'बूथ' व ओसवाल्ड दोनों ही अदालत में लाने से पहले ही मर गये थे।
- लिंकन के निजी सहायक का नाम कैनेडी था तथा कैनेडी के निजी सहायक का नाम लिंकन था। ❖

चीनी कथा :

चट्टान की तरह बनो

गौरव कुमार
बी.एस-सी. (तृतीय वर्ष)

चीन में एक जैन गुरू शिक्षा के साथ-साथ अपने शिष्यों को तलवार बाजी का प्रशिक्षण भी देते थे।

एक बार उनके एक उत्साही शिष्य ने पूछ लिया, 'गुरूजी सबसे महान तलवार बाज कौन है? कृपया बताइए, ताकि मैं उससे प्रेरणा ले सकूँ। गुरु ने कहा- देखो, इस पहाड़ी के पार एक बड़ी-सी चट्टान है। तुम वहाँ जाकर चट्टान का अपमान करो। शिष्य आश्चर्य चकित हो गया।

वह बोला- यह तो मूर्खतापूर्ण काम होगा, क्योंकि चट्टान कोई प्रतिक्रिया ही नहीं करेगी। गुरूजी बोले, जब वह प्रतिक्रिया न करे, तो तुम उस पर अपनी तलवार से प्रहार करना। शिष्य ने कहा, गुरूजी, आप यह क्या कह रहे हो। ऐसा करने से तो मेरी तलवार ही टूट जाएगी। चट्टान को तो बड़े से बड़ा तलवार बाज भी नहीं हरा सकता।

गुरूजी मुस्कराकर बोले, महान तलवार बाज वही है, जो उस चट्टान की भाँति है। वह अपनी तलवार को म्यान से निकालने से पहले ही यह जाहिर कर देता है कि उस पर विजय नहीं पाई जा सकती। महान तलवार बाज बनना है तो तुम्हें ऐसा ही बनना होगा।

कथा मर्म : हमें अपने काम में इतना मजबूत और ईमानदार होना चाहिए कि कोई गलती की कल्पना भी न कर सके। ❖

किसी भी धर्म में किसी धर्म को बनाये रखने और बढ़ाने के लिए दूसरों को मारना नहीं बताया गया है। *-अब्दुल कलाम*

Scanned by CamScanner

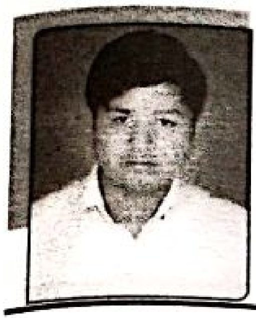

सौ दवा, एक दुआ: माँ-बाप की दुआ

पवन कुमार
बी. कॉम. (तृतीय वर्ष)

हमारे माता-पिता के हमारे ऊपर अनन्त उपकार हैं। कृपया निम्नलिखित बिन्दुओं पर चिन्तन कर ध्यान में रखें-

1. यदि तुम चाहती हो कि तुम्हारा पुत्र श्रवण कुमार बनकर तुम्हारी सेवा करे तो पहले अपने पति को श्रवण कुमार बनाओ। यह पुत्र की प्रायोगिक शिक्षा है, जिससे वह श्रवण कुमार बनने की प्रेरणा लेगा।
2. बचपन में जिस माँ-बाप ने तुमको पाला, उनके बुढ़ापे में यदि तुमने उनको नहीं सँभाला, तो तुम्हारे भाग्य में ऐसी ज्वाला भड़केगी कि तुमको कहीं का नहीं छोड़ेगी।
3. जो घर में तो वृद्ध माँ-बाप से बोले नहीं, उनको सँभाले नहीं और वृद्धाश्रम व जीव दया में दान करें, ऐसे व्यक्ति को दयालु कहना, दया का अपमान है।
4. दो किलो का वजन उठाने से तुम्हारे हाथ दुःख जाते हैं, माँ को सताने से पहले सोचो कि उसने तुम्हें 9 महीने तक पेट में कैसे उठाया होगा?
5. बचपन में तेरे माँ-बाप तुझे अँगुली पकड़कर स्कूल जे जाते थे। उनके बुढ़ापे में उनका सहारा बनकर धर्म स्थान जरूर ले जाना, शायद तेरा थोड़ा कर्ज चुक जाये।
6. जिसके जन्म में माँ-बाप ने हँसी-खुशी में पेड़े बाँटे, वे ही बेटे जवान होकर माँ-बाप को अलग-अलग बाँटें। बाप एक बेटे के हिस्से में तो माँ दूसरे के हिस्से में। हाय यह कैसी करूणा, कैसी दया, कैसी विडम्बना.....
7. पेट में पाँच बेटे जिस माँ को भारी नहीं लगते थे, वो माँ पाँच बेटों को अलग-अलग मकान में भी भारी लग रही है।
8. कबूतर को दाना, गाय को चारा डालने वाली औलाद यदि माँ-बाप को सुख न दे, तो ऐसे दाना व चारे में कोई दम नहीं।
9. जिस नन्हें-मुन्ने को माँ-बाप ने बोलना सिखाया, वह बच्चा बड़ा होकर माँ-बाप को चुप रहना सिखाता है।
10. मन्दिर की माँ को चुनरी ओढ़ावे और घर की माँ से लड़ाई-झगड़ा करे, ऐसे में मन्दिर की देवी माँ तुझसे राजी तो नहीं पर नाराज जरूर हो जायेगी।

नोट : बचपन में गोद लेने वाली माँ को बुढ़ापे में दगा देने वाला मत बनना। यदि आप अपना अच्छा भविष्य चाहते हैं तो :-

- घर में बच्चों को सेवा के संस्कार देकर, बड़ों की सेवा करना सिखायें।
- नित्य माँ-बाप को प्रणाम करके ही फिर खाना-पीना शुरू करें ताकि आपके बच्चे भी विनय के संस्कार सीखें।
- नित्य माँ-बाप के पास कुछ समय बिताकर उनके सुख-शान्ति का ध्यान रखें।
- अपने बच्चों को अपने दादा-दादी के सम्पर्क में रखें व उन्हें बड़ों की सेवा, विनय व आज्ञा का पालन करना सिखायें।

बचपन के संस्कार जिन्दगी भर रहते हैं, कच्चे घड़े को जिस ढंग से ढालोगे, वैसे ही ढल जायेगा। अतः बच्चों में अच्छे संस्कार भरें, न कि उनमें आधुनिकता का कूड़ा-कर्कट भरें।

Scanned by CamScanner

समाज सामाजिक परिवर्तन का दर्पण है

आर.के. शर्मा
विभागाध्यक्ष, बी.टी.सी.

मानव समाज की एक प्रमुख विशेषता है कि उसमें परिवर्तन सार्वभौमिक होता है। परिवर्तन प्रकृति का नियम है। वास्तव में परिवर्तन समय की माँग भी है। सामान्यतः परिवर्तन से तात्पर्य है, पहले की स्थिति अथवा अस्तित्व में भिन्नता या बदलाव आना। मनुष्य की भाषा, विचार, आवश्यकताएँ, जीवन उद्देश्य, संस्कृति एवं सभ्यता किसी न किसी रूप में परिवर्तित होती रहती है। कोई भी समाज स्थिर नहीं रहता। समय और परिस्थिति के अनुसार उसकी परम्पराओं, रीति-रिवाजों, विचार धाराओं, रहन-सहन आदि में परिवर्तन होता रहता है। परिवर्तन ही समाज को जीवित रखने का साधन है। वास्तव में परिवर्तन तो वह है जो समाज में प्रगति लाये। जिस प्रकार एक मृत व्यक्ति के जीवन में स्थायी ठहराव आ जाता है और एक जीवित व्यक्ति गतिशील होता है। उसी प्रकार एक मृत समाज में ठहराव होगा और एक जीवित समाज में गति होगी जो उसे सदैव सकारात्मक दिशा में परिवर्तन की ओर उन्मुख करेगी। वास्तव में शिक्षा समाज को परिवर्तित करती है, विकसित करती है तथा प्रगति की ओर ले जाती है।

परिवर्तन का क्षेत्र इतना विस्तृत है कि समस्त जड़, पदार्थ और प्राकृतिक शक्तियाँ तक इससे प्रभावित होती हैं। लेकिन मनुष्य और सामाजिक तत्व तो स्वयं ही परिवर्तनशील हैं। यदि हम एक ऐसे समाज की कल्पना करें जिसमें परिवर्तन की इच्छा रखते हैं, तो यह हमारी भूल होगी। परिवर्तन सभी कालों, सभी स्थानों, भौतिक-अभौतिक पक्षों, चल तथा अचल सभी वस्तुओं से सम्बन्धित है। समाज व्यक्तियों के पारस्परिक सम्बन्धों से निर्मित होता है। अतः जब व्यक्तियों के आपसी सम्बन्धों का एक रूप परिवर्तित हो जाये तो उसे सामाजिक परिवर्तन कहेंगे। समाज के दो पक्ष होते हैं- संरचना एवं प्रकार्य। जब इन पक्षों में परिवर्तन होता है तब वह सामाजिक परिवर्तन कहा जायेगा। इस प्रकार सामाजिक सम्बन्धों, सामाजिक संरचना, सामाजिक प्रकार्य, सामाजिक प्रक्रियाओं, सामाजिक संगठन, सामाजिक संस्थाओं आदि में आने वाले अन्तर को हम सामाजिक परिवर्तन कहेंगे।

सामाजिक परिवर्तन बिना किसी अपवाद के एक अनिवार्य नियम है। इसका अर्थ है कि सामाजिक परिवर्तन के अन्तर्गत सामाजिक संरचना के सभी तत्व पूर्णरूप से बदल जाते हैं, अपितु इसका अर्थ यह है कि सामाजिक संरचना के किसी न किसी अंग में परिवर्तन अवश्य होता है। सामाजिक पुनर्निर्माण की अवधि में इसकी गति सबसे तेज होती है। सामाजिक परिवर्तन गुणात्मक होता है अर्थात् सामाजिक परिवर्तन के अन्तर्गत एक स्थिति दूसरी स्थिति में परिवर्तन करती है और यह क्रम तब तक चलता रहता है जब तक इसके अच्छे या बुरे प्रभावों से सम्पूर्ण समाज परिवर्तित नहीं हो जाता है।

अतः आधुनिक समाजों में सामाजिक परिवर्तन न तो मनमाने ढंग से किया जाता है और न उसे प्राकृतिक नियमों के हवाले पूर्णतया स्वतंत्र एवं असंगठित छोड़ दिया जाता है। साधारणतः प्रत्येक समाज में सामाजिक उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में इसे किया जाता है। प्रत्येक सामाजिक संस्था का उदय विचार से होता है। यह विचार किसी एक ही व्यक्ति के मन में आता है और धीरे-धीरे सम्पूर्ण समाज में फैल जाता है। परम्परा और प्रथा को पहले एक ही व्यक्ति तोड़ता है, फिर धीरे-धीरे नवीनता दूसरों के द्वारा अपनायी जाती है। अतः महान व्यक्ति अपने प्रयत्नों से समाज में परिवर्तन लाते हैं।

Scanned by CamScanner

आर्थिक, प्रौद्योगिकीय तथा सांस्कृतिक परिवर्तन भी समाज में शिक्षा के माध्यम से ही आते हैं। शिक्षा व्यवस्था अपनी विभिन्न स्तरीय शैक्षिक संस्थाओं के माध्यम से वांक्षित परिवर्तन की दिशा और गति प्रदान करती है। शिक्षा एवं समाज की औपचारिक तथा अनौपचारिक व्यवस्थाओं के माध्यम से समाज अपने सदस्यों को प्रशिक्षित करने के संकल्प को मूर्त रूप देता है। इन शिक्षा व्यवस्थाओं के द्वारा ज्ञान कौशलों, मूल्यों एवं अभिवृत्तियों के विकास को वरीयता दी जाती है, जो सामाजिक परिवर्तन का प्रबल आधार बन जाता है। इस प्रकार प्रत्येक समाज में प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च एवं प्राविधिक शिक्षा की व्यवस्था को महत्व दिया जाता है, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों की कुशलता एवं सामाजिक दृष्टि से उसकी उपयोगिता को सुरक्षित एवं सम्बन्धित किया जा सके। इसलिए औपचारिक एवं अनौपचारिक शिक्षण संस्थाओं का जाल बिछाया जाय तथा उनके प्रभावी उपयोग से सामाजिक परिवर्तन की सम्भावनाओं को बढ़ाया जा सके।

<u>उदाहरण के तौर पर</u> : कल तक हमारे समाज में सवर्ण और अछूत एक दूसरे से अलग रहते थे और यदि ब्राह्मण अछूत से छू जाता था, तो स्नान करता था। परन्तु आज सभी जातियों के बच्चे एक साथ स्कूलों में पढ़ते हैं। एक साथ मोटर और रेलगाड़ियों में सफर करते हैं और एक साथ दफ्तरों में काम करते हैं। सवर्ण और अछूतों के सामाजिक सम्बन्धों के इस परिवर्तन को सामाजिक परिवर्तन कहते हैं। ❖

स्वाभिमान

अमन वार्ष्णेय
बी.कॉम. तृतीय वर्ष

मैंने गीत सदा ही गाये, स्वाभिमान सम्मान के।
नहीं बिका हूँ नहीं बिकूँगा, हाथ किसी धनवान के ।।
मैंने अपनी सभी जरूरत, कैद कर रखीं मुट्ठी में ।
जब चाहूँ तब उन्हें झोंक दूँ, असन्तुष्टि की भट्टी में ।
नहीं झुका हूँ नहीं झुकूँगा, सम्मुख कष्ट महान के ।1।
श्रम–निष्ठा के बलबूते पर, आगे बढ़ता जाऊँगा ।
सतत् परिश्रम का सम्बल ले, मंजिल ऊँची पाऊँगा ।।
नहीं रूका हूँ नहीं रूकूँगा, भय गिरि चट्टान के ।2।
भाग्य भरोसे नहीं रहा हूँ, कर्म मुझे अति प्यारा है।
आलस और निराशाओं को, सदा–सदा ललकारा है ।।
नहीं थका हूँ नहीं थकूँगा, हार लक्ष्य से मान के ।3।
सदा रहा है मुझे भरोसा, अपनी पुष्ट भुजाओं पर ।
कभी न चिन्ता की है मैंने, आगामी विपदाओं पर ।।
'कुँवर' रहा हूँ सदा रहूँगा, आश्रित निज ईमान के ।4। ❖

Scanned by CamScanner

जीवन क्या है?

जीवन एक मधुर मिलन है,
दु:ख सुख का यह संगम है।
आँख लगी तो हुआ अंधेरा,
खोया पाया इसका रंग है,
हँसना रोना इसके संग है।।
दु:ख जीवन में जब हैं आते,
लगता जीवन एक उलक्षन है।
मन में फूटे जब रंग गुलाबी,
बन जाता जीवन सुलझन है।।
अरुण की एक किरण मिल जाती,
मन में शीतलता आ जाती।
पर हाथों से कुछ छूट जाता,
मन अधरा-अधरा हो जाता।
फूट-फूट कर मन जब रोये,
जीवन एक अभिशाप बन जाता।।
उतार-चढ़ाव जीवन में आते,
दु:ख-सुख जीवन के सदस्य बन जाते।
जीवन की रीति है चलना,
साथ इन्हीं के चलना सीखें।।
जीवन तो धुँआ कोहरा,
जीवन से कभी और दु:खी मत होना,
कदम से कदम मिलाकर चलना,
फिर होगा, पूरा हर सपना।
सुखद चन्द्र मिल जायेगा,
जीवन सफल हो जायेगा,
मंजिल को पा जायेगा।❖

नीतू कुमारी
बी.टी.सी.

बन्द करो कन्या भ्रूण हत्या

माँ-बाप की आँखों का नूर है तू,
हर अपने के दिल का गुरूर है तू।
तरस आता है मुझे,
इस जमाने के कमीनपन पे,
सब होके भी कितनी मजबूर है तू।।
जाने ये दुनिया क्यों,
तुझसे इतना जलती है?
माँ-बीवी सब को चाहिए,
पर बेटी से डरती है।।
हर वक्त ये दुनिया तुझसे,
दुश्मनी निभाती है।
खिलने से पहले तुझे,
मसल देना चाहती है।।
क्यों नहीं समझते ये पागल कि,
तुझसे ही दुनिया गुलजार।
किसी मासूम मासूमियत में तू,
किसी दीवाने का है खुमार।।
शायद खुद मुझे जमाना एक दिन समझ जा
कितने आशिकों की आशिकी।
न जाने तब तक ये क्या-क्या गवाँयेगा,
रे-खुदा कर रहम इन पर।।
देख इनकी बेरूखी,
क्यों न समझे ये पागल।
एक मासूम की बेबसी,
क्यों छीनते ये हक उसका।।
जो तूने उसे बक्शा है,
उसका ये अनमोल जीवन।।
क्या इतना ही सस्ता है?..........❖

प्रिंस सक्से
बी.कॉम. (प्रथम व

इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डा. अमित चतुर्वेदी को इन्डैक्शन मीटिंग में प्रतीक चिन्ह प्रदान करते हुए प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता

इग्नू के विशेष अध्ययन केन्द्र के शुभारम्भ समारोह को सम्बोधित करते हुए क्षेत्रीय निदेशक डा. अमित चतुर्वेदी

इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डा. अमित चतुर्वेदी को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए उपप्राचार्य डा. एस.एस. यादव साथ में सचिव, सहा.क्षे.नि. इग्नू

इग्नू के वि. अ. केन्द्र द्वारा महाविद्यालय में आयोजित 'प्रैसवार्ता' को सम्बोधित करते हुए डा. अमित चतुर्वेदी साथ में डा. भानु प्रताप सिंह, सचिव व प्राचार्य

ण्डलायुक्त अलीगढ़ के सभा कक्ष में इन्टैक द्वारा आयोजित कार्यशाला में थत ब्रजभूमि चैप्टर के संयोजक श्री दीपक गोयल, श्री धमेन्द्र मिश्रा (इंटैक)

इन्टैक द्वारा आयोजित कार्यशाला में उपस्थित इन्टैक की अधिकारी श्रीमती ममता मिश्रा व अपर आयुक्त के साथ संयोजक श्री दीपक गोयल से वार्ता करते हुए

शाला में उपस्थित इन्टैक ब्रजभूमि चैप्टर के संयोजक श्री दीपक गोयल व इन्टैक की अधिकारी श्रीमती ममता मिश्रा

इन्टैक द्वारा आयोजित "इण्डिया हैरिटेज क्विज 2015" की विजेता टीम को सम्मानित करते हुए डा. गौतम गोयल, प्राचार्य व उपप्राचार्य

Scanned by CamScanner

एन.एस.एस. इकाई द्वारा अमर उजाला के 'बेटी ही बचायेगी, बेटी ही पढ़ायेगी' अभियान में रैली निकालते स्वयंसेवक व कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस. इकाई द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर महाविद्यालय में शिविर का आयोजन

एन.एस.एस. सात दिवसीय विशेष शिविर का ग्राम पड़ियावली में उद्घाटन समारोह में उपस्थित प्राचार्य, सचिव, अन्य अतिथिगण

ज्ञान ज्योति कार्यक्रम के अन्तर्गत दैनिक जागरण के साथ अचल सरोवर धरोहर कार्यक्रम में दीप ज्योति की तैयारी करते हुए एन.एस.एस. स्वयंसे...

डा. बीआर अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के कार्यक्रम समन्वयक एन.एस.एस. डा. आर.वी.एस. चौहान को ज्ञान पुष्प की प्रति भेंट करते हुए पी.ओ.

डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की स्मृति में एन.एस.एस. इकाई द्वारा आयो... वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्राचार्य द्वारा वृक्षारोपण किया गया

राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस पर आयोजित ज्ञान सुरक्षा बन्धन शिविर को सम्बोधित करते हुए उपसम्पादक दैनिक जागरण श्री राज नारायण सिंह

नगर निगम के सहयोग से सिटी संवाद के तहत स्मार्ट सिटी हेतु ऑनला... वोट देने अपील करते हुए प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता

Scanned by CamScanner

ग्राम पड़ियावली में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित एक दिवसीय शिविर में स्वयं सेवकों ने 'पॉलीथीन मुक्त अभियान' चलाकर पर्यावरण, स्वच्छता व जल संरक्षण के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया

राष्ट्रीय साहसिक शिविर, क्षेत्रीय जल क्रीड़ा केन्द्र पौंग डैम (हिमाचल प्रदेश) में विश्वविद्यालय आगरा की टीम का कार्यक्रम अधिकारी एन.एस.एस. ज्ञान महाविद्यालय द्वारा नेतृत्व किया गया साथ ही महाविद्यालय के एन.एस.एस. स्वयंसेवक श्री सद्दाम हुसैन, श्री पवन कुमार व श्री मिन्टो-मोहन्तो ने प्रतिभाग कर गौरव बढ़ाया

किसान दिवस पर स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत एन.एस.एस. स्वयं सेवकों ने परिसर में श्रमदान कर साफ-सफाई की

नेहरू युवा केन्द्र संगठन दिल्ली के उपाध्यक्ष श्री शिवकुमार शर्मा को ज्ञान पुष्प की प्रति भेंट करते पी.ओ. डा. ललित उपाध्याय, डा. अशोक श्रोती (क्षे.नि.एन.एस.एस.)

...क दिवसीय शिविर में राष्ट्रीय युवा दिवस पर उपस्थित मुख्य अतिथि ... कुमार व प्राध्यापकगण

शिविर के दौरान एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने ग्राम पड़ियावली में स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत श्रमदान कर साफ-सफाई की

राष्ट्रीय दिवस

स्वतन्त्रता दिवस पर अपने विचार रखते हुए छात्र श्री सुखवीर सिंह

गणतन्त्र दिवस समारोह में उपस्थित प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता व अतिथि डा. एस.एस. यादव

स्वतन्त्रता दिवस पर उपस्थित प्रबन्धक श्री मनोज यादव, प्राध्यापकगण व छात्र-छात्राएँ

स्वतन्त्रता दिवस पर उपस्थित प्राचार्य के साथ अतिथिगण

महत्वपूर्ण दिवस

जैव विविधता दिवस पर आयोजित संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता

बी.टी.सी. विभाग द्वारा पर्यावरण दिवस पर ग्राम मुकन्दपुर में आयो... जन जागरूकता रैली का आयोजन

जिला प्रशासन द्वारा आयोजित पर्यावरण दिवस के अवसर पर डी.एम. डा. बलकार सिंह, सी.डी.ओ., श्री विवेक बंसल के साथ सचिव श्री दीपक गोयल

वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री सुबोध नन्दन द्वारा परिसर में ... वृक्षारोपण

चिन्ता

रे मन दुःखी आज क्यों है?
बादल छाए ऐसे घने क्यों हैं?
क्षण इनसे भी कठिन,
देखे कई बार तुमने,
फिर भी आज इतना विकल क्यों हैं?
रे मन दुःखी आज क्यों है?
बादल छाए ऐसे घने क्यों हैं?
सम्मान एक औरत का नारी जाति का घर है,
दायित्व परम्पराओं का भी उन्हीं के सर है,
फिर हर घर हर पल,
अपमान क्यों है?
बादल छाए ऐसे घने क्यों हैं?
रोशन करती हैं बेटियाँ भी नाम देश का,
पहुँचना अंतरिक्ष में प्रमाण है जिसका,
फिर अविश्वास उन पर आज भी,
हमें इतना क्यों है?
रे मन आज दुःखी क्यों है?
बादल छाए ऐसे घने क्यों हैं?
माँ बहन या हो पत्नी,
हर सम्बन्धों की मूल है बच्ची नहीं,
अहम भी है सृष्टि के लिये वो, जानते हैं हम सभी,
फिर गर्भ में ही लोग उनको,
मारते क्यों हैं?
रे मन आज दुःखी क्यों है?
बादल छाए ऐसे घने क्यों हैं। ❖

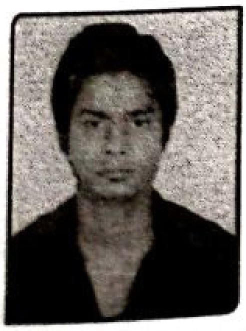

तरुन सौलंकी
बी.कॉम. (प्रथम वर्ष)

गुरू का महत्व

गुरू का महत्व कभी न हो कम,
भले कर लें कितनी भी उन्नति हम।
इंटरनेट पर है हर प्रकार का ज्ञान,
अच्छे-बुरे की नहीं है हमें पहचान।।
नहीं हैं शब्द कैसे करूँ धन्यवाद,
चाहिए आप सबका आशीर्वाद हर पल।
हूँ जहाँ आज में उसमें बड़ा योगदान,
आप सबका जिन्होंने दिया मुझे ज्ञान।।
आपने बनाया है, मुझे इतना योग्य,
प्राप्त कर लूँ अपना लक्ष्य।
दिया है हर समय आपने सहारा,
जब भी लगा मुझे कि मैं हारा।।
पर मैं हूँ कितना मतलबी,
याद किया न मैंने आपको कभी।
आज करता हूँ दिल से,
आप सब का सम्मान।।
आप सबको मेरा प्रणाम शत्-शत् प्रणाम।❖

गुरू का महत्व ॥

एक बीज पड़ा था कोंने में, उसको पहचान लिया तुमने।
सही समय पर सींच-रोप कर, जीवन दान दिया तुमने।।
फिर काट, छाँटकर पानी देकर, सुन्दर रूप दिया तुमने।
है! गुरू नमन करते तुमको, कितना उपकार किया तुमने।।
माटी के कच्चे ढेलों को, सुन्दर आकार दिया तुमने।
❖

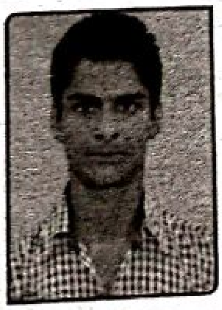

सुशील शर्मा
बी.कॉम. (प्रथम वर्ष)

Scanned by CamScanner

बेटी की चिट्ठी

उसी दर्द से मैं भी जन्मी, उसी दर्द से भाई
भाई दुलारा आँखों का तारा, मैं क्यों हुई पराई।
सारे व्रत-उपवास तुम्हारे, मैया मेरी उमर लगे,
सौरी ग्रह से मुझे मारने, जीवन भर राजदूत चले।
एक कदम मैं आगे बढ़ती, दो कदम पीछे हट जाती,
बेटी की राहों में दुनिया, कितने रोड़े अटकाती।
पढ़ना लिखना मैं चाहूँ, पापा मुझको पढ़ने दो,
भैया के जैसा ही मुझको, पढ़ लिखकर कुछ बनने दो।
भैया एम.बी.बी.एस. कर लेता, मैं क्यों बी.ए. पास,
इस डिग्री के पास नहीं, किसी जगत की आस।
बी.ए. किया विदेश ब्याही, माँ ने पूछे हाल,
चक्की के पाटों में पिसकर, बेटी है बेहाल।
बेटी की बिटिया जब जन्मी, माँ फिर रोयी जार-जार,
बेटी की पलकों में उमड़े, कितने सपने बार-बार।
लक्ष्मी का है रूप कहो, या दुर्गा का अवतार।
इस बेटी का नहीं कहीं है, आदर और सत्कार।❖

लोकेश वार्ष्णेय
बी.कॉम. (द्वितीय वर्ष)

गज़ल

आम भी है खास भी जिन्दगी,
दूर भी है पास भी जिन्दगी।
गर सुखों की है ये मीठी चाशनी,
दर्द का आभास भी है जिन्दगी।
द्वेष, दंगे, स्वार्थ धोखा है कहीं,
प्रेम का अहसास भी है जिन्दगी।
चिलचिलाती धूप ये आषाढ़ है,
खुशनुमा आभास भी है जिन्दगी।
सिर्फ ये भूगोल में सिमटी नहीं,
सच कहूँ इतिहास भी है जिन्दगी।
गर कहीं है श्लेष, रूपक या यमक
तो कहीं अनुप्रास भी है जिन्दगी।
है अनगिनत इच्छाएँ लेकिन,
संतोष का आभास भी है जिन्दगी।
पतझड़ का सूखा पात है पर,
कलियों का आगाज भी है जिन्दगी।
फूलों में भी रहना चाहते हैं सब,
पर काँटों में रहना भी है जिन्दगी।❖

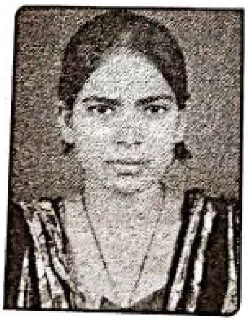

संगीता कुमारी
बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

हम जितना ज्यादा दूसरों का भला करेंगे, हमारा हृदय उतना ही शुद्ध होगा।

–स्वामी विवेकानन्द

यदि तुम्हें अपने चुने हुए मार्ग पर विश्वास है, और इस पर चलने का साहस और मार्ग की हर कठिनाई को जीतने की शक्ति है, तो तुम्हारा सफल होना निश्चित है।

–धीरू भाई अम्बानी

Scanned by CamScanner

अरमान

है शौक यही अरमान यही,
हम कुछ करके दिखलायेंगे।
मरने वाली दुनिया में,
अमरों का नाम लिखायेंगे।।

जो लोग गरीब बेचारे हैं,
जिन पर न किसी की छाया है।
हम उनको गले लगायेंगे,
हम उनको बड़ा बनायेंगे।।

बंदे हैं हम उसके,
हम पर किसका जोर।
उम्मीदों के साये,
निकले चारों ओर।।

इरादे हैं, फौलादी,
हिम्मती हर कदम।
तोता बोले राम-राम,
करता सबको रोज प्रणाम।।
अच्छे बोल सिखाता है,
सबके मन को भाता हैं। ❖

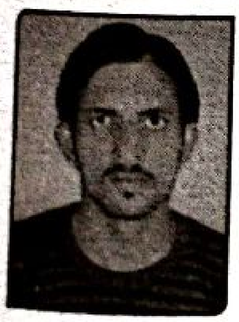

कुलभूषण सिंह
आई.टी.आई. (फिटर)

क्या-क्या नहीं बिकता है ?

इस दुनिया में क्या-क्या नहीं बिकता है,
इस दुनिया में सब कुछ बिकता है।
माँ की ममता को बिकते देखा है,
गरीबों की मेहनत को बिकते देखा है।।
बाजारों में वस्तुओं को बिकते देखा है,
गरीबों के नाम पर अमीरों को बिकते देखा है।
गरीबों की अस्मत को बिकते देखा है,
वेश्याओं के जिस्म को बिकते देखा है।
भगवानों की रहमतों को बिकते देखा है,
भगवानों के नाम पर धन दौलत की
उगाही को करते देखा है।।
भगवानों के नाम पर गरीबों का
मजाक बनते देखा है,
इन्सान के ईमान को बिकते देखा है,
और क्या बचा है जो नहीं बिकता,
प्यार के नाम पर इज्जत को भी लुटते देखा है। ❖

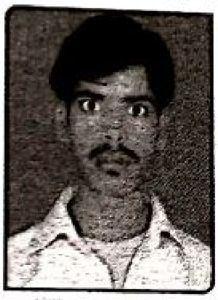

सुखवीर सिंह
बी.ए. (तृतीय वर्ष)

हम केवल तभी याद किये जायेंगे, जब हम अपनी युवा पीढ़ी को एक समृद्ध और सुरक्षित भारत दे सकें, जोकि सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ आर्थिक समृद्धि के परिणाम स्वरूप प्राप्त हो।

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

Scanned by CamScanner

बारहमासी

कोहरा छाया ओस पड़ी,
जाड़े से जनवरी भरी।
दिन छोटे और रात बड़ी,
फूलों से फरवरी जड़ी।।
तेज हुआ सूरज का टार्च,
महुआ से महका है मार्च।
गाँव गयी तपती खपरैल,
गर्मी ले आयी अप्रैल।।
गर्मी धूल पसीना रे,
मारे मई महीना रे।
कितने बड़े लू के नाखून,
जान बचाओ आया जून।।
वर्षा लेकर आयी है,
कितनी बड़ी जुलाई है।
मयूरा होकर नाचे मस्त,
कितना अच्छा लगे अगस्त।।
इन्द्र धनुष हैं अम्बर में,
फूले बोस सितम्बर में।
पेड़ों ने पत्ते झाड़े,
अक्टूबर के पिछवाड़े।।
पेड़ों पर बैठे वन्दर जी,
हँसने लगे नवम्बर जी।
करो पढ़ाई बातें कम,
लगा दिसम्बर साल खतम।।❖

अरुन कुमार
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

जीवन का सत्य

जिन्दा थे तो किसी ने पास बिठाया नहीं,
अब खुद मेरे चारों ओर बैठे जा रहे हैं।
पहले कभी किसी ने मेरा हाल न पूछा,
अब सभी आँसू बहाये जा रहे हैं।।
एक रूमाल भी भेंट नहीं किया, जब हम जिन्दा थे।
अब शॉल और कपड़े, ऊपर से ओढ़ाये जा रहे हैं।।
सबको पता है, शॉल व कपड़े इसके काम के नहीं।
मगर फिर भी बेचारे दुनियादारी निभाये जा रहे हैं।।
कभी किसी ने एक वक्त का, खाना तक नहीं खिलाया।
अब देशी घी मेरे मूँह में डाले जा रहे हैं।
जिन्दगी में एक कदम साथ न चल सका कोई।
अब फूलों से सजाकर कंधे पर उठाये ले जा रहे हैं।।❖

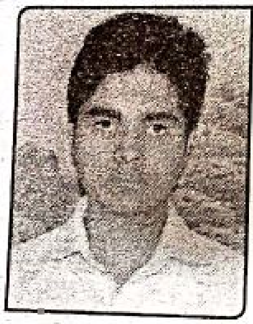

अमित कुमार
ट्रैड-इलैक्ट्रीशियन
(प्रथम सत्र)

जो माता-पिता अपने बच्चों को शिक्षा नहीं देते हैं वो बच्चों के शत्रु के समान हैं, क्योंकि वे विद्याहीन बालक विद्वानों की सभा में वैसे ही तिरस्कृत किए जाते हैं जैसे हंसों की सभा में बगुले।

चाणक्य

कविता वर्मा
(बी.ए. तृतीय वर्ष)

विद्यालय

कितना सुन्दर वातावरण हमारा,
किसी तरह का शोर नहीं।
ज्ञान महाविद्यालय जैसा,
स्कूल भी कोई और नहीं।
झूठे नहीं हैं कोई शिक्षक,
प्रेम का भाव जगाते हैं,
ठीक समय पर सभी पढ़ाने जाते हैं।
समय-समय पर खेल कराते,
समय-समय पर हमें पढ़ाते,
यह सभी बच्चों को पढ़ाकर,
विद्वान भी बनाते हैं।
लोग विद्यालय जाते हैं,
पर हम विद्यालय में पढ़ते हैं,
लोग अच्छे विद्यालय को ढूँढ़ते हैं।
पर विद्यालय के ईश्वर हमें पढ़ाते हैं।❖

शिक्षक का सम्मान

माताएँ देती हैं नवजीवन,
पिता सुरक्षा देते हैं,
लेकिन सच्ची मानवता शिक्षक ही भरते हैं।
सत्य, न्याय के पथ पर चलना,
जीवन संघर्षों से लड़ना, शिक्षक हमें सिखाते हैं।
ज्ञानदीप की ज्योति जलाकर,
मन आलोकित करते हैं,
विद्या का धन देकर शिक्षक,
जीवन में सुख भरते हैं।
शिक्षक ईश्वर से बढ़कर हैं,
यही कबीर बताते हैं।
क्योंकि शिक्षक ही भक्तों को,
ईश्वर तक पहुँचाते हैं।
जीवन में कुछ पाना है तो,
शिक्षक का सम्मान करो।
शीष झुकाकर श्रद्धा से,
शिक्षक को प्रणाम करो।❖

क्षणिकाएँ

कु. ललिता
बी.कॉम. (द्वितीय वर्ष)

हे ईश्वर
एक आईना कुछ
ऐसा बना दे
जो चेहरा नहीं
नीयत दिखा दे।

किसी की अच्छाई का इतना
भी फायदा मत उठाओ कि वह
बुरा बनने के लिए मजबूर हो जाये।❖

Scanned by CamScanner

तीन बरस जीने के यारो वापस कभी नहीं आयेंगे

सुमित उपाध्याय
बी.कॉम. (तृतीय वर्ष)

1. नये-नये से आये थे,
एक दूजे से अनजाने,
खुलकर मिलने में भी,
हम सब में थोड़ा सकुचाते।

2. नाम पूछते बतलाते थे,
फिर थोड़ा-सा मुस्कराते थे,
निश्चल कोमल मन से,
अपने भाव जगाते थे।

3. सुबह-सुबह उठकर मैस में,
लाइन जो लगाते थे,
तभी एक दूसरे के हाल-चाल,
पूछ लिया करते थे।

4. पहले जाने वाली बस में,
लद-लद कर कॉलेज से जाते थे,
उस चिड़िया घर जैसे कमरे में,
आराम से सो जाया करते थे।

5. कुछ का नाम बिगाड़ा,
कुछ की मौज उड़ाई,
एक साथ बैठ-बैठ कर
हमने की पढ़ाई।

6. मतभेद कभी जो बढ़ गये,
खुद मिलकर सुलझाते थे,
एक दूजे से घुल मिलकर,
माहौल को मस्त बनाते थे।

7. एग्ज़ाम समय आने पर,
खुद को रात-रात जगाया था,
समझ नहीं आने पर,
मुझे पढ़ा दे, का नारा खूब पढ़ाया था।

8. ये मौज मस्ती की जिन्दगी
फिर न कभी आयेगी,
तीन बरस जीवन के यारो,
वापस कभी नहीं आयेंगे। ❖

प्रकृति ही जीवन है

महेन्द्र कुमार माथुर
अनुदेशक-ज्ञान आई.टी.आई.

कितनी सुन्दर लगती है हरियाली,
इधर-उधर नजर आती है हरियाली,
आँखों को स्नेह देती है हरियाली,
मन को हर्षाती है हरियाली,
हवा में झूमते पेड़ों के पत्ते,
और झुकी पेड़ों की डाली,
कितनी सुन्दर लगती है हरियाली।

Scanned by CamScanner

आने दो जग में

जनम से पहले देना न मार,
चाहे न देना मुझको दुलार।
जग में आने का दे दो अधिकार,
माँग रही हूँ ये उपहार।।
नहीं कोई और अभिलाषा,
बस इन साँसों की है आशा।
दे दे तू माँ आज दिलासा,
तू भी तो है मेरी ही तरह,
फिर क्यों दे रही खुद को झाँसा।।
जन्म से पहले न देना मार,
चाहे न देना घर-परिवार।
बस करना तुम ये उपकार,
जीने का दे दो अधिकार।।
बस दे दो साँसें दो चार,
माँग रही बस यही उधार।
होगा तेरा बड़ा उपकार,
जन्म से पहले देना न मार,
चाहे न देना मुझको दुलार।।❖

प्रीती
बी.एड.

बी.एड. संकाय के जिम्मेदार सदस्य

ज्ञान भवन में है मेरा ज्ञान परिवार,
आओ मिलाएँ आपको सबसे एक बार।
डॉ. (मिसेज) रेखा शर्मा मैडम हैं हमारी शान,
वाइस प्रिंसिपल के पद पर हैं ये विराजमान्।
मिसेज आभाकृष्ण जौहरी मैडम में हैं सभी गुण,
शब्दों के उच्चारण में हैं ये निपुण।
मिसेज सरिता यागनिक मैडम सबकी प्यारी,
तर्कशक्ति है इनकी भाती।
मिसेज मधु चाहर मैडम हैं कुछ खास,
इनसे पढ़ने में आता है बहुत रास।
मिसेज शिवानी सारस्वत मैडम हैं दिलों की शान,
रखती हैं सब विद्यार्थियों की भावनाओं का ध्यान।
मिस भावना सारस्वत मैडम पर है हमको अभिमान,
देती हैं हमको इंटरनेशनल लेवल का ज्ञान।
मिस्टर गिर्राज किशोर सर हैं हमारे भवन की आन,
प्रेरणादायक आवाज ही है इनकी पहचान।
मिस्टर लखमी चन्द सर हैं कुछ गजब,
पढ़ाने का तरीका भी है कुछ अजब।
मीना आंटी रखती हैं सबका ध्यान,
ये भी हैं हमारे परिवार की शान्।❖

कविता राजपूत
बी.एड.

राष्ट्रीय कार्य के लिए हिन्दी आवश्यक है, इस भाषा से ही देश की उन्नति होगी।
– रवीन्द्र नाथ टैगोर

Scanned by CamScanner

परम्परागत बेटियाँ

बेटियाँ होतीं पराया धन,
आओ करें इन्हें शीश नमन।
युगों की मारी बेटियाँ,
घरों में झेलती अत्याचारों की बेड़ियाँ।
माँ-बाप के घर होती सयानी,
ससुराल में होती दुःखों की रानी।
भाई-बहन का रखतीं ख्याल,
कैरियर से समझौता कर होती निढाल।
समाज ने दिया इन्हें अपमान,
जबकि होती ये घरों की शान।
गली-बाजार में पाया न सम्मान,
आओ करें इन पर स्वाभिमान।
खेतों में करतीं ये काम,
कभी न करतीं ये विश्राम।
घर में पूजा करें इनकी,
दुनिया में जानें कुशलता बेटियाँ की।
नारी सशक्तीकरण को दे आवाम,
जागरूक कर लगाये कुरूतियों पर रोकथाम।
आओ चलायें बेटियाँ बचाओ, बेटियाँ पढ़ाओ अभियान,
बनायें बेटियों को शक्तिवान।
ये हैं भारत की बेटियाँ,
आसमान में छाई हैं इनकी स्मृतियाँ। ❖

कविता राजपूत
बी.एड.

ज्ञान भवन

ऐ मेरे ज्ञान भवन
तू ही है हमारी संस्कृति की जान।
परिवार जैसा माहौल तूने हमको दिया।
जिसमें निर्भीकता से हमने ज्ञान लिया।
तरह-तरह की लोकवाणी से अवगत कराया।
जिसमें हम सभी ने अपना रूझान दिखाया।
नृत्य संगीत की कलाओं में निपुण कर,
स्वाभिमान से जीना सिखाया।
खेल-कूद की विधियों को प्रयोग में लाकर,
सभी की नीरसता को दूर कराया।
योग-व्यायाम में देकर शिक्षा
शरीर को स्वस्थ बनाया।
विभिन्न संस्कृतियों में देकर ज्ञान।
दिया हमको वास्तविक स्वाभिमान।
तरह-तरह की समितियों में रहकर।
विभिन्न प्रतिभाओं को उभारा।
पुस्तकालय में देकर किताबों का भण्डार।
किया हमारे ज्ञान में वृद्धि का विस्तार।
ऐसा है मेरा प्यारा ज्ञान भवन।
आइये आकर करें इसको नमन। ❖

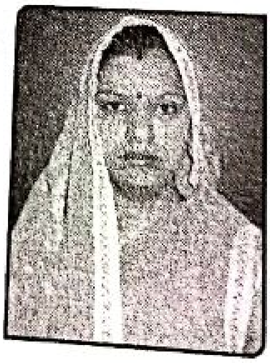

कविता राजपूत व डौल
बी.एड

Scanned by CamScanner

प्रिय ससुर जी

अपनी लाड़ो बिटिया को, कुछ दिन बुलबा लो पापा जी।
रोज-रोज के झगड़ों से, तुम मुझे बचालो पापा जी।।
दफ्तर जाना पड़ता है, हम पाँच बजे उठ जाते हैं।
पहले पानी भरते हैं, फिर चूल्हा भी सुलगाते हैं।।
सवा छः बजे चाय बना, धन्नो को जगाना पड़ता है।
कभी-कभी तो गुस्से में थप्पड़ भी खाना पड़ता हैं।।
थप्पड़ खाकर भी जिन्दा हैं, हमें सँभालो पापा जी...।
अपनी लाड़ो बिटिया को कुछ दिन बुलबा लो पापाजी।।
वैसे तो दिन में नौ-दस, मौसम्मी का रस पीती है।
फिर भी मेरा खून पिये बिन, नहीं एक पल जीती है।।
मेरी गलती पर मेरे बच्चों को पिटना पड़ता है।
ऐसे में मुझको कछुए की तरह सिमटना पड़ता है।।
कछुआ बनकर रेंग रहा हूँ, मुझे उठालो पापा जी।
अपनी लाड़ो बिटिया को कुछ दिन बुलबा लो पापाजी।।
घर के बाहर जब बर्तन फेंके जाते हैं।
ऐसे में हम अपनी खटिया के नीचे घुस जाते हैं।।
हम खटिया के नीचे हैं, तुम खेंच निकालो पापा जी।
रोज-रोज के झगड़ों से तुम मुझे बचा लो पापाजी...।।❖

नवनीत नागर
बी.एस-सी. (तृतीय वर्ष)

माँ का फर्ज

माँ तूने अपना फर्ज अदा कर दिया।
मुझे पढ़ाकर इतना बड़ा कर दिया।।
जब मैं कभी रोया करता था।
तूने ताली बजाकर मुझे चुप करा दिया ।।
मैं बार-बार जब पूछता था, यह क्या है।
तूने हर बार मेरे सबालों का जवाब मुस्करा कर दिया।
खुद भूखी रहकर तूने मेरा पेट भर दिया।
माँ आज तूने अपना फर्ज अदा कर दिया।।
मुझे अपने पैरों पे खड़ा होने के काबिल कर दिया।
मेरे लिए तू है सब कुछ, तुमसे बढ़कर है क्या ?
अँगुली पकड़-पकड़ कर तूने मुझे चलना सिखा दिया।
हर मुश्किलों का सामना करती थी तू।।
जब कभी मैं किसी चीज से डर जाता था।
तूने फौरन मुझे अपने आँचल में छुपा लिया।।
माँ आज तूने अपना फर्ज अदा कर दिया।
मुझे पढ़ाकर लिखाकर इतना बड़ा कर दिया।❖

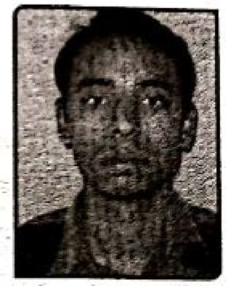

संचित पाठक
बी.सी.ए. (द्वितीय सेमेस्टर)

अपनी पहली सफलता के बाद विश्राम मत करो, क्योंकि अगर आप दूसरी बार में असफल हो गए तो बहुत से होंठ यह कहने के इंतजार में होंगे, कि आपकी पहली सफलता केवल एक तुक्का थी।

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

Scanned by CamScanner

दोस्ती

दोस्ती करो तो धोखा मत देना,
किसी को आँसुओं का तोहफा मत देना,
जिन्दगी भर रोये जो आपके लिए,
ऐसा कभी होने मत देना।
लोग कहते हैं कि दोस्ती इतनी मत करो,
कि दोस्ती दिल पर सवार हो जाये,
और हम कहते हैं कि दोस्ती इतनी करो,
कि दुश्मन को भी प्यार हो जाये।
ऐ दोस्त तेरी दोस्ती को सलाम है,
जो कुछ मेरा है वो सब तेरे नाम है,
सभी की दोस्ती हमारी जैसी हो,
ये मेरा दुनिया वालों को पैगाम है।
ये वादा दोस्ती का निभाना यहीं,
ऐ दोस्त छोड़कर दूर जाना नहीं,
एक दोस्त हर मोड़ पर साथ देता है,
वरना साथ जिन्दगी में कोई निभाता नहीं है।❖

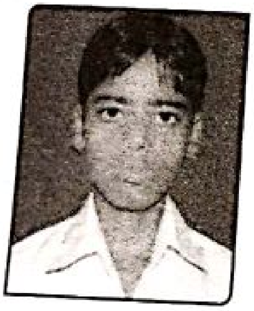

विशाल कुमार
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

बदलती जिन्दगी

कैसे अजीब रंग बदलती है जिन्दगी।
मिल खाख में ये, फूलती-फलती है जिन्दगी।।

शबनम पे जरा डालिये अहसास की नज़र।
हर रोज कतरा बन के पिघलती है जिन्दगी।।

अय दिल कदम उठाना, अब होश हवाश से।
दरियों की तरह राह, बदलती है जिन्दगी।।

जीना बहुत कठिन है, अब यादों के सहारे।
हर पल पर एक लिवास बदलती है जिन्दगी।।

ठहरा हुआ है काफिला, जिनमें बहार का।
उन बस्तियों में आग, उगलती है जिन्दगी।।

अब सीख लिया हमने रहना जो अकेला।
तो आइने में देख के जलती है जिन्दगी।❖

तनू शंकर
बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

आप सफलता से केवल उतना ही दूर हैं, जितना कि आप कड़ी मेहनत से। अतः जितनी अधिक कड़ी मेहनत करोगे, उतना ही शीघ्र सफलता के नजदीक पहुँच पाओगे। — अरविन्द घोष

Scanned by CamScanner

सरस्वती वंदना

माँ शारदे कहाँ तू वीणा बजा रही है,
किस मन्जू ज्ञान से तू जग को लुभा रही है,
किस भाव में भवानी तू मगन हो रही है,
विनती माता तू क्यों नहीं सुन रही है।

हम दीन बाल कब से विनती कर रहे हैं,
चरणों में तेरी माता हम शीश झुका रहे हैं,
अज्ञान तुम हमारा शीघ्र दूर कर दो,
द्रुत ज्ञान शुभ्र हममें ओ वीणा भाव भर दो,
बालक सभी जगत के सुत मात हैं तुम्हारे।

प्राणों से प्रिय हैं, हम पुत्र हैं सभी दुलारे,
हमको दयामयी ले माँ निज गोद में पढ़ाओ,
अमृत जगत का माँ हमको पिलाओ,
मातेश्वरी अब सुनो सुन्दर विनय हमारी,
कर दया दृष्टि हर लो, बाधा जगत की सारी,
माँ शारदे कहाँ तू वीणा बजा रही है,
किस मन्जू ज्ञान से तू जग को लुभा रही है।❖

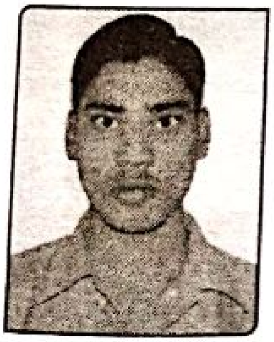

शिवा कुमार
बी.एस-सी. (तृतीय वर्ष)

कर्तव्य

माता-पिता का करो जीवन भर सम्मान,
कभी स्वप्न में भी करना मत अपमान।
करना मत अपमान करो जितनी हो सेवा,
यही चारों धाम यही देवों के देवता।
कहे अनिल यही आदेश है विधाता का,
बड़ा वही जो प्रिय होता मात-पिता का ।।1।।

जिनको माता-पिता से होता नहीं है प्यार,
ऐसे लोगों का यहाँ जीवन है धिक्कार।
जीवन है धिक्कार वह हैं बडे हतभागी,
वरदान पाकर विधाता का न किस्मत जागी।
कहे अनिल जीवन भर सुख मिलता है उनको,
माता-पिता, गुरुजन का आशीष मिला जिनको।।2।।

मात-पिता को भूलकर कभी न खीचो हाथ,
विषम परिस्थिति हो भले रखना इनको साथ।
रखना इनको साथ कष्ट न भूल के दीजे,
जितनी भी हो सके रात-दिन सेवा कीजै।
बच न पायेगा कोई इस बड़ी खता से,
बहुत अभागे अलग हुए जो मात-पिता से ।।3।।❖

अनिल कुमार
आई.टी.आई. (इलैक्ट्रीशियन)

नौकर को बाहर भेजने पर, भाई बन्धुओं को संकट के समय, दोस्तों को विपत्ति के समय और स्त्री को धन के नष्ट हो जाने पर ही परखा जा सकता है। — चाणक्य

Scanned by CamScanner

बात तो यह है कि बात नहीं होती

दिन ढल जाता है, पल-पल करके,
होती है सामने पर मुलाकात नहीं होती,
चाहता हूँ करना दो प्यारी सी बात,
पर बात तो ये है कि बात नहीं होती।

हर दिन पूरा गुजर जाता है इधर-उधर,
पर अब वो सुनहरी रात नहीं होती,
आती है नजरों के सामने कभी-कभी,
पर बात तो ये है कि बात नहीं होती।

दिन पर दिन गुजरते रहते हैं,
मौसम भी समयानुसार बदलते रहते हैं,
होठ भी खुलते हैं, कुछ कहने को,
पर बात तो ये है कि बात नहीं होती।

तनहा ये दिल धड़कता रहता है,
दो बात करने को तड़फता रहता है,
मिला देती है किस्मत कभी-कभी उससे,
पर बात तो ये है कि बात नहीं होती।

चलते-चलते कभी राहों पर मिलते हैं,
देखकर उसे दिल में, दो प्यार के फूल खिलते हैं,
प्यार करने वालों की कोई जात नहीं होती,
पर बात तो ये है कि बात नहीं होती।

उससे मिलने को करता है दिल,
उसे समझाना है बड़ा मुश्किल,
चलो एक बार समझाने की कोशिश भी करें,
पर बात तो ये है कि बात नहीं होती।❖

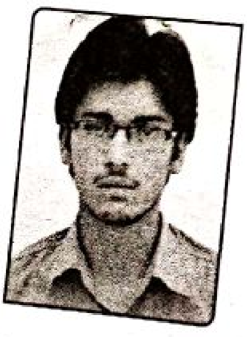

मयंक वार्ष्णेय
बी.कॉम. (तृतीय वर्ष)

यादों के सहारे

अब वो नहीं उनकी यादें हैं,
आधे-अधूरे वादे हैं।
प्यार में हद से गुजरना है,
दिल में उनके उतरना है।।

समझे थे बफा को वो बेबफाई,
धड़कन भी उन्हीं ने ही दिल में जगाई।
न जाने किसने थे उनके झूठे कान भरे,
फिर रूठे उनके लव, जो थे मुस्कान भरे।।

फिर वो हमसे खफा हो गये,
बेबफा नहीं पर जुदा हो गये।
लाख मनाया उनको पर,
चले गये अलविदा कह गये।।

ढूँढा उनको हर जगह,
जब मिले तो वो अनजान हो गये,
अन्जानी सी उनकी बातें,
अब तक हमको दुखती हैं।
हमारे दिल की पीड़ा भी,
अब कहाँ उनको दिखती है।।

थी आरजू ये हमारी, कि हम उनको अपना बनाएँगे।
पर पता न था कि इस कदर, वो हमको भूल जाएँगे।।

चले गये वो छोड़कर,
सब कसमें-वादे तोड़ कर,
अब तो बस हम आधे हैं,
आधे अधूरे वादे हैं,
और साथ में उनकी यादें हैं।❖

अमन माहेश्वरी
बी.कॉम. (तृतीय वर्ष)

Scanned by CamScanner

चुटकुले

संध्या सिंह
बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

1. दोस्त बनाने के लिए 1 दबाएँ, शादी करने के लिए 2 दबायें और दूसरी शादी करने के लिए अपनी पहली बीवी का गला दबाएँ।
2. एक बार एक लड़के की परीक्षा के प्रश्न पत्र में आया कि कुतुब मीनार कहाँ है? तो उसने इसका उत्तर दूसरे लड़के से पूछा तो लड़के ने कहा- दिल्ली में कुतुब मीनार है, पहले लड़के को शोर में समझ में नहीं आया तो उसने कॉपी में लिख दिया, दिल्ली में कुतिया बीमार है।
3. एक बार एक मरीज डॉक्टर के पास आया।
   डॉक्टर ने पूछा कैसी तबियत है।
   मरीज-पहले से खराब है।
   डॉक्टर - दवाई ले ली थी।
   मरीज- हाँ आपने दी मैंने ले ली थी।
   डॉक्टर- मेरा मतलब दवाई खाली थी।
   मरीज- दवाई तो भरी हुई थी।
   डॉक्टर (गुस्से में) -बेबकूफ दवा को पीलिया था।
   मरीज- नहीं डॉक्टर साहब, पीलिया तो मुझे था।
4. एक बार एक भिखारी आया और बोला कि- भिखारी को कुछ दे दो भाई। आवाज सुनकर एक लड़की आयी और बोली- घर पर कोई नहीं है? तो भिखारी बोला- अपना फोन नम्बर दे दो। बाबा दुआ भी देगा, और मिस कॉल भी देगा।❖

व्यक्ति अपने गुणों के द्वारा ही ऊपर उठता है।
ऊँचे स्थान पर बैठ जाने से ऊँचा
नहीं हो जाता है।

चाणक्य

जिन्दगी

एक अजब सी पहेली है जिन्दगी।
सबके साथ होते हुये भी अकेली है? जिन्दगी।
कभी एक प्यारा सा अरमान है? जिन्दगी।
तो कभी दर्द भरा तूफान है? जिन्दगी।
तो कभी गुणों से भरा गुलिस्ता है? जिन्दगी।
तो कभी काँटों से भरा रास्ता है जिन्दगी।
तो कभी फूलों सी मासूम है जिन्दगी।
तो कभी गुनाहों का बोझ है जिन्दगी।
कोई तो बता दे मुझे कि क्या है जिन्दगी।
सुना है चन्द रोज की, मेहमान है, जिन्दगी।❖

गिरगिट क्यों है बदनाम?

कल्पना शर्मा
बी.एस-सी. (प्रथम वर्ष)

मैंने देखा है, इंसान को रंग बदलते हुए,
करते हैं लोग नाहक, गिरगिट को बदनाम,
पलते नहीं हैं साँप अब अपने बिलों में,
मैंने देखा है, इन्हें आस्तीनों में पलते हुए।
रो रही है कली क्यों, पूछों न पतझड़ से,
मैंने देखा है बागवाँ को, कली मसलते हुए,
मैंने देखा है, इंसान को रंग बदलते हुए,
बनकर दोस्त जो, मंडराता रहा मेरे आसपास,
मैंने देखा है, उसे दुश्मनों के साथ चलते हुए।
सिवाय आसमां के सूरज का, नहीं ठिकाना कोई।
मैंने देखा है, आसमां को सूरज निगलते हुए।
है मुमकीन, नामुमकीन यहाँ पर कुछ भी नहीं,
मैंने देखा है, चाँदनी को आग उगलते हुए।।❖

Scanned by CamScanner

'मन की बात'

साक्षी सक्सेना
बी.एस-सी. (द्वितीय वर्ष)

जब हमारी जिन्दगी में खुशियों के पल आते हैं,
तो लगता है, वक्त कितनी जल्दी गुजर गया...
पर जब जिन्दगी में गमों के पल आते हैं,
तो लगता है कि वक्त बहुत देरी से गुजर रहा है...

क्योंकि.....
खुशियों में हमारे पास बहुत से लोग होते हैं,
जो उन खुशियों को बाँट लेते हैं।

पर..........
गमों के लम्हों में, कुछ लोग ही होते हैं,
जो गमों को बाँटते हैं...
इसलिए इन लम्हों को गुजरने में वक्त लगता है
और जो लोग इन पलों में साथ देते...

वो........
हमारी जिन्दगी के सबसे खास लोग होते हैं।।❖

क्या दोष है हमारा

आज मैं पूछती हूँ,
क्या दोष है लड़कियों का,
क्यों उन्हें जन्म से पहले ही बोझ समझा जाता है।
क्यों जकड़ते हैं हम उन्हें,
पाबन्दियों की बेड़ियों में........
जब उन्होंने आजाद देश में जन्म पाया है।।
क्यों वो उस आजादी की हकदार नहीं,
जो लड़कों को दी जाती है।।
क्यों नहीं बटती मिठाइयाँ घरों में,
जब लड़कियाँ जन्मी जाती हैं।❖

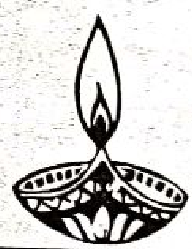

-दीपावली-

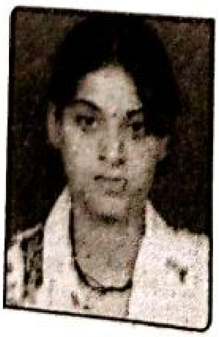

मोनी
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

दिवाली पर दीप जलायें।
सबके मन को भाए हैं।
इसीलिए तो हम इतनी खुशियाँ लाए हैं।
दिवाली पर दीप जलाये हैं।
घरों में मनों के अन्धेरे हमने भगाए हैं।
इसीलिए तो हमने घरों में दीप जलाये हैं।
दिवाली पर दीप जलाये हैं।
बनाकर पर्वत एक उस पर गोवर्धन बिठलाए हैं
खाके खील-बतासे मन मिठलाये हैं।
इसीलिए तो हम इतनी खुशियाँ लाए हैं।
दिवाली पर दीप जलाये हैं।
सबके मन को भाए हैं।❖

Scanned by CamScanner

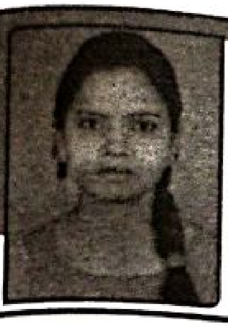

मन की आवाज

नीतू माहौर
बी.एस-सी. (द्वितीय वर्ष)

जब हम जन्म लेते हैं, तो हमारे मुख से
माँ सुनने को तरसती है माँ।

हमें हमारे पैरों पर चलाने की हर छोटी
से छोटी कोशिश करती है, माँ।

कठिनाइयों के समय हर
खुशी देने की चाह रखती है, माँ।

जब हम गलतियाँ करते हैं, तो गलतियाँ
सुधारने को कहती है, माँ।

जब हम मायूस होते हैं, तो मायूशियों
से उभरने की राह देती है, माँ।

अपनी गोद में सुलाकर जन्नत की खुशी देती है, माँ।
प्यार देती है, दुलार देती है, जीने का आधार देती है, माँ।

हमारे पढ़ लिखकर आगे बढ़ जाने पर
अपनी हर ख्वाहिशों को पूरा करने की
चाह रखती है, माँ।

बेटी के जन्म लेते ही माँ के इस दुनियाँ
से चले जाने पर बेटी की माँ के लिए।

माँ जाने तू कहाँ चली गयी इस जीवन
की राह में मुझे अकेला छोड़ गयी।

जब मैं पालने में सोऊँगी कौन मुझे झूला-झुलायेगा।

कौन मुझे अपनी माँ की रानी बेटी कहकर बुलायेगा।

माँ जाने तू कहाँ चली गई इस जीवन..........

जब मैं चलना सीख जाऊँगी,
कौन मुझे दौड़ना सिखलायेगा।

कौन मुझे अपनी माँ की बहादुर बेटी कहकर बतलायेगा।
माँ जाने तू कहाँ............

जब मैं स्कूल जाऊँगी कौन मेरा होम वर्क करवायेगा।
कौन मुझे अपने सपनों की मंजिल तक पहुँचने का पाठ पढ़ायेगा।
माँ जाने तू कहाँ........

जब मैं कुछ गलतियाँ कर जाऊँगी,
कौन मुझे डाँट लगायेगा।
कौन इस जीवन को जीने की सही राह दिखायेगा।
माँ जाने तू कहाँ..........

कभी तुझे न देखा मैंने कितनी प्यारी होगी तू।
कितनी शीतल, कितनी पावन, कितनी ममता मयी होगी तू।
माँ जाने तू कहाँ............

खाना पकाते समय जब उँगुली मेरी जल जाती है।
माँ होती तो यह कभी न करने देती, यह सोच आँख मेरी भर आती है।
माँ जाने तू कहाँ..........

तेरी कमी मुझे हर पल सताती है, यह आँखें सबसे यूँही कह जाती हैं।
माँ जाने तू कहाँ............

माँ का आदर सदा तुम करना।
माँ का मान सदा तुम बढ़ाना।❖

किसी भी व्यक्ति की वर्तमान स्थिति को देखकर उसके भविष्य का मजाक न उड़ाओ क्योंकि समय में इतनी शक्ति होती है कि वह एक मामूली कोयले के टुकड़े को हीरे में तब्दील कर सकता है।

चाणक्य

Scanned by CamScanner

जिन्दगी का सवाल

क्या है ये जिन्दगी?
दोस्तो, इस सवाल के हैं बड़े जवाब।
कोई कहता है, ये मुश्किलों की कसौटी है,
तो कोई कहता है, ये खुशियों की है सौगात।
कोई कहता है, इस पर भरोसा मत करना,
तो कोई कहता है, एतबार तो करना सीखो मेरे यार।।
पर हम तो यही कहते हैं दोस्तो....
हर पल हर किसी के लिए,
बदलती है, जिन्दगी की परिभाषा।
किसी पल है ये खुशियों की बहार,
तो किसी पल है ये, गमों का अहसास,
दोस्तो जिन्दगी मिलती है, बस एक बार,
हर पल में ढूँढ लो खुशियाँ हजार।।❖

महिमा शर्मा
बी.एस-सी. (द्वितीय वर्ष)

> व्यक्ति अकेला पैदा होता है और अकेले ही मर जाता है। वह स्वयं ही अपने अच्छे और बुरे कर्मों को भुगतता है और वह अकेले ही स्वर्ग या नर्क को जाता है।
>
> चाणक्य

आओ, नया समाज बनाएँ

आओ, नया समाज बनाएँ,
इस धरती को स्वर्ग बनाएँ,
आओ, नया समाज बनाएँ।
जाति-पाति के बन्धन तोड़ें।
अपनेपन की कड़ियाँ जोड़ें,
इस धरती के हर मानव का,
मानवता से नाता जोड़ें।
एक-दूसरे के सुख-दुख में,
मिलकर बैठें हाथ बटाएँ।
आओ, नया समाज बनाएँ।
इस माटी का कण-कण चंदन
इसे करें हम शत-शत वंदन,
नई रोशनी की किरणें बन,
आज सजा दें हम घर आँगन।
मिल-जुल के आगे बढ़ने का,
सबके मन में भाव जगाएँ,
आओ, नया समाज बनाएँ।
श्रम को जीवन मंत्र बनाएँ,
ऊँच-नीच का भेद मिटाएँ,
भारत-माता के सपूत बन,
नव जीवन की अलख जगाएँ।
धरा सभी की, गगन सभी का,
यही प्रेम-संदेश सुनाएँ।
आओ, नया समाज बनाएँ।❖

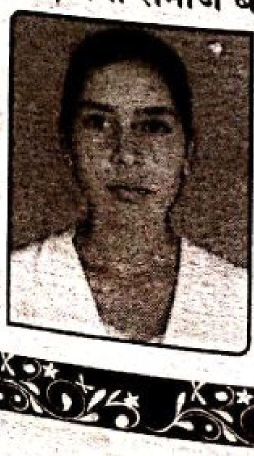

प्रियंका कुमा
बी.ए. (द्वितीय व

Scanned by CamScanner

विदाई सम्मान समारोह में उपस्थित अतिथिगण

मुख्य अतिथि श्रीमती व श्री जे.सी. आहूजा (टी.एम., बी.पी.सी.एल.) का स्वागत करते हुए सचिव श्री दीपक गोयल

मुख्य अतिथि श्री जे.सी. आहूजा, पू. उपप्राचार्य डा. एस.एस. यादव को सम्मानित करते हुए

विशिष्ट अतिथि श्री दीपांकर चौधरी व डा. गौतम गोयल द्वारा पू. मुख्य अनुशासन अधिकारी डा. बी.डी. उपाध्याय का किया सम्मान

डा. अन्तिमा कुलश्रेष्ठ को सम्मानित करती हुयीं अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी व श्रीमती आहूजा

श्री विनीत कुमार गुप्ता को सम्मानित करते हुए उपाध्यक्ष श्री अवि प्रकाश मित्तल व प्रबन्धक श्री मनोज यादव

श्री प्रवीण कुमार को सम्मानित करते हुए डा. गौतम गोयल व श्री मनोज यादव

श्री अनन्त कुमार को सम्मानित करते हुए उपाध्यक्ष श्री अवि प्रकाश मित्तल, प्रबन्धक श्री मनोज यादव व प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता

Scanned by CamScanner

विदाई सम्मान समारोह

अनुदेशक श्री जितेन्द्र को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए डा. गौतम गोयल, श्रीमती रितिका गोयल, श्री मनोज यादव व प्राचार्य

श्रीमती रंजना सिंह को सम्मानित करती हुयीं अतिथि श्रीमती ... श्रीमती चौधरी व श्रीमती रितिका गोयल

श्री पुष्पेन्द्र सिंह को सम्मानित करते हुए श्री दीपांकर चौधरी, श्री बिजेन्द्र मलिक व सचिव श्री दीपक गोयल

श्री यतेन्द्र कुमार को सम्मानित करते हुए प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता व श्री दीपक गोयल

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून)

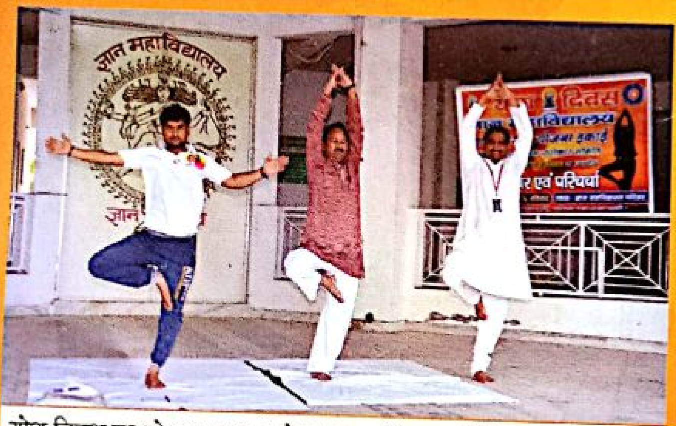

योग दिवस पर योगाभ्यास करते हुए प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता, कार्यक्रम अधिकारी एन.एस.एस. डा. ललित उपाध्याय व योग प्रशिक्षक

योग दिवस पर प्राध्यापक व छात्रों ने किया योगाभ्यास

योग दिवस पर उपस्थित छात्र-छात्राएँ व प्राध्यापकगण

योग दिवस पर उपस्थित स्वयंसेवक छात्र-छात्राएँ व प्राध्यापकगण

Scanned by CamScanner

तेल व गैस संरक्षण (RPCL)

बी.पी.सी.एल. द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में उपस्थित एप्रिन पहने हुए प्रतिभागी के साथ श्री जे.सी. आहूजा (टी.एम.) व श्री दीपक गोयल

बी.पी.सी.एल. द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरूस्कृत करते हुए जे.सी. आहूजा व प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता

मुख्य अतिथि श्री जे.सी. आहूजा (टी.एम.) को सम्मानित करते हुए सचिव श्री दीपक गोयल व प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता

बी.पी.सी.एल. द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में उपस्थित छात्र-छात्राएँ, प्राध्यापकगण व अन्य

विज्ञान क्विज (विज्ञान प्रसार)

न प्रसार भारत सरकार द्वारा महाविद्यालय में आयोजित विज्ञान क्विज को सम्बोधित करते हुए वैज्ञानिक श्री सचिन

प्रतियोगियों को पुरूस्कृत करते हुए वैज्ञानिक श्री सचिन व अतिथि श्री जितेन्द्र सिंह

क्विज प्रतियोगिता में विजयी छात्र प्रमाण-पत्रों के साथ

वैज्ञानिक श्री सचिन को सम्मानित करते हुए महाविद्यालय के प्रध्यापकगण

Scanned by CamScanner

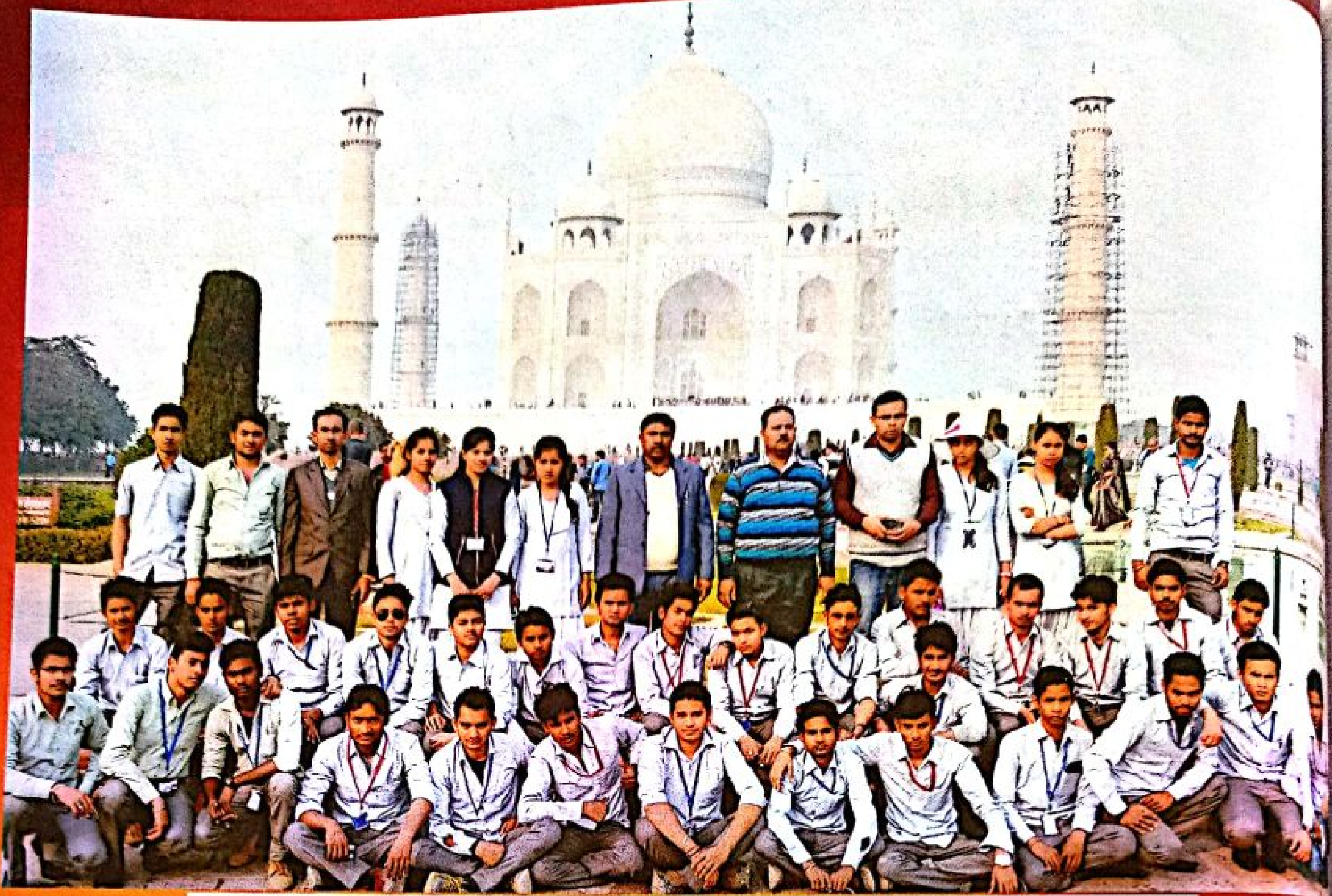

वाणिज्य संकाय के छात्र-छात्राएँ प्राध्यापकों के साथ आगरा के विश्व प्रसिद्ध ताजमहल का भ्रमण करते हुए

हरिद्वार व मंसूरी का संकाय सदस्यों ने परिवार सहित भ्रमण किया

कला संकाय के छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों ने
मथुरा-वृन्दावन का भ्रमण किया

विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों ने
मथुरा-वृन्दावन का भ्रमण किया

Scanned by CamScanner

समर्पण

मन समर्पित तन समर्पित,
और यह जीवन समर्पित,
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।
माँ तुम्हारा ऋण बहुत है मैं अकिंचन,
किन्तु इतना कर रहा फिर भी निवेदन,
थाल में लाऊँ सजा कर भाल जब भी,
कर दया स्वीकार लेना यह समर्पण।
गान अर्पित, प्राण अर्पित,
रक्त का कण-कण समर्पित,
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।
माँज दो तलवार को लाओ न देरी,
बाँध दो अब पीठ पर वह ढाल मेरी,
भाल पर मल दो चरण की धूल थोड़ी,
शीश पर आशीष की छाया घनेरी।
स्वप्न अर्पित, प्रश्न अर्पित,
आयु का क्षण-क्षण समर्पित,
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।❖

आशा कुमारी
बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

व्यक्ति अपने गुणों से ऊपर उठता है। ऊँचे स्थान पर बैठ जाने से ही ऊँचा नहीं हो जाता है।
चाणक्य

तुम अपने आप में पूरी हो जाना

जब कोई तुमसे यह बोले, तुम तो देवी हो,
उससे तुम सजग रहना,
जब कोई तुमसे बोले तुम तो ममता हो,
उससे तुम सचेत रहना,
जब कोई तुमसे बोले, तुम स्नेह की प्रतिमा हो,
उससे तुम बचकर रहना,
जब कोई तुमसे बोले, तुम ही चरित्र हो,
उससे तुम दूरी बना लेना,
जब कोई तुमसे बोले, चुप रहना ही जिम्मेदारी है,
उस पर तुम विश्वास मत करना,
जब कोई तुमसे बोले, तुम उस पर निर्भर हो,
तुम उससे नाता तोड़ लेना,
जब तुमसे कोई बोले तुम केवल यौनिकता हो,
तुम बिना सोचे उसका प्रतिकार करना,
जब कोई तुमसे बोले, वह तुम्हारी रक्षा करेंगे,
तुम अपनी ताकत को इकट्ठा कर खड़े हो जाना,
जब कोई तुमसे बोले, तुम पीछे चलो,
तुम अपनी राह खुद चुन लेना,
जब कोई तुमसे बोले, बलिदान ही तुम्हारी नियति है,
तब तुम अपनी मुट्ठी भींच लेना,
तुम अब किसी को कुछ मत कहने देना,
तुम अब अपने आप में पूरी हो जाना........।❖

इथलेश सिंह
बी.एस-सी. (तृतीय वर्ष)

Scanned by CamScanner

मुझे यह सब देना है...

जब मैं इस जहाँ को छोड़ दूँ,
उसके तुरंत बाद,
मेरा दिल उस नौजवान को देना,
जिसे अभी अपने कुनबे का पेट भरना है।
मेरे खून का कतरा-कतरा उस आँचल को देना,
जिसे अभी तो उम्र पकड़ उड़ान लेनी है,
उसके अन्दर खून की कमी है।
मेरी खाल का जर्रा-जर्रा,
उस लड़की को दे देना,
जिसके चेहरे को तेजाब से,
जला दिया हैवानों ने।
मेरा ध्वनि मंत्र, उस बिट्टू को दे देना,
जो कभी चिड़ियों को देखकर चहका नहीं।
मेरी सबसे कीमती चीज है मेरी आँखें,
मेरी आँखें उस चंचल को देना,
जो कभी देख न पाई।
मेरी बची बुराइयों को जला देना,
मेरी राख को फूलों पर बिखेर देना,
ताकि वो बेहतर खिल सकें।
मुझे यह सब देना है।
क्योंकि किसी में तो जिंदा रहना है
मुझे मरने के बाद भी।❖

वो वीर

हर पल मौसम बदलते होंगे,
वो वीर फिर भी कदम-से-कदम मिलाकर चलते होंगे।
इतने रंगों में कुछ रंग
लहू के भी होंगे,
फिर भी आसमां में उड़ान,
वो वीर भरते होंगे,
कितना ही अंधकार छा जाए,
आशा के दीयों से,
रोशनी करते होंगे,
कितने ही तूफा आएँ,
फिर भी वो वीर सरहद की रक्षा करते होंगे।
जिन्दगी को अपनी,
मौत के हवाले
वो वीर करते होंगे,
हर पल मौसम बदलते होंगे,
वो वीर फिर भी,
कदम-से-कदम
मिलाकर चलते होंगे।❖

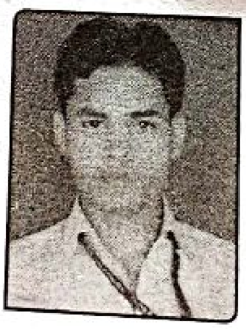

भानु प्रताप शर्मा
बी.ए. (तृतीय वर्ष)

- अपना धन उन्हीं को दो जो उसके योग्य हों और किसी को नहीं, बादलों के द्वारा लिया गया समुद्र का जल हमेशा मीठा होता है।
- दूसरों की गलतियों से सीखो। अपने ही ऊपर प्रयोग करके सीखने में तुम्हारी उम्र कम पड़ेगी।

चाणक्य

Scanned by CamScanner

जाने मेरी माँ ने मुझे कैसे पाला होगा...?

फिक्र में डूबी हुई रातें,
पसीने में लिपटे हुए दिन,
जाने मेरी माँ ने मुझे कैसे पाला होगा ?
फूलों की बस्ती में नहीं था, हमारा घर,
दो चार फूल तक नहीं थे रास्ते में,
पर प्यार की खुशबू से भरा-भरा था घर,
हम जिन्दा फूल तो थे उस गुलिस्ते में,
साथ में मेरा एक छोटा भाई भी था,
पास में थी तीन छोटी बहिनें,
बस प्यार ही प्यार था,
जो बिछा हुआ था, हमारे बिछौने में, ओढ़ने में,
वर्षो हथेलियों में उनके चुभे तो होंगे काँटे,
जब घर के गुलाबों को हाथों से सँभाला होगा,
जाने मेरी माँ ने मुझे कैसे पाला होगा? ❖

जूही वार्ष्णेय
बी.एस-सी. (तृतीय वर्ष)

उद्बोधन

झेल लो तूफान, तोपों का मुहाना मोड़ दो,
देश के इतिहास में, ऐसी इबादत जोड़ दो।।
हे हिमालय की हवाओ, कह दो पाकिस्तान से,
ले कभी सकता नहीं तू, लोहा हिन्दुस्तान से।।
यह धरती है माँ हमारी, यह शिखर मन्दिर हमारा,
हृदय प्राणों में बसा है, देश का कण-कण हमारा।।
गोलियाँ हम झेल लेंगे, अपना सीना तानकर,
जान भी कुर्बान होगी, राष्ट्र के सम्मान पर।।
तूफानों की बाधाओं से, हम टकराते जायेंगे,
जरूरत जो पड़ी तो देश के लिए, शीश भी कटाते जायेंगे।
प्राणों से ज्यादा प्यार हम करते हैं अपने वतन से,
हर आतंकी को मिटा देंगे, हम अपने वतन से,
कुचल देंगे आज हम, पाक का नापाक फन,
कसम खाते हैं, अपने तिरंगे की , मेरे वतन।।
माँ मुझे दो शक्ति मेरा भी, खून कुछ काम आये,
जब लिखे इतिहास, तेरे लाल का भी नाम आये।।
बढ़े प्रतिष्ठा इस हिन्द की, गूँजे हिन्द का जयगान,
सहन नहीं अब अधिक करेंगे, हिन्द का यह अपमान।।
हम जिस मिट्टी के अंकुर हैं, उसकी शान निराली है।
उसके खेतों में सोना है, बागों में हरियाली है। ❖

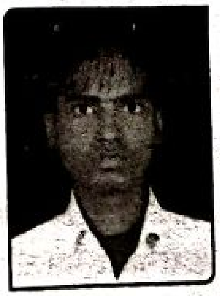

राधेश्याम
बी.एस-सी. (प्रथम वर्ष)

जिस प्रकार एक सूखे पेड़ को आग लगा दी जाये तो वह पूरा जंगल जला देता है,
उसी प्रकार एक पापी पुत्र पूरे परिवार को बर्बाद कर देता है। — चाणक्य

Scanned by CamScanner

यादें ही यादें

मोहिनी शर्मा
बी.ए. (तृतीय वर्ष)

कभी स्कूल जाने से डरते थे,
आज अकेले दुनिया घूम लेते हैं,
पहले फर्स्ट आने के लिए पढ़ते थे,
अब पैसों के लिए पढ़ते हैं,
पहले छोटी सी चोट लगने पर रोते थे,
अब दिल टूटने पर सँभल जाते हैं,
पहले हम दोस्तों के साथ रहते थे,
आज दोस्त पैसों के साथ रहते हैं,
पहले लड़ना-मनाना रोज का काम था,
आज एक बार जुदा हुए तो रिश्ते खो जाते हैं,
सच में जिन्दगी ने बहुत कुछ सिखा दिया,
जाने कब हमको इतना बड़ा बना दिया।

जहाँ याद न आये अपनों की,
तो वो तन्हाई किस काम की,
बना न सके बिगड़े हुए रिश्तों को,
तो वो खुदाई किस काम की,
बेशक अपनी मंजिल तक मेहनत से जाना है,
पर जहाँ से अपने न दिखाई दें,
तो वो ऊँचाई किस काम की। ❖

सोचा था कभी ऐसी दोस्ती होगी,
मंजिलों के साथ राहें भी हँसती होंगी,
जन्नत के ख्वाब क्यों देखो यारो,
अगर हम सारे दोस्त साथ होंगे,
तो नरक में भी मस्ती होगी।

क्लास में मस्ती, हमारी भी कुछ हस्ती थी,
टीचर का सहारा था, दिल ये आवारा था,
कहाँ आ गए इस कॉलेज के चक्कर में,
वो स्कूल ही कितना प्यारा था।

वो स्कूल का प्यार, वो प्यार भरी बातें,
वो सिलेबस की टेन्सन, वो एग्जाम की रातें,
वो कैन्टीन की पार्टी, वो फ्रेन्ड्स की लातें,
वो रूठना मनाना, वो बंक मुलाकातें,
प्रपोजल की प्लानिंग, वो रात का गुजारना,
बेतुकी बातों को सीरियस लेना
वो मतलब की बातें हँसी, में उड़ाना,
ना वो दिन हैं, न वो रातें,
न गुस्सा, न बातें,
अगर कुछ है तो बस यादें ही यादें। ❖

आओ जरा हँस लें

1. भीकू भिखारी को 100 रू. का नोट मिला,
एक होटल में उसने भर पेट खाना खाया। 3000 रू. का बिल आया,
बिल चुकाने के लिए कहे जाने पर मैनेजर से बोला-पैसे नहीं हैं।
मैनेजर ने उसको पुलिस के हवाले कर दिया।
उसने पुलिस को 100 रू. दिए और छूट गया।
भीकू भिखारी - इसको बोलते हैं...
Financial management without MBA in India

2. इंजीनियरिंग के छात्र- सर हमने एक ऐसी चीज बनाई है, जिसकी सहायता से आप दीवार के आर-पार देख सकते हैं।
सर- वाह क्या है वह ?
छात्र- दीवार में छेद!

....

3. पीकू- पापा मैं फेल हो गया।
पापा- चिंता मत कर बेटा तू शेर का बेटा है।
पीकू-हाँ जी पापा मैडम भी यही कहती हैं।
पापा-क्या कि तू शेर का बेटा है।
पीकू- हाँ कुछ ऐसा ही कहती हैं, कि न जाने तुम किस जानवर की औलाद हो। ❖

Scanned by CamScanner

जिन्दगी क्या है?

क्या है जिन्दगी, पता नहीं?
गलियों में ढूँढ़ा, कइयों से पूँछा,
अंधे ने कहा, आँखें हैं जिन्दगी,
लँगड़े ने कहा, पैर हैं जिन्दगी,
भूखे ने कहा खाना है जिन्दगी,
प्यासे ने कहा, पानी है जिन्दगी,
भिखारी ने कहा, पैसा है जिन्दगी,
पुजारी ने कहा, भगवान है जिन्दगी,
पर गुरू तो वही कहते हैं कि ठोकर-खाकर सँभल जाये
वही है जिन्दगी।
पूँछते हैं लोग कि जिन्दगी क्या देती है,
हर मोड़ पर दगा देती है,
जिनके लिए जान से भी ज्यादा कीमत हो दिल में,
उन्हीं से दूर रहने की सजा देती है जिन्दगी। ❖

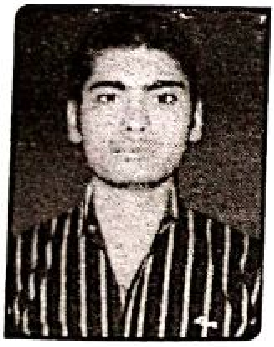

जितेन्द्र कुमार गुप्ता
बी.कॉम. (तृतीय वर्ष)

जहाँ जीविका, भय, लज्जा,
चतुराई और त्याग की
भावना, ये पाँचों न हों, वहाँ
के लोगों का साथ कभी न करें।

चाणक्य

झूठी जिन्दगी

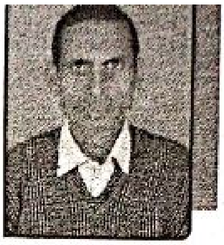

रामबाबू लाल
कार्यशाला अधीक्षक

कभी तो सच्ची बात कर,
कभी तो सच्चा प्यार कर।
कभी तो चल धरती पर,
हे मानव, हे मानव, हे मानव।।
चली जिसकी उम्रभर दुकान झूठ बोलकर,
यहीं हुआ कत्ल एक वे गुनाह पर।
हकीकतों को बेचने का मशविरा मुझे न दो,
तुम्ही चलाओ अपना खानदान झूठ बोलकर।।
नहीं-नहीं समुद्र लाँघो झूठे पुल बाँधकर,
कभी तो सच्ची बात कर।
कभी तो सच्चा प्यार कर,
हे मानव, हे मानव, हे मानव।। ❖

रूबरू - ए - जिन्दगी

तिल-तिल कर हमने आदमी को मरते देखा,
जीवन को बोझ की तरह ढोते देखा।
प्रेम, भाईचारा, अपनत्व सबको खत्म होते देखा,
अत्याचार, भ्रष्टाचार, दंगा फ़साद नित्य होते देखा।।
शिष्टाचार, नम्रता, शील सब किताबों में लिखा देखा,
झूठ को सच, और सच को झूठ में तब्दील होते देखा।
जग में यथार्थ की जगह दिखावा देखा,
क्या इसी तरह से जियेंगे, हम लोग ?
क्या भविष्य के कर्णधार इसी तरह से बनेंगे ?
क्यों दूर हो रहे हैं हम एक दूसरे से,
दूर-बहुत दूर।। ❖

Scanned by CamScanner

ABOUT THE CELLS

Sachin
B. Sc. (IIIrd year) (ZBC)

Cell Membrane - Membranes are those Membranes which are filled with component that move, change and perform vital physiological roles as they allow cell to communicate with each other and their environment.

Cell Signalling - Living organisms constantly receive signals from their environment. Multi-cellular organisms also receive signals from other cells including signals for cell division and differentiation.

Studying cells - Introducing to yourself, a cell is the fundamental unit of life.

The cell cycle - Helps to understand the events that occur in the cell cycle and the process of mitosis that divides and duplicate genetic material creating two identical daughter cells.

Conclusion - By the study of cell signalling we can control many diseases and can make more medicines which are very fast in functioning. With the knowledge of cell component, cell membrane we can do better research work for the knowledge of it. We can collect many information about genetic materials, mutations and congenital disorders also. ❖

TIME IMPORTANCES

Chandresh Sharma
B. Com (I year)

1. To realize the importance of "ONE YEAR", ask a student who failed a grade.
2. To realize the importance of "ONE MONTH" ask a Mother who gave birth to a pre- mature baby.
3. To realize the importance of "ONE Week" ask the Editor of a weekly newspaper.
4. To realize the importance of "ONE Day" ask a Daily wage labourer with kides to feed.
5. To realize the importance of "ONE Hour" ask a lovers who are waiting to meet.
6. To realize the importance of "ONE MINUTE" ask a person who missed the train.
7. To realize the importance of "ONE SECOND" ask a person who just avoided an accident.
8. To realize the importance of "ONE MILL-SECOND" ask a person who won a silver medal in the Olympics.

❖

Scanned by CamScanner

ग्राम प्रधान सम्मान व कम्बल वितरण
(14 जनवरी, 2016)

मुख्य अतिथि डा. अमित चतुर्वेदी (क्षेत्रीय निदेशक इग्नू) दीप प्रज्ज्वलन करते हुए साथ में सचिव श्री दीपक गोयल व प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता व अन्य

मुख्य अतिथि डा. अमित चतुर्वेदी (क्षे. नि. इग्नू) व श्रीमती रितिका गोयल सचिव श्री दीपक गोयल व प्राचार्य लाभार्थियों को कम्बल प्रदान करते हुए

ग्राम प्रधान बढ़ौली फतेह खाँ श्रीमती मिथलेश देवी को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि डा. अमित चतुर्वेदी, साथ में सचिव श्री दीपक गोयल, प्राचार्य व अन्य

विशिष्ट अतिथि डा. अवधेश पाण्डेय (सहा. क्षे. नि. इग्नू) व सचिव, हाजीपुर चौहट्टा की प्रधान सुशीला देवी को सम्मानित करते हुए

गाँवों के नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों के साथ सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि डा. अमित चतुर्वेदी (क्षेत्रीय निदेशक इग्नू), डा. अवधेश पाण्डेय (सहा. क्षे.नि. इग्नू), डा. गौतम गोयल, श्रीमती रितिका गोयल सचिव, श्री दीपक गोयल, प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता व अन्य

Scanned by CamScanner

गोद लिये गाँवों से महाविद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहीं छात्राएँ, सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि डा. अमित चतुर्वेदी (क्षे. नि. इग्नू), डा. अवधेश
डा. गौतम गोयल, श्रीमती रितिका गोयल, सचिव श्री दीपक गोयल, प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता व अन्य के साथ

मुख्य अतिथि डा. अमित चतुर्वेदी को प्रतीक चिन्ह भेंट करते हुए सचिव श्री दीपक गोयल साथ में प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता, डा. गौतम गोयल व श्रीमती रितिका गोयल

खिचड़ी भोज ग्रहण करते हुए ग्राम प्रधान व छात्र-छात्राएँ

खिचड़ी भोज ग्रहण करते हुए मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, सचिव, प्रबन्धक व अन्य

Scanned by CamScanner

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में ग्रीटिंग्स कार्ड प्रतियोगिता के विजेता छात्रों के साथ प्राचार्य, निर्णायक मण्डल व संयोजिका

ए.डी.एम. (प्रशासन) श्री संजय चौहान कृष्णांजलि में ग्रीटिंग्स कार्ड प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए

.एम. (प्रशासन) श्री संजय चौहान कृष्णांजलि में ग्रीटिंग्स कार्ड प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए

कृष्णांजलि मंच पर विजेताओं के साथ ज्ञान महाविद्यालय के प्राध्यापकगण

. (प्रशासन) श्री संजय चौहान कृष्णांजलि में ग्रीटिंग्स कार्ड प्रतियोगिता के विजेताओं के साथ

ग्रीटिंग्स कार्ड प्रतियोगिता का निरीक्षण करते हुए निर्णायक मण्डल

Scanned by CamScanner

ज्ञान मार्ग का उद्घाटन

मुख्य अतिथि हाजी जमीर उल्लाह खान (विधायक कोल), विशिष्ट अतिथि डॉ0 कृपाल सिंह (सदस्य ए.डी.ए.), श्री पूरन मल प्रजापति (सदस्य ए
के साथ सचिव, प्राचार्य, प्रबन्धक व गोद लिये गाँवों के प्रधानगण

ज्ञान मार्ग सी.सी. रोड का उद्घाटन करते हुए कोल विधायक हाजी जमीर उल्लाह व डा0 कृपाल सिंह, सदस्य ए.डी.ए

ज्ञान मार्ग सी.सी. रोड के उद्घाटन समारोह में मंचासीन अतिथि

सरस्वती वन्दना करती हुयीं छात्राएँ

मुख्य अतिथि कोल विधायक हाजी जमीर उल्लाह को प्रतीक चिह्न देते हुए
सचिव व प्राचार्य

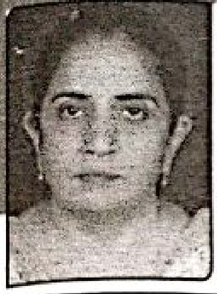

Human Trafficking

Dr. Suhail Anver
Botany Deptt.

In today world of cut throat competition in every sphere of life, the world of whatsapp, facebook and what not ! In this rat race to achieve our goals (of which we all are a part), let us take a moment out of our busy schedules and give a serious thought to this menace of our society which in the great land of the "free" we call HUMAN TRAFFICKING.

When the word slavery comes to our mind, we often end up thinking that it is the phenomenon which was eradicated in 1860s.... But the tragic truth is that slavery does exist in our society and that too in an even uglies form than it did in the historical times.

Human trafficking is one of the most heinous forms of crimes against humanity which is constantly spreading its claws to become the third largest organised crime across the globe. Today human trafficking manifests in the form of commercial sexual exploitation, bonded labours, organ trafficking and trafficking of humans for forced marriage in states where sex ratio is highly in favour of man. Inequalities and entrenched poverty inevitably leaves certain communities vulnerable to being targeted by traffickers. This egregious crime is not confined to any specific region but has crossed international boundries and is almost a pandemic now. Young girls are trafficked to and from countries like INDIA, AFGANISTAN, NEPAL for commercial sexual exploitation and others for bonded labour, where they suffer not only physical abuse but also a deep scar on this dignity.

The sex workers are often scorned at and looked down upon by the so called "elite class". But do we ever wounder what compelled them to lead such a precarious life ?

Human trafficking is the greatest ethical challenge that the globe is facing today. Like a malignant disease it meta-stasizes at an alarming rate. Government of India penalises trafficking through IMMORAL TRAFFICKING PREVENTION ACT but there is still a huge gap between enforcement and enactment of these laws.

No doubt we live in a world that specialises in creating broken people every day but if we do nothing about this injustice against other human beings then it's beyond shameful !

Anyone in any possible way can help to eradicate this crime. It just come down to whether we are willing to take that first step..... .

It's imperative to discern that sex workers are not criminals. But are victims of the society. By helping the NGOs for rehabilitation of these victims, we can help them to lead a dignified life. Each one of us should become eyes and arms of the government and report any suspicious activity to Government help line numbers.

If we are ready to do our bit, then nothing can stop us from building a society free of human Trafficking !! So, lets start our thousand mile journey with a single step...

Scanned by CamScanner

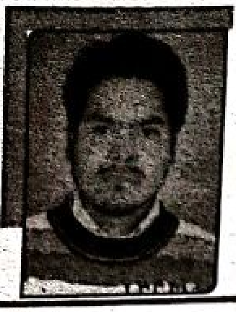

Do You Know! Bacteria

Mintu Mohanto
B.Sc. Final year (Z.B.C.)

We live in a large world where a large number of Animals, Birds, Insects, Humans, Plants and even microbes are present or live in their different homes. Among them bacteria, virus, fungi and even algae, diatomes are microscopic in nature.

Some interesting facts about Bacteria are as follows :

One tea spoon of soil have 1 billion (10 Lakhs x 10 Lakhs) Bacteria 1,20,000 fungi and 25,000 algae.

On earth, they are longer than any other things, i.e. longer than Dinosaurs.

In a human body, weight approx 1 kg, constitute by only bacteria.

Within an hour the number of bacteria that develop on our palm are more than the number of people on our earth.

All the bacteria are not harmful. Only less than 5% bacteria cause for Diseases.

Amount of oxygen gas that we use is generated by bacteria. (Half amount)

Main thing about this is, we must be very carefull for taking our health. Hands should be properly washed before eating or drinking any thing. Cleanliness is very important and essential for protecting ourselves from these microbes. ❖

Chandresh Sharma
B.Com. (I year)

Interesting Things

1. Rabbits and Parrots are the only two species of animals that can see behind them with out turning their heads.
2. A hippopotamus is very fatty but it can runs faster than a man.
3. A girraffe can clean its ears with its 2 inch long tongue.
4. Dolphins do not close both their eyes while sleeping. Their one eyes remain open.
5. The massive Stegosaurus dinosaur was 9.1 meters long but the size of its brain was not more than the size of a "Walnut". ❖

Scanned by CamScanner

Why Do We Need to Conserve Water?

Dr. Mohd Wahid
Assistant Professor
Deptt. of Geography

Did you know that less than 1% of all the water on Earth can be used by people ? The rest is salt water (the kind you find in the ocean) or is permanently frozen and we can't drink it, wash with it, or use it to water plants. As our population grows, more and more people are using up this limited resource. Therefore, it is important that we use our water wisely and not waste it.

While 70% of the Earth is covered by water, it is still considered a precious resource because only a very small amount is freshwater and an even smaller amount is safe for human use. Clean, safe drinking water is scarce. Today, nearly 1 billion people in the developing world don't have access to it. Yet, we take it for granted, we waste it, and we even pay too much to drink it from little plastic bottles.

Importance of the Water :

Water is the foundation of life. And still today, all around the world, far too many people spend their entire day searching for it. Our bodies need water to function properly. According to Water.org, humans can survive for weeks without food, but for only a few days without water. The plants and animals we eat require water as well, so water crises inevitably become food crises. We also use water for leaning our bodies and our homes, and for roducing power such as in hydroelectric ams. The World Water Council reports that e human population of the planet is on track grow 40 to 50 percent within the next 50 ars, putting additional pressure on our eady shrinking supply of fresh water.

Need for water Conservation :

Rapid industrialization & urbanization coupled with continuous decline in per capita availability of water is putting a lot of pressure on the available water resources in the country. As per report of standing sub-committee for assessment of availability and requirements of water for diverse uses in the country, the future water requirements for meeting the demands of various sections in the country for the year 2025 and 2050 have been estimated to be 1093 BCM & 1447 BCM respectively. The increasing gap between water availability & demand highlight the need for conservation of water. The National Water Policy also lays stress on conservation of water. It has been stipulated that efficiency of utilization in all the diverse uses of water should be optimized and an awareness of water as a scarce resource should be fostered.

With per capita availability of water depleting at a faster pace, the Government has declared the Year 2013 as Water Conservation Year under which awareness programmes are being launched among masses, especially children, on water conservation.

There is a need for water conservation, not only to restore the fast deteriorating eco-system of the country but also to meet the inevitable emergency of shortage even for drinking and domestic water in near future.

The following points are to be pondered upon to plan strategies to meet the crisis :

Scanned by CamScanner

- Water is a finite resource and cannot be replaced/duplicated.
- Water resources are theoretically 'renewable' through hydrological cycle. However, what is renewable is only the quantity, but pollution, contamination, climate change, temporal and seasonal variations have affected the water quality and reduced the amount of 'usable water'.
- Only 2.7% of the water on earth is fresh.
- The ground water levels are declining very fast.
- Rainfall is unevenly distributed over time and space.
- Increased demand in coastal areas is threatening the fresh water aquifers with seawater intrusion.
- In inland saline areas, the fresh water is becoming saline due to excessive withdrawal of ground water.
- Water conservation practices in urban areas can reduce the demand as much as by one third, in addition to minimizing pollution of surface and ground water resources.
- Watershed programmes tended to concentrate on harvesting rainwater through surface structures.
- There is a need to look at surface and ground water holistically and prepare a conjunctive use plan.

ACTION PLAN FOR WATER CONSERVATION

Conservation of Surface Water Resources

All efforts should be made to fully utilize the monsoon runoff and store rainwater at all probable storage sites. In addition to creating new storages, it is essential to renovate the existing tanks and water bodies by de-silting and repairs. The revival of traditional water storage techniques and structures should also be given due priority.

Conservation of Ground Water Resources

Ground water is an important component of hydrological cycle. It supports the springs in hilly regions and the river flow of all peninsular rivers during the non-monsoon period. For sustainability of ground water resources it is necessary to arrest the ground water outflows by

a. Construction of sub-surface dams;

b. Watershed management;

c. Treatment of upstream areas for development of springs; and

d. Skimming of fresh water outflows in coastal areas and islands.

Protection of Water Quality :

The rapid increase in the density of human population in certain pockets of the country as a result of urbanization and industrialization is making adverse impact on the quality of both surface and ground water resources. Demand for water is increasing on one hand and on the other hand the quantity of 'utilizable water resources' is decreasing due to human intervention in the form of pollution and/or contamination of fresh water. Thus the protection of existing surface & ground water resources from pollution and contamination is a very vital component of water conservation.

Action Points for Water Conservation

An important component of water conservation involves minimizing water losses, prevention of water wastage and increasing efficiency in water use. The action points towards water conservation in different sectors of water use are as follows :

Irrigation Sector : Important action points towards water conservation in the irrigation sector are as follows :

- Performance improvement of irrigation system and water utilization;
- Proper and timely system maintenance;
- Rehabilitation and restoration of damage

Scanned by CamScanner

/and silted canal systems to enable them to carry designed discharge;

- Selective lining of canal and distribution systems, on techno-economic consideration, to reduce seepage losses;
- Restoration / provision of appropriate control structures in the canal system with efficient and reliable mechanism;
- Conjunctive use of surface and ground water to be resorted to, specially in the areas where there is threat to water logging;
- Adopting drip and sprinkler systems of irrigation for crops, where such systems are suitable;
- Adopting low cost innovative water saving technology;
- Renovation and modernization of existing irrigation systems;
- Preparation of a realistic and scientific system operation plan keeping in view the availability of water and crop water requirements;
- Execution of operation plan with reliable and adequate water measuring structures.
- Revision of cropping pattern in the event of change in water availability;
- Utilisation of return flow of irrigation water through appropriate planning;
- Imparting training to farmers about consequences of using excess water for irrigation;
- Rationalization of water rate to make the system self-sustainable;
- Formation of Water Users Associations and transfer of management to them;
- Promoting multiple use of water;
- Introducing night irrigation practice to minimize evaporation loss;
- In arid regions crops having longer root such as linseed, berseem, lucerne guar, gini grass, etc. may be grown as they can sustain in dry hot weather;
- Assuring timely and optimum irrigation for minimizing water loss and water-logging;
- Introducing rotational cropping pattern for balancing fertility of soil and natural control of pests;
- Modern effective & reliable communication systems may be installed at all strategic locations in the irrigation command and mobile communication systems may also be provided to personnel involved with running and maintenance of systems. Such an arrangement will help in quick transmission of messages and this in turn will help in great deal in effecting saving of water by way of taking timely action in plugging canal breaches, undertaking repair of systems and also in canal operation particularly when water supply is needed to be stopped due to sudden adequate rainfall in the particular areas of the command.
- With a view to control over irrigation to the fields on account of un-gated water delivery systems, all important outlets should be equipped with flow control mechanism to optimize irrigation water supply.
- As far as possible with a view to make best use of soil nutrients and water holding capacity of soils, mixed cropping such as cotton with groundnut, sugarcane with black gram or green gram or soyabean may be practised.
- It has been experienced that with scientific use of mulching in irrigated agriculture, moisture retention capacity of soil can be increased to the extent of 50% and this in turn may increase yield up to 75%.

Domestic and Municipal Sector :

Important action points for water conservation in domestic & municipal sector are as follows :

Scanned by CamScanner

- Action towards reduction of losses in conveyance;
- Management of supply through proper meter as per rational demand;
- Intermittent domestic water supply may be adopted to check its wasteful use.
- Realization of appropriate water charges so that the system can be sustainable and wastage is reduced;
- Creation of awareness to make attitudinal changes;
- Evolving norms for water use for various activities and designing of optimum water supply system accordingly;
- Modification in design of accessories such as flushing system, tap etc. to reduce water requirement to optimal level. Wherever necessary, BIS code may be revised;
- Possibility for recycling and reuse of water for purposes like gardening, flushing to toilets, etc. may be explored. Wastewater of certain categories can be reused for other activities as per feasibility;
- Optimum quantity of water required for waste disposal to be worked out;
- In public buildings the taps etc. can be fitted with sensors to reduce water losses.

Industrial Sector :

Important action points for water conservation in industrial sector are as follows :

- Setting-up of norms for water budgeting;
- Modernization of industrial process to reduce water requirement;
- Recycling water with a re-circulating cooling system can greatly reduce water use by using the same water to perform several cooling operations;
- Three cooling water conservation approaches are evaporative cooling, ozonation and air heat exchange. The ozonation cooling water approach can result in a five-fold reduction in blow down when compared to traditional chemical treatment and should be considered as an option for increasing water savings in a cooling tower.
- The use of de-ionized water in reusing can be reduced without affecting production quality by eliminating some plenum flushes, converting from a continuous flow to an intermittent flow system and improving control on the use.
- The reuse of de-ionized water may also be considered for other uses because it may still be better than supplied municipal water.
- The wastewater should be considered for use for gardening etc.
- Proper processing of effluents by industrial units to adhere to the norms for disposal;
- Rational pricing of industrial water requirement to ensure consciousness/action for adopting water saving technologies;

Techniques for Water Conservation :

Water conservation is prime and challenging concern. Numerous types of water conservation techniques are available in the country. The scientists are developing new techniques, but there are gaps on the application of the appropriate technologies, which needs to be removed. Due to lack of proper operation & maintenance in irrigation, industry & domestic water distribution system, there is huge loss of water. Hence emphasis should be given to improve the O & M system.

For developing the water resources, age-old traditional water conservation methods need to be judiciously adopted in conjunction with the latest modern conservation technology. Keeping this in view, rain water harvesting, revival of traditional water storages /ponds, check dams and other similar structures need to be adopted. Building bye laws should be suitably modified to introduce mandatory roof top rain water harvesting.

Scanned by CamScanner

In order to conserve precious fresh water, recycling of waste water may be incorporated wherever feasible. Dual water supply system, one for treated wastewater and the other for fresh water may be introduced so that treated waste water can be used for secondary purposes such as toilets flushing, gardening, agriculture and selective industries etc. New urban colonies, big hotels industries and other similar establishments should have mandatory dual water supply systems.

Cropping pattern and crops water requirement varies from time to time due to the dynamic socio-economic condition of the people and the region in addition to geo-morphological, climatic and metrological changes. Hence, for effective management, appropriate base line data for water demand under different situations needs to be brought out for optimum crop water management and field activities considering effective rainfall in different physiological stages.

Night irrigation practice may be introduced to minimize evaporation loss thus conserving irrigation water. Timely and need based irrigation should be done to minimize loss of water. Further, for boosting productivity, rotational cropping pattern may be introduced for balancing fertility of soil and natural pest control.

Various water savings devices are being developed under various ongoing R & D programmes. These devices should be suitably adopted in the system.

Mass awareness campaign should be conducted regularly to cover all stakeholders, including service providers and consumers, for water conservation in irrigation, domestic and industrial sectors. Special attention must be given so that the fruits of the campaign must reach the children, housewives and farmers effectively. ❖

OH! MY DEAR SCHOOL

Oh! my dear school,
Oh! my dear school,
you give us knowledge.
You have for us a precious treasure,
which we share with pleasure,
which we share with pleasure.
You teach us the ways of life
following them, we achieve height
Our teachers give us deep and broad sight
So we move from darkness to light
New students approach here every year
But we will remember you forever. ❖

Deepesh Varshney
B. Com. 3rd yr.

KNOWLEDGE

- ❖ Knowledge is the gift of God!
- ❖ We only need to polish it to make it complete.
- ❖ Knowledge is the power that can never be conquered.
- ❖ It is the foundation that can't be shaken.
- ❖ Knowledge is the wealth which cannot be snatched.
- ❖ It is the gift that makes the future bright. ❖

Gaurav Prasad Agarwal
M. Com. Pre. yr.

Scanned by CamScanner

What is a Smart City?

Dr. Mohd Wahid
Assistant Professor
Deptt. of Geography

Smart Cities focus on their most pressing needs and on the greatest opportunities to improve lives. They tap a range of approaches – digital and information technologies, urban planning best practices, public-private partnerships, and policy change – to make a difference. They always put people first.

Currently, 31% of India's population lives in cities; these cities also generate 63% of the nation's economic activity. These numbers are rapidly increasing, with almost half of India's population projected to live in its cities by 2030. Smart Cities focus on the most pressing needs and on the greatest opportunities to improve quality of life for residents today and in the future.

Smart Cities focus on the most pressing needs and on the greatest opportunities through careful planning.

The Smart Cities Mission is a bold new initiative by the Government of India to drive economic growth and improve the quality of life of people by enabling local development and harnessing technology as a means to create smart outcomes for citizens.

Developing smart visions and solutions requires leveraging all available assets. The creativity of citizens. The proficiency of experts. The know-how of business. Emerging technologies. It's about taking advantage of new tools and partners to improve the quality of life for residents.

Smart Cities embrace ideas that have been proven elsewhere and customize them to meet genuine local needs. In turn, these efforts serve as exemplars, showing the way for others to follow.

Smart Cities explore, refine, & revise their ideas until they get it right. They are realistic, but they are also optimistic. They aim high.

In the imagination of any city dweller in India, the picture of a Smart City contains a wish list of infrastructure and services that describes his or her level of aspiration. To provide for the aspirations and needs of the citizens, urban planners ideally aim at developing the entire urban eco-system, which is represented by the four pillars of comprehensive development — institutional, physical, social and economic infrastructure. This can be a long term goal and cities can work towards developing such comprehensive infrastructure incrementally, adding on layers of 'smartness'.

In the approach to the Smart Cities Mission, the objective is to promote cities that provide core infrastructure and give a decent quality of life to its citizens, a clean and sustainable environment and application of 'Smart' Solutions. The focus is on sustainable and inclusive development and the idea is to look at compact areas, create a replicable model which will act like a light house to other aspiring cities. The Smart Cities Mission of the Government is a bold, new initiative. It is meant to set examples that can be replicated both within and outside the Smart City, catalysing the creation of similar Smart Cities in various regions and parts of the country.

The core infrastructure elements in a Smart City would include :

- adequate water supply;
- assured electricity supply;

Scanned by CamScanner

- sanitation, including solid waste management;
- efficient urban mobility & public transport;
- affordable housing, especially for the poor;
- robust IT connectivity and digitalization;
- good governance, especially e-Governance and citizen participation;
- sustainable environment,
- safety and security of citizens, particularly women, children and the elderly, and
- health and education.

Accordingly, the purpose of the Smart Cities Mission is to drive economic growth and improve the quality of life of people by enabling local area development and harnessing technology, especially technology that leads to Smart outcomes. Area-based development will transform existing areas (retrofit & redevelop), including slums, into better planned ones, thereby improving liveability of the whole City. New areas (greenfield) will be developed around cities in order to accommodate the expanding population in urban areas. Application of Smart Solutions will enable cities to use technology, information and data to improve infrastructure & services. Comprehensive development in this way will improve quality of life, create employment and enhance incomes for all, especially the poor and the disadvantaged, leading to inclusive Cities.

Smart City Features **:** Some typical features of comprehensive development in Smart Cities are described below :

- Promoting mixed land use in area-based developments — planning for 'unplanned areas' containing a range of compatible activities and land uses close to one another in order to make land use more efficient. The States will enable some flexibility in land use and building bye-laws to adapt to change;
- Housing and inclusiveness— expand housing opportunities for all;
- Creating walkable localities— reduce congestion, air pollution and resource depletion, boost local economy, promote interactions and ensure security. The road network is created or refurbished not only for vehicles and public transport, but also for pedestrians and cyclists, and necessary administrative services are offered within walking or cycling distance;
- Preserving & developing open spaces — parks, playgrounds, recreational spaces in order to enhance the quality of life of citizens, reduce the urban heat effects in Areas and generally promote eco-balance;
- Promoting a variety of transport options — Transit Oriented Development (TOD), public transport and last mile para-transport connectivity;
- Making governance citizen-friendly and cost effective — increasingly rely on online services to bring about accountability and transparency, especially using mobiles to reduce cost of services and providing services without having to go to municipal offices; form e-groups to listen to people and obtain feedback and use online monitoring of programs and activities with the aid of cyber tour of worksites;
- Giving an identity to the city — based on its main economic activity, such as local cuisine, health, education, arts and craft, culture, sports goods, furniture, hosiery, textile, dairy, etc;
- Applying Smart Solutions to infrastructure and services in area-based development in order to make them better. For example, making Areas less vulnerable to disasters, using fewer resources, and providing cheaper services.

Coverage and Duration **:** The Mission will cover 100 cities & its duration will be five years (FY2015-16 to FY2019-20). The Mission may be continued thereafter in the light of an evaluation to be done by the Ministry of Urban

Scanned by CamScanner

Development (MoUD) & incorporating the learning into the Mission.

Stategy : The strategic components of Area-based development in the Smart Cities Mission are city improvement (retrofitting), city renewal (redevelopment) and city extension (greenfield development) plus a Pan-city initiative in which Smart Solutions are applied covering larger parts of the city. Below are given the descriptions of the three models of Area-based Smart City Development.

Retrofitting will introduce planning in an existing built-up area to achieve Smart City objectives, along with other objectives, to make the existing area more efficient and liveable. In retrofitting, an area consisting of more than 500 acres will be identified by the city in consultation with citizens. Depending on the existing level of infrastructure services in the identified area and the vision of the residents, the cities will prepare a strategy to become smart. Since existing structures are largely to remain intact in this model, it is expected that more intensive infrastructure service levels and a large number of smart applications will be packed into the retrofitted Smart City. This strategy may also be completed in a shorter time frame, leading to its replication in another part of the city.

Redevelopment will effect a replacement of the existing built-up environment and enable co-creation of a new layout with enhanced infrastructure using mixed land use and increased density. Redevelopment envisages an area of more than 50 acres, identified by Urban Local Bodies (ULBs) in consultation with citizens. For instance, a new layout plan of the identified area will be prepared with mixed land-use, higher FSI & high ground coverage.

Greenfield development will introduce most of the Smart Solutions in a previously vacant area (more than 250 acres) using innovative planning, plan financing & plan implementation tools (e.g. land pooling/land reconstitution) with provision for affordable housing, especially for the poor. Greenfield developments are required around cities in order to address the needs of the expanding population. Unlike retrofitting & redevelopment, greenfield developments could be located either within the limits of the ULB or within the limits of the local Urban Development Authority (UDA).

Pan-city development envisages application of selected Smart Solutions to the existing city-wide infrastructure. Application of Smart Solutions will involve the use of technology, information and data to make infrastructure and services better. For example, applying Smart Solutions in the transport sector (intelligent traffic management system) and reducing average commute time or cost to citizens will have positive effects on productivity and quality of life of citizens. Another example can be waste water recycling and smart metering which can make a substantial contribution to better water management in the city.

The Smart City proposal of each short listed city is expected to encapsulate either a retrofitting or redevelopment or greenfield development model, or a mix thereof and a Pan-city feature with Smart Solution(s). It is important to note that pan-city is an additional feature to be provided. Since Smart City is taking a compact area approach, it is necessary that all the city residents feel there is something in it for them also. Therefore, the additional requirement of some (at least one) city-wide smart solution has been put in the scheme to make it inclusive.

For North Eastern and Himalayan States, the area proposed to be developed will be one-half of what is prescribed for any of the alternative models - retrofitting, redevelopment or greenfield development.

Scanned by CamScanner

महाविद्यालय का इतिहास एवं प्रगति

'कर्मण्ये वाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन:'

ज्ञान महाविद्यालय की स्थापना 11 सितम्बर, 1998 में स्व. डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल जी द्वारा वाणिज्य संकाय के साथ की गई थी। डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल जी पेशे से डॉक्टर थे, वह एक लेखक, समाजसेवी के साथ-साथ अच्छे शिक्षाविद् भी थे। इसीलिए सब शिक्षित हों, इस प्रबल इच्छा के कारण उन्होंने ज्ञान महाविद्यालय की स्थापना शहर के कोलाहल से दूर एक निर्जन स्थान में की थी। 'कार्य ही पूजा है' यह उनके जीवन का सिद्धान्त था। वर्ष 2002 में उनके अन्तिम श्वाँस लेने के उपरांत महाविद्यालय की बागडोर उनके ज्येष्ठ पुत्र श्री दीपक गोयल जी द्वारा सँभाली गयी। लोग मिलते गये, कारवाँ बढ़ता गया, इस प्रकार उन्होंने अपने महाविद्यालय की टीम के साथ ज्ञान महाविद्यालय को एक नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया और आज यह अलीगढ़ में प्रतिष्ठित महाविद्यालय के रूप में प्रसिद्ध है। वर्तमान में महाविद्यालय में पाँच संकायों में स्नातक कोर्स बी.एड., बी. टी. सी., बी.एस-सी., बी.कॉम, बी.ए., बी.बी.ए. व बी.सी.ए., संचालित हैं तथा परास्नातक स्तर पर एम.कॉम. एवं एम.एस-सी. (गणित एवं रसायन विज्ञान) के कोर्स सफलतापूर्वक चल रहे हैं। डॉ. गौतम गोयल के निर्देशन में ज्ञान आई.टी.आई. सफलतापूर्वक चल रहा है, जिसे दो ट्रेडों (इलैक्ट्रीशियन व फिटर) में कोर्स की मान्यता प्राप्त हो चुकी है, ये कोर्स भी सफलता पूर्वक चल रहे हैं।

सचिव महोदय के प्रयासों द्वारा अलीगढ़ जिले में सर्वप्रथम बी.टी.सी. कोर्स की मान्यता प्राप्त हुई। महाविद्यालय के शिक्षा विभाग में आज 200 सीटें हैं। यह बहुत ही गौरव की बात है कि शिक्षा संकाय को 'A' ग्रेड से नवाजा गया था। यह आगरा विश्वविद्यालय का प्रथम कॉलेज है, जिसने सबसे अधिक अंकों के साथ 'A' ग्रेड प्राप्त किया। ज्ञान महाविद्यालय आगरा विश्वविद्यालय का प्रथम स्ववित्त पोषित कॉलेज है, जिसे इस वर्ष NAAC द्वारा विज्ञान, वाणिज्य, कला एवं प्रबन्धन संकायों को 'B' ग्रेड से नवाजा गया है।

महाविद्यालय में चार भवन डॉ. रघुनन्दन प्रसाद प्रशासनिक भवन, सरस्वती भवन, ज्ञान भवन व स्वराज्यलता भवन हैं। सरस्वती भवन जहाँ जन्तु, वनस्पति, रसायन, भौतिकी, भूगोल, मनोविज्ञान व गृहविज्ञान की प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है। वहीं पर ज्ञान भवन में मनोविज्ञान, भाषा, कला व शिल्प, शारीरिक व स्वास्थ्य, विज्ञान एवं संगीत आदि के रिसोर्स सेंटर हैं तथा सुसज्जित आई. सी. टी. प्रयोगशाला है, जहाँ पर सभी कम्प्यूटर पर वाई.फाई. सिस्टम लगे हुए हैं। दोनों ही भवनों में पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय है, जहाँ पर लगभग 24,000 Text Books हैं। इसके अतिरिक्त जर्नल, न्यूज लैटर, पत्रिका तथा समाचार पत्रों की भी पुस्तकालय में सुविधा है। इसके अतिरिक्त सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूरा कैम्पस सी.सी.टी.वी. कैमरों से सुसज्जित है।

आगरा विश्वविद्यालय में पहला एकमात्र स्व-वित्त पोषित कॉलेज है, जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम चल रहा है। इस वर्ष सात दिवसीय विशेष शिविर नजदीक के ग्राम पड़ियावली में आयोजित किया गया है।

महाविद्यालय द्वारा ग्राम बढ़ौली फतेहखाँ को सत्र 2012-13 में शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु गोद लिया गया था। इसके अन्तर्गत 12 लड़कियों को महाविद्यालय में निःशुल्क शिक्षण सुविधा दी गई थी। सत्र 2014-15 से इस योजना के अन्तर्गत एक गाँव के स्थान पर 14 गाँवों में यह सुविधा दी जा रही है, जिसके अन्तर्गत प्रवेश लेने वाली छात्राओं को शिक्षण शुल्क में 50% की छूट छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान की जाती है। तथा "स्वराज्य स्वावलम्बी योजना" के अंतर्गत 30 सिलाई मशीनों का वितरण गाँव की कन्याओं (महाविद्यालय की पूर्व या वर्तमान छात्रा) की शादी के शुभ अवसर पर प्रबन्धतन्त्र द्वारा किया जा चुका है। इसी क्रम में "स्वराज्य स्वावलम्बी योजना" के अन्तर्गत गोद लिए गए 14 गाँवों के छात्रों को ज्ञान आई. टी. आई में प्रवेश लेने पर पूरे शुल्क में 4,000 रु. की छूट छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान की जाती है। रक्तदान, भ्रष्टाचार मिटाओ रैली, पॉलीथिन हटाओ-पर्यावरण बचाओ आदि सामाजिक कार्य भी समय-समय पर आयोजित होते रहते हैं।

महाविद्यालय में विभिन्न समितियाँ हैं, जिनके अन्तर्गत वर्ष भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त एक अनुशासन समिति है, जिसकी देख-रेख में ही महाविद्यालय के विद्यार्थी अनुशासित रहते हैं। आगरा विश्वविद्यालय में पहली बार छात्र-छात्राओं की उपस्थिति के लिए Biometric Machine भी लगी हुई है।

वर्तमान में महाविद्यालय में लगभग 2,200 छात्र-छात्राएँ अध्ययनरत् है तथा 70 टीचिंग स्टाफ व 50 नॉन टीचिंग स्टाफ है। अतः महाविद्यालय में शिक्षक-शिक्षार्थी

Scanned by CamScanner

का अनुपात लगभग 1 : 30 है जोकि सेल्फ फाइनेंस संस्था में एक बहुत ही गौरव की बात है। सत्र 2015-16 से इण्टरमीडिएट में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 20 प्रतिशत व द्वितीय श्रेणी पास करने वाले विद्यार्थियों को 10 प्रतिशत का शिक्षण शुल्क में लाभ छात्रवृत्ति के रूप में दिया जाता है। इसके अतिरिक्त प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिये दो यूनीफार्म तथा द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिये एक यूनिफार्म उपहार स्वरूप दी जाती है, जिससे छात्रों में एकरूपता की भावना उत्पन्न हो।

महाविद्यालय में सेवायोजन प्रकोष्ठ व पुरातन छात्र समिति भी है। सेवायोजन प्रकोष्ठ के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं। कई छात्र-छात्रायें सरकारी सेवाओं में चयनित हो चुके हैं। पुरातन छात्र समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्ष पदों के पदाधिकारियों के चयन हेतु प्रत्येक वर्ष पुरातन छात्र-छात्राओं को नामित किया जाता है। इस वर्ष भी पुरातन छात्र समिति द्वारा एक पत्रिका 'ज्ञान दीप' का प्रकाशन किया गया। इसके अतिरिक्त प्रत्येक वर्ष 16 दिसम्बर को पुरातन छात्र- छात्राओं हेतु 'ज्ञान दिवस' का आयोजन किया जाता है, जिसके अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है।

महाविद्यालय का Vision "to be a Center of Excellence" है। इस श्रृंखला में शिक्षण गुणवत्ता बनाये रखने हेतु Internal Quality Assurance Cell (IQAC) भी कार्यरत है। इसके अंतर्गत शिक्षकों को सेमिनार, कार्यशालाओं व Orientation Programme में सम्मिलित होने का अवसर प्रदान किया जाता है। महाविद्यालय के लगभग 80 प्रतिशत प्राध्यापकों को ए. एम. यू. में Orientation Programme के लिए भेजा गया और इसी तरह से कई प्राध्यापकों को Refresher Course के लिए भी भेजा गया। शिक्षण में नवीनता लाने हेतु शिक्षकों को Computer Note Book उपलब्ध कराये गये हैं। महाविद्यालय में समय-समय पर अध्ययन-अध्यापन की गुणवत्ता व उसमें नवीनता लाने के लिये अतिथि व्याख्यानों का आयोजन किया जाता है।

महाविद्यालय 'ज्ञान पुष्प' के नाम से वार्षिक पत्रिका व चतुर्थ मासिक पत्रक 'ज्ञान दर्शन' का भी सफल प्रकाशन कर रहा है। Gyan Bhav नामक जर्नल का सातवाँ संस्करण भी प्रकाशित करने जा रहा है तथा इसी क्रम में विज्ञान संकाय से Gyan Vigyan व वाणिज्य संकाय से Gyan Arth नामक जर्नल पिछले वर्ष से प्रकाशित किए जा रहे हैं। गौरव का विषय है कि इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) द्वारा महाविद्यालय में एक विशेष अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गई है, जिसमें 10 कोर्सों के साथ जनवरी 2015 से प्रवेश प्रारम्भ हो चुके हैं। महाविद्यालय को डोयेक सोसायटी (भारत सरकार द्वारा संचालित) द्वारा बी.सी.सी तथा सी.सी.सी. कम्प्यूटर कोर्स के संचालन की मान्यता प्रदान की गई है।

कमजोर छात्रों हेतु अतिरिक्त कक्षाओं की व्यवस्था की जाती है। वर्तमान समय प्रतिस्पर्धा युक्त होने के कारण छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु सत्रीय परीक्षाओं को ओ.एम.आर. शीट के माध्यम से कराया जाता है।

छात्रों के लिए खेल में प्रोत्साहन हेतु सभी प्रकार के खेलों का आयोजन होता है व छात्रों को अन्तर्महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है एवं उसमें भाग लेने वाले छात्रों के आने-जाने का व्यय महाविद्यालय द्वारा किया जाता है तथा प्रतिभाशाली खिलाड़ी छात्रों को 'ज्ञान गौरव' व 'ज्ञान केसरी' पुरस्कार भी प्रदान किए जाते हैं।

महाविद्यालय की छात्राओं के लिए बस सुविधा का भी प्रावधान है। क्वार्सी चौराहे से महाविद्यालय तक बस सेवा उपलब्ध करायी जा रही है। छात्र-छात्राओं के लिए शैक्षिक भ्रमण का आयोजन भी किया जाता है।

ज्ञान परिवार नई पीढ़ी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके अंतर्गत युवा वर्ग के रुझान के अनुरूप फेसबुक पर भी 'ज्ञान वाटिका' नामक ग्रुप के साथ तथा व्हाटस्अप्प पर छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों से जुड़ा हुआ है।

महाविद्यालय भविष्य के लिए अनेक योजनायें बना रहा है, जिनमें मुख्य हैं :

1. महाविद्यालय को स्वायत्त (Autonomous) संस्था बनाना।
2. सभी विभागों में सेमिनार व कार्यशालाओं का आयोजन कराना।
3. एम. एड. एवं एम. एस-सी. में अन्य विषयों तथा एम.ए. की मान्यता प्राप्त करना।
4. कला संकाय में अतिरिक्त विषयों की मान्यता प्राप्त करने का प्रयास करना।

अंत में जिस तरह से ज्ञान महाविद्यालय ऊँचाइयों की तरफ अग्रसर है। हम सभी ज्ञान परिवार के सदस्य मिलकर इसकी उन्नति हेतु प्रयत्नशील रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ❖

डॉ. वाई के. गुप्ता प्राचार्य

Scanned by CamScanner

महाविद्यालय के विभिन्न संकायों की प्रगति रिपोर्ट

वाणिज्य संकाय

वाणिज्य संकाय इस महाविद्यालय का एक आधारभूत एवं प्रतिष्ठित संकाय है। महाविद्यालय का शुभारम्भ सन् 1998 में बी.कॉम. कक्षाओं से शुरू हुआ और यह गौरव की बात है कि पिछले 18 वर्षों से संकाय निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। महाविद्यालय के प्रबन्धन के प्रस्ताव पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय द्वारा सन् 2009-10 में एक अतिरिक्त सैक्शन की भी वृद्धि की गयी है।

महाविद्यालय प्रबन्धन के प्रयासों से परास्नातक स्तर पर सत्र 2009-10 से दो समूहों (व्यवसाय प्रशासन तथा लेखा एवं विधि) में एम.कॉम. पाठ्यक्रम प्रारम्भ हुआ।

इस संकाय ने पिछले सत्र 2014-15 में बी.कॉम. एवं एम.कॉम. के परीक्षा परिणामों में लगभग शत्- प्रतिशत सफलता प्राप्त की है। विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार कुशवाहा के निर्देशन में विभाग प्रगति पथ पर अग्रसर है। विभाग में डॉ. हीरेश गोयल (वर्तमान में उप प्राचार्य), डॉ. समर रजा एवं डा. संध्या सैंगर हैं। वर्तमान सत्र में लगभग 500 छात्र-छात्राएँ एवं एम.कॉम. में लगभग 72 छात्र-छात्राएँ अध्ययनरत हैं। विभागीय प्राध्यापकों ने महाविद्यालय के अनेक कार्यों में उत्कृष्ट भूमिका निभायी है। डॉ. हीरेश गोयल (अध्यापक कल्याण समिति, प्रवेश समिति सदस्य) डॉ. समर रजा (शैक्षिक भ्रमण प्रभारी), डॉ. संध्या सैंगर (साहित्यिक समिति एवं अनुशासन समिति की सदस्या) की भूमिका बखूबी निभा रहे हैं। सत्र 2014-15 से वाणिज्य संकाय द्वारा 'ज्ञान अर्थ' नामक अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल प्रकाशित किया जा रहा है।

सभी प्राध्यापक राष्ट्रीय संगोष्ठियों में यथा सम्भव सहभाग कर अपने शोध पत्रों को प्रकाशित कराते हैं, जिससे वे समय की चुनौतियों को स्वीकार करते हुये अपने को अद्यतन रख सकें।

संकाय के बी.कॉम. प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं का शैक्षिक भ्रमण डॉ. समर रजा के नेतृत्व में कराया गया। यह भ्रमण आगरा की विश्व प्रसिद्ध इमारत ताजमहल व फतेहपुर सीकरी को देखने के लिए हुआ। छात्र-छात्राओं को इस भ्रमण से ऐतिहासिक एवं धार्मिक जानकारी मिली। ❖

विज्ञान संकाय

महाविद्यालय में विज्ञान संकाय के अन्तर्गत एम. एस-सी. (गणित, रसायन विज्ञान), बी.एस-सी. (जेड.बी. सी., पी.सी. एम.) की कक्षाएँ संचालित हैं। इस संकाय में भौतिक विज्ञान के प्राध्यापक श्री वीरेन्द्र सिंह तथा श्रीमती अकलीम वसी खान, गणित विभाग के प्राध्यापक श्री अमित कुमार तथा श्री कुशल पाल सिंह, वनस्पति विज्ञान की प्राध्यापिका डॉ. सुहैल अनवर, जन्तु विज्ञान की प्राध्यापिका डॉ. ज्योति सिंह तथा रसायन विज्ञान के प्राध्यापक डॉ. हुकुम सिंह चौधरी, डॉ. अरमीन सिद्दीकी, श्री प्रवीन कुमार तथा कु. आकांक्षा गुप्ता सेवारत हैं। उपर्युक्त सभी विषयों की आधुनिक प्रयोगशालाएँ महाविद्यालय में उपलब्ध हैं। सभी विषयों के पाठयक्रम से सम्बन्धित उच्च स्तर की पाठ्य पुस्तकें तथा सम्बन्धित संदर्भ ग्रन्थों के साथ-साथ विषयों के जर्नल्स भी महाविद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। इस वर्ष डॉ. मन्जू गिरि, अध्यक्षा भौतिक विज्ञान, डी.एस. कॉलेज, डॉ. अमित चौधरी एसो. प्रोफे. रसायन विज्ञान डी.एस. कॉलेज, डॉ. एम.पी. सिंह विभागाध्यक्ष जन्तु विज्ञान, पालीवाल पी.जी. कॉलेज, शिकोहाबाद, डॉ. पी.सी. गुप्ता रिटा. एसो. प्रोफे. एस.वी. कॉलेज, अलीगढ़ द्वारा अतिथि व्याख्यान दिये गये। विज्ञान संकाय द्वारा साइंस क्विज और जी. के. कम्पटीशन आयोजित किया गया। विज्ञान संकाय के बी. एस-सी. फाइनल के पवन कुमार और मिन्टो महन्तो ने राष्ट्रीय सेवा योजना के राष्ट्रीय साहसिक शिविर में प्रतिभाग किया। सभी विषयों के अतिथि व्याख्यान विद्वान व्याख्याताओं द्वारा कराये गये। संकाय के विद्यार्थी तथा प्राध्यापकों को

Scanned by CamScanner

शैक्षिक भ्रमण हेतु मथुरा-वृन्दावन ले जाया गया। संकाय के प्राध्यापकों ने अपने-अपने विषय से सम्बन्धित विभिन्न संगोष्ठियों में प्रतिभाग करके अपना ज्ञानवर्धन किया। ❖

कला संकाय

सत्र 2010-11 में ज्ञान महाविद्यालय को डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा बी.ए. की कक्षाओं को प्रारम्भ करने की मान्यता प्रदान की गई। आज वर्तमान में कला संकाय में नौ विषय-हिन्दी, अंग्रेजी, समाज शास्त्र, अर्थशास्त्र, भूगोल, मनोविज्ञान, शिक्षा शास्त्र, गृह विज्ञान और राजनीति शास्त्र का अध्यापन कार्य कराया जा रहा है।

सत्र 2015-16 में कला संकाय में 504 छात्र-छात्राएँ शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। डॉ. विवेक मिश्रा प्रभारी की भूमिका निभा रहे हैं।

- ☛ संकाय में प्रत्येक प्राध्यापक एक आदर्श 'Mentor' की भूमिका निभा रहे हैं, जिसमें प्राध्यापक छात्र-छात्राओं से उनकी समस्याएँ आदि के बारे में जानने का प्रयास कर समाधान करने का प्रयत्न करते हैं।
- ☛ 11-12-2015 को कला संकाय के छात्र-छात्राओं का ओ.एम.आर. शीट के माध्यम से बहुविकल्पीय टैस्ट कराया गया, जिससे छात्र-छात्राओं में ओ.एम. आर. शीट द्वारा बहुविकल्पीय प्रश्नों को हल करने की योग्यता आयी।
- ☛ 9-01-2016 को कला संकाय के छात्र-छात्राओं का शैक्षिक भ्रमण मथुरा-वृन्दावन दर्शन के लिये गया। जहाँ छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों ने वृन्दावन के प्राचीन मन्दिरों एवं नये मन्दिरों के दर्शन किये।
- ☛ बी.ए. द्वितीय वर्ष का छात्र सद्दाम हुसैन ने राष्ट्रीय सेवा योजना के राष्ट्रीय साहसिक शिविर में क्षेत्रीय जल क्रीड़ा केन्द्र पोंगडेम (हिमाचल प्रदेश) में भाग लेकर डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय की टीम में प्रतिनिधित्व किया।
- ☛ बी.ए. तृतीय वर्ष का छात्र सचिन सैनी ने राज्य एवं जिला स्तरीय 'कुश्ती' प्रतियोगिता में भाग लिया।

हिन्दी विभाग :

हिन्दी विषय में डॉ. बीना अग्रवाल एवं डॉ. नरेन्द्र सिंह प्राध्यापक हैं। डॉ. बीना अग्रवाल महाविद्यालय की अतिथि सत्कार समिति की प्रभारी तथा भवन रख-रखाव समिति एवं सांस्कृतिक समिति की सदस्या हैं। डॉ. नरेन्द्र सिंह महाविद्यालय के मुख्य अनुशासन अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं।

अंग्रेजी विभाग :

अंग्रेजी विभाग में श्री नेपाल सिंह एवं श्री एम.पी. सिंह प्राध्यापक हैं।

समाजशास्त्र विभाग :

समाजशास्त्र विषय में डॉ. विवेक मिश्रा एवं डॉ. ललित उपाध्याय प्राध्यापक हैं। डॉ. विवेक मिश्रा महाविद्यालय की ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति (सामाजिक दायित्व कार्यक्रम) के प्रभारी की भूमिका निभा रहे हैं तथा अनुशासन समिति, पुस्तकालय समिति एवं परीक्षा समिति के सदस्य भी हैं। डॉ. ललित उपाध्याय राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं तथा ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति एवं क्रीड़ा समिति के सदस्य भी हैं। डॉ. ललित उपाध्याय महाविद्यालय की जनसम्पर्क मीडिया, सोशल मीडिया समन्वय सम्बन्धी कार्यों का भी बखूवी निर्वहन कर रहे हैं।

समाजशास्त्र का अतिथि व्याख्यान डॉ. सपना सिंह (एसो. प्रोफेसर) टीकाराम कन्या महाविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा किया गया, जिसका विषय 'बदलते सामाजिक परिदृश्य में महिलाओं की प्रस्थिति' रखा गया।

भूगोल विभाग :

भूगोल विषय में डॉ. सोमवीर सिंह एवं मौ. वाहिद

Scanned by CamScanner

प्राध्यापक हैं। डॉ. सोमवीर सिंह महाविद्यालय की भवन रख-रखाव समिति के प्रभारी हैं एवं क्रीड़ा समिति व परीक्षा समिति के सदस्य हैं। मौ. वाहिद महाविद्यालय की अनुशासन समिति में उप मुख्य अनुशासन अधिकारी, क्रीड़ा समिति और छात्र कल्याण समिति के सदस्य हैं। दोनों प्राध्यापक यू.जी.सी. की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) क्वालीफाइड हैं। भूगोल की सुसज्जित प्रयोगशाला है। भूगोल विषय का अतिथि व्याख्यान डॉ. एस.एल. गुप्ता (एसो. प्रोफेसर) पी.सी. बागला कालेज, हाथरस द्वारा किया गया, जिसका विषय ''जल संरक्षण एवं उसके उपाय'' रखा गया।

मौ. वाहिद ने 14-07-2015 से 25-07-2015 तक भारत सरकार द्वारा नेशनल रिसोर्स डिजास्टर मैनेजमेन्ट के अन्तर्गत अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में 21 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

अर्थशास्त्र विभाग :

अर्थशास्त्र विषय में डॉ. दीनानाथ गुप्ता एवं रत्न प्रकाश प्राध्यापक हैं। डॉ. दीनानाथ गुप्ता महाविद्यालय की भवन रख-रखाव समिति के सदस्य हैं तथा डॉ. रत्न प्रकाश शोध एवं प्रकाशन समिति के सदस्य हैं।

मनोविज्ञान विभाग :

मनोविज्ञान विषय में डॉ. विकेश चन्द्र गुप्त प्राध्यापक हैं। डॉ. गुप्ता प्रवेश समिति के प्रभारी व प्राथमिक चिकित्सा समिति के सदस्य हैं।

शिक्षाशास्त्र विभाग :

शिक्षाशास्त्र विषय में श्री गिर्राज किशोर एवं सुश्री भावना सारस्वत प्राध्यापक हैं।

गृहविज्ञान विभाग :

गृहविज्ञान विषय में श्रीमती शोभा सारस्वत प्राध्यापिका हैं। गृहविज्ञान की सुसज्जित प्रयोगशाला है, जिसमें छात्राएँ नये-नये व्यंजन बनाना सीखती हैं। श्रीमती शोभा सारस्वत पुरातन छात्र समिति एवं सांस्कृतिक समिति की सदस्य भी हैं।

राजनीति शास्त्र विभाग :

राजनीतिशास्त्र विषय में श्री एम. पी. सिंह एवं श्री लखमी चन्द्र प्राध्यापक हैं। राजनीति शास्त्र भी महाविद्यालय का नवीन विषय है। ❖

DEPTT. OF TECHNOLOGY

In the dimension of computer education Gyan Mahavidyalaya started B.C.A. Department in 2010 which is affiliated to Dr. B.R. Ambedkar University, Agra. Now B.C.A. Department is growing at rapid rate continuously day by day. B.C.A. department also provide training programme to spread computer literacy in other departments' students.

B.C.A. Department is dedicated to provide a quality education by including a latest technology day by day as the requirement of corporate sector by which students can build up themselves as the demand of IT Industry in this cut throat competition,

This department also organises a training programme to improve the soft skill like presentation skill. personality development etc. of the students to fulfil the requirement of the industry.

Proper labs are running for students to that they can do practical work their.

Sessional exams are conducted from time to time.

In this session Ms. Anita Raj. Mr. Pushpendra Mohan Varshney Joined this department. ❖

Scanned by CamScanner

DEPTT. OF MANAGEMENT

In the dimension of computer education Gyan Mahavidyalaya started B. B. A. department in 2010 which is affiliated to Dr. B. R. Ambedkar University, Agra.

B.B.A. Department is dedicated to provide a quality education by including a latest technology day by day as required by corporate sector.

We also organise special programme like presentation skill which enhance their communication skill, by this they learn how to represent themselves in some industries.

Sessional exams are conducted which helps in enrich their knowledge.

Our students participate in different activities.

In the session Ms. Astha Gupta, Ms. Mona Singh joined this session. ❖

शिक्षक-शिक्षा विभाग

NAAC GRADE "A"

महाविद्यालय को शिक्षक-शिक्षा विभाग की मान्यता 2004-05 में 100 सीटों के साथ प्राप्त हुई। तत्पश्चात् 2008-09 में 100 अतिरिक्त सीटों की मान्यता प्राप्त हुई। 2011-12 में इस विभाग को NAAC द्वारा "A" ग्रेड दिया गया।

विभाग प्रगति के पथ पर निरन्तर अग्रसर है। विभाग में सभी शिक्षक साथी श्रीमती आभाकृष्ण जौहरी, श्रीमती मधु चाहर, सुश्री भावना सारस्वत, श्री गिर्राज किशोर, श्री लखमी चन्द्र लगनशील हैं, जिनके सहयोग से विभाग निरन्तर उपलब्धियाँ प्राप्त कर रहा है।

विभाग के समस्त ... उन्नत करने हेतु सेमीनार तथा कार्यशालाओं में भाग लेते रहते हैं और पत्रिकाओं में अपने शोध-पत्र प्रकाशित कराते हैं। विभाग में छात्र-छात्राओं को पाठ्यक्रम के साथ-साथ उनके व प्राध्यापकों के ज्ञान वर्धन हेतु विषय विशेषज्ञों के द्वारा अतिथि व्याख्यान समय-समय पर कराये जाते हैं। विभाग के तीन प्राध्यापक श्री लखमी चन्द्र, सुश्री भावना सारस्वत व श्रीमती शिवानी सारस्वत ने शिक्षण कार्य करते रहने के साथ-साथ राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) पास कर ली है। श्रीमती आभाकृष्ण जौहरी ने अपनी पी-एच.डी. की थीसिस जमा कर दी है। अन्य प्रवक्ता भी पी-एच.डी. कर रहे हैं।

विभाग के लिए एक सुसज्जित पुस्तकालय है। जिसमें अनुशीलन केन्द्र, विज्ञान व गणित संसाधन केन्द्र, आर्ट व क्राफ्ट संसाधन केन्द्र, भाषा लैब, आई.सी.टी. संसाधन केन्द्र, फिजीकल शिक्षा संसाधन केन्द्र व गायन केन्द्र भी हैं। गत वर्षों में बी.एड. की विश्वविद्यालय स्तर की परीक्षा में छात्र-छात्राएँ शत्-प्रतिशत उत्तीर्ण हुए हैं।

2015-16 की विभागीय गतिविधियाँ निम्नांकित हैं:

- ☛ **सांस्कृतिक कार्यक्रम :** गायन, वादन, रंगोली, ग्रीटिंग कार्ड, मेंहदी, राखी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- ☛ **साहित्यिक कार्यक्रम :** विभाग में श्री रामचन्द्र मिशन (SRCM) द्वारा एक निबन्ध प्रतियोगिता कराई गई, जिसका शीर्षक ''जिस व्यक्ति का आन्तरिक जीवन नहीं है। वह परिस्थितियों का गुलाम है।'' था, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया व दो विद्यार्थी कविता राजपूत व विष्णु कुमार शर्मा को मिशन द्वारा पुरस्कृत भी किया गया।

विभाग में ''लोकतान्त्रिक शिक्षा प्रणाली में शिक्षक की भूमिका'' पर एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया।

विभाग में समय-समय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता व Quiz Competition का भी आयोजन होता रहता है।

Scanned by CamScanner

- **विद्यालय प्रशिक्षण :** विभाग के सभी विद्यार्थियों को विद्यालय प्रशिक्षण हेतु विभिन्न इण्टर कालेजों में भेजा गया ताकि विद्यार्थी विद्यालय में होने वाली हर छोटी-बड़ी शैक्षिक गतिविधियों में भाग लें व उन्हें समझ सकें। इस कार्य में उनका निर्देशन विभाग के सभी प्राध्यापकों ने किया।

- **खेलकूद कार्यक्रम :** महाविद्यालय में छात्रों के स्वास्थ्य व शारीरिक विकास के लिए इण्डोर व आउट डोर खेल समय-समय पर आयोजित कराये जाते हैं।

- **मनोवैज्ञानिक परीक्षण :** विभाग में प्रवेश लेने के पश्चात सभी विद्यार्थियों का शिक्षण अभिरूचि सम्बन्धी मनोवैज्ञानिक परीक्षण किया जाता है, जिसके आधार पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया जाता है।

- **अतिथि व्याख्यान :** विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन समय-समय पर किया जाता है। इसी श्रृंखला में पूर्व डीन डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय प्रो. गिर्राज किशोर द्वारा ''शिक्षण की धुरी- जिज्ञासा'' विषय पर व्याख्यान दिया गया।

- **नव नियुक्त प्राध्यापकों हेतु उन्मुखीकरण कार्यक्रम :** शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा महाविद्यालय के विभिन्न संकायों में नव नियुक्त प्राध्यापकों के उन्मुखीकरण हेतु तीन दिवसीय कार्यक्रम रखा गया, जिसमें शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रवक्ताओं ने रिसोर्स पर्सन की भूमिका का निर्वहन किया।

- **विश्वसनीय सलाहकार समिति :** छात्रों व छात्राओं की शैक्षिक प्रतियोगिताओं की तैयारी, नौकरी, सामाजिक परिवेश में समायोजन की समस्याओं व व्यक्तिगत समस्याओं का सामना करने व समाधान के लिए सभी विद्यार्थियों को 20-20 के समूह में विभाजित कर एक-एक प्राध्याापक विश्वसनीय सलाहकार के निर्देशन में रखा गया।

- शिक्षा विभाग एक अर्धवार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल ''ज्ञानभव'' प्रकाशित करता है।

❖

बी.टी.सी. विभाग

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उ0प्र0 लखनऊ से बी.टी.सी. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम संचालित है। बड़े ही हर्ष का विषय है कि पूरे अलीगढ़ मण्डल के निजी संस्थानों में से केवल ज्ञान महाविद्यालय को सर्वप्रथम बी. टी. सी. पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की मान्यता प्राप्त हुई। साथ ही महाविद्यालय को बी.टी.सी. की स्थायी मान्यता का भी गौरव प्राप्त हुआ है।

बी. टी. सी. बैच - 2010, बैच 2012, 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम के साथ पूर्ण हो चुका है। साथ ही बी.टी.सी. बैच -2010 के प्रशिक्षुओं में से 100 प्रतिशत प्रशिक्षुओं को सरकारी नौकरी भी मिल चुकी है। वर्ष -2015 में बी.टी.सी. बैच - 2012 के प्रशिक्षुओं में माला कुमारी ने 1532 अंकों के साथ महाविद्यालय में प्रथम स्थान, नवनीत भारद्वाज ने 1525 अंकों के साथ द्वितीय स्थान तथा लक्ष्मी अग्रवाल ने 1522 अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त बी.टी.सी. बैच - 2013 व बैच -2014 के तीन अलग-अलग सेमेस्टर चल रहे हैं।

शिक्षा ही राष्ट्र की नींव है। नींव जितनी मजबूत होगी, उतना ही सुदृढ़शाली राष्ट्र रूपी महल का निर्माण हो सकेगा। विभाग में पाठ्यक्रम के साथ-साथ अनेक स्मरणीय कार्यक्रमों का आयोजन वर्ष भर किया जाता है। जिसमें विविध प्रतियोगिताएँ, अतिथि व्याख्यान, समय-समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों आदि के द्वारा प्रशिक्षुओं के ज्ञान-वर्धन का प्रयास किया जाता है एवं उनकी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से छिपी प्रतिभा की अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान किया जाता है।

विभाग के सभी प्रवक्ता वर्ष-भर चलने वाले इन कार्यक्रमों में अपना सक्रिय योगदान देते रहे हैं। विभाग प्रभारी श्री आर.के. शर्मा, सांस्कृतिक समिति प्रभारी श्रीमती शोभा सारस्वत, साहित्यिक समिति प्रभारी श्रीमती वैशाली अग्रवाल, अनुशासन प्रभारी श्री रवि कुमार, समाचार व प्रार्थना सभा प्रभारी श्री ललित कुमार व खेल प्रभारी मौ. कय्युम रज़ा अपना कुशल नेतृत्व एवं सहभागिता प्रदर्शित कर रहे हैं। विभाग के प्रत्येक प्राध्यापक एवं आदर्श

Scanned by CamScanner

Mentor की भूमिका निभा रहे हैं, जिसमें प्राध्यापक छात्र-छात्राओं से उनकी समस्याओं के बारे में जानने का प्रयास कर समाधान करने का प्रयत्न करते हैं।

विभाग में विविध प्रतियोगिताएँ अतिथि व्याख्यान, सांस्कृतिक कार्यक्रम खेलकूद प्रतियोगिता, काव्य गोष्ठी, निबन्ध प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, मेंहदी, रंगोली, थाल-सज्जा, राखी प्रतियोगिता शैक्षिक भ्रमण निःशुल्क प्याऊ आदि के द्वारा प्रशिक्षुओं का ज्ञान-वर्धन किया जाता है। साथ ही उनकी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से छिपी प्रतिभाओं को अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान किया जाता है। इससे प्रशिक्षुओं में अभिव्यक्ति कौशल एवं व्यक्तित्व में धनात्मक परिवर्तन हुए हैं। विभाग में निम्नांकित दिनांकों में निम्नलिखित गतिविधियाँ हुईं -

- दिनांक 04-05-2015 को कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- दिनांक 29-04-2015 को बी.टी.सी. विभाग का शैक्षिक भ्रमण जिसमें रंगजी का मन्दिर, बाँके बिहारी जी मन्दिर, अंग्रेज मन्दिर, श्री कृष्ण जन्म-भूमि मथुरा, प्रेम मन्दिर, वृन्दावन के दर्शन किये। इस भ्रमण में सभी बी.टी.सी. के प्रवक्ता व विद्यार्थियों ने भ्रमण का आनन्द लिया। शैक्षिक भ्रमण प्रभारी श्री रवि कुमार की देख-रेख में किया गया।
- दिनांक 09-05-2015 को विभाग में मदर्स-डे का आयोजन किया गया, जिसमें बी.टी.सी. के सभी प्रशिक्षुओं ने अपने विचार व्यक्त किये।
- दिनांक 20-05-2015 को बी.टी.सी. बैच -2012 के प्रशिक्षुओं का विदाई समारोह कराया गया जिसके मुख्य अतिथि इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अमित चतुर्वेदी, सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. बी.पी. सिंह रहे।
- दिनांक 29-05-2015 को सरकारी बस स्टैण्ड के पास निःशुल्क प्याऊ लगायी गयी। बस स्टैण्ड के पास आने-जाने वाले राहगीरों ने अपनी प्यास शरबत पीकर बुझाई।
- दिनांक 05-06-2015 को ग्राम मुकन्दपुर में विश्व पर्यावरण दिवस पर ''पर्यावरण जागरूकता रैली'' निकाली गयी, जिसमें बी.टी.सी. प्राध्यापकों के साथ डॉ. ललित उपाध्याय व ग्राम प्रधान ने प्रशिक्षुओं का हौसला बढ़ाया। साथ ही बी.टी.सी. प्रशिक्षुओं ने ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया।
- दिनांक 25-08-2015 को अखिल भारतीय निबन्ध लेखन प्रतियोगिता कराई गई, विषय था- ''वह व्यक्ति जिसका आन्तरिक जीवन नहीं है, अपनी परिस्थितियों का गुलाम है।'' का आयोजन किया गया।
- दिनांक 27-08-2015 को राखी, मेंहदी, थाल-सज्जा एवं फाइल कवर तैयार किये। इन प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन प्रबन्धक श्री मनोज यादव, प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता, तत्कालीन उप-प्राचार्य डॉ. एस.एस. यादव व डॉ. रत्न प्रकाश ने किया।
- दिनांक 15-12-2015 को बी.टी.सी. विभाग में डॉ. रत्न प्रकाश द्वारा व्याख्यान दिया गया। विषय था- ''साक्षर व्यक्ति के लिए न्यूनतम अधिगम स्तर''।
- दिनांक 23-12-2015 को बी.टी.सी. विभाग में चौधरी चरण सिंह जयन्ती का अयोजन किया गया जिसमें सभी प्रशिक्षुओं ने अपने विचार व्यक्त किये।
- दिनांक 12-01-2016 को बी.टी.सी. विभाग में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती जिसे 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाया गया। जिसमें सभी प्रशिक्षुओं ने अपने विचार व्यक्त किये।
- दिनांक 28-02-2015 से 01-03-2015 तक द्वि-दिवसीय **Youth Fest Urjaa** - 2015 का आयोजन **IIMT** में किया गया, जिसमें महाविद्यालय की ओर से बी.टी.सी. बैच-2013 के प्रशिक्षुओं ने भाग लिया, जिसमें सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में सुनील कुमार, शौर्यानन्द पाण्डेय, नीरज कुमार ने सम्मिलित रूप से जिला स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। ❖

Scanned by CamScanner

पुस्तकालय

वर्तमान समय में शिक्षा के लिये पुस्तकालय का विशेष महत्व है। शिक्षा ही राष्ट्र की नींव है। नींव जितनी मजबूत होगी, उतना ही सुदृढ़शील राष्ट्र रूपी महल का निर्माण होगा। पुस्तकालय एक सार्वजनिक संस्था होती है। सन् 1930 में भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एस.आर. रंगानाथन ने ग्रन्थालय विज्ञान के पाँच नियमों को बनाया तथा डॉ. रंगानाथन जी ने अपनी पुस्तक "पुस्तकालय विज्ञान के पाँच सूत्र" (The Five Law of Library) नामक पुस्तक प्रकाशित की। इन्हीं पाँच नियमों के आधार पर पुस्तकालय का संगठन, प्रकाशन व तकनीकी प्रक्रिया किस प्रकार की होनी चाहिए, निश्चित की जाती है। इन्हीं के द्वारा पुस्तकालय का संचालन होता है। डॉ. रंगानाथन के पाँच सूत्र निम्नलिखित हैं-

1. पुस्तकें सभी के लिये हैं।
2. प्रत्येक पाठक को उसकी पुस्तक मिले।
3. प्रत्येक पुस्तक को उसका पाठक मिले।
4. पाठक के समय की बचत हो।
5. पुस्तकालय एक वर्धनशील संस्था है।

संक्षिप्त विवरण :

महाविद्यालय में पुस्तकालय की स्थापना सन् 1998 में लघु (छोटे) रूप में हुई जो कि आज समृद्ध एवं आधुनिक तकनीक से युक्त है। पुस्तकालय पूर्णरूप से कम्प्यूटरीकृत (Computerised) है तथा Library Management Software AUTOSIS 1.1 नामक नवीनतम प्रोग्राम से संचालित है। वर्तमान में पुस्तकालय में लगभग 24,000 पुस्तकें हैं। महाविद्यालय में पुस्तकों की संख्या विश्वविद्यालय एवं शासन के नियमों के अनुरूप है महाविद्यालय में प्रतिवर्ष विभिन्न कोर्सों के लिये अलग-अलग विषयों से सम्बन्धित अद्यतन संस्करण (Latest Edition) तथा अनुभवी एवं ख्याति प्राप्त लेखकों की पुस्तकें सम्बन्धित संकायों के प्राध्यापकों एवं प्रबन्धकों द्वारा तैयार की गयी सूची के अनुसार क्रय करना प्रबन्ध तंत्र की विशेषता है।

महाविद्यालय में पुस्तकालय सलाहकार समिति (Library Advisory Committee) की समय-समय पर बैठकें होती रहती हैं, जिसमें पुस्तकालय से सम्बन्धित आवश्यकताओं एवं समस्याओं पर विचार-विमर्श किया जाता है तथा उनका निस्तारण भी किया जाता है।

पुस्तकालय महाविद्यालय के तीन भवनों में अलग-अलग स्थापित है।

1. **माँ सरस्वती पुस्तकालय :** इस पुस्तकालय से बी.कॉम., बी.ए., बी.एस-सी. (बायो, मैथ), बी.बी.ए., बी.सी.ए., एम.कॉम. एवं एम.एस-सी. (रसायन) एवं एम.एस-सी (मैथ) की नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार देश एवं विदेश के प्रसिद्ध विद्वान लेखकों की पुस्तकें शिक्षकों एवं शिक्षार्थियों को उपलब्ध करायी जाती हैं, यह पुस्तकालय आधुनिक फर्नीचर से सुसज्जित पूर्णतया कम्प्यूटरीकृत है। पुस्तकालय में पुस्तकें Glass Door Almirah में सुव्यवस्थित तरीके से सुसज्जित हैं जिससे विद्यार्थी अपनी जरूरत की पुस्तक को आसानी से खोज सकते हैं। इस पुस्तकालय में लगभग 11,000 Text Books हैं। इसके अलावा 3,550 Reference Books, Dictionaries, Journals, Encyclopedia, Periodicals, Novels आदि पुस्तकालय में उपलब्ध हैं एवं शोध से सम्बन्धित Research Materials भी इस पुस्तकालय में उपलब्ध है। छात्र-छात्राओं को पुस्तकें 14 दिन के लिये Computer द्वारा Issue, Return की जाती हैं। इस पुस्तकालय की देख-रेख डी.के. रावत एवं नीरज भारती द्वारा की जाती है।
2. **ज्ञान पुस्तकालय :** इस पुस्तकालय में बी.एड. एवं बी.टी.सी. के पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विभिन्न लेखकों की लगभग 10,000 Text Books उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में बी.टी.सी. से सम्बन्धित 3,000 Text Books उपलब्ध हैं। इस पुस्तकालय में "Teacher's Guide" के नाम से अलग विशाल संग्रह है जिसमें NCERT से सम्बन्धित पुस्तकें उपलब्ध हैं जो कि Dr. Gyan Collection के नाम से अलग संग्रहालय है।

☛ Education से सम्बन्धित लगभग 18

Scanned by CamScanner

Journals एवं 8 Magazine क्रमबद्ध तरीके से मँगायी जाती हैं।

☛ दैनिक समाचार पत्र (News Paper) एवं रोजगार समाचार पत्र नियमित रूप से मँगाये जाते हैं।

☛ इसके अलावा इस पुस्तकालय में E-Resource Station के नाम से अलग विभाग है, जहाँ पर User आकर Internet की सुविधा का लाभ लेते हैं। इस पुस्तकालय में तीन प्रकार से छात्र-छात्राओं को अध्ययन करने की व्यवस्था है जिसमें पाठक (छात्र-छात्राएँ) अपनी सुविधानुसार सीटों का चयन कर आसानी से बैठकर पढते हैं। पुस्तकालय में पुस्तकों का आदान-प्रदान कम्प्यूटर के माध्यम से किया जाता है। पुस्तकालय में सी.सी.टी.वी. कैमरे लगे हुये हैं जिससे विद्यार्थियों पर नजर रखी जा सके। इस प्रकार पुस्तकालय की देख-रेख वीरेन्द्र सिंह एवं नीलम पुण्डीर द्वारा की जाती है।

3. **स्वराज्य पुस्तकालय :** इस पुस्तकालय में आई.टी.आई. पाठ्यक्रम की Text Books उपलब्ध करायी जाती है। पुस्तकालय द्वारा विद्यार्थियों को 14 दिन के लिए Text Book Issue की जाती है। पुस्तकालय द्वारा User को निम्नांकित सेवायें प्रदान की जाती हैं :

   i. Open Access Services
   ii. Circulation Services
   iii. Reference Services
   iv. Information Display of Notification Services
   v. Book Bank Services
   vi. On Line Public Access Catalogue Services
   vii. Clipping Services
   viii. E-Resource Station Services

इण्डियन नेशनल ट्रस्ट फोर आर्ट एण्ड कल्चरल हैरिटेज (इण्टैक), लखनऊ ने कमिश्नरी सभागार, अलीगढ़ में दिनांक 28-12-2015 से 30-12-2015 तक "लिखित दस्तावेज एवं पुस्तकालय सामग्री का सुरक्षात्मक संरक्षण" कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला में पुस्तकालय प्रभारी, वीरेन्द्र सिंह, नीलम पुण्ढीर एवं नीरज भारती ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना का शुभारम्भ सत्र 2007-08 में हुआ। विश्वविद्यालय के नियमानुसार 100 छात्र-छात्राओं की एक यूनिट गठित की गई, इस यूनिट में बी.ए., बी.एस.-सी. एवं बी.कॉम. के छात्र-छात्राओं से नामांकन फार्म भरवाकर एक यूनिट तैयार की गई। इस यूनिट के संचालन हेतु विश्वविद्यालय द्वारा डॉ. ललित उपाध्याय का अनुमोदन कार्यक्रम अधिकारी पद पर महाविद्यालय की संस्तुति पर वर्ष 2014 में किया गया। इससे पूर्व डॉ. बी.डी. उपाध्याय व डॉ. अन्तिमा कुलश्रेष्ठ ने इस पद पर दायित्व को बखूबी निभाया।

☛ राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य समाज सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास करना है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्य उद्देश्य निम्नांकित हैं :

1. जिस समाज में रहकर कार्य करते हैं, उसे भली-भाँति समझना चाहिए।
2. अपने समाज की आवश्यकताओं और कठिनाइयों को पहचानकर उनके समाधान में यथाशक्ति अपनी भूमिका निभाना।
3. स्वयं में सामाजिक एवं नागरिक दायित्व की भावना विकसित करना।
4. व्यक्ति एवं समाज की समस्याओं के समाधान खोजने में अपनी शिक्षा का उपयोग करना।
5. नेतृत्व के गुण एवं प्रजातांत्रिक दृष्टिकोण ग्रहण करना।
6. संकटकालीन एवं दैवीय आपदाओं का सामना करने की क्षमता विकसित करना।
7. राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक समरूपता को क्रियात्मक रूप देना।
8. दूसरों के प्रति सम्मान एवं वैज्ञानिक सोच की भावना विकसित करना और लोगों को कुरीतियों, भ्रष्टाचार,

Scanned by CamScanner

कट्टरता, जातिवाद व साम्प्रदायिकता के विरू) संघर्ष के लिये प्रोत्साहित करना।

9. अनुशासन की भावना जाग्रत करते हुए सृजनात्मक एवं रचनात्मक कार्यों में स्वयं को प्रवृत्त करना।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम : राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत दो प्रकार के कार्यक्रम होते हैं :

अ. नियमित कार्यक्रम : इस प्रकार के कार्यक्रमों में स्वयंसेवी अपने पंजीकरण वर्ष के कार्यकाल में 240 घण्टे की विविध गतिविधियों में भाग लेते हैं। अभिग्रहीत बस्ती में एक दिवसीय शिविरों के आयोजन के साथ-साथ महाविद्यालयों में नगर के अनेक सामाजिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी कार्यक्रमों में भाग लेते हैं।

ब. विशेष कार्यक्रम : इस प्रकार के कार्यक्रमों में किसी ग्राम सभा में एक सात दिवसीय आवासीय शिविर का आयोजन किया जाता है। इसका समय-समय पर निरीक्षण विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों द्वारा किया जाता है।

☛ राष्ट्रीय सेवा योजना के दूरगामी लाभ बहुत हैं। विविध चयन प्रक्रियाओं में इसके अतिरिक्त अंक निर्धारित हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संचालन के लिये कॉलेज के सचिव महोदय लगातार प्रोत्साहित करते रहते हैं। प्राचार्य महोदय समय-समय पर शिविर में निरीक्षण के साथ भाग लेकर छात्र-छात्राओं को समाज सेवा के लिये प्रेरित करते हैं। इसका लाभ आने वाले वर्षों में छात्र-छात्राओं को सार्वजनिक जीवन में प्राप्त होता है।

☛ राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना समिति का भी महाविद्यालय स्तर पर गठन किया गया है, जिनमें सदस्यों के रूप में डॉ. संध्या सेंगर, श्री अमित कुमार, डॉ. ज्योति सिंह व डॉ. सोमवीर सिंह की सक्रिय सहभागिता से सामाजिक कार्य को बेहतर तरीके से विभिन्न स्तरों पर आयोजित किया जाता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रमुख गतिविधियाँ

ज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस, ज्ञान गाँव की ओर, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, जल-संरक्षण, वृक्षा-रोपण, पॉलीथिन मुक्त अभियान, श्रमदान व साफ-सफाई, ज्ञान दीप ज्योति कार्यक्रम, राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस, राष्ट्रीय दिवसों का आयोजन, रक्तदान शिविर एवं संगोष्ठी, मानवाधिकार दिवस, ठिठुरती ठंड में असहायों हेतु कम्बल वितरण, वस्त्र वितरण पहल कार्यक्रम, किसान दिवस पर स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत स्वच्छता अभियान, तेल सरंक्षण एवं गैस सुरक्षा, स्मार्ट सिटी वोटिंग अभियान एवं संगोष्ठी आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

ग्राम-पड़ियावली में एन.एस.एस. एक दिवसीय शिविरों का आयोजन दिनांक 12-01-2016, 15-01-2016, 19-01-2016, को किया गया। सात दिवसीय आवासीय विशेष शिविर का आयोजन 03-02-2016 से 09-02-2016 तक ग्राम पड़ियावली के डॉ. अम्बेडकर सामुदायिक भवन में किया गया। विशेष शिविर में बौद्धिक सत्रों के साथ-साथ परियोजना कार्य, श्रमदान, रैलियों, समूह परिचर्चा, प्रतियोगिताऐं, सांस्कृतिक संध्याऐं, ग्राम में साफ-सफाई, सरकारी भवनों में स्वच्छता अभियान, नुक्कड़ नाटक आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए। राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविरों में प्रादेशिक प्रबंधक बी.पी.सी.एल. श्री जे.सी. आहूजा व श्री दीपांकर चौधरी (सेल्स मैनेजर) ने तेल संरक्षण एवं घरेलू गैस से सुरक्षा के उपाय बताए। शिविरों में प्राचार्य डॉ. वाई.के.गुप्ता, सचिव श्री दीपक गोयल, डॉ. गौतम गोयल, ग्राम प्रधान पड़ियावली श्री यतेन्द्र कुमार, ग्राम पंचायत सचिव श्री पी. के. मुखर्जी, प्राथमिक विद्यालय व पूर्व प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक व अध्यापकों, आशा कार्यकत्री, राशन डीलर आदि का विशेष सहयोग रहा। रक्तदान शिविर में कार्यक्रम अधिकारी एन.एस.एस. ने स्वयं रक्तदान कर 55 स्वयंसेवकों को रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया। स्वयंसेवकों व सेविकाओं के दल का साहसिक शिविर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय ने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के दस सदस्यीय पौंगडेम (हिमाचल प्रदेश) में नेतृत्व प्रदान किया। साथ ही इस शिविर में ज्ञान महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के तीन स्वयंसेवक श्री मिन्टो मोहन्तो, श्री पवन कुमार व मौ. सद्दाम हुसैन ने सहभागिता कर गौरव बढ़ाया। चौथा एक

Scanned by CamScanner

दिवसीय शिविर दिनांक 16.02.2016 को ग्राम पड़ियावली में प्रस्तावित है।

नेहरू युवा केन्द्र संगठन द्वारा पं. दीनदयाल धाम फरह (मथुरा) में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय को 25 सितम्बर को राष्ट्रीय युवा पुनर्निर्माण यात्रा समापन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ। इस यात्रा को मुख्य अतिथि मा. गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह, विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय राज्य मंत्री युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार, सचिव युवा कार्यक्रम भारत सरकार ने संबोधित किया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर एन.एस.एस. द्वारा ग्रीटिंग्स कार्ड प्रतियोगिता का आयोजन किया। विजेताओं को कृष्णांजलि सभागार में ए.डी.एम. (प्रशासन) श्री संजय चौहान ने सम्मानित किया। ❖

छात्र कल्याण समिति

ज्ञान महाविद्यालय में छात्र कल्याण समिति श्रीमती वैशाली अग्रवाल प्रभारी व सहयोगी सदस्य डॉ. समर रजा, डॉ. मौहम्मद वाहिद, श्रीमती शिवानी सारस्वत, श्री प्रवीन राजपूत, श्री अखिलेश कौशिक व चार छात्र सदस्यों के सहयोग से कार्य कर रही है। सत्र 2015-16 में छात्र कल्याण समिति द्वारा छात्र-छात्राओं को निम्नांकित सुविधायें प्रदान की गयी हैं -

1. महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय की विवरण पत्रिका एक कैलेण्डर के रूप में प्रदान की गयी।
2. महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं को प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने पर 20 प्रतिशत की व द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण होने पर 10 प्रतिशत की मेधावी छात्रवृत्ति शिक्षण शुल्क में दी गयी।
3. महाविद्यालय में बी.एड. की कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को दो-दो जोड़ी यूनीफार्म व एक-एक दीवार घड़ी का वितरण निःशुल्क किया गया।
4. महाविद्यालय की स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं को दो-दो जोड़ी यूनिफार्म व द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं को एक-एक जोड़ी यूनीफार्म का वितरण निःशुल्क किया गया।
5. महाविद्यालय द्वारा गोद लिए 14 गाँवों में से बी.ए., एम.ए., बी.एस-सी. कक्षाओं में प्रवेश लेने वाली छात्राओं को शिक्षण शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की गयी।
6. स्वतन्त्रता दिवस व गणतन्त्र दिवस पर महाविद्यालय के सभी छात्र- छात्राओं को मिष्ठान वितरित किया गया।
7. महाविद्यालय में अध्ययनरत सभी इच्छुक छात्र-छात्राओं के लिए प्रधानमंत्री की बीमा सुरक्षा योजना के प्रीमियम का भुगतान महाविद्यालय द्वारा किया गया।
8. महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की आत्मिक उन्नति के लिए श्री राम चन्द्र मिशन द्वारा ध्यान पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कराया गया।
9. छात्र-छात्राओं में एकता, समानता व परस्पर भाई-चारे की भावना को जाग्रत करने के उद्देश्य से एक सहभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने भाग लिया।
10. सभी संकायों में छात्रों के विकास के लिए विभागाध्यक्षों की सहायता से अतिथि व्याख्यान कराये गये।
11. महाविद्यालय के सभी संकायों के छात्र-छात्राओं को शैक्षिक भ्रमण पर आगरा, मथुरा एवं अन्य स्थानों पर ले जाया गया।
12. मकर संक्रान्ति के अवसर पर छात्र-छात्राओं को दोपहर के भोजन में इस त्यौहार के प्रमुख व्यंजन-खिचड़ी, दही, अचार आदि का वितरण किया गया।
13. छात्र कल्याण समिति द्वारा छात्र-छात्राओं के चहुँमुखी विकास के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता, पाक्कला प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया।
14. महाविद्यालय में सभी प्रमुख कार्यक्रमों जैसे स्थापना दिवस, वार्षिकोत्सव में सभी को दोपहर भोज दिया जाता है। ❖

Scanned by CamScanner

स्टाफ वेल्फेयर समिति

महाविद्यालय में प्राध्यापकों के कल्याण के लिए एक प्राध्यापक कल्याण समिति का गठन किया गया है। इस समिति में समय-समय पर प्राध्यापकों के साथ बैठकें आयोजित की जाती हैं। उनमें उत्पन्न समस्याओं एवं सुझावों पर प्रबन्ध समिति/प्राचार्य के समक्ष रखकर अन्य सुझाव भी दिए जाते हैं। इस समिति का गठन प्रभारी डॉ. एस.एस. यादव के नेतृत्व में किया गया, परन्तु आपका सरकारी सेवा में चयन होने के पश्चात् इसका उत्तरदायित्व उपप्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल को दिया गया। इस समिति द्वारा प्राध्यापकों के चहुँमुखी विकास हेतु कल्याणकारी कार्य किए जाते हैं, जिसमें निम्नांकित कार्य प्रमुख हैं :

1. महाविद्यालय के प्राध्यापकों के आने-जाने के लिए निःशुल्क बस सुविधा उपलब्ध करायी जाती है।
2. महाविद्यालय के प्राध्यापकों के लिए सेमिनार, कार्यशालाओं तथा अन्य शिक्षाप्रद कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने हेतु सवेतन अवकाश आदि की सुविधा दी जाती है।
3. सभी प्राध्यापकों को इस वर्ष एक प्रवविरण (कलैण्डर) के रूप में दिया गया।
4. महाविद्यालय के सभी विभागों में बाहरी विषय विशेषज्ञों द्वारा अतिथि व्याख्यान कराए जाते हैं, जिससे सम्बन्धित प्राध्यापकों का भी ज्ञानबर्धन होता है।
5. महाविद्यालय के प्राध्यापकों को शैक्षिक भ्रमण के लिए भी भेजा जाता है।
6. महाविद्यालय के प्राध्यापकों को संचालित कोर्स बी.सी.सी. व सी.सी.सी. को सीखने की व्यवस्था, जिससे वे स्वयं को अद्यतन रख सकें।
7. प्राध्यापकों को शिक्षा के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल करने पर उन्हें अतिरिक्त वेतन वृद्धि दी जाती है।
8. इस वर्ष महाविद्यालय से कई प्राध्यापकों का सरकारी सेवा में चयन हुआ है, जिनका विदाई समारोह शहर स्थित पामट्री होटल में आयोजित किया गया, जिसमें महाविद्यालय के सभी कर्मचारियों व प्राध्यापकों को परिवार सहित रात्रिभोज दिया गया।
9. महाविद्यालय में चयनित 13 नवीन प्राध्यापकों का उन्नमुखीकरण कार्यक्रम दिनांक 28-12-2015 से दिनांक 31-12-2015 तक महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा कराया ताकि वे शिक्षा में होने वाली नवीन तकनीकियों को जान सकें।
10. महाविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों के लिए दीपावली पर मिठाई के साथ वस्त्रों का वितरण किया गया।
11. महाविद्यालय में कार्यरत सभी कर्मचारियों को महाविद्यालय प्रबन्धन की ओर से इग्नू एवं औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में निःशुल्क प्रवेश दिया गया।
12. महाविद्यालय में सभी प्रमुख कार्यक्रम जैसे स्थापना दिवस 11 सितम्बर एवं वार्षिकोत्सव 13 फरवरी को सभी को दोपहर भोज दिया गया। ❖

शोध एवं प्रकाशन समिति

इस समिति में बी.एड. विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका श्रीमती आभा कृष्ण जौहरी, वनस्पति विज्ञान विभाग की प्राध्यापिका डॉ. सुहैल अनवर, वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक एवं उप-प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल तथा अर्थशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. रत्न प्रकाश हैं। शोध सम्बंधी नवीनतम प्रकाशित सामग्री महाविद्यालय में उपलब्ध है, विद्यार्थी एवं प्राध्यापक वर्ग उपलब्ध शोध सामग्री से लाभान्वित हो रहे हैं। हमारे महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक पी-एच.डी. कर रहे हैं। वर्तमान सत्र में अनेक प्राध्यापकों ने अपने विषय से संबंधित संगोष्ठियों में प्रतिभाग किया है।

महाविद्यालय के निम्नांकित प्रकाशन हैं -

1. **ज्ञान भव** - यह शिक्षक शिक्षा विभाग का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल है। इस जर्नल का ISSN 2319. 8419 है। इसमें विभिन्न विश्वविद्यालय तथा शैक्षिक

Scanned by CamScanner

संस्थानों के विषय विशेषज्ञों द्वारा हिन्दी तथा अंग्रेजी में लिखे मानक लेख एवं शोध पत्र प्रकाशित किये जाते हैं।

2. **ज्ञान अर्थ** - यह वाणिज्य तथा अर्थशास्त्र विभाग का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल है। इस जर्नल का ISSN 2349. 1310 है। इसमें विभिन्न विश्वविद्यालय तथा शैक्षिक संस्थानों के विषय विशेषज्ञों द्वारा हिन्दी तथा अंग्रेजी में लिखे मानक लेख एवं शोध पत्र प्रकाशित किये जाते हैं।

3. **ज्ञान विज्ञान** - यह विज्ञान संकाय का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल है। इसका ISSN 2349.2732 हैं। इसमें विभिन्न विश्वविद्यालय तथा शैक्षिक संस्थानों के विषय विशेषज्ञों द्वारा अंग्रेजी में लिखे मानक लेख एवं शोध पत्र प्रकाशित किये जाते हैं।

4. **ज्ञान दीप** - यह महाविद्यालय की पुरातन विद्यार्थी समिति तथा सेवा योजना प्रकोष्ठ की संयुक्त वार्षिक पत्रिका है।

5. **ज्ञान दर्शन** - यह हमारे महाविद्यालय का चतुर्मासिक समाचार बुलेटिन है, इसका सीमित वितरण ज्ञान परिवार में किया जाता है। महाविद्यालय की प्राय: सभी गतिविधियों का समावेश इस समाचार बुलेटिन में किया जाता है।

6. **ज्ञान पुष्प** - यह महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका है। इसे महाविद्यालय का दर्पण भी कहा जा सकता है, इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की लेखन कला का विकास करना है।

वर्तमान सत्र में अध्ययनरत चार विद्यार्थियों को भी विद्यार्थी प्रतिनिधि के रूप में इस समिति से जोड़ा गया है। ये विद्यार्थी हैं - 1. श्रीमती डौली (बी.एड.), 2. श्री नीरज कुमार (बी.टी.सी.), 3. श्री मयंक वार्ष्णेय (बी.कॉम.) तथा 4. गौरव कुमार (बी.एस-सी.) ❖

अनुशासन समिति

महाविद्यालय में एक अनुशासन समिति है। अनुशासन शाब्दिक, मानसिक एवं नैतिक प्रशिक्षण है। किसी भी महाविद्यालय के सफलता पूर्वक संचालन में अनुशासन की परम आवश्यकता होती है। महाविद्यालय में प्रतिवर्ष अनुशासन समिति का गठन पूर्ण औपचारिकता के साथ किया जाता है।

महाविद्यालय में निर्धरित गणवेश में विद्यार्थी नियमित रूप से आते हैं। नकलविहीन परीक्षा कराने में अनुशान समिति की अहम भूमिका रहती है। छात्र-छात्राओं के गणवेश (यूनिफार्म) एवं परिचय पत्र का समय-समय पर समिति द्वारा आकस्मिक निरीक्षण भी किया जाता है।

आत्म संयम व अनुशासन ही जीवन में सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। बिना नियम, संयम अर्थात अनुशासन के जीवन व्यर्थ एवं दुरूह है। अत: विद्यार्थी अनुशासित रहें। इसके लिये छात्रों को नेतृत्व कार्य सौंपना, उन्हें प्रेम से समझाना, अनुशासित छात्रों के कार्य की प्रशंसा करना, निर्णय व सुझाव का सम्मान करना। हर प्रकार से छात्रों में आत्म विश्वास उत्पन्न करना तथा एक दूसरे पर विश्वास करना, आपस में प्रेम एवं आदर की भावना रखना, सबका सहयोग करने हेतु तत्पर रहना आदि अनुशासन के प्रमुख अंग है। विद्यार्थी गुरूजनों का सम्मान व आदर करें, एवं सीख व संस्कार भी महाविद्यालय में विद्यार्थियों को दिये जाते हैं।

समिति में मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में सदस्यगण उप मुख्य अनुशासन अधिकारी मौ. वाहिद, डॉ. सन्ध्या सेंगर, श्री वीरेन्द्र कुमार, श्री लखमीचन्द्र, श्री रवि कुमार, श्री अखिलेश कौशिक, कय्यूम रजा आदि सदस्य अनुशासन के कार्य को बखूबी अंजाम दे रहे हैं। ❖

Scanned by CamScanner

स्वराज्य स्वावलम्बी योजना

समाजिक दायित्वों के अन्तर्गत महाविद्यालय द्वारा सन् 2012 में यह योजना महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल की माँ एवं महाविद्यालय के संस्थापक डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल की धर्मपत्नी श्रीमती स्वराज्य लता गोयल की स्मृति में शुरू की गई है। इस योजना के अन्तर्गत महाविद्यालय के निकटवर्ती ग्राम-बढ़ौली फतेह खाँ को गोद लिया गया।

इस गाँव की जो लड़की हमारे महाविद्यालय में बी.ए. एवं बी.एस-सी. (जेड. बी. सी.) में प्रवेश लेती है, उसे शिक्षण शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान की जाती है तथा जो लड़की हमारे महाविद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर रही है या शिक्षा प्राप्त कर चुकी है, उन्हें विवाह के सुअवसर पर एक सिलाई मशीन उपहार स्वरूप दी जाती है। इस योजना के अन्तर्गत अब तक कुल 30 सिलाई मशीनें भेंट की जा चुकी है। ❖

स्वराज्य ज्ञान योजना

सामाजिक दायित्वों के अन्तर्गत सन् 2013 में स्वराज्य ज्ञान योजना का शुभारम्भ किया गया। इसके अन्तर्गत विकास खण्ड लोधा एवं धनीपुर के चौदह ग्रामों को गोद लिया गया जो निम्नांकित हैं :

1. बढ़ौली फतेह खाँ, 2. पड़ियावली, 3. मुकन्दपुर, 4. मईनाथ, 5. न्हौटी, 6. मडराक, 7. सराय हर नारायन, 8. सराय बुर्ज, 9. मन्दिर का नगला, 10. हाजीपुर चौहट्टा, 11. हाजीपुर फतेह खाँ, 12. चिरौलिय दाउद खाँ, 13. ईशनपुर, 14. कमालपुर। उपर्युक्त चौदह ग्रामों के ग्रामवासियों के साथ उनके ग्राम में महाविद्यालय की टीम ने बैठकें की। बैठकों में ग्रामीणों तथा ग्राम प्रधानों को विकास योजनाओं के बारे में बताया गया। इन गाँवों की जो भी लड़की बी.ए. तथा बी.एस-सी. (जेड.बी.सी.) में हमारे महाविद्यालय में प्रवेश लेती है, उन्हें शिक्षण शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान की जाती है। अब तक चौदह ग्रामों में 56 छात्राएँ इस योजना के अन्तर्गत लाभान्वित हो चुकी हैं। उपर्युक्त चौदह ग्रामों से ज्ञान निजी आई.टी.आई. में प्रवेश लेने वाले लड़के तथा लड़कियों को पूरे शुल्क में 4,000 रू. की छूट छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान की जाती है। इस योजना में उक्त चौदह ग्रामों से कुल 76 छात्र महाविद्यालय के सहयोगी संस्थान ज्ञान निजी आई. टी. आई. में प्रवेश लेकर लाभान्वित हो चुके हैं।

इस योजना के उपर्युक्त गाँवों में बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम चलाया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीणों को बताया गया कि बेटी भी बेटों से कम नही हैं, आप उन्हें अवसर दें। इस अभियान के तहत ग्रामीणों को जल संरक्षण, स्वच्छता, खुले में शौच न जाना तथा शौचालय का प्रयोग करना, बच्चों में हाथ धोने की आदत डालना, बिजली बचाना, मतदान, रक्तदान, शिक्षा एवं प्रौढ़ शिक्षा, वृक्षारोपण आदि के बारे में जानकारी दी गई। समिति के लोगों ने प्रधान तथा ग्रामवासियों के साथ प्राथमिक विद्यालयों में वृक्षारोपण भी किया।

दीपावली के अवसर पर उपर्युक्त गाँवों में ''ज्ञान ज्योति कार्यक्रम'' का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत गोद लिए गए गाँवों के छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय में बुलाकर सचिव श्री दीपक गोयल तथा प्राचार्य डॉ. वाई. के.गुप्ता ने 100-100 दीपक, तेल-वाती भेंट किये गये, जिससे छात्र-छात्राएँ अपने-अपने गाँव के निर्धन ग्रामीणों के घर पर दीपावली पर रोशनी कर सकें। दिनांक 06.01.2016 से 08.01.2016 तक ''पहल'' कार्यक्रम के अन्तर्गत ज्ञान सामाजिक सरोकार एवं एन.एस. एस. के छात्र- छात्राओं के सहयोग से ग्रामों के अति निर्धनों एवं ग्राम से लगे भट्टों तथा ईटों की पथाई करने वाले लोगों को पुराने गर्म-कपड़े वितरित किये गये। चौदह ग्रामों के नव निर्वाचित प्रधानों को ज्ञान पट्टिका एवं शॉल पहनाकर उपहार भेंट किये गये। मकर संक्रांति के अवसर पर दिनांक 14.01.2016 को चौदह ग्रामों के नव निर्वाचित प्रधानों का स्वागत समारोह किया गया तथा इसी दिन महाविद्यालय में कम्बल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक श्री

Scanned by CamScanner

अमित चतुर्वेदी थे। महाविद्यालय के सचिव श्री दीपक गोयल, श्री गौतम गोयल एवं श्रीमती रितिका गोयल भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में उक्त सभी गाँवों के पाँच-पाँच निर्धन व्यक्तियों को ग्राम प्रधानों की संस्तुति पर एक-एक कम्बल मुख्य अतिथि तथा सचिव द्वारा भेंट किये गये। इस कार्यक्रम में चौदह ग्रामों की लाभान्वित छात्राओं ने भी भाग लिया।

इस योजना के अन्तर्गत पर्यावरण दिवस, सहभोज कार्यक्रम, राष्ट्रीय दिवस, ज्ञान ज्योति कार्यक्रम, मातृ दिवस एवं पहल आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये तथा स्थानीय अचल सरोवर की सफाई में सामाजिक सरोकार समिति के सदस्य तथा सम्बन्धित विद्यार्थियों ने पर्याप्त योगदान किया।

इस योजना के कार्यान्वयन में डॉ. ललित उपाध्याय, डॉ. समर रजा, डॉ. रत्न प्रकाश ने योजना के प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा को पूरा सहयोग दिया। ❖

अनुसूचित जाति–अनुसूचित जनजाति समिति

अनुसूचित जाति - अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य हेतु हमारे महाविद्यालय में अनुसूचित जाति - अनुसूचित जनजाति समिति कार्यरत् है, जिसका उद्देश्य समय पर इन विद्यार्थियों को समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली शुल्क प्रति पूर्ति व छात्र वृत्ति प्राप्त करने हेतु प्रेरित कर सहयोग करना है। साथ ही इन विद्यार्थियों को जातिगत हीनता से ऊपर लाकर उनको उपचारात्मक शिक्षण प्रदान करना, विद्यार्थियों को आशान्वित बनाने हेतु उनके भविष्य की प्रगति के लिए उत्तरोत्तर प्रयास करना, जिससे महाविद्यालय द्वारा इन विद्यार्थियों को प्रदान की जाने वाली आवासीय सुविधा मुहैया कराना, जिससे महाविद्यालय में समानता एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाया जा सके।

समिति ने वर्ष भर अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये कार्य किये। समिति ने सत्र के प्रारम्भ में इन विद्यार्थियों के साथ बैठक कर अपनी गतिविधियों से अवगत कराया। समिति ने सत्र के दौरान इन विद्यार्थियों को सहयोग प्रदान किया। वर्ष के अन्त में पाया गया कि महाविद्यालय में इस वर्ग के विद्यार्थियों के साथ किसी प्रकार का कोई दुर्व्यवहार या घटना घटित नहीं हुई। इस समिति के प्रभारी श्री लखमी चन्द्र एवं सदस्य श्री गिर्राज किशोर, श्रीमती आभाकृष्ण जौहरी तथा श्री रवि कुमार हैं। साथ में विशेष सलाहकार एवं परामर्शदाता श्री दीपक गोयल (सचिव), श्री मनोज यादव (प्रबन्धक), डॉ. वाई. के. गुप्ता (प्राचार्य) हैं। ❖

रोजगार सलाहकार समिति

हमारे महाविद्यालय में विद्यार्थियों को अध्ययन कार्य करते हुए उन्हें रोजगार प्राप्त करने में सहयोग के लिए रोजगार एवं सलाहकार समिति कार्यरत है, जिसके प्रभारी श्री गिर्राज किशोर (प्रवक्ता, बी.एड.) एवं सदस्य डॉ. हीरेश गोयल (प्राध्यापक वाणिज्य संकाय सह उप प्राचार्य), श्रीमती शिवानी सारस्वत (बी.एड. प्रभारी), कु. अनीता राज (प्राध्यापिका बी.सी.ए.), डॉ. डी.एन. गुप्ता (प्रवक्ता अर्थशास्त्र) तथा मार्गदर्शक व विशेष सलाहकार श्री दीपक गोयल (सचिव), श्री मनोज यादव (प्रबन्धक), डॉ. वाई. के. गुप्ता (प्राचार्य) कमेटी द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को How to make effective Resume, Mock Interview & Personality Development आदि विषयों पर दिशा निर्देशित किया जाता है। महाविद्यालय से प्रतिवर्ष विद्यार्थी सरकारी एवं प्राइवेट सेक्टरों में रोजगार प्राप्त करते हैं। वर्तमान सत्र में 45 विद्यार्थियों का चयन विभिन्न नौकरियों के लिए किया गया है। ❖

Scanned by CamScanner

आन्तरिक गुणवत्ता मूल्यांकन समिति

हमारे महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के कार्यों की गुणवत्ता में वृद्धि करने हेतु परामर्श तथा समय-समय पर उनके मूल्यांकन हेतु आन्तरिक गुणवत्ता मूल्यांकन समिति कार्यरत हैं, जिसके प्रभारी गिर्राज किशोर (बी.एड. प्राध्यापक) एवं सदस्य श्रीमती मधु चाहर (बी.एड. प्राध्यापिका), डॉ. गौतम गोयल (प्रबंध समिति), डॉ. असलूव अहमद (प्रबंध समिति), मार्गदर्शक एवं विशेष सलाहकार श्री दीपक गोयल (सचिव), श्री मनोज यादव (प्रबन्धक), डॉ. वाई. के. गुप्ता (प्राचार्य) हैं।

इस समिति के द्वारा शिक्षक स्व मूल्यांकन प्रपत्र को पूर्ण कराया जाता है जिसके अन्तर्गत शिक्षक अपनी शैक्षिक योग्यता का वर्णन करते हुए अपनी शैक्षिक उपलब्धि का उल्लेख करते हैं। तत्पश्चात् समिति प्रभारी/सदस्य उनके शिक्षण कार्य का मूल्यांकन करते हैं, शिक्षण सत्र के अन्त में उनके द्वारा पढ़ाये गये विद्यार्थियों से उनके शिक्षकों के शिक्षण कार्य में गुणात्मक सुधार लाने के लिए विद्यालय में शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यक्रम भी कराये जाते हैं। ❖

खेल विभाग

शिक्षा में खेल का भी बहुत महत्त्व है क्योंकि बिना खेल के जीवन अधूरा माना गया है। खेल खेलने की प्रथा आदि काल से चली आ रही है। किसी भी विद्यार्थी के लिये खेल का उसके जीवन में बहुत ही उपयोग होता है। शरीर को तनाव रहित रखने के लिये खेल एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि छात्र जीवन भी बहुत तनावों से भरा होता है। खेलने से वह अपने तनाव को कम कर सकता है। महाविद्यालय द्वारा इसी क्रम में इसको ध्यान में रखते हुये इन्डोर व आउटडोर खेलों की व्यवस्था की गयी है ताकि विद्यार्थी इससे लाभान्वित हो सकें।

खेलों के महत्व को देखते हुए डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय द्वारा भी अब नवीनतम पाठ्यक्रम में शारीरिक शिक्षा के प्रश्नपत्रों को प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों हेतु अनिवार्य किया गया है जिससे कि उनकी खेल के प्रति भी रूचि बढे।

महाविद्यालय द्वारा खेलों में शतरंज, कैरम, खो-खो, भाला फेंक, रस्साकसी, चक्का फेंक, गोला फेंक, लम्बी कूद, दौड़, वालीवाल, क्रिकेट, दौड़ आदि खेलों का आयोजन समय-समय पर कराया जाता है। ❖

कौशल विकास कार्यक्रम

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, भारत सरकार की एक अभूतपूर्व पहल है, जिसके अंतर्गत देश के 24 लाख युवाओं को विभिन्न उद्योगों से संबंधित स्किल ट्रेनिंग पाने का अवसर मिलेगा। इस योजना के अंतर्गत स्किल ट्रेनिंग पाने वाले युवाओं को सरकार द्वारा आर्थिक इनाम भी दिया जाएगा तथा ट्रेनिंग पूरी होने पर इन युवाओं को सरकार की ओर से एक प्रमाण पत्र भी दिया जायेगा, जो इन्हें रोजगार पाने और भविष्य सँवारने में मदद करेगा। इस प्रकार आज का नवयुवक अपने हाथों से ही अपना भविष्य संवार सकते हैं, परिणामतः युवा की समृद्धि एवं प्रगति में ही देश की समृद्धि एवं प्रगति निहित है। ❖

CCC

ज्ञान महाविद्यालय में NEILIT का एक Course CCC (Course on Computer Concepts) चल रहा है, इसके पाठ्यक्रम की अवधि 6 माह है, जिसके प्रभारी श्री अखिलेश कौशिक हैं।

ज्ञान महाविद्यालय CCC का Online Exam भी कराता है। अलीगढ़ में इस प्रकार के Exam का एक मात्र केन्द्र ज्ञान महाविद्यालय ही है। ❖

Scanned by CamScanner

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का विशेष अध्ययन केन्द्र

इंडक्शन मीटिंग :

दिनांक 27-02-2015 को ज्ञान महाविद्यालय के सेमीनार हॉल में इग्नू के क्षेत्रीय केन्द्र अलीगढ़ के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अमित चतुर्वेदी तथा सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. बी.पी. सिंह ने महाविद्यालय स्थित इग्नू के विशेष अध्ययन केन्द्र में CIG, CTE तथा CES कार्यक्रमों में नामांकित विद्यार्थी, केन्द्र के समन्वयक तथा काउंसलर्स के साथ इंडक्शन मीटिंग का आयोजन किया गया। डॉ. बी.पी. सिंह ने बताया, 'इग्नू केन्द्रीय मुक्त विश्वविद्यालय है, नामांकन की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है। जेल, विश्वविद्यालय तथा विभिन्न महाविद्यालयों में इग्नू ने अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की है।, विद्यार्थियों द्वारा दी गई मुफ्त पाठ्य सामग्री समझकर पढ़ने तथा असाइनमेंट लिखने के तरीके बताये और स्पष्ट किया कि इग्नू द्वारा आयोजित परीक्षायें नकल विहीन होती हैं।' डॉ. अमित चतुर्वेदी ने कहा कि इग्नू के केन्द्र 50 से अधिक देशों में है। उन्होंने यह भी बताया कि इग्नू ने अपने ''रीचिंग टू अनरीच्ड'' कार्यक्रमों के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में भी अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की है। कार्यक्रम विशेष की परीक्षा इग्नू के सभी केन्द्रों पर एक साथ होती है। यहाँ तक कि करफ्यू की स्थिति में भी परीक्षाएं स्थगित नहीं होती हैं।

ज्ञान महाविद्यालय स्थित इग्नू के अध्ययन केन्द्र का शुभारम्भ :

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्व विद्यालय) के अध्ययन केन्द्र 47036 डी का विधिवत शुभारम्भ दिनांक 20 मई 2015 को इग्नू के क्षेत्रीय केन्द्र अलीगढ़ के क्षेत्रीय निदेशक डॉ.अमित चतुर्वेदी, सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. बी.पी. सिंह, डॉ. खुशनूदा नीलोफर के कर कमलों द्वारा हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न शिक्षाविदों के साथ-साथ महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए अलीगढ़ जनपद के 14 गाँव के ग्राम प्रधानों ने ज्ञान महाविद्यालय में शैक्षिक रूप से पिछड़े तथा ग्रामीण किसानों के लिए विशेष अध्ययन केन्द्र खुलने पर हर्ष व्यक्त किया। 14 गाँव के प्रधानों ने कहा कि ज्ञान महाविद्यालय अलीगढ़ में इग्नू का अध्ययन केन्द्र खुलने से क्षेत्र के सामाजिक विकास में मदद मिलेगी। इससे समाज के सभी वर्गों को उच्च एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। प्रबुद्ध प्रधानों ने कहा कि शिक्षित समाज से ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है। ग्राम प्रधानों ने इस बात पर भी जोर दिया कि अब गाँव का किसान, मजदूर तथा कामकाजी महिलाओं को भी घर बैठे पढ़ने का अवसर मिलेगा। इग्नू के अध्ययन केन्द्र खुलने से किसान जैविक खेती तथा दूध उत्पादन तथा दलहन सम्बन्धी रोजगार परक कोर्स कर सकते हैं। इग्नू विश्व का एकमात्र विशालतम् विश्वविद्यालय है जोकि जन-जन के विश्व विद्यालय के नाम से जाना जाता है।

प्रेस कान्फ्रेन्स :

दिनांक 18-12-2015 को ज्ञान महाविद्यालय के इग्नू केन्द्र 47036D द्वारा सरस्वती भवन के स्वराज्य सभागार में प्रेस कान्फ्रेन्स आयोजित की गयी। जिसमें उच्च शिक्षा में इग्नू की भूमिका एवं योगदान पर परिचर्चा एवं संवाद का आयोजन किया गया, इसमें अलीगढ़ के प्रतिष्ठित शिक्षकों, अभिभावकों के साथ-साथ ज्ञान महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। ❖

प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र

ज्ञान महाविद्यालय में एक हैल्थ केयर सेन्टर है। इस सेन्टर में ज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थी, शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों को प्राथमिक चिकित्सा दी जाती है। इस कार्य के लिए ज्ञान भवन में कक्ष निर्धारित है, इसमें पीड़ित व्यक्तियों के लिए एक बैड, ड्रिप स्टैण्ड आदि की भी व्यवस्था है। फस्ट-एड बॉक्स में प्राथमिक चिकित्सा से संबंधित सभी दवाईयाँ मौजूद रहती है।

महाविद्यालय की प्राथमिक चिकित्सा समिति की प्रभारी बी.एड. विभाग की प्राध्यापिका सुश्री भावना सारस्वत हैं, जो कि प्राथमिक चिकित्सा में प्रशिक्षित एवं

Scanned by CamScanner

अनुभवी हैं। समिति के सदस्य के रूप में अन्य प्राध्यापक - डॉ. विकेश चन्द्र गुप्ता, डॉ. ज्योति सिंह तथा श्रीमती वैशाली अग्रवाल प्रभारी को सहयोग देते हैं। विद्यार्थियों में से श्री देवेन्द्र कुमार (बी.एड.), श्री अजय कुमार (बी.टी.सी.) तथा कु. कविता राजपूत (बी.एड.) भी समिति के कार्य में विभिन्न प्रकार का सहयोग देते हैं। वर्तमान शैक्षिक सत्र - 2015-16 के दौरान उपर्युक्त लक्ष्य समूह के अनेक व्यक्तियों को प्राथमिक चिकित्सा दी गयी। ❖

ज्ञान निजी आई. टी. आई. के बढ़ते कदम

आगरा रोड अलीगढ़ स्थित ज्ञान निजी आई.टी.आई. पिछले सात सत्रों से लगातार छात्र-छात्राओं को रोजगार परक प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है, जिससे लाभान्वित होकर अनेक छात्र-छात्राओं को देश-विदेश की विभिन्न प्रमुख कम्पनियों में तथा सरकारी क्षेत्र में रोजगार मिल रहा है। ये अलीगढ़ का ऐसा निजी आई.टी.आई. है जो लगातार विकास की ओर अग्रसर है।

ज्ञान निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान को दिनांक 25-09-12 को फिटर तथा इलैक्ट्रीशियन व्यवसाय में 42 तथा 42 सीटों पर प्रवेश की मान्यता मिली, Quality Control of India, New Delhi की टीम ने 01 सितम्बर 2014 को ज्ञान आई.टी.आई. का निरीक्षण किया, जिसमें टीम को सभी मूलभूत सुविधाएँ मानक के अनुसार मिलीं, प्रशिक्षार्थियों को दी जाने वाली ट्रेनिंग सुविधाओं को भी टीम ने सराहा तथा संस्थान को इलैक्ट्रीशियन ट्रेड की प्रवेश क्षमता में 84 अतिरिक्त सीटों की वृद्धि की गई। गत वर्ष 2015 में Quality Control of India की टीम ने पुनः ज्ञान आई.टी.आई. का निरीक्षण किया तथा फिटर व्यवसाय की प्रवेश क्षमता में 84 अतिरिक्त सीटों की वृद्धि की। इस तरह ज्ञान आई.टी.आई. को आज अलीगढ़ जिले की सबसे बड़ी आई.टी.आई. होने का गौरव प्राप्त है। इस समय आई. टी. आई. की प्रवेश क्षमता 252 तथा प्रशिक्षणार्थियों की संख्या 504 है एवं गत वर्ष 2015 में DGE & T, श्रम मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अधिकृत संस्था केयर रेटिंग ने संस्थान को 4 Star ग्रेडिंग से नवाजा है। ज्ञान आई.टी.आई. सम्पूर्ण भारत की ऐसी पहली आई.टी.आई. है जिसे 4 Star ग्रेडिंग प्राप्त है।

ज्ञान आई. टी. आई. के प्रशिक्षणार्थियों को समय-समय पर ट्रेनिंग लेने एवं औद्योगिक भ्रमण हेतु NSIC, Industrial Estate, Aligarh व कई अन्य औद्योगिक संस्थानों में भेजा जाता है।

ज्ञान आई. टी. आई. प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ-साथ रोजगार प्रदान करने की दिशा में भी प्रयत्नरत है। गत वर्ष 2015 में आई.टी.आई. ने ग्रामीण भारत की गैर सरकारी संस्थाओं के परिसंघ के सहयोग से होण्डा, ऑटोमीटर अलायंस लिमिटेड कम्पनी में रोजगार के लिए प्रशिक्षार्थियों के साक्षात्कार कराये, जिसमें संस्थान के 23 प्रशिक्षार्थी चयनित हुए, इसके अतिरिक्त होण्डा वोकेशनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, तापूकारा भिवाड़ी, राजस्थान ने प्रशिक्षणार्थियों के साक्षात्कार कराये, जिनमें से अब तक 26 प्रशिक्षार्थी होण्डा तथा उसकी सहयोगी कम्पनियों में चयनित हो चुके हैं।

09 सितम्बर 2015 को ज्ञान निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में श्री अजय कान्त पाठक ने प्रधानाचार्य के रूप में कार्य-भार ग्रहण किया। वे इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त हैं तथा उन्हें औद्योगिक क्षेत्र में 14 वर्षों का अनुभव प्राप्त है।

17 सितम्बर 2015 को संस्थान में विश्वकर्मा दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना, हवन तथा मशीनों एवं औजारों का पूजन किया गया। 67 वे गणतंत्र दिवस पर 26 जनवरी को पूरे भारत वर्ष के साथ ही ज्ञान औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में भी ध्वजा-रोहण कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षार्थियों, अनुदेशकों तथा प्रधानाचार्य ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। सभी ने एक -दूसरे को गणतंत्र दिवस की बधाई दी तथा देश भक्ति के गीत प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का समापन भारत माता के जयकारों के साथ हुआ। ❖

Scanned by CamScanner

ज्ञान महाविद्यालय, अलीगढ़ में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) के विशेष अध्ययन केन्द्र की स्थापना

इग्नू के RSD Notification No. : 00371G/RSD/Estt./LSC/Notification/2014/ 2960 Dated 8 Dec., 2014 के द्वारा ज्ञान महाविद्यालय, अलीगढ़ {कोड नं. 47036 (डी)} में निम्नांकित कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए विशेष अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गई है :

क्रमांक	कार्यक्रम	प्रवेश हेतु न्यूनतम शैक्षिक योग्यता	अवधि
1.	बैचलर ऑफ प्रोपेटरी प्रोग्राम (B. P. P.)	औपचारिक शिक्षा आवश्यक नहीं, न्यूनतम आयु 18 वर्ष	6 माह
2.	मास्टर ऑफ आर्टस इन सोशियोलॉजी (M.A. Socio.)	स्नातक	2 वर्ष
3.	मास्टर ऑफ आर्टस इन इकोनोमिक्स (M.A. Eco.)	स्नातक	2 वर्ष
4.	मास्टर ऑफ आर्टस इन रूरल डेवलपमेंट (M.A.R.D.)	स्नातक	2 वर्ष
5.	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रूरल डेवलपमेंट (P.G.R.D.)	स्नातक	1 वर्ष
6.	डिप्लोमा इन बिजनेस प्रोसेसिंग आउटसोर्सिंग फाइनेंस एण्ड एकाउण्टिंग (DBPOFA)	अंग्रेजी विषय सहित कम से कम 50% प्राप्तांकों से 12वीं पास	1 वर्ष
7.	सर्टीफिकेट इन रूरल डेवलपमेंट (CRD)	स्नातक	6 माह
8.	सर्टीफिकेट इन टीचिंग इन इंग्लिश (CTE)	स्नातक या 10+2 (2 वर्ष के अध्यापन अनुभव)	6 माह
9.	सर्टिफिकेट इन एनवायरमेंटल स्टडीज (CES)	10+2	6 माह
10.	सर्टिफिकेट इन गाइडेन्स (CIG)	मान्य शिक्षण संस्थाओं के अध्यापक या मैट्रिकलेशन/एस.एस.सी. उत्तीर्ण या इग्नू से बी.पी.पी.	6 माह

इग्नू की विशेषताऐं

1. इग्नू परीक्षा सम्पन्न होने के उपरान्त 45 दिनों में परीक्षा परिणाम राष्ट्रीय स्तर पर घोषित करता है।
2. इग्नू एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय है, जिसकी स्थापना संसद के अधिनियम सन् 1985 द्वारा हुई है, अतः इसके प्रमाण पत्र, डिप्लोमा तथा डिग्रियाँ वैश्विक स्तर पर सभी निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त हैं।
3. इग्नू वर्ष में दो बार सत्रान्त परीक्षा कराता है, जिसमें विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार परीक्षा देता है।
4. इग्नू प्रत्येक कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को मुफ्त अन्तर्राष्ट्रीय गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री निःशुल्क प्रदान कराता है।
5. इग्नू दो सत्रों (जनवरी एवं जुलाई) में प्रवेश देता है, जिससे वंचित छात्रों के समय का सदुपयोग होता है।
6. वर्ष में दो बार (जून व दिसम्बर) में सत्रान्त परीक्षा कराता है।
7. इग्नू विश्व का एकमात्र विशालतम विश्वविद्यालय है जो जन–जन के विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता है।

विद्यार्थियों की विषय सम्बन्धी कठिनाईयों के निवारण के लिए मान्यता प्राप्त योग्य एवं अनुभवी प्राध्यापकों द्वारा सप्ताहांत एवं सांध्यकालीन परामर्श कक्षाओं का आयोजन किया जाता है।

उपर्युक्त कार्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक व्यक्ति विशेष अध्ययन केन्द्र के समन्वयक श्री आर. के. शर्मा (विभागाध्यक्ष बी.टी.सी.) ज्ञान महाविद्यालय, मो. 9219419405 आगरा रोड, अलीगढ़ पर सम्पर्क कर सकते हैं।

मोबाइल : 9837574326 (श्री आर. के. शर्मा), **मोबाइल :** 9219419405 (ज्ञान महाविद्यालय)

Scanned by CamScanner

Visitor's View

I got the privilege to visit this esteemed college again on the auspicious occasion of Annual Prize distribution & got the remarkable changes in all spheres of education. This college is promoting liberal thinking. Almost all students are with disciplined & managed. Teachers are well educated and experienced. I hope this college will become a landmark for providing technical, professional and traditional education for nearby students of Aligarh region.

Dr. C.K. Varshney
Asso Professor commerce
S.N. Girl degree college
Akrabad Aligarh.

[illegible]

Dr. [illegible]
[illegible]
(Aligarh)

[illegible]

Dr. Mithlesh Singh
Associate Professor
Deptt of Teacher Education
D.S. College Aligarh

It is a pleasure moment to introduce with students and teacher of Gyan M.V. Aligarh. The students are well prepared for the examination and followership with the subject.

Dr. J.P. Gupta
Associate Prof.
Department of Physics
D.S. College Aligarh

The facilities in college is excellent, efforts by the staff and teachers are good. Shri. Lalit ji have very positive energy for work. Students need to pay more attention on studies.

Sachin C. Nawadiya
Scientist,
Vigyan Prasar, (DST)
Noida.

I am feeling grateful to be in company of the teachers and students of Gyan Vigyan College. It was a great pleasure. Additional lecture in the perspective of learning and all. I wish a great success to all - the teachers, students and administrator and each, every worker.

With good luck
28/7/15

Dr. Anita Ashraf
Asst. Prof.
Deptt of Phy.
S.V. College, Aligarh

Scanned by CamScanner

Visitor's View

College Management is seriously
students are serious & hardworking
faculty of the college is able to
the students encourage to lead
them towards their goal.

Vijay Kumar Singh
HOD Deptt. of CSE/IT
Anand Engineering College, Agra

[illegible]

[illegible]

Gyan Mahavidyalaya is
excellent college with very
high quality environment for
students. Best Wishes.

Arun Kumar Jain
Rotary Club Hathras Heritage

[illegible]

"Gyan Mahavidyalaya is
one of the efficient college
of Higher Education. It
has wonderful infrastru
I wish all success to
the management of this
college for the development
of the educational efforts."

Dr Amit Chaturvedi
Regional Director IGNOU
R C Aligarh

Scanned by CamScanner

Visitor's View

I am interacting first time with the college staff. I wish all the best for them.

Dr. Khushnuda Nilofer
ARD IGNOU

Gyan college is in a [illegible] the education in the [illegible] college [illegible] every [illegible] [illegible] Gyan college should be upgraded further. My best wishes are with GYAN PARIVAR

18.6.15

Dr. S. TAQI,
Assoc. Prof. & Head,
Deptt. of Chemistry,
Shia Deg. Coll., LKO

I am impressed with the working of this Self finance College. These people doing all those work which are even not done by govt. colleges and that all within the limit of their finance.
Bravo, keep it up.

May god bless them.

2016.

Sanjay Chaudhary
Deptt. of Maths
Dr. B.R. Ambedkar University
Agra
(scmibs@hotmail.com)

महाविद्यालय का वातावरण बहुत अच्छा था। महाविद्यालय में [illegible] देखकर अच्छा लगा तथा महाविद्यालय का भवन भी अच्छा लगा।

3/7/2015

Dr. Jai Prakash
Deptt. of Psychology
Agra College Agra

DR. M.P. Singh
Deptt. of Psychology
S.B.J.[illegible] College, [illegible]

Satisfied with the educational standard of the students, environment and co-operation of the staff members is admirable.

Dr. Rekha Chauhan
K.R. Girls PG College
Mathura

Good educational atmosphere + good hospitality.

Dr. Priyanka Neeta Masih
St. John's College
Agra.

Scanned by CamScanner

Visitor's View

Good Educational Atmosphere. [illegible] Good.

Dr. [illegible] Associate Professor D.S. College Aligarh

I appreciate the gesture, posture and the [illegible] level of Psychology students. I specially appreciate the effort of the faculty of Psychology, the intellectual level and the intellectual competence of the students and specially teachers. "Good luck."

Dr. C.K. SINGH
Associate Prof. R.B.S. College Agra.

Everything is very nice.

Dr. P.K. yadav, Deptt of Botany, Agra College AGRA

Good Environment, Quality Education & Educated faculty. It seems very nice the cooperation b/w different faculties.

Dr. Seema Anand, Deptt of Botany, S.V. College Aligarh.

Excellent Everythings

DR BRAJESH KUMAR
Head & Associate Professor
Deptt. of of Busi. Adm.
S.V. College Aligarh

Good students, Nice atmosphere & Staff & Management worth to be greeted. Best wishes, God Bless.

J.K. Awasthi
Associate Professor & Head,
Deptt. of Zoology
Narain College Shikohabad.

Scanned by CamScanner

Visitor's View

Good Academic Environment as other Self Finance Colleges of Dr. B.R.A University Agra.

Dr. Kamal Singh
Deptt. of Zoology
R.B.S. College Agra

S/o Gyan Mahavidyalaya is one of the best of all self financing colleges in U.P. All the staff members of this college are well behaved and learned. Educational environment of the institution is good.

Dr. H.B. Gupta, HOD, Geog.
S.V. College, Aligarh

Very good.

Dr. S.R. Arya, Ex. chairman
UPPSC Allahabad

Gyan Mahavidyalaya is one of the best college (self finance). I have visited even the standard of theory classes & practical classes is very good. Not only the students but teaching staff is also very helpful & cooperative.

Dr. Dinesh Lal
Deptt of Zoology, St. John's College, Agra.

Gyan College is different from other self financing colleges I have seen. It's up keep is very good and college is sound in infrastructure.

Dr. K.K. SAHAI, Deptt. of Geography
St. John's College, Agra.

यह महाविद्यालय अपने में सम्पूर्ण विशेषताएं रखता है, जो सब कुछ महाविद्यालय के होनी चाहिए।
17-11-15

डॉ० महाराज सिंह, भूगोल विभाग
नेशनल पी० जी० कालेज, भोगांव, (मैनपुरी)

Visitor's View

Well maintained college and well behaved teachers

Dr. Vishal Bansal Deptt. of Physics, J. V. Jain College Saharanpur

College is well setelled. Student are good and intellectual.

Dr. S.P. Singh Deptt of Physics Govt. Degree College, Mainpuri

Premises of Gyan College Agra is amazing to get modern and classified studies with nice, calm and knowledgeable atmosphere.
It will keep the students to fulfill their needs of modern days.

Dr. R. K. yadav
Deptt. of C.S., IBS, Agra

Keep it up

Dr. Ashish Tejasvi
Deptt. of Botany, ACA

Definitely altogether a different experience to visit this college. In the days of the so called education days, this college stands out as an epitome of education imparting quality education.

[illegible]

Dr. Manoj S. Paul
Deptt. of Botany
St. John's College
Agra

Management, faculty & staff are supportive and eager to take the college to get greater heights. Students are enthusiastic. Wish them all the best.

Vinay Kumar Singh
HOD CS & IT
Anand Engineering College
Agra

Scanned by CamScanner

Visitor's View

[illegible] is a self finance institution of [illegible] Everything - the building, the atmosphere, [illegible] staff is beyond appreciation. I have [illegible] opportunity of being an examiner here. It's an example for all the self finance and aided college as well. Keep it up for the benefit of future citizens of the country.

Dr. Abha Sharma
chem dept.
Agra College, Agra

Dr. K.K. Srivastav
D.S College, Aligarh

Academic values are good.

I visited the college on 28.8.2015 regarding B.Ed. Practical Examination. All the students of B.Ed. was well disciplined and hard worker. Teachers of the institute was also cooperative, intelligent and hard worker. The institute is working well in different area like NSS, and other extra and cocurricular activities.

With Best Wishes

27/8/15

Dr. Dinesh Kumar
Deptt. of Education, Lucknow University, Lucknow

महाविद्यालय की आन्तरिक व्यवस्था व शिक्षण कार्य बहुत अच्छा है।

Dr. Sanjay Kumar Yadav
A.K. College, Shikohabad

ज्ञान महाविद्यालय का शैक्षिक अनुशासित वातावरण ज्ञान के प्रसार के लिए मील का पत्थर साबित होगा। शिक्षकों की संस्कारित सक्रिय प्रबन्ध तन्त्र का मानवता के लिए प्रयास प्रशंसनीय है। मैं संस्थान के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

27.8.15

Dr Vinod Kumar
R.B.S. College
Agra

ज्ञान महाविद्यालय संस्थान निश्चित ही एक शैक्षिक प्रतिमान है जो कि अन्य संस्थाओं के लिए एक आदर्श मानक हो सकता है।

Anil
27.8.15

Anil Kumar Gupta
A.K. College, Shikohabad

Scanned by CamScanner

Visitor's View

Campus of Gyan Mahavidyalaya is peaceful, pleasant and [illegible] which is really an ideal academic [illegible]. Infrastructure is excellent and specially in B.Ed all requirement is satisfactory.

[signature] 27.8.15

Dr. S.P. Singh
KNIPSS Sultanpur.

I visited today in college's [illegible] regarding jeevan suraksha sch[eme]. I highly appriciate the step, by college administration to p[ay] Ist Instalment of insurance p[remium] of student's policy.
College is doing req. in this regard.

[signature]

K. S. Parashar
c/o Bank of Baroda Sasni Gate
Aligarh

motivating for other Higher Educatio[n] Institutions for Exte[nsion] and Teaching Learnin[g] Activities.

Vinay Trivedi - President
U.P. Self Finance D.C. Association

ज्ञान महाविद्यालय आके प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता के नेतृत्व में निरन्तर प्रगति कर रहा है।
विद्यालय उपलब्धियों के लिये शुभकामनायें व आशीर्वाद।

डॉ. [illegible] मिश्रा
पूर्व डीन, शिक्षा संकाय, आगरा विश्व. विद्या.
वर्तमान में, [illegible] अलीगढ़

BSB Facilities are excellent. In college She. [illegible] ji coordi[nated] quiz program well. Students need to stu[dy] more on basics.

Sachin C. Hawadiya
Scientist
Vigyan Prasar
Noida.

It was a wonderful experience. The Institute has a lot of positive energy in the campus and a superb environment for study, far away from the hustle free environment. I would definitely love to visit again. The faculty and students are very nice. My best wishes for their future.

[illegible]
Asst. Professor, Deptt of Mass Comm.
Mangalayatan University
Aligarh.

Scanned by CamScanner

Visitor's View

Voluntary Donation Camp organised today in your institution is very good, helpful & very cooperative job for human being specially to persons who need blood in emergency.

[signature] 19.15

Dr. Heera Singh I/c CMS
MS. Distt Hosp Aligarh.

[illegible]

[signature] 19/11/15

Hari Krishna Gupta
T.S. Nagar Nigam Aligarh

मुझे आज महाविद्यालय में आने [illegible] हुआ। [illegible] महाविद्यालय [illegible] है। [illegible] महाविद्यालय [illegible] मैं महाविद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

[signature]

प्रो० प्रदीप कुमार गुप्ता
पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
भूगोल विभाग
पी० सी० बागला कॉलेज हाथरस

During the lecture I found discipline among the students and a capacity of learning. The college has good academic staff and promotes extracurricular activities time to time. [signature]

Dr. M.P. Singh, Head Zoology, Paliwal PG College Shikohabad.

College Administration is appreciable. Students gave a patient hearing the lecture for two hours as such they have a wish to get something from the lecture. [signature] 11/11/15

Dr. P.C. Gupta, Retd Asst. Professor
S.V. College, Aligarh.

आज दिनांक 18.12.15 में श्री राम महाविद्यालय में व्याख्यान देने हेतु आने का मौका मिला यहाँ का स्टाफ काफी अच्छा तथा सारे अनुशासित हैं। आप महा० का वातावरण काफी अच्छा है, मुझे यहाँ आकर काफी अच्छा लगा, मेरी कामना है कि यह महा० उन्नति के पथ पर अग्रसर रहे।

[signature] 18.12.15

डॉ० सपना सिंह (असि० प्रो०)
टीकाराम कन्या महा०, अलीगढ़

Scanned by CamScanner

Visitor's View

"It's a privilege to deliver a guest lecture on the [illegible] [illegible]. Staff and students are supportive especially students are disciplined [illegible] to come up[illegible].

[signature]
22 [illegible]

"Chemistry Deptt. 'D.S. college' Aligarh

[illegible]

[signature]
[illegible]

[illegible]

महाविद्यालय के orientation programme
एक नेक कार्य [illegible] है। जो विद्यार्थियों
के विकास के लिए अति आवश्यक है।
[illegible]
[illegible]
[illegible]

डॉ० जे० पी० सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर
एवं अध्यक्ष, शिक्षक-शिक्षा विभाग,
धर्म समाज महाविद्यालय, अलीगढ़

Comments

Fall Orientation Prog. is quite up to the mark. Healthy Envi, Dynamic faculty members with lots of potential to grow. All the best for the College.

Happy New Year.

Punita Govil, A.M.U. Aligarh

I feel pleasure to come here & deliver a guest lecture among B.Sc. students. It is a good approach and very beneficial for students. I congratulate the college Principal, whole staff and college Administration and wishes for the good future of students as well as the college.

Thanks

Dr. Manju Giri
HOD Physics, D.S. College Aligarh.

Today, I feel about this Gyan Degree College is provide good knowledge with moral character. This experience is very give happiness for me. Thanks alot. Yours

[signature]
25-1-2016

Haji Zameer Ullah Khan, M.L.A. (Koil) Aligarh

Scanned by CamScanner

दैनिक जागरण | अमर उजाला | हिन्दुस्तान | पंजाब केसरी | राजपथ | प्रावदा | आज | DLA

ज्ञान कॉलेज में हुई सेमिनार

ज्ञान महाविद्यालय में विदाई समारोह

अलीगढ़ : ज्ञान महाविद्यालय में शुक्रवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपप्राचार्य एवं संकाय प्रभारी डॉ. एसएस यादव ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। संचालन डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा ने किया। बीएससी छात्रों ने शानदार प्रस्तुति देकर सब का मन मोह लिया। समारोह में मिस्टर फेयरवेल मुनेश कुमार व मिस फेयरवेल शिवानी भारद्वाज चुने गए। उपप्राचार्य ने सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर डॉ. सहेल अनवर, डॉ. कविता शर्मा, डॉ. फैसल सिद्दीकी, डॉ. ललित उपाध्याय मौजूद रहे।

टीचिंग पर व्याख्यान

अलीगढ़। शनिवार को ज्ञान महाविद्यालय के ज्ञान भवन में गेस्ट लेक्चर का आयोजन किया गया। इसमें डीएस कॉलेज बीएड विभाग की डॉ. मृदुला सिंह ने टीचिंग मॉडल्स एंड प्रोग्राम्ड इंस्ट्रक्शन के विषय पर छात्रों को जानकारी दी। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता, प्रबंधक मनोज यादव, डॉ. एसएस यादव, डॉ. रेखा शर्मा, प्रो. मधु चाहर, प्रो. आभा चौहान, रंजना सिंह, निरोज किशोर, लक्ष्मीचन्द, शालिनी शर्मा, सरिता वार्ष्णेय, शिवानी सारस्वत और भावना सारस्वत ने भी व्याख्यान दिए।

घर में इस्तेमाल की कला भी है मनोविज्ञान

अलीगढ़ : ज्ञान महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में 'दैनिक जीवन में मनोविज्ञान का उपयोग' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। एसवी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर अनीता ... ने कहा, मनोविज्ञान केवल कक्षा में पढ़ने वाला विषय ही नहीं है बल्कि हमारे दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली कला है। [illegible] ... प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता व कला संकाय प्रभारी डॉ. [illegible] ... डॉ. सोमवीर सिंह, डॉ. ... डॉ. रेखा शर्मा, डॉ. ... आदि मौजूद रहे।

नरेंद्र बने मिस्टर, शिवानी बनीं मिस फ्रेशर

अलीगढ़ : ज्ञान महाविद्यालय कला संकाय में बीए अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। इसमें नरेंद्र कुमार को मिस्टर फ्रेशर और शिवानी चौधरी को मिस फ्रेशर चुना गया। शुभारंभ प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता ने किया। इस मौके पर स्वागत कार्यक्रम भी हुए। मेधावी विद्यार्थियों को मेडल बांटे गए। रक्तदान करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र दिया गया। कार्यक्रम में कला संकाय डॉ. विवेक मिश्रा, वाइस प्रिंसिपल डॉ. रेखा शर्मा, डॉ. वासी गुप्ता, डॉ. दीपक गुप्ता, डॉ. सोमवीर सिंह, डॉ. वीना अग्रवाल आदि मौजूद रहीं।

गूंजे माता के जयकारे

[illegible]

ज्ञान महाविद्यालय में मंगलवार को भजन कार्यक्रम हुआ। इसका शुभारंभ मां दुर्गा के पूजन से किया गया। इसमें कॉलेज प्रबंध समिति से जुड़े डॉ. गौतम गोयल व रितिका गोयल व ज्ञान आइटीआइ के स्टाफ ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में अपर मंडलायुक्त अरुण सिंह की पत्नी रेखा सिंह मुख्य अतिथि रहीं। कार्यक्रम की संयोजक उप प्राचार्य डॉ. रेखा सिंह रहीं। इस अवसर पर सचिव दीपक गोयल व मनोज यादव आदि मौजूद रहे।

ज्ञान महाविद्यालय में दिखाई सूर की सुगंध

ज्ञान महाविद्यालय में मथुरा के जन सांस्कृतिक मंच की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोग।

अलीगढ़ (ब्यूरो)। मथुरा के जन सांस्कृतिक मंच की ओर से ज्ञान महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए। रविवार को आयोजित हुए इस कार्यक्रम में पहले प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता ने कॉलेज की प्रगति रिपोर्ट पेश की। इस मौके पर मंच की ओर से डॉ. अशोक ने महात्मा सूरदास के जीवन पर बनी फिल्म सूर के सुगंध पेश की। साथ ही बताया कि सूरदास गोवर्धन के गांव सोरों में 73 वर्ष तक रहे थे। इस गांव में रहकर अमृतलाल नागर ने खंजन नयन उपन्यास लिखा था। हास्य कवि मामा हाथरसी, अशोक मधुकर ने कविताएं सुनाईं। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज प्रबंधक मनोज यादव और आशा देवी भी मौजूद रहीं।

सोच बदलो

अलीगढ़ : दुनिया बदल रही है, तुम भी बदलो, देखो जमाना बदल जाएगा। अचल सरोवर पर सफाई अभियान के समय कुछ युवकों को टोका टाकी पर आपत्ति की तैयारी कर रहे नरेंद्र सिंह ने इन्हें नसीहत दी। नरेंद्र ने कहा कि अब टिप्पणी करना बंद कर दो कि आज तुम साफ कर गए कल फिर गंदगी हो जाएगी, अब इन बातों से काम नहीं चलने वाला है। सकारात्मक विचार कर अभियान में जुट जाओ सफलता जरूर मिलेगी।

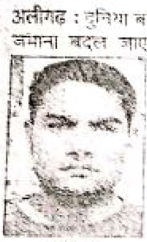

नरेंद्र।

ज्ञान महाविद्यालय के टॉपर छात्र बुलंदशहर निवासी नरेंद्र सिंह भी सफाई अभियान में जुटे थे। उसी समय आसपास के कुछ युवकों ने कुछ टिप्पणी कर दी। नरेंद्र ने कहा कि देखो हाल के कुछ वर्षों में हुए आंदोलनों में तो युवकों की ही तो भागीदारी थी। दिल्ली में भूखे-प्यासे वह कई दिन रात डटे रहे। युवाओं की इस शक्ति से पूरा देश हिल गया था। इसलिए दूसरों पर अंगुली उठाने से पहले स्वयं की आत्मा के अंदर झांक कर देखो तुम कितना समाज के लिए कर रहे हो। उनकी इस बात पर तमाम युवक सफाई अभियान में जुट गए।

बर्खास्त प्रिंसिपल को दबोचने वाले पुलिसकर्मियों का सम्मान आज

अलीगढ़ : ज्ञान महाविद्यालय के कार्यालय अधीक्षक मनोज कुमार यादव पर छह साल पहले गोलियां बरसाने के आरोपी इनामी बर्खास्त प्रिंसिपल को दबोचने वाली क्राइम ब्रांच व सर्विलांस टीम को मंगलवार शाम पांच बजे ज्ञान महाविद्यालय में सम्मानित किया जाएगा। मुख्य अतिथि एसएसपी जे. रविंद्र गौड़ और विशिष्ट अतिथि एसपी देहात संसार सिंह होंगे। मीडियाकर्मियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

बीएड सत्र का हुआ समापन समारोह

अलीगढ़। ज्ञान महाविद्यालय में रोटरी क्लब मथुरा सेंट्रल के 30 सदस्यों ने सुविधाओं का अवलोकन किया। शिक्षक शिक्षा विभाग में लगाई गई प्रदर्शनी देखी। इस मौके पर आशा शर्मा, ललित उपाध्याय, बीबी कालरा, मुकेश सिंघल आदि उपस्थित रहे।

स्काउट्स-गाइड्स शिविर का समापन

अलीगढ़ : ज्ञान महाविद्यालय के बीएड सकाय में आयोजित पांच दिवसीय स्काउट्स गाइड्स शिविर का समापन हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीडीओ दीपक मीणा रहे। शिविर में विद्यार्थियों को टोली बनाना, दुर्गम स्थित का सामना करना व विभिन्न तरह की गांठ बांधने का प्रशिक्षण दिया गया। महाविद्यालय की उपप्राचार्या डॉ. रेखा शर्मा ने कहा कि स्काउट अनुशासित जीवन जीने का तरीका सिखाता है। सो, अनुशासन पर अमल करना शुरू कर दें उन्होंने विद्यार्थियों से सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहने की अपील की। इस मौके पर स्काउट कमिश्नर रेखा शुक्ला, प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता, प्रबंध समिति की सदस्य रीतिका गुप्ता आदि रहे।

ज्ञान महाविद्यालय में आयोजित स्काउट्स गाइड्स शिविर के समापन पर स्काउट कमिश्नर रेखा शुक्ला को सम्मानित करतीं उप प्राचार्य रेखा शर्मा व कॉलेज प्रबंध समिति की सदस्य ऋतिका गोयल

महाविद्यालय ने किया दीपदान

ज्ञान महाविद्यालय की ओर से अचल आरती के लिए 500 दीपक दान किए गए। महाविद्यालय की पूरी टीम शाम पांच बजे से ही लगी रही। सीढ़ियों पर दीपक रखने से लेकर अन्य व्यवस्था संभाली। शिव सांस्कृतिक कला समिति के जितेंद्र भारद्वाज ने भी सरोवर आरती में पूरी टीम के साथ सहयोग किया।

विद्यार्थियों को कराया शैक्षिक भ्रमण

अलीगढ़ : ज्ञान महाविद्यालय के मैनेजमेंट और बीसीए के विद्यार्थियों को हाथरस के रतनपुर स्थित भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन का भ्रमण कराया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि किस तरह एलपीजी गैस की रीफिलिंग कराई जाती है। साथ ही एलपीजी भंडारण व सुरक्षा मानकों के बारे में भी विद्यार्थियों को बताया गया। इस दौरान ऋतिजा मित्तल, रचना शर्मा, अखिलेश कौशिक शिक्षकों ने विद्यार्थियों को पूरे प्रोसेस के बारे में बताया गया। इस दौरान ज्ञान आइआइटी के निदेशक डॉ. गौतम गोयल व प्रबंधक रितिका गोयल भी मौजूद रहे।

Scanned by CamScanner

सुर्खियाँ

दैनिक जागरण | अमर उजाला | हिन्दुस्तान | पंजाब केसरी | राजपथ | प्रावदा | आज

इनामी को दबोचने वाली पुलिस टीम सम्मानित

ज्ञान महाविद्यालय के ओएस पर बरसाई थी गोलियां

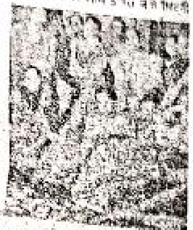

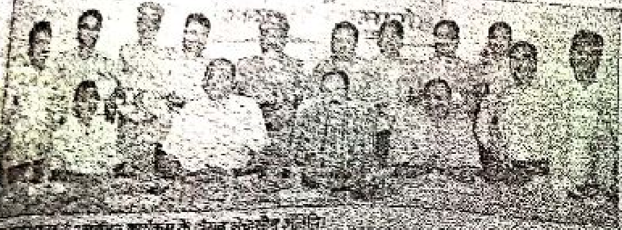

ज्ञान महाविद्यालय : कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति, बीटीसी विभाग के सहयोग से आयोजित शिविर व परिचर्चा में पतंजलि योग पीठ से प्रशिक्षित राहुल कुमार ने कई तरह के आसन कराए। प्राणायाम, कपाल भाति व ध्यान मुद्राओं का अभ्यास कराया। प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता की अध्यक्षता व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय के संचालन में हुए कार्यक्रम में डॉ. विवेक मिश्रा, आरके शर्मा, मधु चाहर, रविकुमार, पुष्पेन्द्र, वैशाली अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

स्मृति में पौधरोपण

ज्ञान महाविद्यालय में डॉ. अब्दुल कलाम की स्मृति में पौधरोपण किया गया। यहां प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता, उपप्राचार्य डॉ. एसएस यादव, कार्यक्रम अधिकारी (एनएसएस) डॉ. ललित उपाध्याय, डॉ. विवेक मिश्र, डॉ. सुहेल अनवर, डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह, डॉ. वासो गुप्ता, डॉ. केपी सिंह डॉ. संध्या सेंगर, डॉ. सोमवीर सिंह, डॉ. वीना अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

गुरु पूर्णिमा पर ज्ञान महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न

किया आखिरी 'सलाम'

दूसरे दिन भी

पेड़ से फलता फूलता है आम जनजीवन : सुबोध

ज्ञान महाविद्यालय में हुआ पौधारोपण

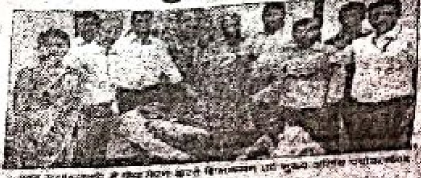

गुरु पूर्णिमा पर आयोजित हुए कार्यक्रम

प्रयोगात्मक परीक्षा कल

अलीगढ़ : ज्ञान महाविद्यालय में बीएससी प्रथम वर्ष भौतिक विज्ञान के समस्त छात्र-छात्राओं की प्रयोगात्मक परीक्षा तीन अगस्त को सुबह नौ बजे से होगी। कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. एसएस यादव ने कहा है कि छात्र-छात्राएं आइकार्ड, यूनिफार्म, प्रयोगात्मक परीक्षा फाइल व प्रवेश पत्र आदि लेकर समय से पहुंचे।

Scanned by CamScanner

दैनिक जागरण | अमर उजाला | हिन्दुस्तान | पंजाब केसरी | राजपथ | प्रावदा | आज | DLA

ज्ञान आइटीआइ बनी चार स्टार ग्रेडिंग वाली पहली संस्था

कल्पतरु समाचार सेवा

अलीगढ़। डीजीईटी श्रम एवं रोजगार मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा अधिकृत संस्था केयर रेटिंग ने ज्ञान प्राइवेट औद्योगिक संस्थान आगरा रोड अलीगढ़ को '4 स्टार' ग्रेडिंग प्रदान की है।

संस्थान के प्राचार्य प्रो. एसएम हुसैन ने सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि अलीगढ़ में ज्ञान प्राइवेट आइटीआइ को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। नई दिल्ली स्थित डीजीईटी श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार की बैठक में पूरे भारत में संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की ग्रेडिंग के लिए मानक तैयार किये गये तथा इस कार्य के लिए केयर रेटिंग दिल्ली को अधिकृत किया गया। केयर रेटिंग की टीम ने ज्ञान आइटीआइ का दौरा करके मुख्य रूप से संस्थान की विशालकाय बिल्डिंग, कार्यशालाएं, शिक्षकों की थ्योरी तथा प्रेक्टीकल कक्षाओं का समुचित संचालन, संस्थान द्वारा नौकरी में प्रशिक्षार्थियों को दिया गया सहयोग तथा औद्योगिक भ्रमण आदि बिन्दुओं पर निरीक्षण किया। ज्ञान प्राइवेट औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान को प्रदान की गई यह 4 स्टार रेटिंग आगामी 27 जुलाई 2017 तक वैध रहेगी। प्राचार्य ने प्रवेश के इच्छुक बच्चों से आग्रह किया है कि जल्द से जल्द प्रवेश लें। प्रवेश के लिए 10 अगस्त अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। इस उपलब्धि के लिए ज्ञान प्राइवेट आइटीआइ के निदेशक डॉ. गौतम गोयल, प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता, सचिव दीपक गोयल एवं डॉ. एसएस यादव ने इस उपलब्धि के लिए हर्ष व्यक्त किया है।

ज्ञान महाविद्यालय में 'इन्टेक इंडिया हैरिटेज क्विज 2015' का आयोजन आज

शादाब व कासिफ बने सिटी विजेता

कैंपस

ज्ञान महाविद्यालय में प्रतिभा परिचय

अलीगढ़। ज्ञान महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में बीएड सत्र 2015-17 विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा परिचय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ... भारत गैस के वरिष्ठ प्रबंधक दीपांकर व माधव गैस के उदयवीर सिंह उपस्थित रहे। इस दौरान अपनी शैक्षिक पृष्ठभूमि और रुचियों के ... बताया। बीच-बीच में विद्यार्थियों ने अनेक प्रकार के शिक्षाप्रद व मनो... रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. ... चेयरमेन दीपक गोयल आदि उपस्थित रहे।

अमर उजाला और जिलेट गार्ड गुडलुक अपनी मुट्ठी में हुआ कार्यक्रम

छात्रों को दी सेल्फ कान्फीडेंस की जानकारी

अलीगढ़ (ब्यूरो)। अगर इस इंटरव्यू में गलती का ... और जिलेट गार्ड बैठते हैं। इसके बाद चला ... टेस्ट का सिलसिला। ... इसके तहत छात्रों से सवाल पूछे गए। सही जवाब देने वाले इन छात्र-छात्राओं को ... महाविद्यालय में पहुंचे। ... छात्र-छात्राओं को दी गई। इसके तहत छात्र-छात्राओं को सेल्फ कान्फीडेंस, इंटरव्यू और ... की जानकारी दी गई। ... छात्रों का ग्रुप डिस्कशन भी हुआ। इसी में से एक छात्र नवीन कुमार को नोएडा में होने वाले फाइनल राउंड के लिए चुना गया। संभावित 26-27 अक्तूबर को नोएडा में फाइनल राउंड होगा। इस राउंड के विजेता प्रतिभागियों को विजयी होने पर बड़ी कंपनी में नौकरी का ऑफर दिया जाएगा।

न्यूज डायरी

संस्थापक दिवस मनाया

अलीगढ़। ज्ञान महाविद्यालय ने शुक्रवार को अपना संस्थापक दिवस मनाया। संस्थापक दिवस समारोह को ज्ञानार्जन दिवस नाम दिया गया था। इस मौके पर महाविद्यालय की शैक्षिक और सामाजिक उपलब्धियों की चर्चा हुई। प्राचार्य डॉ वाईके गुप्ता ने महाविद्यालय की विशिष्ट उपलब्धियों की चर्चा की। महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए 14 गांवों के प्रगति के बारे में बताया। समारोह में मौजूद अतिथियों रक्षा मंत्रालय के पूर्व सचिव डॉ योगेन्द्र नारायन और डॉ आरके भटनागर का स्वागत किया गया। वहीं डॉ योगेन्द्र नारायन ने कहा कि कॉलेज शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है। समारोह में ... श्रीलाल गोयल, दीपक गोयल (चेयरमेन), आशा देवी गोयल (अध्यक्ष), ... गोयल, डॉ गौतम गोयल, रितिका गोयल उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बांधा समां

अलीगढ़ | कार्यालय संवाददाता

आयोजन

- ज्ञान महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया संस्थापक दिवस
- महाविद्यालय की उपलब्धियों से कराया गया अवगत

ज्ञान महाविद्यालय में संस्थापक दिवस समारोह ज्ञानार्जन दिवस के रूप में शुक्रवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद अतिथियों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के पूर्व मुख्य सचिव डॉ योगेन्द्र नारायन मुख्य अतिथि व डॉ. आरके भटनागर मानद अतिथि रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों के स्वागत तथा सरस्वती वन्दना के बाद उप प्राचार्य डॉ. रेखा शर्मा ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता ने महाविद्यालय की अब तक की प्रगति व उपलब्धियों से अवगत कराया। डॉ. ललित उपाध्याय ने महाविद्यालय की ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति द्वारा गोद लिए गए 14 गांव में समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों व स्वराज्य स्वावलंबी एवं ज्ञान स्वराज्य योजना व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यों का उल्लेख किया। मुख्य अतिथि डॉ. योगेन्द्र नारायन ने अपने संबोधन में कहा कि ज्ञान महाविद्यालय ... आधुनिकतम तकनीकों का ... जा रहा है, ... विकसित देशों के विद्यार्थियों ... स्वयं को विकसित कर सकें। ... महाविद्यालय की ... समिति के कार्यों की ... मौके पर उप प्राचार्य डॉ. ... अमित जैन, ... अविप्रकाश मिश्रा, ... इंद्रेश कौशिक, ... दीपक गोयल आदि उपस्थित ...

ज्ञान महाविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में जर्नल का विमोचन करते अतिथि।

ज्ञान महाविद्यालय में मना स्थापना दिवस

अलीगढ़ : ज्ञान महाविद्यालय में स्थापना दिवस ज्ञानार्जन दिवस के रूप में मनाया गया। प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता ने महाविद्यालय की प्रगति तथा उपलब्धियों की जानकारी दी। शिक्षक डॉ. ललित उपाध्याय ने विद्यालय की ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति की ओर से गोद लिए गए 14 गांवों में किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया। विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस मौके पर प्रदेश सरकार के पूर्व सचिव योगेंद्र नारायण, पूर्व आइएएस अधिकारी रविकांत भटनागर, अविप्रकाश मित्तल, अनिल खंडेलवाल, इंद्रेश कौशिक, असलूब अहमद, मधु चाहर, शोभा सारस्वत, वीना आचार्य, अमित जैन, रत्नप्रकाश, रेखा शर्मा आदि मौजूद रहे।

साक्षात्कार हुए

अलीगढ़ : ज्ञान औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में होंडा व जय भारत मारुति के लिए साक्षात्कार कराए गए। ये साक्षात्कार इलेक्ट्रीशियन व फिटर ट्रेड के प्रशिक्षार्थियों के कैंपस सेलेक्शन के लिए थे। जो ग्रामीण भारत की गैर सरकारी संस्थाओं के परिसंघ की ओर से संचालित हैं। प्रधानाचार्य एके पाठक ने बताया कि संस्थान तकनीकी ज्ञान के साथ रोजगार के मौके भी मुहैया कराने को तत्पर है।

[illegible] मौजूद रहे।

मशीनों व औजारों को पूजन : ज्ञान औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में अनुदेशकों व प्रशिक्षणार्थियों ने मशीनों का पूजन किया। प्रधानाचार्य अजयकांत पाठक ने बताया कि आधुनिक युग में आइटीआइ ट्रेड वर्कर की डिमांड है। ज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य वाईके गुप्ता, उप प्राचार्य एसएस यादव, डॉ. रेखा शर्मा व डॉ. ललित उपाध्याय मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने भरे पीएम बीमा योजना के फार्म

अलीगढ़ : ज्ञान महाविद्यालय व सामाजिक सरोकार समिति ने राष्ट्रीय सेवा योजना [illegible] कार्यक्रम [illegible] में मनाया गया। [illegible] छात्रों ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा के लिए आवेदन भरे। [illegible] कहा कि छात्र [illegible] राष्ट्र निर्माण करें। [illegible] इस मौके पर विक्रम सिंह, [illegible], अनुज कुमार को [illegible] किया गया। प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। [illegible] ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय साहसिक शिविर में हिस्सा लेकर मान बढ़ाया

अलीगढ़ : हिमाचल प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय साहसिक शिविर में भाग लेकर ज्ञान महाविद्यालय के स्वयंसेवकों ने अलीगढ़ का गौरव बढ़ाया है। अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड अलाइड स्पोर्ट्स, मनाली के क्षेत्रीय जल क्रीड़ा केंद्र पोंगडम में शिविर चल रहा है। शिविर में डॉ. बीआर अंबेडकर विवि आगरा की राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रतिनिधित्व ज्ञान महाविद्यालय के डॉ. ललित उपाध्याय ने किया। उन्होंने 10 सदस्यीय दल के साथ प्रतिभाग किया। दल में ज्ञान महाविद्यालय के तीन स्वयंसेवक मिंटू मोहतो, सद्दाम हुसैन व पवन कुमार ने भाग लिया। दस दिवसीय शिविर में डॉ. बीआर अंबेडकर विवि आगरा के साथ इलाहाबाद विवि, दीनदयाल उपाध्याय विवि गोरखपुर, लखनऊ विवि व जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर राजस्थान के स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र दिए गए।

सीवी रमन टीम बनी क्विज प्रतियोगिता की विजेता

अलीगढ़ : ज्ञान महाविद्यालय में विज्ञान क्विज व डाक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया। क्विज में 5 टीमों के 25 छात्रों ने प्रतिभाग किया। प्रत्येक टीम में बीएससी के पांच छात्र शामिल रहे। क्विज में बहुविकल्पीय, दृश्य-श्रव्य के चार राउंड हुए जिसमें डा. सी वी. रमन टीम के सदस्य विद्यार्थी रश्मि सारस्वत, आकाश राघव, आलोकनाथ राहुल, अनुज कुमार व नरेश कुमार ने बाजी मारी। उपविजेता डा. एपीजे अब्दुल कलाम टीम के साजिया उमर, याचिका गुप्ता, वंदना सिंह, कुमारी [illegible] टीम के [illegible] कुमार, मिंटू मोहतो [illegible] विजेताओं को [illegible] सम्मानित किया गया। [illegible] फिल्म भी छात्रों को दिखाई [illegible] के [illegible] शुभारंभ किया। [illegible]

Scanned by CamScanner

सुर्ख़ियाँ
दैनिक जागरण | अमर उजाला | हिन्दुस्तान | पंजाब केसरी | राजपथ | प्रावदा | आज | DLA

ज्ञान महाविद्यालय में विज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन

ज्ञान महाविद्यालय में विज्ञान क्विज का आयोजन

ज्ञान कॉलेज में रक्तदान शिविर

अलीगढ़। ज्ञान महाविद्यालय में गुरुवार को जिला मलखान सिंह जिला चिकित्सालय के सीएमएस डा. हीरासिंह की देखरेख में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 55 विद्यार्थियों को कॉलेज के शिक्षकों ने रक्तदान किया। प्राचार्य डा. वाईके गुप्ता, ज्ञान औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य अजयकांत पाठक व सीएमएस ने रक्तदाताओं को सम्मानित किया।

स्वयं सेवकों ने किया रक्तदान

अलीगढ़: ज्ञान महाविद्यालय में एनएसएस इकाई के विशेष सहयोग से गुरुवार को रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। इसमें जिला अस्पताल से वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. हीरा सिंह, यतेंद्र सिंह, वीरपाल सिंह, अरविंद कुमार, नवीन कुमार, श्रीकुमार व प्रीति गुप्ता आदि ने रक्तदान की व्यवस्था देखी। महाविद्यालय व ज्ञान औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के 55 विद्यार्थियों व प्राध्यापकों ने रक्तदान किया। अंत में रक्तदान के महत्व पर चर्चा हुई। प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता व ज्ञान औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य अजय कांत ने सभी को ज्ञान पट्टिका देकर सम्मानित किया।

टॉप 20 में शामिल हो शहर

आगरा रोड स्थित ज्ञान महाविद्यालय के सभागार में बुधवार को स्मार्ट सिटी पर बैठक हुई, जिसमें अलीगढ़ को पहले 20 शहरों में शामिल कराने के लिए सुझाव भेजने पर ज़ोर दिया गया। आईटीआई के विद्यार्थी, शिक्षक इसमें शामिल हुए। निगम के सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर ... मुकुल शर्मा ने कहा कि शहर को स्मार्ट सिटी बनाने के लिये विद्यार्थियों और युवाओं का सहयोग भी ... है। प्रधानाचार्य अजयकांत पाठक ने कहा कि ... विद्यार्थी मोबाइल, इंटरनेट से जुड़े रहते हैं उन्हें ... सहयोग देना चाहिए।

साहसिक शिविर में भाग लेकर लौटे

अलीगढ़ : हिमाचल प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय साहसिक शिविर से लौटे एनएसएस स्वयंसेवकों का ज्ञान महाविद्यालय में स्वागत किया गया। एनएसएस प्रभारी डॉ. ललित उपाध्याय ने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड अलाइड स्पोर्ट्स मनाली के क्षेत्रीय जल क्रीड़ा केंद्र पोंगडैम में राष्ट्रीय साहसिक शिविर लगाया था। डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा का प्रतिनिधित्व ज्ञान महाविद्यालय के डॉ ललित उपाध्याय ने किया। शिविर में एनएसएस के विद्यार्थियों ने जल सुरक्षा व आपदा प्रबंधन समेत कई गुर सीखे। ज्ञान महाविद्यालय के मिंटू मोहंतो, सद्दाम हुसैन व ... पुष्पार ने प्रतिभाग किया था।

ज्ञान महाविद्यालय में लगाया रक्तदान शिविर

अलीगढ़। आगरा रोड स्थित ज्ञान महाविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की एनएसएस इकाई का शिविर में सहयोग रहा। आईटीआई के 55 विद्यार्थी तथा प्रध्यापकों ने एक-एक यूनिट रक्तदान किया। इस मौके पर जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. हीरासिंह के नेतृत्व में यतेन्द्र सिंह, वीरपाल सिंह, अरविंद कुमार, नवीन कुमार, श्रीकुमार, प्रीति गुप्ता मौजूद रहे। प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता व आईटीआई संस्थान के प्रधानाचार्य अजयकांत पाठक ने सभी रक्तदाताओं को ज्ञान पट्टिका देकर सम्मानित किया।

Scanned by CamScanner

सुर्खियाँ

दैनिक जागरण अमर उजाला हिन्दुस्तान राजपथ प्रावदा आज DLA

ज्ञान ज्योति से जगमगाए निर्धनों के घरों में दीपक

अलीगढ़। ज्ञान महाविद्यालय की सामाजिक सरोकार समिति व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में "ज्ञान ज्योति" कार्यक्रम में गोद लिए 14 गांवों में निर्धनों के घरों में दीपक जलाने के लिए दीपक, बाती और तेल का वितरण ग्राम प्रधान के माध्यम से कराया। कार्यक्रम में सचिव दीपक गोयल, डॉ. गौतम गोयल और प्राचार्य डॉ. वाईके. गुप्ता ने गोद लिए गांव के छात्रों को दीप दान सामग्री बांटी। ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा ने कहा कि ज्ञान ज्योति कार्यक्रम का उद्देश्य अति निर्धन परिवारों के घरों में ज्ञान ज्योति प्रकाशमान करना है। इस दौरान डॉ. ललित उपाध्याय, छात्र धीरेंद्र, दीपक कुमार, रंजीत, प्रेम सिंह, बॉबी, विनोद व विवेक मिश्रा आदि मौजूद रहे।

ज्ञान महाविद्यालय ने भी लगाया जोर

आगरा रोड स्थित ज्ञान महाविद्यालय की टीम ने भी शहर को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता ने बताया कि आईसीटी लैब में 40 कंप्यूटरों पर लगातार विद्यार्थी वोटिंग कर रहे हैं। शहर को स्मार्ट बनाने के लिए सुझाव भी दे रहे हैं। नगर निगम के कर अधीक्षक राजेश गुप्ता ने कहा कि ज्ञान महाविद्यालय ने शुरुआत से सपोर्ट दिया है, जिससे वोटिंग का प्रतिशत काफी ऊपर आ गया है। ज्ञान महाविद्यालय के एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय ने कहा कि यह शहर की शान से जुड़ा हुआ मामला है। बस बुधवार को अंतिम दिन बचा हुआ है, महाविद्यालय इसमें भी पूरी ताकत लगा देगा। प्रबंधक मनोज यादव, हीरेश गोयल व अखिलेश कौशिक, मोहित के नेतृत्व में पूरी टीम लगी हुई है।

...प्रताप, पद्मा यादव, विकास सिंह आदि मौजूद रहे।

तीन सौ से अधिक बच्चों ने किया वोट

नगर निगम की टीम ने सोमवार को ज्ञान महाविद्यालय में भी वोटिंग वर्कशॉप की। वर्कशॉप में कंप्यूटर लैब में पहले वोटिंग करने का तरीका समझाया। फिर अपने सामने वोटिंग भी कराई। कॉलेज में पूरे दिन में 300 से अधिक बच्चों ने वोटिंग की। यहां कर अधीक्षक हरि कृष्ण गुप्ता, प्राचार्य डॉ. वाई के गुप्ता आदि मौजूद रहे।

रक्तदान व गोष्ठी का हुआ आयोजन

अलीगढ़। राष्ट्रीय सेवा योजना एन एस एस इकाई ज्ञान महाविद्यालय अलीगढ़ सम्बद्ध डॉ बी आर अम्बेडकर वि वि आगरा द्वारा राष्ट्रीय एकीकरण दिवस पर विशाल रक्तदान शिविर एवं संगोष्ठी का आयोजन गुरुवार को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में जिला मलखान सिंह चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ हीरा सिंह , प्राचार्य डॉ वाई के गुप्ता आदि उपस्थित रहे। राष्ट्रीय सेवा योजना एन एस एस द्वारा प्रेरित कर 101 इच्छुक रक्तदाताओं का डाटा बेस तैयार कर एन एस एस स्वयंसेवकों ने उन्हें व्यक्तिगत सम्पर्क के साथ एन एस एस सोशल मीडिया फेसबुक के ज्ञान महाविद्यालय ग्रुप ज्ञान ... के माध्यम से प्रेरित किया रक्तदान शिविरों में रिकॉर्ड 55 रक्तदाताओं ने रक्तदान ... पुनीत कार्य में सहयोग किया । मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सी एम एस डॉ हीरा सिंह, प्राचार्य डॉ वाई के गुप्ता ने प्रत्येक रक्तदाता को सम्मान पत्र देकर हौसला बढ़ाया और राष्ट्रीय सेवा योजना (एन एस एस) इकाई ज्ञान महाविद्यालय अलीगढ़ के प्रयासों की सराहना की कार्यक्रम अधिकारी एन एस एस इकाई ज्ञान महाविद्यालय अलीगढ़ डॉ ललित उपाध्याय ने स्वयंसेवकों छात्रों के साथ स्वयं रक्तदान देकर प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ज्ञान महाविद्यालय अलीगढ़ द्वारा आयोजित रक्तदान शिविरों में पूर्व में 137 रक्तदाता रक्तदान कर चुके हैं। अब तक विगत वर्षों सहित आज के शिविर को मिलाकर कुल 3 शिविरों में 192 रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान किया जा चुका है।

जल के अत्यधिक दोहन पर जताई चिंता

अलीगढ़। ज्ञान महाविद्यालय के भूगोल विभाग में गुरुवार को एक सेमिनार का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. सोमवीर सिंह ने बताया कि सेमिनार में भूगोलविद् मुख्य अतिथि डॉ. एसएल गुप्ता ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग और अत्यधिक जल दोहन के चलते जल के लिए आपात स्थिति तय है। लोग एक-एक बूंद पीने के पानी के लिए तरसेंगे। जल के संरक्षण की बेहद आवश्यकता है। उन्होंने जल बचाने के लिए इजरायल से सीख लेने की बात कही। सेमिनार के दौरान डॉ. विवेक मिश्रा, उपप्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल, डॉ. ललित उपाध्याय, डॉ. मुहम्मद वाहिद, डॉ. बीना अग्रवाल, एमपी सिंह आदि थे।

Scanned by CamScanner

पेयजल बचाव के लिए इजराइल से लें सीख

अलीगढ़ | हिन्दुस्तान संवाद

आगरा रोड स्थित ज्ञान महाविद्यालय के भूगोल विभाग में अतिथि व्याख्यान हुआ। मुख्य अतिथि बागला कॉलेज हाथरस के पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. एसएल गुप्ता ने कहा कि जल ही जीवन है। समय रहते न चेते तो अगला विश्व युद्ध पेयजल संकट पर होना निश्चित है।

उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग व अंधाधुंध पेयजल के दुरुपयोग के कारण निकट भविष्य में आपात स्थिति तय है। लोग जल की एक-एक बूंद के लिए तरसें उससे पहले हमें जल संरक्षण करने के लिए जल जागरूकता करनी होगी। उन्होंने भारत में पेयजल बचाव के लिए इजराइल से सीख लेने की बात कही।

कहा कि जहां वार्षिक औसत वर्षा केवल 25 सेमी होती है फिर भी वहां हर व्यक्ति को प्रयोग के लिए जल आसानी से उपलब्ध है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता ने की। संचालन भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सोमवीर सिंह ने किया।

इस मौके पर कला संकाय के प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा, उप प्राचार्य डॉ. हरीश गोयल, डॉ. ललित उपाध्याय, डॉ. मो वाहिद, डॉ. डीएन गुप्ता, डॉ. वीसी गुप्ता, नरेन्द्र कुमार, बीना अग्रवाल, एमपी सिंह आदि मौजूद रहे।

... आदि मौजूद रहे।

आज से भरें जाएंगे फार्म

अलीगढ़ : ज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता ने बताया कि बीएड सत्र 2014-15 के लिए आनलाइन परीक्षा फार्म 28 नवंबर से भरे जाएंगे।

मानवाधिकार के प्रति जागरूकता की शपथ

ज्ञान महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर 'मानव अधिकार एक मूलभूत सार्वभौमिक अधिकार है' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें स्वयंसेवकों ने मानवाधिकार के लिए जनजागरुकता की शपथ ली। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता व संचालन कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस डॉ. ललित उपाध्याय ने किया। इस मौके पर उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल, डॉ. सोमवीर सिंह, डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

मानवाधिकार: सार्वभौमिक अधिकार

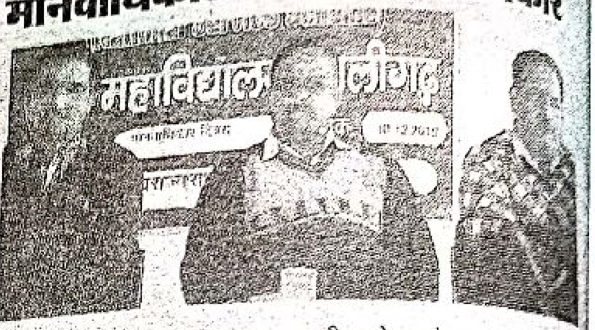

अलीगढ़। ज्ञान महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में 'मानव अधिकार एक मूलभूत सार्वभौमिक अधिकार है' विषयक संगोष्ठी में प्राचार्य डा. वाईके गुप्ता की अध्यक्षता में डा.ललित उपाध्याय, उप प्राचार्य डा. हीरेश गोयल, डा. सोमवीर सिंह, डा. नरेन्द्र कुमार सिंह सहित एन.एस.एस. स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहें।

कर्तव्यों का निर्वहन भी जरूरी : ज्ञान

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता की अध्यक्षता में हुई संगोष्ठी में लोगों को अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। प्राचार्य ने कहा कि अधिकारों के साथ कर्त्तव्यों का निर्वहन भी करना चाहिए।

स्वतंत्रता सेनानी फाउंडेशन : संगठन की गोष्ठी में अध्यक्ष कुंवर प्रमोद ने कहा कि धर्म के आधार पर असहिष्णुता मानवाधिकार का हनन है। संविधान में सभी को सम्मान का अधिकार दिया ...

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में 356 प्रतियोगी शामिल

अलीगढ़ (ब्यूरो)। ज्ञान महाविद्यालय के सरस्वती सभागार में परीक्षा समिति द्वारा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें बीए, बीएससी तथा बीकॉम के प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष के 356 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस सिलसिले में प्राचार्य डा. वाईके गुप्ता ने बताया कि सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में 100 प्रश्न पूछे गए थे, जिसको छात्रों ने ओएमआर सीट पर हल किया। परीक्षा समिति प्रभारी डॉ. हीरेश गोयल के अनुसार सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को देश, विदेश व प्रदेश के सामान्य ज्ञान विषयों की जानकारी देना इतिहास, भूगोल, खेलकूद व विज्ञान आदि विषयों के प्रश्नों का अभ्यास कराना है। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेताओं को वार्षिकोत्सव पर सम्मानित भी किया जाएगा। प्रतियोगिता में वाणिज्य संकाय, विज्ञान संकाय व कला संकाय के प्राध्यापकों ने सहयोग किया।

Scanned by CamScanner

दैनिक जागरण | अमर उजाला | हिन्दुस्तान | पंजाब केसरी | राजपथ | प्रावदा | आज | DLA

गणित है रोचक विषय, इससे न घबराएं विद्यार्थी

अलीगढ़। आगरा रोड स्थित ज्ञान महाविद्यालय में गणित विभाग की ओर से व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इसमें बताया गया कि गणित एक रोचक विषय है। फार्मूले के द्वारा आसनी से सवालों को हल किया जा सकता है। गणित से घबराना नहीं चाहिए। विषय था 'बेसिक कन्सप्टस ऑफ मेथमेटिक्स'। व्याख्यान की शुरूआत प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन करके की।

मुख्य वक्ता एसवी कॉलेज में गणित विभाग के एसोसिएट्स प्रो. पीसी गुप्ता ने बीएससी, एमएससी के छात्रों को नई तकनीकियां और उनका प्रयोग करने के बारे में बताया। उन्होंने ऐसे गणितीय फार्मूले बताए जिनसे कि छात्र-छात्राएं बिना टेबल के भी उनके मान आसानी से निकाल सकें। उन्होंने कई गणित के फार्मूलों को बड़ी सरलता से बताया। व्याख्यान में बीएससी के छात्र-छात्राओं ने भरपूर लाभ उठाया। गणित संबंधी प्रश्न पूछकर जिज्ञासा शांत की। व्याख्यान में मंच का संचालन केपी सिंह ने किया। इस मौके पर डॉ. सोहिल अनवर, डॉ. हुकुम सिंह, वीरेन्द्र पाल सिंह, डॉ. ज्योति सिंह, प्रवीन कुमार, अमित कुमार वार्ष्णेय, डॉ. बीना अग्रवाल, ललित उपाध्याय आदि थे।

मंत्री, पवन चौधरी, सतपाल सिंह आदि लोग मौजूद थे।

किसान दिवस पर छात्रों ने किया श्रमदान

अलीगढ़। पूर्व प्रधानमंत्री स्व.चौ.चरण सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित किसान दिवस में ज्ञान महाविद्यालय के विभिन्न विभागों व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सहयोग से छात्रों ने श्रमदान किया। इस अवसर पर श्रमदान के महत्व पर आयोजित गोष्ठी में प्रबंधक मनोज यादव ने कहा कि छात्रों को विद्यार्थी जीवन में पढ़ाई के साथ समय-समय पर श्रमदान जरूर करना चाहिए। श्रमदान से स्वस्थ शरीर के साथ आस-पास का वातावरण भी साफ होता है। अध्यक्षता करते हुए, डा. हीरेश गोयल ने कहा कि देश की अर्थ व्यवस्था में कृषि का महत्वपूर्ण योगदान है। संचालन कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस डा. ललित उपाध्याय ने किया। श्रमदान में वाणिज्य, कला विज्ञान व अन्य संकायों राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के छात्र-छात्राओं व प्राध्यापकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करता है इग्नू

31 दिसंबर फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि

प्रधानों का स्वागत कर लाभार्थियों को बांटे कंबल

एनएसएस ने मनाया युवा सप्ताह

अलीगढ़ : राष्ट्रीय सेवा योजना अंतर्गत ज्ञान महाविद्यालय की ओर से राष्ट्रीय युवा सप्ताह के [illegible] दूसरा [illegible] शिविर लगाया गया। [illegible] पड़ियावली के सामुदायिक भवन में प्राचार्य डा. वाईके गुप्ता के नेतृत्व में हुआ। शिविर का संचालन एनएसएस के प्रभारी अधिकारी डा. ललित उपाध्याय ने किया। शिविर में प्रबंधक मनोज यादव, मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह दीपक शर्मा, [illegible] के सांस्कृतिक [illegible] मौजूद रहीं।

दैनिक जागरण | 7

जरूरतमंदों को बांटे कंबल

अलीगढ़ : ज्ञान महाविद्यालय में गुरुवार को पतंग उड़ान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अमित चतुर्वेदी ने किया। जिसमें सभी संकायों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। महाविद्यालय की ओर से गोद लिए गए 14 गावों के ग्राम प्रधान अपने-अपने क्षेत्र के पांच-पांच जरूरतमंद लोगों को विद्यालय लेकर आए। जिनको स्वराज्य सभागार में एक-एक कंबल बांटा गया। साथ ही मौजूद सभी ग्राम प्रधानों को शॉल व ज्ञान दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित भी किया गया। प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता ने कॉलेज की अब तक की प्रगति से सबको अवगत कराया। ज्ञान सामाजिक संस्कार समिति के प्रभारी डॉ. विवेक मिश्र ने कॉलेज की स्वराज्य स्वावलंबी व ज्ञान योजना के बारे में बताया। कंबल वितरण के दौरान विशिष्ट अतिथि डॉ. अवधेश कुमार पांडे, चेयरमैन दीपक गोयल, गौतम गोयल, ललित उपाध्याय, मनोज यादव, रितिका गोयल आदि मौजूद रहे।

दैनिक जागरण | 7

जरूरतमंदों को बांटे कंबल

अलीगढ़ : ज्ञान महाविद्यालय में गुरुवार को पतंग उड़ान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अमित चतुर्वेदी ने किया। जिसमें सभी संकायों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। महाविद्यालय की ओर से गोद लिए गए 14 गावों के ग्राम प्रधान अपने-अपने क्षेत्र के पांच-पांच जरूरतमंद लोगों को विद्यालय लेकर आए। जिनको स्वराज्य सभागार में एक-एक कंबल बांटा गया। साथ ही मौजूद सभी ग्राम प्रधानों को शॉल व ज्ञान दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित भी किया गया। प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता ने कॉलेज की अब तक की प्रगति से सबको अवगत कराया। ज्ञान सामाजिक संस्कार समिति के प्रभारी डॉ. विवेक मिश्र ने कॉलेज की स्वराज्य स्वावलंबी व ज्ञान योजना के बारे में बताया। कंबल वितरण के दौरान विशिष्ट अतिथि डॉ. अवधेश कुमार पांडे, चेयरमैन दीपक गोयल, गौतम गोयल, ललित उपाध्याय, मनोज यादव, रितिका गोयल आदि मौजूद रहे।

– पड़ियावली में ज्ञान महाविद्यालय की ओर से कार्यक्रम सुबह 10 बजे।

Scanned by CamScanner

दैनिक जागरण | अमर उजाला | हिन्दुस्तान | पंजाब केसरी | राजपथ | प्रावदा | आज

ज्ञान महाविद्यालय : राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ज्ञान महाविद्यालय के तत्वावधान में ग्राम पड़ियावली के डा. अंबेडकर सामुदायिक भवन में प्रथम एकदिवसीय शिविर को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान यतेन्द्र कुमार व अध्यक्ष प्राचार्य डा. वाई के गुप्ता ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण को आगे आने को कहा। संचालन कार्यक्रम अधिकारी डा. ललित उपाध्याय ने किया। डा. एचएस सिंह, डा. संध्या सेंगर ने भी विचार रखे।

ज्ञान महाविद्यालय में ग्राम प्रधानों स्वागत कर कम्बल वितरण कि...

एन.एस.एस. का द्वितीय एक दिवसीय शिविर सम्पन्न

युवा आत्मविश्वास के साथ सामाजिक कार्य करें

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा तृतीय एन.एस.एस. शिविर सम्पन्न

युवाओं ने पॉलिथीन मुक्त अभियान चलाकर ग्रामीणों को जागरूक किया

गांव पड़ियावली में चलाया पॉलीथिन हटाओ अभियान

दैनिक जागरण | अमर उजाला | हिन्दुस्तान | पंजाब केसरी | राजपथ | प्रावदा | आज | DLA

एन.एस.एस. का द्वितीय एक दिवसीय शिविर सम्पन्न

युवा आत्मविश्वास के साथ सामाजिक कार्य करें

अलीगढ़ 15 जनवरी। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ज्ञान महाविद्यालय के तत्वाधान में राष्ट्रीय युवा सप्ताह के अन्तर्गत मकर संक्रांति पर दूसरा एकदिवसीय शिविर गोद लिए गाँव पड़ियावली के सामुदायिक भवन में प्राचार्य डा. आई.के. गुप्ता के आदेश्य में सम्पन्न हुआ। शिविर का संचालन एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी डा. ललित उपाध्याय ने किया। द्वितीय एन.एस.एस. एकदिवसीय शिविर के प्रबन्धक मनोज यादव ने कहा कि युवाओं को आत्मविश्वास के साथ सामाजिक कार्य को प्राथमिकता से करना चाहिए। उन्होंने युवाओं को कौशल विकास व रोजगार परक कोर्स को कर [illegible] रहने पर बल दिया। [illegible] डा. आई.के. गुप्ता ने एन. [illegible] छात्रों के सर्वांगीण [illegible] विकास के उद्देश्य पर बल दिया। मुख्य अनुशासन अधिकारी डा. नरेन्द्र कुमार सिंह ने छात्र जीवन में अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डाला। स्वयंसेवकों ने ग्राम का भ्रमण कर घर-घर जाकर सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण किया तथा परिवारों की आर्थिक व सामाजिक स्थिति के साथ-साथ स्वास्थ्य सम्बन्धित जानकारी प्राप्त की। स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को प्रधान मंत्री जन-धन योजना, कौशल विकास योजना, टीकाकरण व शिक्षा के महत्व के बारे में बताया। स्वयंसेवकों ने लक्ष्य गीत उठे समाज के लिए उठें-उठें गाकर ग्रामीण अंचल में ग्रामीणों के बीच जोश भरा। इस अवसर पर [illegible] रावत ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं [illegible] उपस्थित रहे।

भौतिक व्याख्यान पर पूछे प्रश्न

अलीगढ़ : डीएस कॉलेज में भौतिक विज्ञान की विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू गिरि ने ज्ञान महाविद्यालय में व्याख्यान दिया। व्याख्यान सेमी कंडक्टर एंड इट्स एप्लीकेशन के विषय पर था। उन्होंने बताया कि कंडक्टर व नॉन कंडक्टर क्या होता है। साथ ही विद्यार्थियों के पूछे प्रश्नों के उत्तर दिए। ज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुहैल अनवर ने अतिथि का आभार किया। कहा कि इस तरह के व्याख्यानों से विद्यार्थियों की कुशलता बढ़ती है। इस दौरान विज्ञान संकाय के डॉ. एचएस चौधरी, अमित कुमार, प्रवीन कुमार, ज्योति सिंह, अमरीन खां, अकलीन वशी, केपी सिंह व कुमारी अकांक्षा गुप्ता आदि मौजूद रहे।

[illegible]

राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया

अलीगढ़। ज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंधक किशन स्वरूप पाराशर, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय, प्राचार्य डॉ. आईके गुप्ता, डॉ. विवेक मिश्रा, मणि रावत अर्जुन, दीपक गोयल, विक्रम सिंह मौजूद रहे।

जन जागृति का कार्य करें स्वयं सेवक

[illegible]

स्वच्छता अभियान चलाया

अलीगढ़। [illegible] शिविर में शुक्रवार को [illegible] का आयोजन किया जाएगा।

ज्ञान महाविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में [illegible] अतिथि।

ज्ञान महाविद्यालय में मना स्थापना दिवस

[illegible]

खुले गगन में भरें उड़ान

[illegible]

इंटेक इंडिया हैरिटेज क्विज का आयोजन

[illegible]

Scanned by CamScanner

दैनिक जागरण | अमर उजाला | हिन्दुस्तान | पंजाब केसरी | राजपथ | प्रावदा | आज | DLA

ज्ञान महाविद्यालय में ज्ञान मार्ग का उद्घाटन कोल विधायक ने किया

गणतंत्र दिवस पर प्रातः 8:30 बजे फहरेगा झण्डा

राष्ट्रीय साहसिक शिविर में हिस्सा लेकर मान बढ़ाया

अलीगढ़ : हिमाचल प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय साहसिक शिविर में भाग लेकर ज्ञान महाविद्यालय के स्वयंसेवकों ने अलीगढ़ का गौरव बढ़ाया है। अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड अलाइड स्पोर्ट्स, मनाली के क्षेत्रीय जल क्रीड़ा केंद्र पोंगडम में शिविर चल रहा है। शिविर में डॉ. बीआर अंबेडकर विवि आगरा की राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रतिनिधित्व ज्ञान महाविद्यालय के डॉ. ललित उपाध्याय ने किया। उन्होंने 10 सदस्यीय दल के साथ प्रतिभाग किया। दल में ज्ञान महाविद्यालय के तीन स्वयंसेवक मिंटू मोहंतो, सद्दाम हुसैन व पवन कुमार ने भाग लिया। दस दिवसीय शिविर में डॉ. बीआर अंबेडकर विवि आगरा के साथ इलाहाबाद विवि, दीनदयाल उपाध्याय विवि गोरखपुर, लखनऊ विवि व जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर राजस्थान के स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र दिए गए।

एनएसएस छात्रों ने हिमाचल में सीखी जल सुरक्षा

अलीगढ़ (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में एनएसएस का राष्ट्रीय कैम्प आयोजित किया गया था। डॉ बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय की टीम का नेतृत्व ज्ञान महाविद्यालय के एनएसएस अधिकारी ललित उपाध्याय ने किया। कैम्प से लौटे डॉ ललित उपाध्याय ने बताया कि विवि की दस सदस्यीय टीम ने कांगड़ा के पैगडेम में जल सुरक्षा और बाढ़ आपदा प्रबंधन के गुर सीखे। यहीं क्याकिंग, सेलिंग, राफ्टिंग, वॉटर स्कीइंग, केनोइंग, स्विमिंग, माउंटेनियरिंग के टिप्स भी छात्र-छात्राओं को दिए गए। टीम में ज्ञान महाविद्यालय, आरबीएस कॉलेज, केआर कॉलेज और मैनपुरी स्थित कॉलेज के छात्र-छात्राएं शामिल थे। कैम्प से लौटी टीम को डॉ रामवीर सिंह, दीपक गोयल, डॉ वाईके गुप्ता, मनोज यादव आदि ने बधाई दी है।

भवनों को जगमगाने के लिए सौंपी सामग्री

अलीगढ़। ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति व एनएसएस इकाई ज्ञान महाविद्यालय की ओर से ज्ञान ज्योति कार्यक्रम के तहत गोद लिए 14 गांव के सरकारी भवनों को जगमगाने के लिए ग्राम प्रधानों को मिट्टी के दिए, तेल और बाती आदि सामग्री सौंपी। समिति में डॉ. विवेक मिश्रा, डॉ. ललित उपाध्याय, कॉलेज की कार्यालय अधीक्षिका मीना खान, सत्यभान, सुमित सक्सेना, दीपक रावत आदि मौजूद थे।

ज्ञान कॉलेज में हुई गहन चर्चा

अलीगढ़। ज्ञान महाविद्यालय में महाविद्यालय और ज्ञान आईटीआई के विद्यार्थी, शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की गोष्ठी का आयोजन बुधवार को किया गया। जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता व ज्ञान आईटीआई के प्रधानाचार्य अजयकान्त पाठक द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। नगर निगम के सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर सोमेन्द्र कुलश्रेष्ठ व मुकुल शर्मा ने अलीगढ़ शहर को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए फोन व एसएमएस भेजकर सुझाव देने की प्रक्रिया बताई।

स्वयं सेवकों ने किया रक्तदान

अलीगढ़ : ज्ञान महाविद्यालय में एनएसएस इकाई के विशेष सहयोग से गुरुवार को रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। इसमें जिला अस्पताल से वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. हीरा सिंह, राजेंद्र सिंह, वीरपाल सिंह, अरविंद कुमार, नवीन कुमार, श्रीकुमार व प्रीति गुप्ता आदि ने रक्तदान की व्यवस्था देखी। महाविद्यालय व ज्ञान औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के 55 विद्यार्थियों व प्राध्यापकों ने रक्तदान किया। अंत में रक्तदान के महत्व पर चर्चा हुई। प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता व ज्ञान औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य अजय कांत ने सभी को ज्ञान पत्रिका देकर सम्मानित किया।

मानवाधिकार के प्रति जागरुकता की शपथ

ज्ञान महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर 'मानव अधिकार एवं मूलभूत संवैधानिक अधिकार है' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें स्वयंसेवकों ने मानवाधिकार के लिए जनजागरुकता की शपथ ली। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता व संचालन कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस डॉ. ललित उपाध्याय ने किया। इस मौके पर उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल, डॉ. सोमवीर सिंह, डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

रोजगार परक शिक्षा का प्रचार प्रसार करना इग्नू का मुख्य उद्देश्य

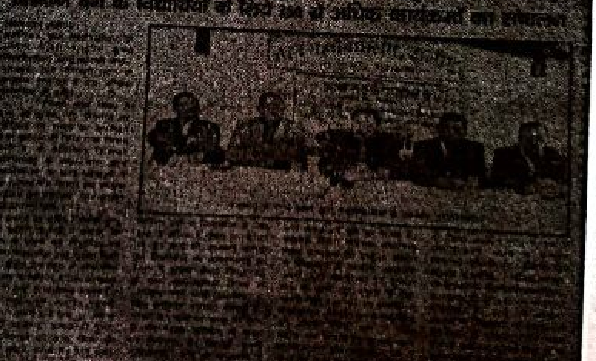

उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करता है इग्नू

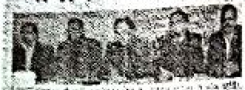

31 दिसंबर फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि

Scanned by CamScanner

सुर्खियाँ

दैनिक जागरण | अमर उजाला | हिन्दुस्तान | पंजाब केसरी | राजपथ | प्रावदा | आज | DLA

इग्नू के फार्म भरने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर तक

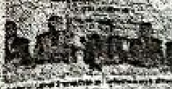

विद्यार्थियों को दिया व्याख्यान

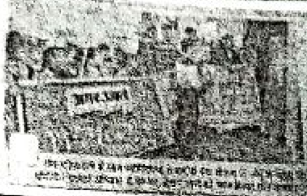

ज्ञान महाविद्यालय में हुआ अतिथि व्याख्यान

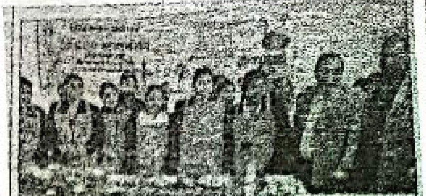

ऊर्जा के हर क्षेत्र में बचत करने पर दिया जोर

शिक्षण कौशल की परिभाषा समझाई

अलीगढ़। आगरा रोड स्थित ज्ञान महाविद्यालय में नवनियुक्त प्राध्यापकों के उन्मुखीकरण के तीसरे दिन शिक्षक विभाग की प्राध्यापिका भावना सारस्वत ने 'शिक्षण कौशल' पर विश्लेषणात्मक व्याख्यान दिया। प्राध्यापक अखिलेश कौशिक ने शिक्षण में आईसीटी की भूमिका पर व्याख्यान दिया। मुख्य अतिथि एएमयू में शिक्षा संकाय की एसोसिएट प्रो. डॉ. पुनीता गोविल ने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन बनाने में बरतने वाली सावधानियों का जिक्र किया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता, बीएड विभाग विभाग की प्रभारी शिवानी सारस्वत आदि मौजूद रहीं।

प्राध्यापकों को दिए टिप्स

अलीगढ़ : ज्ञान महाविद्यालय में नवनियुक्त प्राध्यापकों की उन्मुखीकरण कार्यशाला के दूसरे दिन प्रशिक्षक आभा कृष्णा जौहरी ने शिक्षण की अवधारणा, परिभाषा, प्रकृति, आधारभूत जरूरत, वातावरण, चरण व अच्छे शिक्षक की विशेषता पर प्रकाश डाला। पुष्पेंद्र मोहन वार्ष्णेय ने ई-कॉमर्स के इतिहास, प्रक्रिया, भविष्य व इसके प्रयोग में सावधानियों को रोचक ढंग से समझाया। मुख्य अतिथि महाविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जेपी सिंह व चेयरमैन दीपक गोयल, प्रबंधक मनोज यादव व प्राचार्य डॉ. वाइके गुप्ता ने प्राध्यापकों को मनोबल बढ़ाया।

ग्रीटिंग कार्ड प्रतियोगिता हुई

अलीगढ़। स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में ज्ञान महाविद्यालय में सम्पूर्ण एवं गुणात्मक भागीदारी की थीम पर एनएसएस व साहित्यिक समिति के सहयोग से एक ग्रीटिंग कार्ड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्रों द्वारा बनाए गए ग्रीटिंग्स कॉर्ड की प्रदर्शनी का उद्घाटन प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता ने किया। इस मौके पर निर्णायक कार्यक्रम अधिकारी डा.ललित उपाध्याय, मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह व डॉ. विवेक मिश्रा रहे। इस दौरान प्रथम स्थान पर राखी रानी, द्वितीय स्थान पर आरती यादव व तृतीय स्थान पर चन्दन प्रवीन विजेता रहे।

Scanned by CamScanner

सुखियाँ

दैनिक जागरण | अमर उजाला | हिन्दुस्तान | पंजाब केसरी | राजपथ | प्रावदा | आज

ऊर्जा का संरक्षण और बचत आवश्यक

DLA News

ज्ञान महाविद्यालय में आयोजित प्रतियोगिता में पुरस्कृत छात्राएं।

ज्ञान महाविद्यालय में लगाई गई आर्ट गैलरी

अलीगढ़। ज्ञान महाविद्यालय में सोमवार को आर्ट गैलरी का आयोजन किया गया। बीएड सत्र के समापन पर छात्र-छात्राओं को बधाई दी गई। ... कॉलेज की प्रगति रिपोर्ट पेश की। इस मौके पर रोटरी क्लब की ओर से ... गोष्ठी का आयोजन किया गया। कत्थक डांसर आशा शर्मा के डांस से ... महाविद्यालय में समारोह की शुरू हुई। इस मौके पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. वाईके गुप्ता ने कॉलेज की सामाजिक संस्था सरोकार द्वारा गोद लिए गए ... गांवों की स्थिति भी बताई। गांव में ग्रामीणों को दी जा रही सुविधाओं के ... में अवगत कराया। ज्ञान आईटीआई कॉलेज के स्वर्गीय ... की पत्नी को 51 हजार रुपए का चेक दिया गया। बीएड के छात्र-छात्राओं ने भी कॉलेज के संबंध में अपने स्मरण सुनाए। हाथरस रोटरी क्लब के ... जैन ने क्लब की प्रगति के बारे में बताया। इस मौके पर मधु चक्र, दीपक गोयल, आशा गोयल, बीना कालरा, डॉ. ललित उपाध्याय आदि मौजूद थे।

ज्ञान महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्रों ने निकाला जुलूस। जागरण

विद्यार्थियों ने श्रमदान किया

ज्ञान महाविद्यालय के विभिन्न विभागों व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रबंधक मनोज यादव ने कहा कि छात्रों को विद्यार्थी जीवन में पढ़ाई के साथ श्रमदान करना चाहिए। डॉ. हीरेश गोयल ने कहा कि चौधरी साहब कि सानों के मसीहा थे। संचालन कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस डॉ. ललित उपाध्याय ने किया।

सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ

...संबंधित प्रमाण पत्र ट्रायल के दौरान साथ लाएं।

जल के बारे में दी जानकारी

अलीगढ : ज्ञान महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में सरस्वती भवन मंगलवार को जल को किस प्रकार पीने योग्य बनाया जा सकता है। यह जानकारी अतिथि व्याख्यान के तहत डीएस कॉलेज में रसायन विभाग के एसोसिएट प्रो.डॉ. अमित चौधरी रसायन विभाग डीएस कॉलेज ने दी। शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य डॉ.वाई के गुप्ता, उप प्राचार्य डॉ.हीरेश गोयल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। यहां सुहेल अनवर, नरेंद्र सिंह, अमित वार्ष्णेय, वीरेंद्र सिंह, ज्योति सिंह, प्रवीन कुमार, अकांक्षा गुप्ता आदि मौजूद रहीं।

Scanned by CamScanner

सत्र–2015–16 में
महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम :
एक नजर में

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	भाग लेने वाले अतिथि	विशेष विवरण
1.	ज्ञान महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव	13-2-15	मुख्य अतिथि- डॉ. एस. एस. वर्मा प्राचार्य -वीरांगना अवन्तीबाई राजकीय महाविद्यालय, अतरौली विशिष्ट अतिथि- डॉ. एस. के. वार्ष्णेय एसो. प्रोफे., वीरांगना अवन्तीबाई राजकीय महाविद्यालय, अतरौली श्री आनन्द प्रकाश गुप्ता (देहरादून), श्री अजय गुप्ता (देहरादून) श्रीमती मीनाक्षी गुप्ता (देहरादून), श्री शुभम गुप्ता (देहरादून), श्री देशराज जी (थ्री डाट्स), श्री अनीश शर्मा (थ्री डाट्स)	महाविद्यालय प्रबन्ध समिति की अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी, चैयरमेन श्री दीपक गोयल, कोषाध्यक्ष श्री असलूब अहमद, ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल तथा प्रबंधक श्री मनोज यादव पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रहे।
2.	बी. एड. विभाग में अतिथि व्याख्यान	19-2-15	अतिथिवक्ता : डॉ. मृदुला सिंह, शिक्षक शिक्षा विभाग, धर्म समाज महाविद्यालय, अलीगढ़	व्याख्यान का विषय : "Teaching Model & Programmed Instructions"
3.	मातृ भाषा दिवस का आयोजन	21-2-15	महाविद्यालय के विद्यार्थी, शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों ने भाग लिया।	----------
4.	भौतिक विज्ञान में अतिथि व्याख्यान	23-2-15	अतिथि वक्ता : डॉ. जे. पी. गुप्ता, एसो. प्रोफे. डी. एस . कॉलिज, अलीगढ़	व्याख्यान का विषय : ''परमाणु संरचना का इतिहास''
.	वाणिज्य संकाय में अतिथि व्याख्यान	26-2-15	अतिथि वक्ता : श्री नागेन्द्र सिंह, निदेशक, आई. पी. एम. एस., अलीगढ़	व्याख्यान का विषय : "Arena of Commerce (Redefining Career Prospect)"
	महाविद्यालय में IGNOU के विशेष अध्ययन केन्द्र की इंडक्शन मीटिंग	27-2-15	डॉ. अमित चतुर्वेदी, क्षेत्रीय निदेशक IGNOU, डॉ. बी.पी. सिंह, सहायक क्षेत्रीय निदेशक IGNOU	सी. आई. जी., सी. टी. ई. तथा सी. ई. एस. में नामांकित विद्यार्थी एवं काउंसलर्स
	मनोविज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान	28-2-15	अतिथिवक्ता : डॉ. (श्रीमती) अनीता मोराल	व्याख्यान का विषय : ''दैनिक जीवन में मनोविज्ञान का

Scanned by CamScanner

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	भाग लेने वाले अतिथि	विशेष विवरण उपयोग
			सहा. प्रो. (श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय अलीगढ़)	----------
8.	कला संकाय में विद्यार्थियों का विदाई समारोह	11-3-15	कला संकाय के विद्यार्थी, शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति	
9.	गौरैया संरक्षण दिवस कार्यक्रम में प्रतिभाग	20-3-15	मुख्य अतिथि : श्री अवधेश तिवारी ए. डी. एम. सिटी	वन विभाग तथा हरीतिमा संस्था के प्रतिनिधियों के साथ-साथ महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के स्वेच्छासेवियों ने भाग लिया।
10.	दुर्गे माता के गीतों का आयोजन	24-3-15	मुख्य अतिथि : श्रीमती रेखा सिंह पत्नी श्री अरुण सिंह अपर आयुक्त, अलीगढ़	महाविद्यालय के चेयरमैन श्री दीपक गोयल, ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल तथा श्रीमती रितिका गोयल ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।
11.	साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम	05-4-15	मुख्य अतिथि : श्री मुरारीलाल अग्रवाल अध्यक्ष, जन सांस्कृतिक मंच, मथुरा	जन सांस्कृतिक मंच मथुरा के लगभग 30 पदाधिकारी एवं सदस्यों के साथ-साथ हास्य कवि मणिमधुकर (मूसल), श्री मामा हाथरसी तथा श्री अशोक अज्ञेय ने भी प्रतिभाग किया
12.	बी. एड. के विद्यार्थियों हेतु स्काउट-गाइड शिविर	06-4-15 से 10-4-15	मुख्य अतिथि : श्रीमती रेखा शुक्ला, स्काउट-गाइड कमिश्नर, अलीगढ़ मण्डल	मुख्य प्रशिक्षक : श्री यतेन्द्र सक्सैना, जिला संगठन कमिश्नर, स्काउट-गाइड
13.	अचल सरोवर अभियान में सहभागिता	22-4-15	महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के कार्यक्रम अधिकारी, स्वेच्छासेवी तथा प्राध्यापकों ने भाग लिया।	----------
14.	औद्योगिक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन	28-4-15	भारत पैट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. सलेमपुर (हाथरस) के पदाधिकारी	महाविद्यालय के B.B.A., B.C.A. के विद्यार्थी, प्राध्यापक एवं ज्ञान आई. टी. आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल ने भाग लिया।
15.	कला प्रदर्शनी का आयोजन	04-5-15	उद्‌घाटनकर्त्ता : श्री कृष्ण मुरारी खण्डेलवाल रोटरी क्लब, मथुरा	रोटरी क्लब, मथुरा सैन्ट्रल के 30 सदस्यीय दल ने कार्यक्रम में भाग लिया।
16.	बी.एड . के सत्र समापन समारोह का आयोजन	04-5-15	मुख्य अतिथि : श्री मुकेश सिंघल, रोटेरियन निदेशक, कृष्णा इण्टरनेशनल स्कूल	महाविद्यालय के चेयरमैन श्री दीपक गोयल तथा महाविद्यालय प्रबन्धक श्रीमती रितिका गोयल ने

Scanned by CamScanner

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	भाग लेने वाले अतिथि	विशेष विवरण
			विशिष्ट अतिथि: श्री अरुण जैन, रोटरी क्लब, हाथरस श्री बी.बी. कालरा, रोटरी क्लब, मथुरा	कार्यक्रम में भाग लिया।
17.	बी.टी.सी. के प्रशिक्षुओं का विदाई समारोह	20-5-15	मुख्य अतिथि : डॉ. अमित चतुर्वेदी क्षेत्रीय निदेशक IGNOU विशिष्ट अतिथि : डॉ. भानु प्रताप सिंह सहा. क्षेत्रीय निदेशक IGNOU	महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए 14 गाँवों के प्रधानों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।
18.	महाविद्यालय में IGNOU के विशेष अध्ययन केन्द्र का औपचारिक शुभारम्भ	20-5-15	----------	----------
19.	अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता, दिवस पर संगोष्ठी का अयोजन	22-5-15	----------	महाविद्यालय के प्रबन्धक श्री मनोज यादव ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।
20.	एकादशी के दिन आम लोगों को शर्बत पिलाया	29-5-15	----------	गांधी पार्क (अलीगढ़) स्थित रोडवेज बस स्टैण्ड के पास शामियाना लगाकर लोगों को शर्बत पिलाया।
21.	पर्यावरण चेतना रैली का आयोजन	05-6-15	मुख्य अतिथि : श्री रूपकिशोर ग्राम प्रधान, मुकुन्दपुर	विकास खण्ड, लोधा (अलीगढ़) के मुकुन्दपुर गाँव में रैली आयोजित की गयी।
22.	भगोड़े हमलावर को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का सम्मान	09-6-15	मुख्य अतिथि : डॉ. संसार सिंह पुलिस अधीक्षक ग्रामीण क्षेत्र, अलीगढ़	सर्विलांस तथा एस.ओ.जी. टीम के सदस्य, महाविद्यालय के चेयरमैन श्री दीपक गोयल, ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल तथा महाविद्यालय प्रबन्धन की श्रीमती रितिका गोयल ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।
23.	महाविद्यालय के प्राध्यापकों का पाँच दिवसीय ग्रीष्मकालीन भ्रमण	14-6-15 से 18-6-15	----------	हरिद्वार, ऋषिकेश, देहरादून तथा मसूरी का भ्रमण प्राध्यापकों ने सपरिवार किया। पूरा व्यय महाविद्यालय प्रबन्धन ने किया।
24.	योग शिविर का आयोजन	21-6-15	मुख्य अतिथि : श्री राहुल कुमार (पतंजलि योगपीठ से प्रशिक्षित)	शिक्षक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया।

Scanned by CamScanner

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	भाग लेने वाले अतिथि	विशेष विवरण
25.	महाविद्यालय के शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों का चार दिवसीय ग्रीष्मकालीन भ्रमण	26-6-15 से 29-6-15 तक	----------	हरिद्वार तथा ऋषिकेश के भ्रमण का व्यय महाविद्यालय ने वहन किया।
26.	पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि	28-7-15	----------	महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों ने शोक सभा में भाग लिया।
27.	पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की स्मृति में वृक्षारोपण	29-7-15	----------	महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
28.	गुरू पूर्णिमा पर महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण	31-7-15	मुख्य अतिथि : श्री सुबोध नन्दन शर्मा पर्यावरण विद्	महाविद्यालय के प्राध्यापक विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों के साथ ज्ञान आई.टी. आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।
29.	ज्ञान गाँव की ओर	03-8-15 से 27-8-15	मुख्य अतिथि : श्री विवेक बंसल पूर्व एम. एल. सी. (विधायक) विशिष्ट अतिथि : श्री सुबोधनन्दन शर्मा, पर्यावरणविद्	महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गये 14 गाँव में कार्यक्रम आयोजित किये। तत्सम्बन्धित ग्राम प्रधान तथा ग्रामीणों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
30.	इंटैक इण्डिया हेरिटेज क्विज	08-8-15	मुख्य अतिथि : अनुरूधिति एक्सप्रेस माइण्ड विशिष्ट अतिथि : श्री आशुतोष सिलमाना एक्सप्रेस माइण्ड	अलीगढ़ शहर के 14 माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।
31.	प्रतिभा परिचय कार्यक्रम	10-8-15	मुख्य अतिथि : श्री दीपांकर चौधरी वरिष्ठ प्रबन्धक, भारत गैस विशिष्ट अतिथि : श्री उदयवीर सिंह एवं श्री दिनेश सिंह, माधव गैस	महाविद्यालय के चेयरमैन श्री दीपक गोयल पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रहे। बी.एड. के वर्तमान विद्यार्थियों ने अपना-अपना परिचय दिया।
32.	बी. एड. विभाग में निबन्ध प्रतियोगिता	14-8-15	----------	निबंध का विषय "दी रोल ऑफ टीचर इन डेमोक्रेटिक एजूकेशन सिस्टम" था
33.	ज्ञान आई.टी.आई. के	15-8-15	----------	ज्ञान आई. टी. आई. के निदेशक

Scanned by CamScanner

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	भाग लेने वाले अतिथि	विशेष विवरण
	प्रशिक्षणार्थियों का विदाई समारोह		----------	डॉ. गौतम गोयल व महाविद्यालय प्रबन्धन की श्रीमती रितिका गोयल ने कार्यक्रम में भाग लिया।
34.	स्वतन्त्रता दिवस समारोह	15-8-15	----------	ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल तथा महाविद्यालय प्रबन्धन को श्रीमती रितिका गोयल ने भी समारोह में भाग लिया।
35.	विभिन्न हस्तकलाओं की प्रतियोगिता का आयोजन	27-8-15	----------	इस प्रतियोगिता में बी.टी.सी. बैच-2013 के सभी प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।
36.	अमर उजाला व जिलेट गार्ड प्रतियोगिता	07-9-15	मास्टर ट्रेनर: सोनिया सारस्वत	महाविद्यालय के चेयरमैन श्री दीपक गोयल तथा महाविद्यालय प्रबन्धक की श्रीमती रितिका गोयल ने कार्यक्रम में भाग लिया। जिलेट गार्ड तथा अमर उजाला की टीम के अलावा महाविद्यालय के लगभग 200 विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।
37.	महाविद्यालय में संस्थापक दिवस का आयोजन	11-9-15	मुख्य अतिथि : डॉ. योगेन्द्र नारायण (आई.ए.एस.) पूर्व मुख्य सचिव, उ. प्र. सरकार पूर्व सचिव-रक्षा मंत्रालय भारत सरकार पूर्व महासचिव-राज्यसभा मानद अतिथि : डॉ. आर. के. भटनागर आई. ए. एस. (सेवानिवृत्त) श्री कृपालसिंह (सदस्य) अलीगढ़ विकास प्राधिकरण श्री चन्द्रशेखर, वरिष्ठ पत्रकार, मथुरा श्री अमित जैन	महाविद्यालय प्रबन्धन के सर्वश्री अवि प्रकाश मित्तल, अनिल खण्डेलवाल, इंद्रेश कौशिक तथा श्री असलूब अहमद के साथ-साथ संस्थापक डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल के परिजनों में से श्री चाँद गोयल आई.ए.एस. (पूर्व मुख्य सचिव, महाराष्ट्र सरकार), श्री लाल गोयल (सपत्नीक), श्री दीपक गोयल (चेयरमैन), श्रीमती आशादेवी (अध्यक्षा), श्री ऋषि गोयल, डॉ. गौतम गोयल तथा श्रीमती रितिका गोयल आदि उपस्थित थे।
38.	हिन्दी दिवस का आयोजन	14-9-15	----------	महाविद्यालय के विद्यार्थी तथा प्राध्यापकों ने प्रतिभाग लिया।
39.	राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस का आयोजन	24-9-15	मुख्य अतिथि : श्री किशन स्वरूप पाराशर प्रबन्धक, बैंक ऑफ बड़ौदा सासनी गेट, अलीगढ़ विशिष्ट अतिथि :	महाविद्यालय के चेयरमैन श्री दीपक गोयल भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

Scanned by CamScanner

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	भाग लेने वाले अतिथि	विशेष विवरण
			श्री मणिरावत अर्जुन पानी बचाओ अभियान श्री राज नारायण सिंह (पत्रकार)	
40.	प्राध्यापकों का विदाई समारोह	27-9-15	मुख्य अतिथि : श्री दीपांकर चौधरी विशिष्ट अतिथि : श्री के.डी. आहूजा (भारत पैट्रोनियम)	महाविद्यालय प्रबन्धन के श्री दीपक गोयल (चेयरमैन), श्रीमती आशा देवी (अध्यक्षा), डॉ. गौतम गोयल, श्रीमती रितिका गोयल, श्री बिजेन्द्र मलिक तथा श्री अवि प्रकाश मित्तल आदि उपस्थित थे।
41.	गांधी एवं शास्त्री जयन्ती	02-10-15	----------	महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
42.	इग्नू की इंडक्शन मीटिंग का आयोजन	08-10-15	मुख्य अतिथि : डॉ. अमित चतुर्वेदी, क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू विशिष्ट अतिथि : डॉ. एम. आर. फैसल सहायक क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू	----------
43.	राष्ट्रीय साहसिक शिविर में प्रतिभाग	30-9-15 से 9-10-15 तक	----------	मनाली, हिमाचल प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय साहसिक शिविर में महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के कार्यक्रम अधिकारी ने बी.आर.अम्बेडकर विश्व वि., आगरा का प्रतिनिधित्व किया।
44.	शिक्षक शिक्षा विभाग में अतिथि व्याख्यान	29-10-15	अतिथिवक्ता : डॉ. गिर्राज किशोर पूर्व डीन, शिक्षा संकाय आगरा विश्वविद्यालय, आगरा	व्याख्यान का विषय : 'शिक्षण की धुरी- जिज्ञासा'
45.	महाविद्यालय में विज्ञान क्विज का आयोजन	4-11-15	मुख्य अतिथि : श्री सचिन नरवादिया वैज्ञानिक, भारत सरकार विशिष्ट अतिथि : श्री जितेन्द्र सिंह (निदेशक) बी.एस.जे. फिल्मस	महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया।
46.	ज्ञान ज्योति कार्यक्रम	10-11-15	----------	महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए 14 गाँवों के जरूरतमंद लोगों को दीपक, तेल आदि दिया।

Scanned by CamScanner

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	भाग लेने वाले अतिथि	विशेष विवरण
47.	अलीगढ़ को 20 स्मार्ट शहरों में शामिल कराने हेतु संवाद	18-11-15	मुख्य अतिथि : श्री सोमेन्द्र कुलश्रेष्ठ, सिस्टम-एडमिनिस्ट्रेटर, अलीगढ़ नगर निगम विशिष्ट अतिथि : श्री मुकुल शर्मा (अलीगढ़ नगर निगम)	महाविद्यालय के प्राध्यापक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
48.	महाविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन	19-11-15	मुख्य अतिथि : डॉ. हीरा सिंह मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मलखान सिंह जिला अस्पताल, अलीगढ़	महाविद्यालय के प्राध्यापक तथा विद्यार्थियों ने 55 यूनिट रक्तदान किया।
49.	महाविद्यालय में अलीगढ़ को स्मार्ट सिटी बनाने के पक्ष में वोटिंग	23-11-15	मुख्य अतिथि : श्री हरिकृष्ण गुप्ता, कर अधीक्षक अलीगढ़ नगर निगम, अलीगढ़	महाविद्यालय में सेवारत व्यक्तियों तथा विद्यार्थियों ने वोटिंग की।
50.	भूगोल विभाग में अतिथि व्याख्यान	26-11-15	अतिथिवक्ता : डॉ. एस. एल. गुप्ता पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर पी. सी. बागला कॉलेज, हाथरस	व्याख्यान का विषय : "जल ही जीवन है"
51.	महाविद्यालय में 'ध्यान' पर तीन दिवसीय कार्यशाला	28-11-15	संदर्भ व्यक्ति : श्रीमती वीना पाठक, श्री पी.एल. वर्मा, श्री हरिओम सारस्वत, श्री शिवकुमार पाठक तथा श्री रामचन्द्र मिशन, शाहजहाँपुर	महाविद्यालय के शिक्षक तथा विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।
52.	जन्तु विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान	28-11-15	अतिथि वक्ता : डॉ. एम. पी. सिंह, अध्यक्ष, जन्तु विज्ञान विभाग, पालीवाल पी. जी. कॉलेज, शिकोहाबाद	व्याख्यान का विषय : "संघ-पोरीफेरा स्पंज"
53.	सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता	08-12-15	----------	महाविद्यालय के बी.ए., बी. एस-सी. तथा बी. काम. के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।
54.	मानव अधिकार दिवस पर गोष्ठी का आयोजन	10-12-15	----------	महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।
55.	बहु विकल्पीय टैस्ट	11-12-15	----------	बी. ए. विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।
56.	गणित विभाग में अतिथि व्याख्यान	11-12-15	अतिथिवक्ता : डॉ. पी. सी. गुप्ता पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर, गणित विभाग श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय, अलीगढ़	व्याख्यान का विषय : "बेसिक कॉनसेप्ट ऑफ मैथमैटिक्स"

Scanned by CamScanner

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	भाग लेने वाले अतिथि	विशेष विवरण
57.	समाजशास्त्र विभाग में अतिथि व्याख्यान	18-12-15	अतिथिवक्ता : डॉ. सपना सिंह सहायक प्रोफेसर टीकाराम कन्या महाविद्यालय, अलीगढ़	व्याख्यान का विषय : ''बदलते सामाजिक परिदृश्य में महिलाओं की प्रास्थिति''
58.	रसायन विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान	22-12-15	अतिथिवक्ता : डॉ. अमित चौधरी एसोसिएट प्रोफेसर रसायन विभाग, धर्म समाज महाविद्यालय, अलीगढ़	व्याख्यान का विषय : 'Roll of chemistry in service of mankind'
59.	नव नियुक्त प्राध्यापकों का तीन दिवसीय उन्मुखीकरण	28, 29 एवं 31 दिस., 2015	मुख्य अतिथि 1. डॉ. प्रदीप कुमार एसो. प्रो. एवं अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, डी. एस. कॉलेज, अलीगढ़ 2. डॉ. जे. पी. सिंह एसो. प्रो. एवं अध्यक्ष, शिक्षक शिक्षा विभाग डी. एस. कॉलेज अलीगढ़ 3. डॉ. पुनीता गोविल एसोसिएट प्रोफेसर, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़	शिक्षकगण : 1. श्रीमती सरिता याजनिक 2. श्रीमती शोभा सारस्वत 3. श्रीमती आभाकृष्ण जौहरी 4. श्री पुष्पेन्द्र मोहन वार्ष्णेय 5. सुश्री भावना सारस्वत 6. श्री अखिलेश कौशिक ये सभी प्रशिक्षक ज्ञान महाविद्यालय में प्राध्यापक हैं।
60.	महाविद्यालय में सहभोज	1 जनवरी, 2016	----------	महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के लोगों ने सहभोज में भाग लिया। महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल, अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी तथा प्रबंधक श्री मनोज यादव ने भी सहभोज का आनन्द लिया।
61.	विज्ञान संकाय का शैक्षिक भ्रमण	5-1-2016	----------	विज्ञान संकाय के 40 विद्यार्थी तथा 08 प्राध्यापक एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण हेतु महाविद्यालय की बस से मथुरा-वृन्दावन गये।
62.	वाणिज्य संकाय का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण	7-1-2016	----------	वाणिज्य संकाय के 44 विद्यार्थी व 04 प्राध्यापक शैक्षिक भ्रमण हेतु फतेहपुर सीकरी तथा आगरा गये।
63.	''पहल'' कार्यक्रम में गरम कपड़ों का वितरण	6-1-2016 से 8-1-2016	----------	महाविद्यालय के शिक्षक तथा विद्यार्थियों द्वारा एकत्र किये गरम कपड़ों का वितरण

Scanned by CamScanner

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	भाग लेने वाले अतिथि	विशेष विवरण
				महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गये 14 गाँवों के क्षेत्र मे स्थित ईंट भट्टों के जरूरतमंद मजदूरों को किया गया।
64.	कला संकाय का शैक्षिक भ्रमण	9-1-2016	----------	कला संकाय के विद्यार्थी तथा प्राध्यापक एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण पर मथुरा-वृन्दावन गये।
65.	एन.एस.एस. का प्रथम एक दिवसीय शिविर	12.1.2016	मुख्य अतिथि : श्री यतेन्द्र कुमार, ग्राम प्रधान, पड़ियावली	राष्ट्रीय युवा दिवस भी मनाया गया।
66.	अनाथालय को खिचड़ी का दान	13.1.2016	----------	अलीगढ़ स्थित अनाथालय को कच्चे, दाल, चावल भेंट किए।
67.	ग्राम प्रधानों का स्वागत, कम्बल वितरण समारोह तथा खिचड़ी भोज	14.1.2016	मुख्य अतिथि : डॉ.अमित चतुर्वेदी क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू विशिष्ट अतिथि : डॉ.अवधेश कुमार पाण्डेय सहायक निबन्धक, इग्नू	महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल, ज्ञान आई.टी. आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल, महाविद्यालय प्रबन्धन की श्रीमती रितिका गोयल कार्यक्रम में उपस्थित थीं।
68.	एन.एस.एस. का द्वितीय एक दिवसीय शिविर	15.1.2016	मुख्य अतिथि : श्री दीपक शर्मा उप सम्पादक, अमर उजाला	महाविद्यालय के प्रबन्धक श्री मनोज यादव, मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह तथा प्राचार्य डॉ.वाई.के. गुप्ता शिविर में उपस्थित थे।
69.	भौतिक विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान	18.1.2016	अतिथि वक्ता - डॉ. मंजू गिरी अध्यक्षा, भौतिक विज्ञान विभाग डी. एस. कॉलेज अलीगढ़	व्याख्यान का विषय : 'Semi conductor and its applications'
70.	तेल व गैस का संरक्षण एवं बचाव पर विचार गोष्ठी एवं प्रतियोगिता	19.1.2016	मुख्य अतिथि : श्री ज़े. सी. आहूजा टेरिटरी मैनेजर भारत पैट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड विशिष्ट अतिथि : श्री दीपांकर चौधरी सेल्स आफीसर बी. पी. सी. एल.	महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल भी पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रहे।
71.	एन.एस.एस. का तृतीय एक दिवसीय शिविर	19.1.2016	मुख्य अतिथि : श्री जे. सी. आहूजा विशिष्ट अतिथि :	महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल, ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल

Scanned by CamScanner

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	भाग लेने वाले अतिथि	विशेष विवरण
			श्री दीपांकर चौधरी सेल्स आफीसर (दोनों बी.पी.सी.एल. के अधिकारी हैं)	तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता शिविर में भाग लिया।
72.	राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में ग्रीटिंग कार्ड प्रतियोगिता का आयोजन	22.1.2016	----------	महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।
73.	ज्ञान मार्ग का उद्घाटन समारोह	25.1.2016	मुख्य अतिथि : हाजी जमीर उल्लाह विधायक विशिष्ट अतिथि : 1. डॉ. कृपाल सिंह सदस्य, ए. डी. ए. 2. श्री पूरनमल शास्त्री सदस्य, ए. डी. ए. 3. श्री सी.पी.सिंह पूर्व जिलाध्यक्ष, समाजवादी पार्टी, अलीगढ़	महाविद्यालय के चेयरमैन श्री दीपक गोयल, ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल, महाविद्यालय प्रबन्धन की श्रीमती रितिका गोयल तथा प्रबन्धक श्री मनोज यादव आदि उपस्थित थे।
74.	गणतन्त्र दिवस समारोह का आयोजन	26.1.2016	----------	प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने ध्वजारोहण किया।
75.	राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर का ग्राम पड़ियावली में आयोजन	03.2.2016 से 09.2.2016 तक	मुख्य अतिथि: श्री दीपक गोयल सचिव अध्यक्षता डॉ. वाई. के. गुप्ता विशिष्ट अतिथि 1. डॉ. गौतम गोयल 2. श्री यतेन्द्र कुमार (ग्राम प्रधान, पड़ियावली)	विशेष शिविर में स्वच्छता अभियान, बौद्धिक सत्र, जल संरक्षण एवं पॉलिथीन मुक्त अभियान, समूह परिचर्चा वृक्षारोपण आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

श्रद्धा सुमन

हमारे महाविद्यालय की चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी श्रीमती मीना देवी का दिनांक 1 दिसम्बर, 2015 को आकस्मिक निधन हो गया। ज्ञान परिवार इनके निधन पर हार्दिक शोक व्यक्त करता है तथा दिवंगत आत्मा की शान्ति एवं शोक संतृप्त परिवार को इस असीम दुःख को सहने की क्षमता प्रदान करने हेतु परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है।

Scanned by CamScanner

ज्ञान महाविद्यालय की सहयोगी संस्था

ज्ञान निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान

आगरा रोड, अलीगढ़ – 202002

NCVT व श्रम मंत्रालय से मान्यता प्राप्त इलैक्ट्रीशियन व फिटर

ज्ञान निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य एवं स्टाफ

••• बढ़ते कदम •••

Scanned by CamScanner

Tel.: +91-92194-19405 **E-mail:** gyanmv@gmail.com **Visit us:** www.gyanmahavidhyalaya.com

मुद्रक : नवमान आफसैट प्रिन्टर्स – 09358251032

Scanned by CamScanner